वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report
(2022-2023)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)

उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रान्सपोर्ट नगर के पीछे (तीनपानी बाईपास), हल्द्वानी- 263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड

University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani-263139, Nainital, Uttarakhand

सम्पादन

डॉ. नन्दन कुमार तिवारी – समन्वयक

© उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

प्रकाशक : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

मुद्रण : उत्तरायण प्रकाशन, हल्द्वानी

University Grants Commission
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110002

2308-2766
F.No.UGC/DEB/2013
Dated 14.10.2013

The Registrar/ Director
Of all the Indian Universities
(Deemed, State, Central Universities/
Institutions of National importance)

Subject: Equivalence of Degrees awarded by Open and Distance Learning (ODL) Institutions at par with Conventional Universities / Institutions

Sir/ Madam,

There are a number of Open and Distance Learning Institutions (ODLIs) in the country offereing Degree/ Diploma/ Certificate programmes through the mode of non formal education. These comprise Open Unviersities, Distance Education Universities, Deemed to be Unviersities, Institutions of National Importance or any Council/ Societies registered under the Society Registration Act 1860.

2. A circular was earlier issued vide UGC letter Fl No.-52/2000 (CPP-11) dated May 05, 2004 (copy enclosed) mentioning that Degrees/Diplomas / Certificates / awarded by the Open Universities in conformity with the UGC notification of degree be treated as equivalent to corresponding awards of the traditional Unviersities in the country.
3. Attention is also invited to UGC circular No Fl-25/93(CPP-II) dated 28th July 1993 (copy enclosed) for recognition of degrees and diplomas as well as transfer of credit for course successfully completed by students between the two types of Universities / institutions is ensured without any difficulty.
4. The Government of India, in exercise of ots power conferred under section 20 (1) of UGC Act 1956, issued directions dated 29th December 2012 entrusting UGC with the responsibility of regulating higher education programme in open and distance learning (ODL) mode. Consequently, Universities/ Institutions desirous of offering any programme through distance mode would require recognition of UGC.
5. As you are aware, the Government of India has envisaged a greater role for the Open and Distance Education System. The envisaged role may be fulfilled by recognizing and treating the Degrees / Diplomas / Certificates awarded through distance mode at par with the degrees obtained through the formal system of education. Open and Distance Education System in the country is contributing a lot in expansion of Higher Education and for achieving target of GER, without compromising on quality. Non recognition / non equivalence of degrees of ODl Instituions for the purpose of promotion/ employment and pursuing higher education may prove a deterrent to many learners and will untimately defeat the purpose of Open and Distance Education.
6. Accordingly, the Degrees / Diplomas/ Certificates awarded for programmes conducted by the ODL institutions, recognized by DEC (erstwhile) and UGC, in conformity with UGC Notification on specification of Degrees should be treated as equivalent to the corresponding awards of the Degree/Diploma/Certificate of the traditional Universities/ Instituions in the country.

(Vikram Sahay) 14/10/13
Director (Admn)
Tel: 011 23230405
Email: vikramsahay7@gmail.com

Encl: As above

Copy to:

1. Secretary, Government of India, Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001
2. Secretary, All Indian Council for Technical Education, 7th Floor, Chandra Lok Building, Janpath, New Delhi.
3. Secretary, Association of Indian Unviersities, AIU House, 16 Comrade INdrajit Gupta Marg (Kolta Marg), New Delhi-110002.

अनुक्रमणिका (Index)

	पृष्ठ संख्या
कुलपति की कलम से	1
आमुख (Preface)	2
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय: एक परिचय	3
विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों एवं कुलसचिवों की सूची	4
1. पाठ्यचर्या आयाम (Curricular Aspects)	5-10
2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन (Teaching: Learning and Evaluation)	11-69
3. शोध, परामर्श एवं प्रसार (Research, Consultancy and Extension)	70-84
4. अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन (Infrastructure and Learning Resources)	85-92
5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ एवं प्रगति (Student Support and Progression)	93-101
6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन (Governance, Leadership and Management)	102-103
7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें (Innovations and Best Practices)	104-144
APPENDICES	145
Appendix I सप्तम दीक्षान्त समारोह (Seventh Convocation)	146
Appendix II दीक्षान्त समारोह में शोधोपाधि लेने वाले शिक्षार्थियों की सूची	148
Appendix III कार्य परिषद् (Executive Council)	149
Appendix IV विद्या परिषद् (Academic Council)	150
Appendix V योजना परिषद् (Planning Board)	151
Appendix VI वित्त समिति (Finance Committee)	152
Appendix VII विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य(Members of the University Authority)	153-154
Appendix VIII प्रेस विज्ञप्ति (Press Release)	155
Appendix IX विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन (Human Resources of the University)	156-162
Appendix X उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम (Programmes of the University)	163-167
Appendix XI क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centers)	168
Appendix XII अध्ययन केन्द्रों की सूची (List of Study Centers)	169-174

कुलगीत

जहाँ ज्ञान श्रद्धा से जुड़ता, जहाँ ज्ञान चेतना बसे;
जहाँ ज्ञान का योग निरन्तर, जहाँ ज्ञान से मुक्ति मिले,
जहाँ ज्ञान से बिछुड़ों की भी आशाओं के दीप जले;
जहाँ सभी को ज्ञान-यज्ञ में आहुति का अधिकार मिले।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

पर्वत की श्रृंखला यहाँ दृढ़ता के पाठ पढ़ाती;
निर्मल जल-धारायें निशि-दिन कल-कल गीत सुनातीं,
भाँति-भाँति की औषधियाँ, फल-फूल, प्रकृति मुसुकाती;
देवभूमि की सुन्दरता से अमरावती लजाती।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

परम्परायें यहाँ ज्ञान की, तपोभूमि भारत की;
ज्ञानभूमि है यही विवेकानन्द, आदि-शंकर की,
धरा यही ऋषियों-मुनियों की, योग-ध्यान साधन की;
बहीं शारदा, सरयू, यमुना, कोख यही सुरसरि की।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

विद्या देती विनय-पात्रता, शुभ प्रसाद धन-सुख का;
ज्ञान मोक्ष का द्वार, यही उद्घोष देव-संस्कृति का,
नई विधायें, नई दिशायें, पथ नवीन आशा का;
मुक्त विश्वविद्यालय अपना, है अभियान प्रगति का।।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से जिसमें किसी संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग भी है, अधिसंख्यक जनसमुदाय में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में अभिवृद्धि करेगा और अपने क्रियाकलापों को संचालित करने में अधोलिखित विनिर्दिष्ट उद्देश्यों का सम्यक् ध्यान रखेगा-

1-विश्वविद्यालय राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए जो राज्य की समृद्ध परम्पराओं पर आधारित हो राज्य की जनता की संस्कृति और उसके मानवीय संसाधनों की उन्नति और अभिवृद्धि के लिए शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण और विस्तारण के माध्यम से, प्रयास करेगा। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए वह-

क. नियोजन की आवश्यकताओं से सम्बन्धित तथा देश की अर्थव्यवस्था के, उसके प्राकृतिक और मानवीय साधनों के आधार पर, निर्माण के लिए आवश्यक उपाधि, डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा और उन्हें विविध प्रकार का बनायेगा;

ख. जनता के बड़े भागों और विशिष्टतया सुविधारहित समूह को, जैसे कि वे समूह जो दूरस्थ व ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे हैं, जिनके अंतर्गत श्रमजीवी जनता, घरेलू महिलायें और ऐसे वयस्क हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के माध्यम से ज्ञान बढ़ाने व अर्जित करने की इच्छा रखते हैं, उच्चतर शिक्षा तक उनकी पहुँच के लिए उपबन्ध करेगा;

ग. शीघ्रता से विकसित और परिवर्तित होने वाले समाज में ज्ञान के अर्जन का संवर्धन करेगा और मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों में नव-परिवर्तन, अनुसन्धान, शोध के सन्दर्भ में ज्ञान, प्रशिक्षण और कुशलता बढ़ाने के लिए लगातार अवसर प्रस्तुत करने के लिए प्रयास करेगा;

घ. ज्ञान के नये क्षेत्रों में विद्या की अभिवृद्धि करने और उसे विशिष्टतया प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विद्या के तरीकों और गति, पाठ्यक्रमों के मिश्रण, नामांकन की पात्रता, प्रवेश की आयु, परीक्षाओं के संचालन और कार्यक्रमों के प्रवर्तन के सम्बन्ध में सुनिश्चय और निर्बाध विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा की नई प्रणाली के लिए उपबन्ध करेगा;

ङ. औपचारिक पद्धति की अनुपूरक अनौपचारिक पद्धति का उपबन्ध करके और विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित पाठों और अन्य सॉफ्टवेयर का व्यापक रूप से उपयोग करके गुणवत्ता के अन्तरण को और शिक्षण कर्मचारी वृन्द के विनिमय को प्रोत्साहित करके शैक्षणिक पद्धति के सुधार में सहयोग देगा;

च. देश की विभिन्न कलाओं, शिल्पों और कुशलताओं में, उनकी गुणवत्ता में सुधार करके जनता के लिए उनकी उपलब्धता में वृद्धि करके शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध करेगा;

छ. ऐसे कार्यकलापों या संस्थाओं के लिए अपेक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध या प्रबन्ध करेगा;

ज. अध्ययन के यथोचित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए उपबन्ध करेगा और अनुसन्धान को बढ़ावा देगा;

झ. अपने छात्रों के लिए परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिए उपबन्ध करेगा; और

ञ. अपनी नीति एवं कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता व मानव व्यक्तित्व के समन्वित विकास में वृद्धि करेगा।

2- विश्वविद्यालय दूर और अनुवर्ती शिक्षा के विविध माध्यमों से उक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास करेगा और उच्चतर शिक्षा के विद्यमान विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के सहयोग से कृत्य करेगा और नवीनतम ज्ञान का और नई शिक्षण प्रौद्योगिकी का ऐसी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए जो समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप हो, पूर्ण उपयोग करेगा।

(उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005)

महामहिम लेफ्टिनेन्ट जनरल गुरमित सिंह

श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रो० ओम प्रकाश सिंह नेगी
कुलपति
Prof. Om Prakash Singh Negi
Vice Chancellor

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

कुलपति की कलम से

शिक्षा व्यक्ति की अंतनिर्हित क्षमता तथा उसके व्यक्तित्व की विकसित करने वाली प्रक्रिया है। अत: इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु शिक्षार्थियों को सक्षम बनाने की दृष्टि से मूल्यपरक व गुणवत्तापूर्वक शिक्षा भी आवश्यक है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समाज के प्रत्येक वर्ग को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए कटिबद्ध है।

विश्वविद्यालय के स्थापना-काल से लेकर अब तक की हमारी यात्रा उपलब्धियों से भरी है। अपने सीमित संसाधनों में हमने राज्य के श्रेष्ठ विश्वविद्यालय की सूची में स्थान प्राप्त किया है। पिछले वर्ष ही उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ था। विश्वविद्यालय को प्रथम प्रयास में ही राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा B++ ग्रेड प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षकों का चयन राज्य के श्रेष्ठ शिक्षकों में हुआ। इस उपलब्धि का कारण यह है कि हम अपने कार्य, लक्ष्य तथा उद्देश्य के प्रति एकाग्र रहे हैं तथा हमने शिक्षा, शिक्षण एवं छात्र की केन्द्रीयता स्थापित की है। हमारी शैक्षिक पहुंच प्रदेश के कोने-कोने तक है। जहाँ हम अपनी भौगोलिक पहुंच में प्रदेश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय हैं, वहीँ तकनीकी कुशलता और गुणवत्तापरक मानवीय संसाधनों में भी हम सबसे आगे रहे हैं। हमारी छात्र संख्या क्रमश: बढ़ती रही है। यह तथ्य इस बात का संकेतक है कि छात्र और समाज में हमारी साख निरंतर सुदृढ़ हुई है।

यह प्रसन्नता का विषय है कि उत्तराखंड राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने वाला देश का प्रथम राज्य बन गया है। इस दिशा में कार्य करते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा भी NEP-2020 के अनुरूप स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम निर्मित कर लागू कर दिया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में कौशल विकास व value added course से संबंधित ऑनलाइन माइक्रोफाइनेंस और वेब टेक्नोलोजी कोर्स पढ़ाया जा रहा है। ये दोनों पाठ्यक्रम स्वयं पोर्टल के माध्यम से नि:शुल्क संचालित किये जा रहे हैं। वर्ष 2023 में UGC (DEB) के द्वारा विश्वविद्यालय को सर्वाधिक पाठ्यक्रमों की मान्यता मिली तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश हेतु सर्वाधिक शिक्षार्थियों द्वारा ABC ID बनायी गयी।

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के सात मानकों – पाठ्यक्रम पक्ष, शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन, शोध, परामर्श एवं प्रसार अधिसंरचा एवं अधिगम संसाधन छात्र समर्थन एवं प्रगति, शासन, नेतृतव एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें- को ध्यान में रखते हुए उसके अनुरूप निर्मित किया गया है। इस प्रतिवेदन में अप्रैल 2022 से लेकर मार्च 2023 तक की विश्वविद्यालय की विविध गतिविधियों का समावेश किया गया है।

सम्प्रति मुझे हर्ष है कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मैं इसके लिए विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को बधाई व शुभकामनायें साथ ही प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन निर्मित करने वाले सम्पादक मण्डल को बधाई।

प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी
कुलपति

Vishvidhyalaya Marg, Near T.P. Nagar, Haldwani-263139 (Nainital) Uttarakhand, विश्वविद्यालय मार्ग, निकट टान्सपोर्ट नगर, हल्द्वानी–263139 (नैनीताल) उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

आमुख (Preface)

Ref. No. UOU .....

Date .....

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2015 से लगातार प्रत्येक वर्ष वार्षिक प्रतिवेदन का निर्माण राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC)के सात मानकों के अनुरूप किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप ही विश्वविद्यालय को प्रथम बार वर्ष 2022 में NAAC समिति द्वारा मूल्यांकन में B++ ग्रेड प्राप्त हुआ। हमारा विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही सतत् प्रगति के पथ पर गतिमान है। इसका प्रमाण है कि वर्ष 2005 में जब विश्वविद्यालय की स्थापना हुई तब हमारे पास कोई संसाधन नहीं था यहाँ तक की भवन के नाम पर भी एक छोटे से किराये के मकान से हमारी यात्रा आरम्भ हुई थी और आज लगभग 19 वर्षों के पश्चात् हमारे पास अपना भवन, भौतिक संसाधन, संरचना आदि के साथ-साथ लगभग पर्याप्त साधन उपलब्ध हो चुका है। अभी हाल ही में विश्वविद्यालय का अपना एक परिसर देहरादून में निर्माणार्थ लगभग 22 बीघा भूमि भी हमें आवंटित हो चुका हैं। जिस पर निकट भविष्य में निर्माण कार्य भी आरम्भ होने की पूरी संभावना है।

विश्वविद्यालय में वर्ष 2006-07 में जहाँ हमारी छात्र संख्या मात्र 2776 थी, आज लगभग 1 लाख के आसन्न पहुँच चुकी है। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि विश्वविद्यालय पिछले 12-15 वर्षों में कितनी प्रगति कर चुका है। छात्रों के साथ-साथ अब यहाँ शैक्षणिक-गैर शैक्षणिक विश्वविद्यालय परिवार की संख्या भी लगभग 300 से ज्यादा हो चुकी है। इससे कार्य गतिविधियों में भी निरन्तरता और कुशलता में भी अभिवृद्धि हुई है। प्रतीची विषयों के साथ-साथ प्राच्य विद्याओं का भी सुन्दर मेल इस विश्वविद्यालय की शोभा को ओर अत्यधिक बढ़ाने का कार्य करता है। सामान्य के साथ-साथ दिव्यांगों के लिए भी यह विश्वविद्यालय सतत् कार्य कर रहा है अभी हाल ही में कुछ समय पूर्व हमें दिव्यांगों के क्षेत्र में विशेष कार्य हेतु राष्ट्रपति सम्मान भी प्राप्त हुआ है। इससे विश्वविद्यालय की गरिमा में और वृद्धि हुई है। सीमित अवधि और अल्प संसाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है,जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुदूरक्षेत्रों तक है।वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानीके अतिरिक्त देहरादून में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 126अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है।

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 में अप्रैल 2022 से मार्च 2023 पर्यन्त विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख है। इस वार्षिक प्रतिवेदन निर्माण में NAAC के सात मानकों को विशेष रूप से आधार बनाया गया है। मैं इसके निर्माण के लिए सम्पादक बन्धु को विशेष रूप बधाई देता हूँ।

प्रोफेसर पी.डी. पन्त
कुलसचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

Teenpani Bypass, Haldwani - 263139, Nainital, Uttarakhand तीनपानी बाईपास, हल्द्वानी - 263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड
Tel.: 05946-286 000 • **Toll Free No.:** 1800 180 4025 • **Fax:** 05946-264 232 • **E-mail:** info@uou.ac.in • **Website:** www.uou.ac.in

विश्वविद्यालय: एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, उत्तराखण्ड शासन के एक्ट 23, 2005 द्वारा विधानसभा में पारित प्रस्ताव के माध्यम से हुई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा को प्रदान करना, शिक्षा को रोजगारपरक एवं तकनीकी रूप में सर्वजन सुलभ ढंग से उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों तक के निवासियों तक पहुँचाना तथा शिक्षा को सर्वजन सुलभ बनाना है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना को 19 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन 19 वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने प्रगति की नित्य-नवीन ऊँचाइयों को छुआ है। सीमित अवधि और अल्प संसाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुदूर क्षेत्रों तक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानी के अतिरिक्त देहरादून में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 126 अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है। मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र और विकेन्द्रीकरण का अद्भुत समन्वय होता है। एक ओर इसकी अपनी संदृष्टि और कार्य–उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न केन्द्र होते हैं, अर्थात् एक केन्द्र और फिर उसके बहुकेन्द्र। इस प्रक्रिया में केन्द्रीयता भी होती है और जनबद्ध-बोझिल एकरूपता का अभाव भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों पर संचालित होने वाले कार्यक्रम इसकी लोकधर्मिता, संजीवता व व्यापक प्रकार की ही प्रतिध्वनि हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में लगभग 100 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें प्राच्य विद्याओं के साथ-साथ आधुनिक विषयों का भी समावेश है। यथा - मानविकी विद्याशाखान्तर्गत (हिन्दी, अंग्रेजी, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, संस्कृत, संगीत तथा उर्दू) समाज विज्ञान विद्याशाखान्तर्गत (इतिहास, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन), विज्ञान विद्याशाखान्तर्गत (भौतिकी, रसायन, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित) भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखान्तर्गत (जिओलॉजी, वानिकी, भूगोल) पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन, कम्प्यूटर साइंस, लाइब्रेरी साइंस आदि विषयों से लेकर प्रबन्धन एवं वाणिज्य, पर्यटन, व्यावसायिक अध्ययन जैसे रोजगारपरक विषय भी हैं।

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में अप्रैल 2022 से लेकर मार्च 2023 तक की विश्वविद्यालयीय क्रियाकलापों का उल्लेख है। सत्र 2022-2023 विश्वविद्यालय के लिए विशेष उपलब्धियों से युक्त रहा हैं। वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय की भौतिक संरचना तथा मानव संसाधन विकसित होने से निरन्तर कार्य में सुलभता हुई तथा कार्य क्षेत्र का विस्तार हुआ। वर्ष 2022 विश्वविद्यालय के लिए कई उपलब्धियों से भरा रहा जिसमें प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा मूल्यांकन में B^{++} ग्रेड मिला तथा दिव्यांगों के लिए विशेष कार्य हेतु 'राष्ट्रपति पुरस्कार' भी प्राप्त हुआ।

इसी कालावधि में विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 11 जनवरी 2023 को सप्तम दीक्षान्त समारोह का आयोजन भी किया गया, जिसमें वर्ष 2021-22 तक के उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाण-पत्र तथा उपाधियाँ दी गयी। इसके अतिरिक्त दो महानुभावों पद्म श्री कल्याण सिंह रावत एवं नन्द लाल भारती जी को माननीय कुलाधिपति द्वारा डी-लिट् की मानद उपाधि प्रदान किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों की सूची

क्रम सं.	नाम	कार्यकाल	
		कब से	कब तक
1.	प्रोफेसर एस.एस. हसन	22-11-2005	15-07-2008
2.	श्री इन्दु कुमार पाण्डेय (अतिरिक्त प्रभार)	16-07-2008	24-11-2009
3.	प्रोफेसर विनय कुमार पाठक	25-11-2009	24-11-2012
4.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	25-11-2012	13-02-2013
5.	प्रोफेसर सुभाष धूलिया	14-02-2013	13-04-2016
6.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	14-04-2016	02-05-2016
7.	प्रोफेसर नागेश्वर राव	03-05-2016	17-07-2018
8.	प्रोफेसर डी.के. नौडियाल	18-07-2018	08-02-2019
9.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	08-02-2019	07-02-2022
10.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	08-02-2022	24-07-2022
11.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	25-07-2022	अब तक

कुलसचिवों की सूची

क्रम सं.	नाम	कार्यकाल	
		कब से	कब तक
1.	डॉ. एस.ए.चारी	20-01-2006	22-06-2006
2.	श्री महादेव प्रसाद (अतिरिक्त प्रभार)	03-11-2006	05-03-2007
3.	डॉ. अनिल कुमार जोशी	06-03-2007	19-12-2007
4.	डॉ. बी.आर.पन्त (विशेष कार्याधिकारी)	20-12-2007	21-06-2010
5.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	22-06-2010	27-12-2011
6.	श्री सुधीर बुड़ाकोटी	28-12-2011	24-07-2012
7.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	25-07-2012	25-12-2012
8.	प्रोफेसर जी.पी. पाण्डे	26-12-2012	16-09-2013
9.	श्री लक्ष्मण सिंह रावत	17-09-2013	16-09-2015
10.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	16-09-2015	04-12-2015
11.	प्रोफेसर आर.सी. मिश्र	04-12-2015	18-09-2018
12.	श्री भरत सिंह	18-09-2018	12-10-2020
13.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	12-10-2020	29-12-2020
14.	प्रोफेसर एच.एस. नयाल	29-12-2020	10-03-2022
15.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	11-03-2022	10-08-2022
16.	डॉ. रश्मि पन्त	10-08-2022	9-08-2023
17.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	09-08-2023	अब तक

1. पाठ्यचर्या आयाम
(Curricular Aspects)

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके शैक्षणिक कार्यक्रम उसके दृष्टिगत दायित्व के परिचालक होते हैं। विश्वविद्यालय जब किसी विषय में कोई पाठ्यक्रम संचालित करता है, उससे हम उसकी क्रियात्मकता एवं समाज के प्रति उसकी दृष्टि एवं उत्तरदायित्वों को समझ सकते हैं। शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के आंतरिक दर्शन का बाह्य विस्तार होता है, कारण यह है कि इन्हीं के माध्यम से वह अपने शैक्षिक–सामाजिक उत्तरदायित्वों का प्रसार करता हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय उत्तराखण्ड के दूरस्थ व्यक्तियों को उच्च शिक्षा से तो जोड़ना है ही, साथ ही विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी कृत संकल्प है कि राज्य एवं देश के अध्येताओं को तकनीकी एवं आधुनिक विषयों को उच्च शिक्षण सामग्री के साथ प्रस्तुत करे, जिससे अध्येताओं के सामने गम्भीर चिन्तन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत हो सके। इस समय विश्वविद्यालय 100 से भी अधिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है, जो परम्परागत पाठ्यक्रम (बी.ए, एम.ए., बी.कॉम, एम.कॉम) से लेकर आधुनिक रोजगारपरक विषयों से भी जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष कुछ नए पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, रेडियो जॉकी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ ही संस्कृत तथा ज्योतिष जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय इस बात के लिए कृतसंकल्प है कि वह अपने पाठ्यक्रमों में परम्परागत शिक्षा के साथ ही आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी समावेश कर सके।

1.1. कार्यक्रम की प्रकृति (Nature of the Programmes)

पाठ्यक्रम के बाह्य संरचना के स्तर पर इसे वार्षिक, सेमेस्टर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विभक्त किया गया है। बी.ए, एम.ए. जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम वार्षिक हैं, जबकि एम.बी.ए., एम.जे.एम.जी एम.टी.एम, एम.एच.एम. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर पद्धति के अनुसार रखा जाता है। भविष्य में बी.ए, एम.ए, बी.कॉम, एम.कॉम जैसे पारम्परिक पाठ्यक्रमों को भी सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत रखे जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रखा गया है।

1.2. पाठ्यक्रम और क्रेडिट प्रणाली (Syllabus and Credit System)

मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति में प्रत्यक्ष शिक्षण पद्धति के कक्षा–अध्यापन के समतुल्य स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है। यह अध्ययन सामग्री कक्षा अध्यापन का लिखित प्रतिरूप है, इसलिए एक विशेष व्यवस्था के तहत इसे नियोजित किया जाता है। पाठ्यक्रमों की समयावधि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विभाजित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विभिन्न श्रेणी के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग क्रेडिट्स तथा अध्ययन अवधि निर्धारित की गयी है। इस व्यवस्था में एक (01) क्रेडिट का अभिप्राय 30 घंटे के छात्र अध्ययन के बराबर माना जाता है, जिसमें समस्त अध्ययन गतिविधियॉ शामिल हैं, जैसे: पढ़ने और स्वअध्ययन सामग्री (SLM) को समझने, ऑडियो सुनने, वीडियो देखने, परामर्श सत्र में भाग लेने, दूरसंवाद और सत्रीय कार्य लेखन, इत्यादि।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित क्रेडिट एवं सामान्य अवधि का विवरण निम्नवत हैं-

पाठ्यक्रम	निर्धारित क्रेडिट	पाठ्यक्रम की सामान्य अवधि
प्रमाण-पत्र	12-18	6 मास
डिप्लोमा / पी.जी. डिप्लोमा	28-36	1 वर्ष

स्नातक उपाधि (सामान्य / व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष
स्नातक उपाधि (प्राविधिक)	160-105	5 वर्ष
द्वितीय स्नातक उपाधि	32	1 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (सामान्य)	60-66	2 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (प्राविधिक/व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष

1.3. विद्याशाखाएं (Schools)

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 14 विद्याशाखाओं एवं 52 विभागों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। ये विद्याशाखाएं निम्नलिखित हैं:-

1. कृषि एवं विकास अध्ययन
2. कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी
3. स्वास्थ्य विज्ञान
4. विज्ञान
5. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
6. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य
7. शिक्षाशास्त्र
8. मानविकी
9. समाज विज्ञान
10. विधि
11. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
12. पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन
13. व्यावसायिक अध्ययन
14. भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान

1.4. पाठ्यक्रम एवं स्व-अध्ययन सामग्री(Curriculum and SLM)

मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धति का आधार स्वचिंतन, स्वाध्याय एवं स्व-निर्माण है । प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति का आधार गुरू ज्ञान एवं गुरू व्यक्तित्व की समीपता है। प्रत्यक्ष शिक्षण- पद्धति में गुरू-शिष्य संवाद की पर्याप्त गुंजाइश तो है, किन्तु धीरे-धीरे उनका स्थान शिलाधर्मी गुरुओं के एकालापी वक्तव्य ने ले ली है। फलत: प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति एकालाप तथा ज्ञान के आतंक तक सीमित होती चली गयी। मुक्त शिक्षण पद्धति ज्ञान के एकालापी पद्धति की जगह गुरू–शिष्य संवाद को स्थापित करती है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री गुरू की लिखित उपस्थिति है। श्रेष्ठ लेखकों /प्राध्यापकों द्वारा निर्मितअध्ययन सामग्री छात्रों को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं ही ज्ञान के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित कर सकें। ज्ञान की सार्थकता तब तक नहीं होती जब तक कि वह छात्र के भीतर स्वयं ही प्रश्न निर्मित करने की योग्यता न उत्पन्न कर दे। मुक्त शिक्षा पद्धति में स्तरीय अध्ययन सामग्री के माध्यम से हम यह कार्य करते हैं। स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण में मनोवैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्र के वातावरण, उसकी मानसिक गति-स्थिति तथा प्रश्नों –सामग्री के क्रमिक विस्तार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया जाता है।

पाठ्यसामग्री का निर्माण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अत्यन्त महत्वपूर्ण घटकों में से है। पाठ्यक्रमों को सहज एवं बोधगम्य बनाने हेतु उन्हें सबसे पहले विषय केंद्रित खण्डों (ब्लॉक) में विभक्त किया जाता है। तत्पश्चात् प्रत्येक खण्ड को चार से छ: छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त किया जाता है। इस प्रक्रिया का मुख्य ध्येय यह है कि विद्यार्थी एक या दो चरण में एक इकाई का पूर्ण अध्ययन कर सके। पाठ्यवस्तु की शैली इस प्रकार नियोजित की जाती है कि वह कक्षा में अध्यापक की उपस्थिति को प्रतिबिंबित कर सके। इसलिए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के बीच-बीच में ऐसे प्रश्नों की श्रृंखला दी जाती है, जो उन्हें प्रेरित करने के साथ –साथ उस पाठ का तथ्यपरक ज्ञान भी करा सकें। कठिन तथा पारिभाषिक शब्दावली की आख्या द्वारा जटिल तथ्यों एवं विचारों को बोधगम्य बनाया जाता है। अध्ययनार्थियों को व्यापक एवं गहन अध्ययन के लिए उस विषय के महत्वपूर्ण तथा सहायक ग्रन्थों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। इकाई के अन्त में दिये गये प्रश्न परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों के लिए सहायक सिद्ध होते हैं।

1.5. ऑडियो – विजुअल सामग्री (Audio-visual Material)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति को रोचक एवं प्रभावशाली बनाये जाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडिया-विजुवल व्याख्यानों को विकसित किया गया है। ऑडियो-विजुअल की कुछ सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ ब्लॉक के अनुसार ऑडियो-विजुअल सामग्री का विकास किया जाए फलस्वरूप विद्यार्थी को पाठ्य की सामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके। विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो–विजुअल व्याख्यानों को 'एडुसेट' के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों मे अपने स्वयं के अध्ययन केंद्रो से प्रसारित करने की योजना है,जिससे विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इस दिशा में हमारे केंद्र कार्य कर रहे हैं और वे सफल रहे हैं।

1.6. स्व-अध्ययन पाठ्यसामग्री लेखन एवं प्रशिक्षण (Study material writing and training)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के कुछ एक वर्षों में ही अपनी पाठ्य सामग्री का निमार्ण प्रारंभ करा दिया था। आज विश्वविद्यालय ने लगभग सारे विषयों में अपनी पाठ्य सामग्री निर्मित कर ली है। विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री नवीन ज्ञान-विज्ञान, शोधपरक दृष्टि एवं तथ्यात्मकता से युक्त है। प्रत्येक विषय के समन्वयक के निर्देशन में विषय विशेषज्ञों की सहायता से विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री प्रत्यक्ष शिक्षण का विकल्प होता है, इसलिए इसकी लेखन-प्रक्रिया सामान्य पुस्तक लेखन प्रक्रिया से भिन्न होती है। सामान्य लेखन में लेखक अपने मतों को अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर देता है। उसके लेखन के केंद्र में कोई निश्चित पाठक नहीं होता। अत: वह अपने मत को व्यक्तिगत रूप देकर लिखता है। इस लेखन की अपनी स्तरीयता के अनुरूप ही पाठक स्वयं तय हो जाते हैं।

अत: लेखक पाठ की सम्प्रेषणीयता से मुक्त होता है, किन्तु मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री का निमार्ण सुनिश्चित पाठक के आधार पर होता है। इसलिए इसकी प्रक्रिया सरल भी होती है और ज्यादा वस्तुनिष्ठ भी। स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एक विशेष पद्धति (संवादात्मक) पर होता है, इसलिए यह पद्धति व्याख्यात्मक पद्धति से भिन्न होती है। इन्हीं कारणों से जब स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है, तब इसके लेखन में विशेष सावधानी की आवश्यकता पड़ती ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर बाह्य एवं आंतरिक विषय-विशेषज्ञों की सहायता से स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण की कार्यशाला आयोजित करता रहता है, जिससे उच्च पाठ्यसामग्री निर्मित हो सके। इस प्रकार के पाठ्यसामग्री लेखन की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण से एक तो विश्वविद्यालय की पाठ्यसामग्री उन्नत होती है तो दूसरे उनमें एकरूपता भी आती है।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री की रूपरेखा इस प्रकार है –

क्रम संख्या	विषय	विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री
1.	अंग्रेजी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
2.	हिन्दी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
3.	संस्कृत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
4.	ज्योतिष	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
5.	उर्दू	बी0ए0
6.	संगीत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
7.	समाज कार्य	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
8.	इतिहास	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
9.	लोक प्रशासन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
10.	राजनीति विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
11.	योग	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
12.	गृह विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
13.	पर्यटन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
14.	होटल मैनेजमेन्ट	डीएचएम & बीएचम
15.	अर्थशास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
16.	शिक्षाशास्त्र	बी0ए0 व एम0ए0/ बी0एड0 (शिक्षाशास्त्र) एवं बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा)
17.	लोक प्रशासन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
18.	जन्तु विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
19.	रसायन विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
20.	वनस्पति विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
21.	भौतिकी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
22.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	बी0 लिब0
23.	मनोविज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
24.	समाज शास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
25.	भूगोल	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री

विषयवार अध्ययन सामग्री की सूची

1.7 कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशाला/परियोजना कार्य

1.7.1 मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति में ज्ञान तथा पाठ को सैद्धान्तिक रूप देकर ही छोड़ नहीं दिया जाता अपितु उसे व्यावहारिक निकष पर भी परखा जाता है। ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला को एक प्रकार से हम

सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक परीक्षण या उपस्थापन के रूप में समझ सकते हैं। कार्यशाला आयोजन के पीछे मुख्य मत यह है कि छात्र द्वारा अध्ययन सामग्री के वाचन पश्चात उसके ज्ञान की व्यावहारिक उपस्थिति का पता लगाना। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अतिरिक्त बाह्य विषय-विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, जिससे छात्र विषय को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक रूप में ग्रहण करने की समुचित योग्यता धारण कर सके।

विज्ञान, शिक्षा, समाज कार्य, मनोविज्ञान, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त कुछ पाठ्क्रमों में परियोजना कार्य पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी के प्रायोगिक/व्यावहारिक/शोधपरक ज्ञान में वृद्धि हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षण पाठ्यक्रम मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की त्रिस्तरीय व्यवस्था द्वारा संचालित होते हैं। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 8 क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा नियन्त्रित तथा निर्देशित होते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र अपने क्षेत्र में स्थित अध्ययन केन्द्रों और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय तथा सक्रिय सहयोग की भूमिका निभाते हैं। अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार छात्रों का प्रवेश, पाठ्य-सामग्री परामर्श तथा प्रयोगात्मक कार्य से सम्बन्धित सभी कार्यों का सम्पादन करते हैं। समस्त शिक्षण कार्यों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केन्द्रों से ही होता है। इस समय विश्वविद्यालय में 121 अध्ययन केंद्र हैं।

1.8 निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं (आर.एस.डी.)

विश्वविद्यालय मुख्यालय में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग की स्थापना की गयी है। यह प्रभाग 8 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 121 अध्ययन केन्द्रों का नियमन एवं समन्वय करता है। यह अनुभाग क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों के संचालन का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग स्थिर करता है। (देखें परिशिष्ट – XII & XIII)

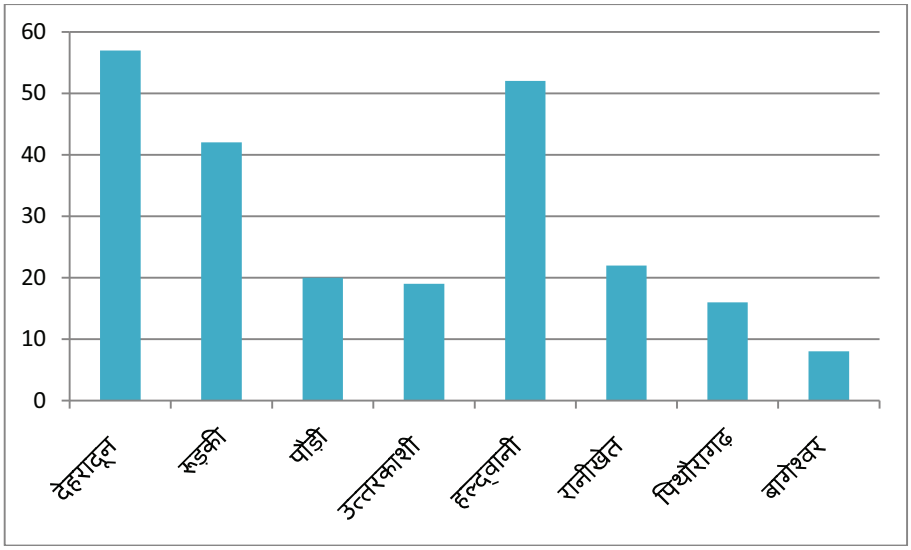

क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति

1.9 क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ये केन्द्र सामान्यतः भौगोलिक पहुंच एवं अध्ययन केन्द्रों की परिस्थिति के दृष्टिकोण से बीच की जगह में स्थापित किये गये हैं। ऐसे आठ क्षेत्रीय केन्द्र, जिसमें से चार गढ़वाल मण्डल में (देहरादून,रूड़की,पौड़ी एवं उत्तरकाशी) तथा चार कुमाऊँ मण्डल (रानीखेत, हल्द्वानी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़) में स्थापित किये गये हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

1.10 अध्ययन केन्द्र

अध्ययन केन्द्र मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति की प्राथमिक इकाई हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के द्वारा समुचित कार्यवाही के उपरान्त अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी सुविधानुसार अध्ययन केन्द्र चुनने की स्वतंत्रता होती है। छात्रों के प्रवेश के साथ साथ उनके लिए परामर्श सत्रों तथा प्रयोगात्मक कार्यों की व्यवस्था भी अध्ययन केन्द्रों द्वारा की जाती है। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रत्येक छात्र अपने विश्वविद्यालय से निरन्तर जुड़ा रहता है।

छात्र हित के दृष्टिगत विश्वविद्यालय में दो आदर्श अध्ययन केन्द्र यूओयू मॉडल स्टडी सेन्टर 16000 एवं देहरादून स्थित मॉडल स्टडी सेन्टर 11000 भी स्थापित किये गये हैं, जिसकी सहायता से छात्रों के समस्याओं का निराकरण किया जाता है।

2. 2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन

(Teaching: Learning and Evaluation)

2.1 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या

क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	छात्र संख्या
1	2006-07	2776
2	2007-08	1898
3	2008-09	1503
4	2009-10	629
5	2010-11	7380
6	2011-12	13729
7	2012-13	21316
8	2013-14	22272
9	2014-15	23875
10	2015-16	33095
11	2016-17	40,281
12	2017-18	68,230
13	2018-19	56,014
14	2019-20	79355
15	2020-21	90253
16	2021-22	90601
17	2022-23	89208

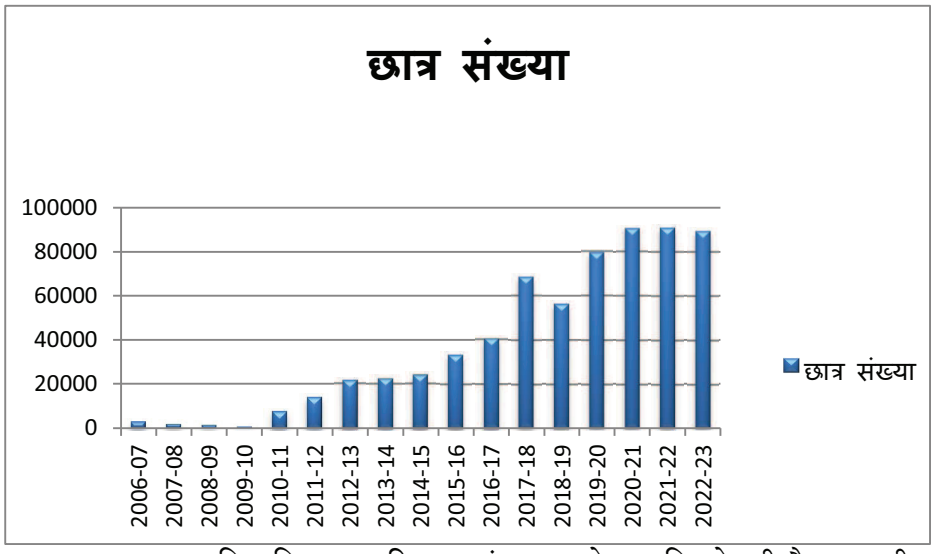

वर्ष वार छात्रों की संख्या

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्र संख्या उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। ऊपर दी गयी सारिणी में अवलोकन करने पर यह स्पष्ट हो रहा है कि जहाँ 2006-07 में हमारी छात्र संख्या महज 2776 थी, अब वर्ष 2022-23 में 89,208 पहुँच चुकी है। विकास की यह गति निरन्तर गतिमान है। UGC द्वारा विश्वविद्यालय को अन्य नवीन

पाठ्यक्रमों की मिल जाने से छात्रों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, भविष्य में भी इसकी अभिवृद्धि का अनुमान इसी प्रकार किया जा सकता है।

सामान्य / दिव्यांग छात्र

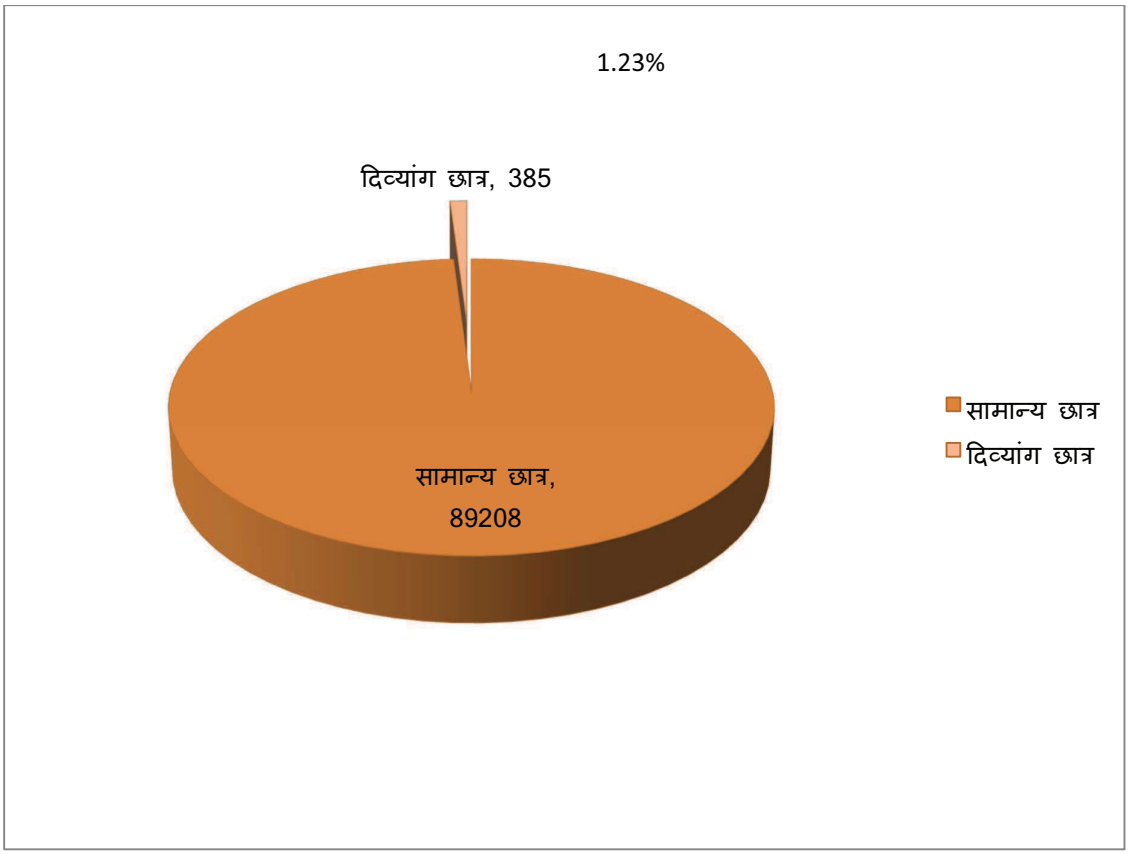

सामान्य/ दिव्यांग छात्र वर्तमान परिस्थिति

विश्वविद्यालय सामान्य छात्रों के साथ-ही-साथ दिव्यांग छात्रों के लिए भी कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष कुल 90,601 छात्रों में से 937 दिव्यांग छात्र थे। सत्र 2022-23 में कुल 89,208 छात्रों में दिव्यांगों की संख्या 385 है, जो कि विगत वर्ष से कम है। कोई भी समाज नहीं चाहता कि उसके यहाँ अप्राकृतिक रूप से कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व का निवर्हन करे। बावजूद इसके हमारा दायित्व है कि दिव्यांग छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन तो करता ही रहता है, साथ– ही-साथ अन्य मानवीय सहायता एवं सुविधा भी उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय का यह ध्येय है कि वह दिव्यांग छात्रों के भीतर आत्मविश्वास का संचार कर उन्हें इस योग्य बना दे, जिससे वह समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

- **पुरूष एवं महिला छात्र**

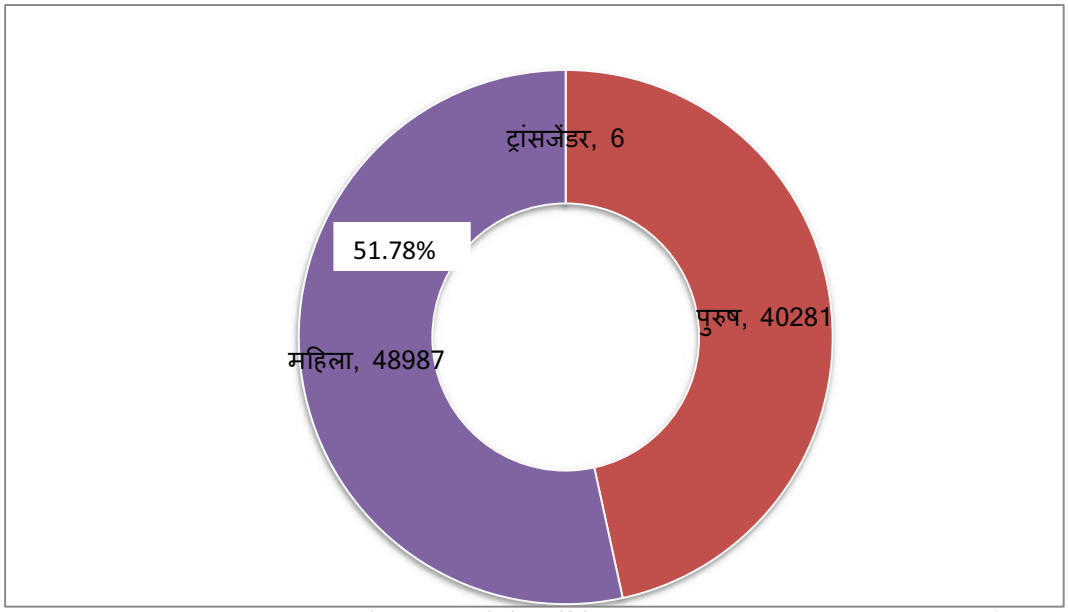

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पुरूष और महिला दोनों वर्गों के समान अधिकार व विकास का पक्षधर है। बावजूद हमने महिलाओं की सुविधा को विशेष रूप से दृष्टिगत रखा है। अपने महिला कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए हमने हमेशा उनको आगे रखा है। पुरूष और महिला छात्रों की संख्या में भी इसीलिए समानता है, बल्कि महिला छात्रों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही है। वर्ष 2021-22 में 42205 छात्रों के मुकाबले 48393 छात्रायें थीं। इस वर्ष छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। सत्र 2022-23 में 40281 छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या 48987 हैं। विगत वर्ष के अपेक्षा इस वर्ष महिला छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हम छात्राओं के प्रति एक अनुकूल अध्यापन परिसर का निर्माण विकास करने में सफल रहे हैं।

- **जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्र विभाजन**

Category-wise Numbers of Students

Year	GEN.	SC	ST	OBC
2012-13	16994	2095	508	3798
2013-14	16240	2062	537	3690
2014-15	16825	2348	744	4403
2015-16	28881	1375	717	2569
2016-17	26287	4022	1896	8076
2017-18	45995	7517	2707	12011
2018-19	37710	6523	2477	9304
2019-20	51911	10494	3972	12938
2020-21	57378	12285	4686	15838

2021-22	57263	12546	4333	16197
2022-23	56253	12547	3639	16084

वर्ष वार जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्रों की संख्या

किसी भी समाज का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक कि उस समाज के सभी वर्ग मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन जाते। भारतीय समाज का एक बड़ा अंतर्विरोध या विशेषता इसका जाति विभाजित समाज है। पूर्व की अपेक्षा आज हमारे समाज के सभी वर्गों की जातियाँ सामाजिक गतिशीलता में अपना योग दे रही हैं। एक अध्ययन परिसर के भीतर हमारा यह दायित्व है कि हम सभी वर्गों के लिए समान सुविधा व अवसर को विकसित कर सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग की सहायता से अनुसूचित जाति व जनजाति जाति के शुल्क वापसी का प्रावधान भी नियत किया है। विश्वविद्यालय के समावेशी चरित्र ने सभी वर्ग के छात्रों में अपनी विश्वसनीयता निर्मित की है। पिछले सत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ी जाति के 16197 छात्र थे, जबकि अनुसूचित जाति के 12546 एवं अनुसूचित जनजाति के 4333 छात्र नामांकित थे। इस वर्ष संख्या विगत वर्ष के लगभग समान ही है। सत्र 2022-23 में पिछड़े छात्रों की संख्या 16084 हो गई है, जबकि अनुसूचित जाति के 12547 छात्र एवं अनुसूचित जनजाति के 3639 छात्र नामांकित हैं।

विश्वविद्यालय में जाति वर्गीकरण के आधार पर नीचे दिए गए चार्ट द्वारा वर्षवार छात्रों की स्थिति का अवलोकन किया जा सकता है।

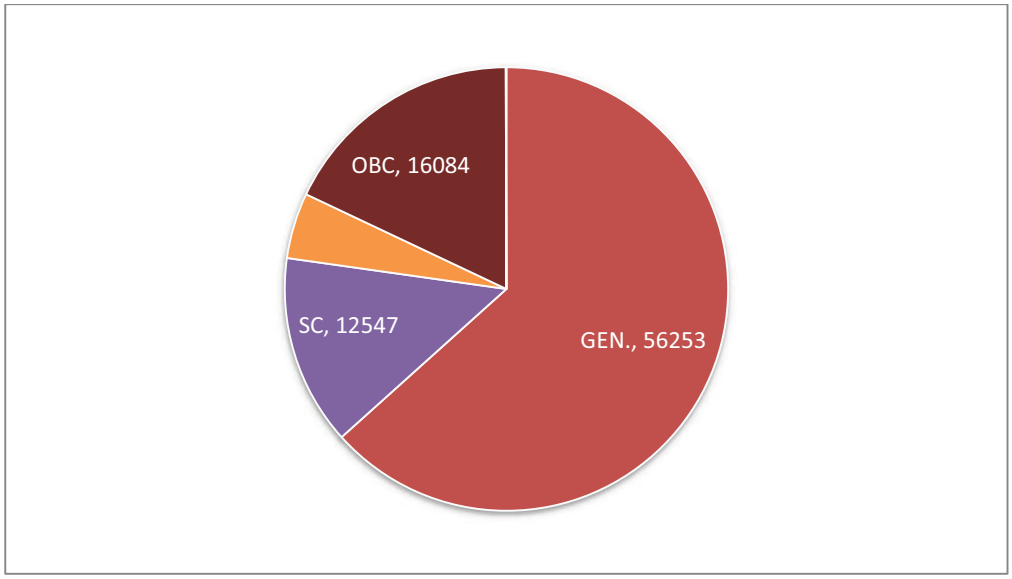

2.2 विद्याशाखाओं की अकादमिक गतिविधियाँ
(SCHOOL-WISE ACADEMIC ACTIVITIES)

मानविकी विद्याशाखा
(SCHOOL OF HUMANITIES)

❖ अंग्रेजी विभाग

- डॉ. सुचित्रा अवस्थी द्वारा विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया एवं सत्रीय कार्य निर्मित कर ऑनलाइन अपलोड किये गयें तथा अन्य विभागीय कार्यों के साथ-साथ अंग्रेजी विषय के पुस्तकों का सम्पादन किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. अवस्थी द्वारा सप्तम दीक्षान्त समारोह में प्रदत्त दायित्वों का निर्वहन भी किया गया।
- डॉ. नागेन्द्र गंगोला द्वारा अंग्रेजी विषय के स्नातक सम्बन्धित शिक्षार्थियों के लिए ऑडियो-विडिओ लेक्चर दिया गया और सेमेस्टर की पुस्तकों का सम्पादन भी किया गया।
- अंग्रेजी विभाग द्वारा BOS कराया गया जिसमें स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों को NEP-2020 के अनुरूप तैयार किया गया।

❖ वैदिक ज्योतिष विभाग

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा ज्योतिष, कर्मकाण्ड एवं वास्तु विषय के छात्रों को परामर्श सम्बन्धित कार्य किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 21 अप्रैल 2022 को सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय, प्रयागराज एवं ज्ञानभूमि एवं संस्कृत शौर्यम के संयुक्त तत्वाधान में ऑनलाइन आयोजित ''**सा विद्या या विमुक्तये**'' विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 28 अप्रैल 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, ज्योतिष विभाग द्वारा **''जन्मकुण्डल्यां राजयोग:''** विषयक ऑनलाइन आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा विश्वविद्यालय के ज्योतिष विषय के शोध छात्रों को ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- एम.ए. प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर ज्योतिष विषय के छात्रों को ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 2-3 मई 2022 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, रूईया छात्रावास द्वारा आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह में बतौर अतिथि प्रतिभाग किया गया। इस समारोह में डॉ. तिवारी को विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया।

BHU, वाराणसी, शताब्दी समारोह की छायाचित्र

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 15 मई 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, त्रिपुरा परिसर द्वारा आयोजित अमृतमहोत्सव ज्योतिषव्याख्यानमाला के अन्तर्गत **''खगोलशास्त्रस्य वैज्ञानिकं चिन्तनम्''** विषयक व्याख्यानमाला में प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 18 एवं 19 मई 2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित महिला जागरूकता कार्यक्रम में आयोजन समिति सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया और प्रदत्त कार्य दायित्वों का निर्वहन किया गया।
- डॉ. तिवारी द्वारा विश्वविद्यालयीय परीक्षा हेतु प्रश्नों पत्रों का निर्माण तथा मॉडरेशन आदि कार्य किया गया।
- दिनांक 27 मई 2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित **''शिक्षा के राष्ट्रीय सरोकार''** विषयक राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी में आयोजन समिति सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया और प्रदत्त कार्य दायित्वों का निर्वहन किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 28 मई 2022 से 31 मई पर्यन्त एम.ए. ज्योतिष (चतुर्थ सेमेस्टर) तथा प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया गया।
- दिनांक 21 मार्च 2023 को वैदिक ज्योतिष विभागीय विशेषज्ञ समिति तथा 24 मार्च 2023 को अध्ययन बोर्ड (BOS) की बैठक हुई। उक्त समिति द्वारा बी.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) के अनुरूप तैयार किया गया।
- दिनांक 25 मार्च 2023 को भारतीय कर्मकाण्ड विषयक अध्ययन बोर्ड (BOS) की ऑनलाइन बैठक हुई जिसके द्वारा बी.ए. पाठ्यक्रम को NEP-2020 के अनुरूप तैयार किया।

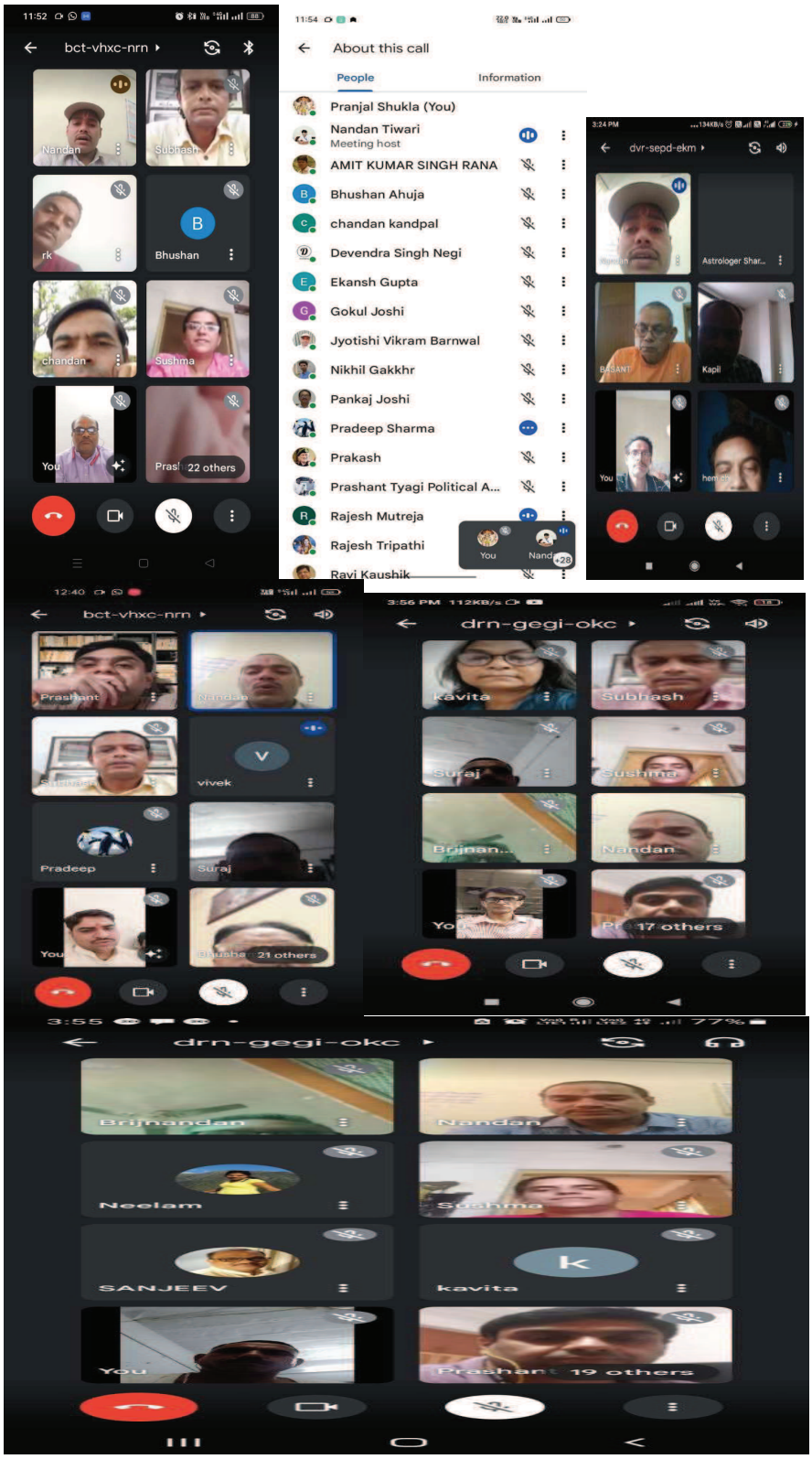

एम.ए. ज्योतिष चतुर्थ सेमेस्टर व द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों की ऑनलाइन क्लास की छायाचित्र

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 5-6 जून 2022 को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित "Depleting natural resources, Environmental crisis and remedies in Jambhani Philosphy" विषयक दो दिवसीय International Conference में प्रतिभाग किया गया।

Guru Jambheshwar Environment Conservation Research Chair
Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Raj.) India
On the occasion of World Environment Day
INTERNATIONAL CONFERENCE
on
DEPLETING NATURAL RESOURCES, ENVIRONMENTAL CRISIS AND REMEDIES IN JAMBHANI PHILOSOPHY
Certificate Awarded to
Registration No: 0981
JNVU/IC-2022/Participation-Cert/0981
Prof./Dr./ Ms/ Mr. Dr. Nandan Kumar Tiwari
Haldwani, Nainital, Uttarakhand
for active Participation in the International Conference held on June 5-6, 2022 organised by Guru Jambheshwar Environment Conservation Research Chair, Jai Narain Vyas University, Jodhpur, in Collaboration with Jambhani Sahitya Akademi, Bikaner Rajasthan (India).
We wish you a grand success in your life ahead.
Dr. R.K. Bishnoi
Convenor
Dr. O.P. Bishnoi
Director
Prof. (Dr.) K.L. Shrivastava
Vice - Chancellor

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 13 जून 2022 को राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति द्वारा आयोजित ज्योतिषव्याख्यानमाला के अन्तर्गत **''शकुनतत्वमीमांसा''** विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया गया।

राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः, तिरुपतिः
ज्योतिष-वास्तुविभागः
Lecture Series - I.K.S. 86 तमं व्याख्यानम्
दिनाङ्कः 13-06-2022, समयः – सायं 8-00 वादने, दिवसः- सोमवासरः
विषयः – "शकुनतत्त्वमीमांसा"
President
Prof. Radha Kant Thakur
Vice Chancellor (I/C)
National Sanskrit University,
Tirupati
Keynote Speaker
Dr. Nandan Kumar Tiwari
Head,
Department of Jyotisha
Uttarakhand Open University
Haldwani , Nainital
Google Meet
Meeting Link - https://meet.google.com/vvq-soxy-fsz

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 5 जून 2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा विश्वविद्यालयीय परीक्षा हेतु प्रश्नों पत्रों मॉडरेशन कार्य किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 1 जून 2022 से 21 जून 2022 पर्यन्त एम.ए. ज्योतिष (चतुर्थ सेमेस्टर) तथा प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को ऑनलाइन गूगल मीट तथा Zoom के माध्यम से ऑनलाइन कक्षायें (Classes) ली गयी।

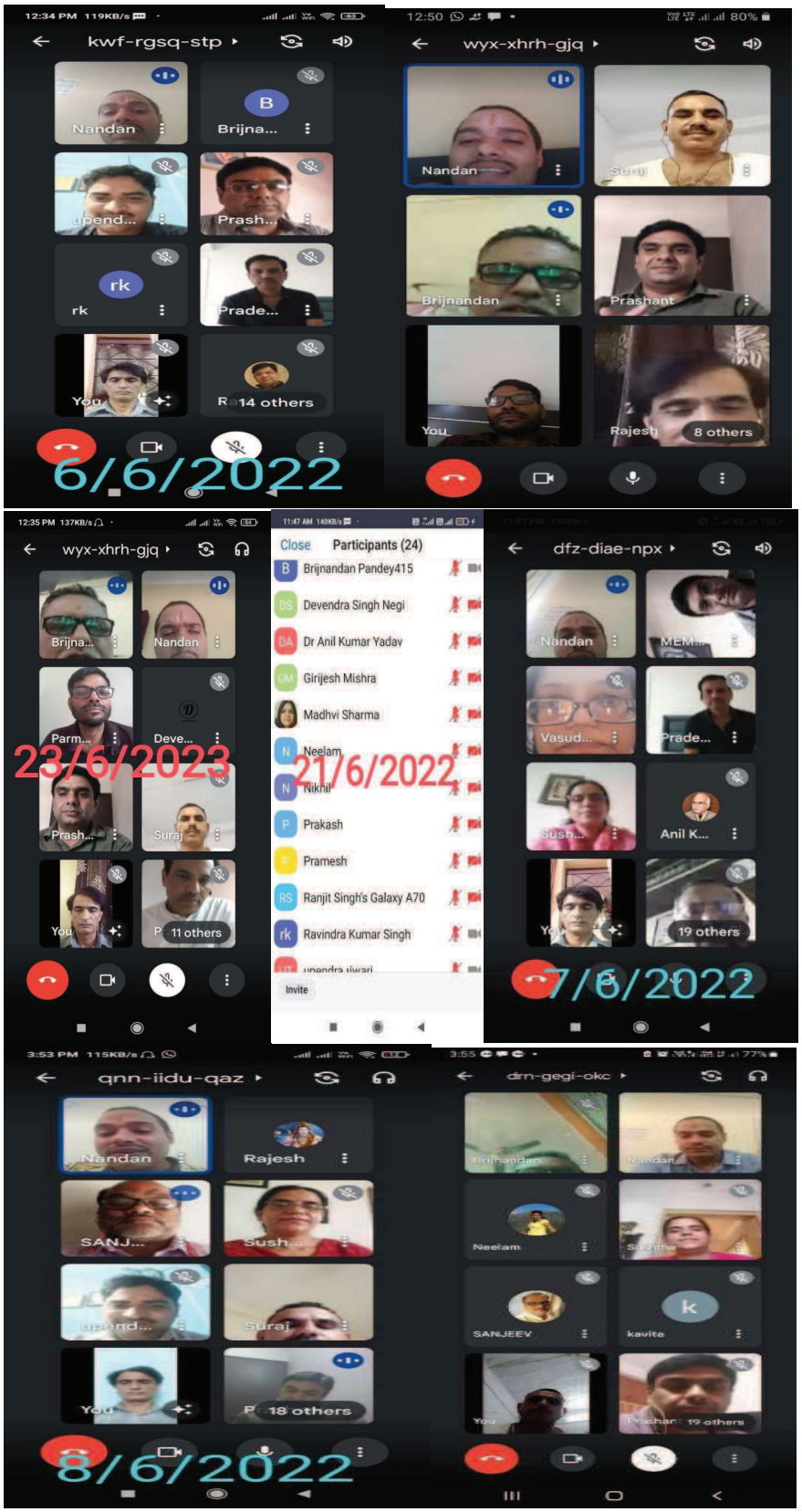

एम.ए. ज्योतिष चतुर्थ सेमेस्टर व द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों की ऑनलाइन क्लास की छायाचित्र

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 11 जुलाई 2022 से 23 जुलाई 2022 पर्यन्त UGC-HRDC हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा ऑनलाइन आयोजित 2 Week Refresher Course on Indigenous Knowledge & Ethics (Inter/ Multi-disciplinary) (RC-339) विषयक Refresher Course में सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया गया।

No.: 1278

UGC-Human Resource Development Centre
Himachal Pradesh University, Shimla-171005
(NAAC Accredited 'A' Grade University)

UGC SPONSORED REFRESHER COURSE

Certificate of Participation

This is to certify that DR. NANDAN KUMAR TIWARI Assistant/Associate Professor in Jyotish from Uttarakhand Open University, Teen Pani Bypass Road, Haldwani, Distt.- Nainital, Uttarakhand affiliated to Uttarakhand Open University participated in the 2-weeks online Refresher Course on Indigenous Knowledge & Ethics (ID) held from 11-07-2022 to 23-07-2022 and obtained 'A' grade.

COURSE CO-ORDINATOR DIRECTOR VICE-CHANCELLOR

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा एम.ए. ज्योतिष (चतुर्थ सेमेस्टर) के विद्यार्थियों का ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन कक्षायें (Classes) ली गयी।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा 29 जुलाई 2022 को CBCS से सम्बन्धित बैठक में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा **आन्तरिक परीक्षक** एवं समन्वयक के रूप में दिनांक **29 जुलाई 2022** को बी.ए. कर्मकाण्ड तृतीय वर्ष (BAKK-302) की ऑनलाइन प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न करायी गयी।

बी.ए. कर्मकाण्ड तृतीय वर्ष (BAKK-302) की ऑनलाइन प्रायोगिक परीक्षा की छायाचित्र

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 26 नवम्बर 2022 को UGC-HRDC, Ranchi University, Ranchi द्वारा आयोजित GURU DAKSHTA 14th Faculty Induction Programme (FDP) कार्यक्रम में resource Person के रूप में 'मानव जीवन में ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

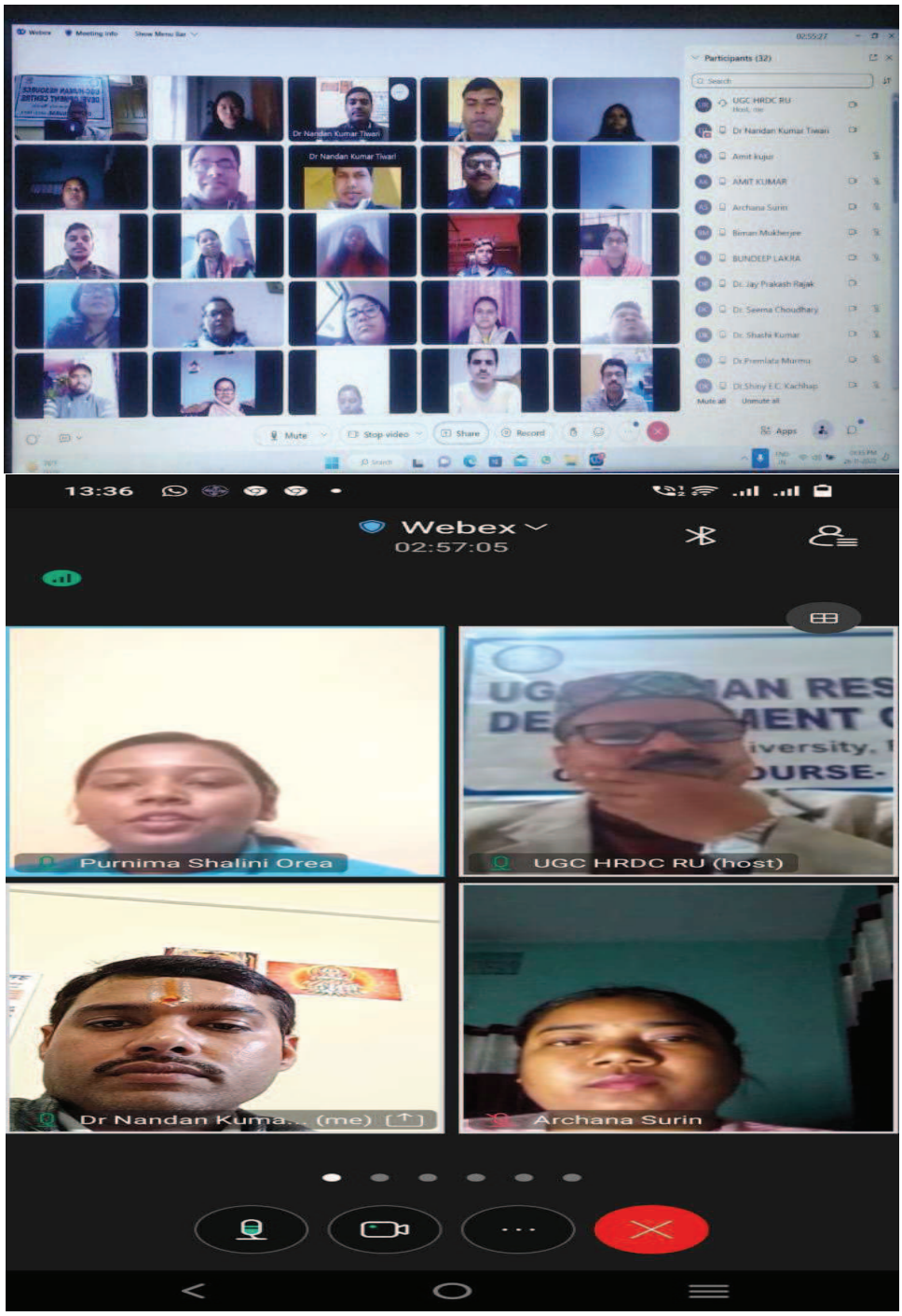

UGC-HRDC, Ranchi University द्वारा आयोजित 14th FDP में Resource Person के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान देते डॉ. नन्दन कुमार तिवारी

❖ **संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग-**

अध्ययन परिषद की वैठक (BOS)—

दिनांक 23 एवं 24 मार्च 2023 को अध्ययन परिषद की वैठक में संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम बी.ए. संस्कृत (चतुर्वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम) को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और ODL रेगुलेशन 2020 के अनुसार किया गया।

उक्त वैठक में अध्ययन परिषद द्वारा चतुर्वर्षीय स्नातक संस्कृत पाठ्यक्रम में आठ सेमेस्टर के अन्तर्गत 11 मेजर कोर (Major Course) पाठ्क्रम तथा मेजर इलेक्टिव (Minor Elective) कोर्स के अन्तर्गत पांच विकल्प प्रस्तुत किये, जिसमें शिक्षार्थी अपनी अभिरूचि के अनुसार चयन कर सकेंगा। इसके अतिरिक्त माइनर / मेजर वोकेशनल (Minor / Major Vocational) कोर्स के अन्तर्गत आठ विकल्प प्रस्तुत किये गये हैं। जिसमें शिक्षार्थी अपनी अभिरुचि के अनुसार चयन कर सकेगा। इसके अतिरिक्त योग्यता सम्बर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (Ability Enhancement Compulsory Courses) के अन्तर्गत तीन विकल्प प्रस्तुत किये, जिसमें शिक्षार्थी अपनी अभिरूचि के अनुसार चयन कर सकेंगा। तथा कौशल संवर्धन (Skill Enhancement Courses) कोर्स के अन्तर्गत तीन विकल्प प्रस्तुत किये गए, जिसमें शिक्षार्थी अपनी अभिरूचि के अनुसार चयन कर सकेगा। जेनेरिक इलेक्टिव (Generic Elective) कार्स के अन्तर्गत तीन विकल्प प्रस्तुत किये, जिसमें शिक्षार्थी अपनी अभिरूचि के अनुसार चयन कर सकेंगा। इसके अतिरिक्त वैल्यू एडिशन (Value Addition Course) कार्स के अन्तर्गत दो विकल्प प्रस्तुत किये, जिसमें शिक्षार्थी अपनी अभिरूचि के अनुसार चयन कर सकेंगा। इसके अतिरिक्त शोध परियोजना एवं लघुशोध परियोजना को भी संस्तुति प्रदान की गयी। सर्वमान्य रूप से पाठ्यक्रम को स्वीकार कर लिया गया। उपर्युक्त सभी सस्तुतियाँ समिति द्वारा सर्वमान्य रूप से प्रदान की गई। पूर्व में संचालित आधार पाठ्क्रम तथा संस्कृत भाषा में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम FCSL/CSL के पूर्व निर्मित पाठ्यक्रम को अध्ययन परिषद द्वारा संस्तुति प्रदान की गयी। तथा पूर्व से संचालित B.A. (BASL) संस्कृत के 6 प्रश्न पत्रों का अवलोकन करते हुए पूर्व निर्मित पाठ्यक्रम को यथावसर यथावत् समायोजन की संस्तुत प्रदान की गयी। पूर्व से संचालित M.A. (MASL) संस्कृत (सेमेस्टर प्रणाली) के 18 प्रश्न पत्रों का अवलोकन करते हुए पूर्व निर्मित पाठ्यक्रम को अध्ययन परिषद द्वारा संस्तुत प्रदान की गयी।

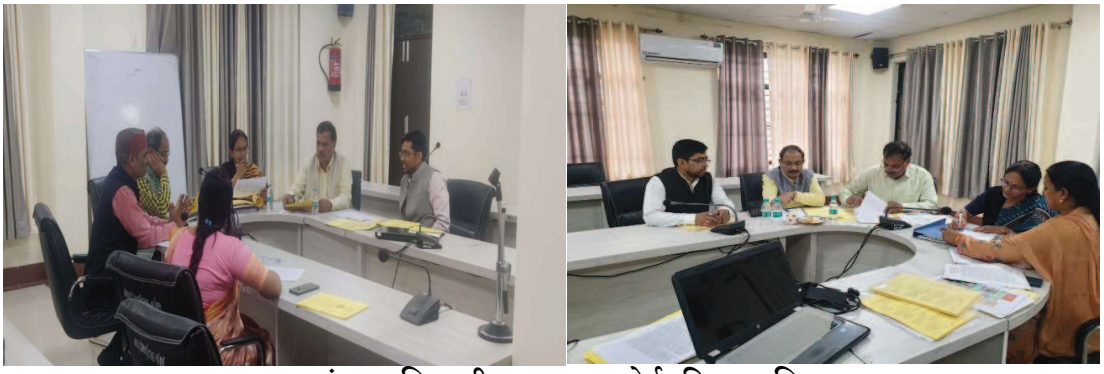

संस्कृत विभागीय अध्ययन बोर्ड की छायाचित्र

इकाइयों का लेखन कार्य—

1. एम0ए0एस0एल – 610 संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएं / भाग-02 के खण्ड एक की चतुर्थ इकाई (आधुनिक संस्कृत लघुकथाकार) का लेखन कार्य किया गया।

2. एम0ए0एस0एल - 602 की 8 एवं एम0ए0एस0एल - 607 की 11 इकाइयों का लेखन कार्य किया गया।
3. चिकित्सा ज्योतिष में डिप्लोमा पाठ्यक्रम कि दो इकाइयों का लेखन कार्य किया गया।
4. इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संचालित स्नातकोत्तर ज्योतिष पाठ्यक्रम की इकाइयों का लेखन कार्य किया गया।

संपादन कार्य—

1. विभागीय अध्यापक डॉ0 नीरज कुमार जोशी द्वारा स्नातकोत्तर संस्कृत विषय के चतुर्थ सेमेस्टर में चलने पाठ्यक्रम की पाठ्यपुस्तकों का लेखन एवं सम्पादन का कार्य किया गया।

संस्कृत विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC)

संस्कृत विभाग, मानविकी विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी कीशोध उपाधि समिति (Research Degree Committee) की वैठक दिनांक 22-07-2022 को ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से की गयी। जिसमें पंजीकृत शोधार्थी श्री राकेश गुणवंत नामांकन संख्या 12025602 की शोध उपाधि समिति (RDC) सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में श्री राकेश गुणवन्त के शोध कार्य विषय **श्रीमद्भागवत के एकादश एवं द्वादश स्कन्धों का सांस्कृतिक अनुशीलन** नामक शोध शीर्षक पर विचार विमर्श के पश्चात शोध कार्य करने की अनुमति प्रदान की गयी। श्री राकेश गुणवन्त के इस शोध कार्य पर सभी ने सहर्ष सहमति व्यक्त की गई। बैठक में उपस्थित वाह्य विशेषज्ञ,

संस्कृत विभाग के अर्न्तगत शोध ग्रन्थ प्रस्तुतीकरण हेतु पूर्व परीक्षा

शोध विषय: श्रीमद्भागवत के एकादश एवं द्वादश स्कन्धों का सांस्कृतिक अनुशीलन' शोधार्थी: राकेश गुणवन्त। नामांकन संख्या: 12025602 के शोध ग्रन्थ प्रस्तुतीकरण हेतु Pre-PhD. Submission किया। शोध निर्देशक: डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, संस्कृत विभाग, इंदिरा गांधीराष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के अंतर्गत संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग में शोध कार्यरत शोधार्थी राकेश गुणवन्त के शोध कार्य की लिखित सामग्री (शोध प्रबन्ध) का दिनांक 6 दिसंबर 2022 को अवलोकन किया गया। सभी अध्यायों की उपलब्धियों का परीक्षण हुआ। शोधार्थी द्वारा अपने शोध प्रबन्ध की अध्यायचर्या में प्रत्येक अध्याय के लेखन का व्याख्या सहित तात्पर्य प्रस्तुत किया गया। निर्दिष्ट कुछ संशोधनों के साथ व्यवस्थित रूप में शोध प्रबन्ध के अध्यायों को परिमार्जित कर अन्तिम रूप देते हुए जमा करने की अनुमति भी है।

हिन्दी विभाग

- डॉ. अनिल कार्की द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं रज़ा न्यास, दिल्ली द्वारा आयोजित रज़ा उत्सव में आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया गया।
- रज़ा उत्सव में आयोजित सेमिनार में भारतीय कला-दृष्टि एवं रज़ा के रंग विषयक सेमिनार में वक्तव्य दिया गया।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के भोजपुरी अध्ययन केंद्र एवं जनकवि नागार्जुन स्मृति सम्मान द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कवि ज्ञानेन्द्रपति पर एकाग्र वक्तव्य दिया गया।
- बी.आर.अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय सेमिनार में श्याम नंदन किशोर की साहित्य-साधना पर वक्तव्य दिया गया।
- हिरावल पटना द्वारा आयोजित लेखक से मिलिए आयोजन में ज्ञानेन्द्रपति के काव्य-साधना पर एकल व्याख्यान दिया गया।
- सेतु प्रकाशन द्वारा आयोजित लोकार्पण एवं परिचर्चा में श्रीप्रकाश शुक्ल के काव्य-संग्रह वाया नई सदी पर वक्तव्य दिया गया।
- विश्व अनुवाद दिवस पर रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के अनुवाद केंद्र द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में वक्तव्य दिया गया।
- इतिहास लेखन की भारतीय दृष्टि और धर्मपाल विषय पर रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित दो-दिवसीय सेमिनार में वक्तव्य
- डॉ. अनिल कार्की द्वारा रज़ा न्यास द्वारा आयोजित युवा 2022 में पंजाबी कवि हरभजन सिंह पर वक्तव्य दिया गया।

प्रकाशित पत्रिकाएँ

- पाखी, अगस्त 22 में आलेख प्रकाशित
- गाथांतर, जनवरी 23 में आलेख प्रकाशित
- **रज़ा उत्सव**
- **हल्द्वानी प्रसंग : 11-12-13 अप्रैल 2022**
- **नैनीताल प्रसंग : 15-16-17 अप्रैल 2022**
    - "मानवीय चेतना के उत्कर्ष के चितेरे हैं सैयद हैदर रज़ा : प्रो. गिरिजा पाण्डे"
- हिंदी विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं रज़ा न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रि-दिवसीय रज़ा के चित्रों की प्रदर्शनी "रज़ा शिखर" के हल्द्वानी प्रसंग के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. गिरिजा पांडे ने कहा कि सामाजिक चेतना के उन्नयन के लिए रज़ा के चित्र महत्वपूर्ण हैं। उत्तराखंड का मशहूर ऐपन कला में बिंदु एवं ज्यायमितीय प्रयोग रज़ा के मूल चित्रों से मिलती प्रतीत होती है। मुख्य वक्तव्य देते हुए प्रो. एच.पी.शुक्ल ने रज़ा के चित्रों को समझने के लिए जाग्रत कल्पनाशीलता की आवश्यकता पर बल दिया। स्वागत एवं विषय-प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने कहा कि बड़ा कलाकार कलाओं का अर्थ बदल देता है। परम्परागत तौर पर जो चीजें चली आती हैं उसको बदल उनमें नये अर्थ भरता है। इस अवसर पर जगन्नाथ दुबे, कुमार मंगलम, डॉ. नागेन्द्र गंगोला, दिव्या तंवर और डॉ. अनिल कार्की ने भी वक्तव्य दिया।

कार्यक्रम की छायाचित्र

रज़ा उत्सव के हल्द्वानी प्रसंग का दूसरा दिन काव्य-पाठ का रहा। शिरीष कुमार मौर्य की अध्यक्षता में हिंदी, उर्दू, संस्कृत, कुमाउनी, अवधी और अंग्रेजी की कविताएँ पढ़ी गयीं। इस अवसर पर हिंदी के चर्चित कवि शैलेय, कुमाउनी के जगमोहन जोशी के अतिरिक्त डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, अनिल कार्की, कुमार मंगलम, नागेन्द्र गंगोला, संदीप तिवारी, डॉ. सुचित्रा अवस्थी, दिव्या, द्विजेश उपाध्याय, नरेंद्र बंगारी, शुभंकर शुक्ल, प्रीती शर्मा, शहपर शरीफ, प्रज्ञा पाठक, नीता, गोपाल, मो. अफज़ल ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

- 'रज़ा शिखर' के 'हल्द्वानी-प्रसंग' के तीसरे दिन समापन सत्र में 'सुर सप्तक' के आयोजन से समाप्त हुआ। सांगीतिक कार्यक्रम के पहले सत्र में श्री प्रदीप कुमार ने सितार पर राग शुद्ध सारंग और राग भीमपलासी की प्रस्तुति दी। श्री प्रदीप कुमार के साथ अजराणा घराने के युवा तबला वादक श्री प्रकाशचन्द्र आर्या ने किया।

- हिंदी विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं रज़ा न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में राज्य अतिथि गृह, नैनीताल के सभागृह में आयोजित त्रि-दिवसीय रज़ा के चित्रों की प्रदर्शनी "रज़ा शिखर" के नैनीताल प्रसंग के उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए सुपरिचित छायाकार पद्मश्री अनूप शाह ने कहा कि एक ही दृश्य को एक ही विषय को एक ही रंग को बड़ा कलाकार अपनी मौलिक दृष्टि से देखता है। चित्रों में अथवा छायाचित्रों में क्षण सबसे महत्वपूर्ण होता है। हर कलाकार की अपनी मौलिक दृष्टि होती है, जिसके पीछे उसका अपना एक जीवन-संघर्ष निहित होता है। कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, कुमार मंगलम, डॉ, अनिल कार्की, डॉ. नागेन्द्र गंगोला, विनीता यशस्वी, पृथ्वीराज सिंह ने वक्तव्य दिया।

- दूसरे दिन काव्य-पाठ सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध रंगकर्मी और युगमंच के संस्थापक जहूर आलम ने किया। काव्य-पाठ का आरम्भ कुमाऊँनी के सुप्रसिद्ध जनकवि गिरीश तिवाड़ी गिर्दा के जन-गीतों से हुआ। युवा कवि पंकज भट्ट, वरिष्ठ रंगकर्मी और उत्तर संस्था के संयोजक श्री एच.एस. राणा, वरिष्ठ पत्रकार और गिर्दा के साथी श्री महेश जोशी एवं डॉ. अनिल कार्की ने गिर्दा के जनगीतों को गाया। इस अवसर पर राजेश आर्य,

मीनाक्षी पाठक, पंकज भट्ट, दीपा पाण्डेय, दिव्या तंवर, युवा कवि खेमकरण सोमन, युवा-कवि कहानीकार डॉ. अनिल कार्की, एच.एस. राणा, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, हिंदी के चर्चित कवि शैलेय, हिंदी के सुपरिचित कवि डॉ. सिद्धेश्वर सिंह ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

- रज़ा शिखर' का 'नैनिताल-प्रसंग' का समापन 'सुर सप्तक' के आयोजन से हुआ। समापन-सत्र के इस कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत के इमदाद-खानी घराना के युवा सितार-वादक श्री प्रदीप कुमार ने सितार पर राग पटदीप की प्रस्तुति दी। तबले पर संगत अजराणा घराने के युवा तबला वादक श्री प्रकाशचन्द्र आर्या ने किया। इस अवसर पर नैनीताल की विधायक माननीया सरिता आर्या भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि रज़ा के चित्रों में निहित आध्यात्मिकता इन्हें भारतीय आत्मा को समझने वाला चित्रकार बनाता है।

❖उर्दू विभाग

❖ उर्दू विभाग द्वारा संचालित बी.ए. & एम० ए० उर्दू पाठ्यक्रम अध्ययन बोर्ड की बैठक दिनांक 23.03.2023 को सम्पन्न हुई।

❖ संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग

- विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन किया गया।

क. संगीत विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 24 मार्च 2023 को आयोजित की गई|

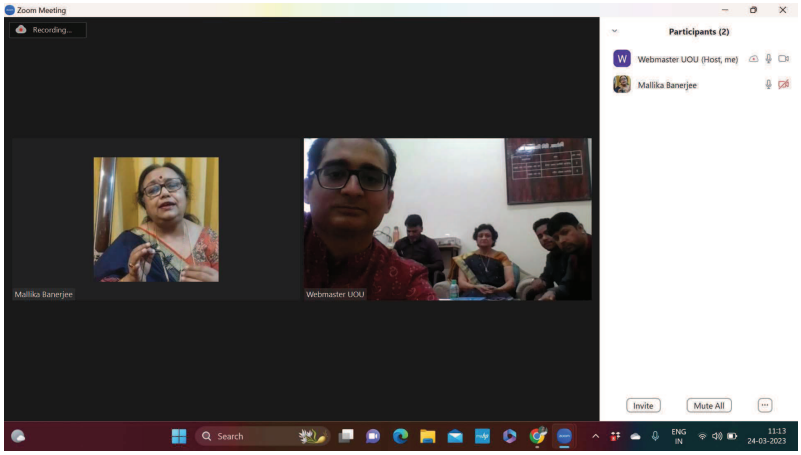

ख. कार्यशाला आयोजन – 04

1. 11/07/2022 से 17/07/22 तक - बी0ए0 संगीत(गायन, स्वरवाद्य व तबला) - प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष - ऑनलाइन माध्यम - https://uou.ac.in/announcement/2022/07/2501

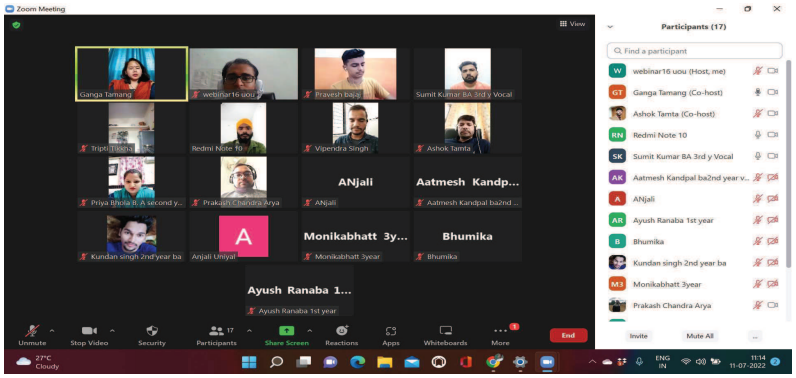

2. 18/07/2022 से 24/07/2022 तक - एम0ए0 संगीत(गायन, स्वरवाद्य व तबला) - प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर - ऑनलाइन माध्यम - https://uou.ac.in/announcement/2022/07/2508

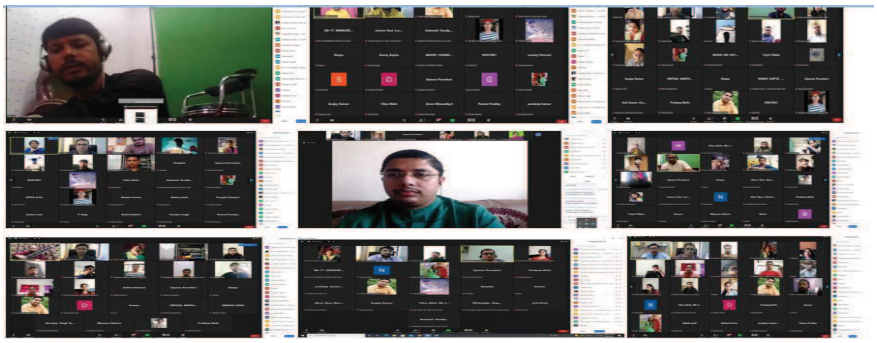

3. 02/02/2023 से 08/02/23 तक - बी0ए0 संगीत(गायन, स्वरवाद्य व तबला) - प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष - ऑफलाइन माध्यम - https://uou.ac.in/announcement/2023/02/3350

4. 20/02/2023 से 26/02/2023 तक - एम0ए0 संगीत(गायन, स्वरवाद्य व तबला) - प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर - ऑफलाइन माध्यम - https://uou.ac.in/announcement/2023/02/3376

संगीत विभागीय कार्यशालाओं की छायाचित्र

ग. ऑस्ट्रेलिया देश से भारत आए श्री किशोर रियान जो ध्रुपद गायन की शिक्षा युगल ध्रुपद गायक आस्था-प्रदीप चोपड़ा(**पद्मश्री गुंदेचा बंधुओं**) से दूरस्थ शिक्षा के ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं, का कार्यक्रम दिनांक 01/03/2023 को आयोजित किया गया|

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग द्वारा दिनांक 1 मार्च 2023 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में वर्चुअल माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद गायन शैली की शिक्षा ग्रहण कर रहे आस्ट्रेलिया के किशोर रेयान ने अपनी प्रस्तुति दी। पखावज पर पंडित रमेश चंद्र जोशी ने संगत की। किशोर रियान अपने गुरु आस्था -प्रदीप चोपड़ा जो पद्मश्री गुंदेचा बंधुओं के शिष्य हैं, से सीना-ब-सीना तालीम लेने ऑस्ट्रेलिया से भारत आए हैं। कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन प्रोफेसर आरसी मिश्रा, प्रोफेसर गिरजा शंकर पांडे, प्रोफेसर विजय कृष्ण, वित्त नियंत्रक, कुलसचिव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संगीत विभाग के शिक्षक श्री द्विजेश उपाध्याय, श्री प्रदीप कुमार, श्री जगमोहन परगांई , श्री प्रकाश चंद्र आर्य, श्री अशोक चंद्र टम्टा, आस्था-प्रदीप चोपड़ा इत्यादि उपस्थित थे।

संगीत विभागीय कार्यशालाओं की छायाचित्र

सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL 0F SOCIAL SCIENCES)

इतिहास विभाग

- डॉ0 एम0एम0जोशी द्वारा विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र 2022-23 के लिए विवरणिका सम्पादित की गई।
- विभागीय असिस्टेन्ट प्रोफेसर (AC) विकास जोशी द्वारा 01 मार्च 2023 को मनोविज्ञान विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया।
- 04 मार्च 2023 को शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवसकार्यक्रम में प्रतिभाग किया
- 17 मार्च 2023 को ''वैश्विक परिदृश्य में भारतीय लोकतंत्र और जी- 20''विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया।
- नयी शिक्षा नीति के तहत इतिहास विभाग के स्नातक कार्यक्रम हेतुविषयकापाठ्यक्रम तैयार करने में अपनी भूमिका का निर्वहन किया गया।
- 20 मार्च 2023 को इतिहास विभाग द्वारा आयोजित **BOS** में प्रतिभाग किया गया।
- इतिहास विभाग के स्नातक कार्यक्रम हेतु **'पाषाण युग'** नामक **इकाई का लेखन** का कार्य पूर्ण किया
- यूजीसी केयर पत्रिका में निम्न शीर्षक से **"उत्तराखंड में पलायन, ग्रामीण विकास और महिला उद्यमिता: एकविवरणात्मक अध्ययन"** शोधपत्र प्रकाशित करवाया
- **'कैशलेस इकोनोमी इन इंडिया'** नामक शीर्षक से पीर-रिव्युड एंड रेफेरड जर्नल में शोधपत्र प्रकाशित करवाया।
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय; भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित नेशनल साइंस-डे, सेमिनार में प्रतिभाग किया|
- परीक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त प्रश्नपत्र निर्माण सम्बन्धी गोपनीय कार्य किया गया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष पर परामर्श प्रदान किया|
- अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।
- विभाग द्वारा आयोजित B.A. प्रथम वर्ष और M.A. प्रथम वर्षके छात्र- छात्राओं के लिए ऑनलाइन इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन कर छात्र-छात्राओं का मार्ग-निर्देशन किया।
- सप्तम दीक्षांत समारोह में पदक निर्माण समिति में कार्य किया।
- परीक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त प्रश्नपत्र निर्माण सम्बन्धी गोपनीय कार्य किया।
- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित NEP की कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श।

- इतिहास विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा **''21st Century Challenges and Education: A global Perspective"** विषय पर **प्रोफेसर डी.डी. तिवारी, यूनीवर्सिटी ऑफ ज़ूलुलैण्ड, साउथ अफ्रीका** का एक व्याख्यान आयोजित किया गया|
- विभाग द्वारा प्रदत्त असाइनमेंट्स को वेबसाइट पर छात्र-छात्राओं के लिए अपलोड किया|
- छात्र-छात्राओं द्वारा लिखित असाइनमेंट्स का मूल्यांकन किया|
- **हिंदी भाषा दिवस समारोह** के विषय में बनी 'आवास समिति' द्वारा प्रदत्त कार्यों का निर्वहन किया|
- **हिंदीभाषादिवस सेमिनार** में प्रतिभाग किया|
- अष्टम दीक्षांत समारोह के लिए पदक निर्माण समिति द्वारा दिए गए कार्यों को संपादित किया|
- परीक्षा अनुभाग द्वारा आवंटित गोपनीय कार्य का निर्वहन किया|
- **"विश्व विकलांगता दिवस"** पर रेडियो टॉक किया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श दिया|
- अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।
- **"Application Of Machine Learning In Health Sector"**नामक पुस्तक में सहलेखन का कार्य संपादित करते हुए पुस्तक का प्रकाशन कराया|
- आगामी परीक्षाओं के मद्देनजर **इतिहास विषय के प्रश्नपत्रों का निर्माण** किया|
- इतिहास सम्बंधित विषय की कापियों का मूल्यांकन किया|
- कुमाऊँ विश्वविद्यालय के **Ba LLB इतिहास विषय** से सम्बंधित कापियों का मूल्यांकन किया|
- परीक्षा विभाग से सम्बंधित टेबुलेशन के कार्य में प्रत्यक्ष सहयोग किया|
- राज्य स्थापना दिवस पर यू ओ यू में **"उत्तराखण्ड की विकास यात्रा के दो दशक"** विषय पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठीमें हिस्सा लिया|
- लाइब्रेरी साइंस द्वारा आयोजित **पुस्तकालय सप्ताह** के आयोजन कार्य में सहयोग प्रदान किया|
- लाइब्रेरी साइंस द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला (**Theme: " Connect with your Library"**) में प्रतिभाग किया|
- **"21वीं शताब्दी के कौशल और वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य"**विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में **माननीय श्री शिव कुमार जी**के विचारों का श्रवण कर उन्हें आत्मसात किया।
- कुलगुरु आवास के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान **'स्वच्छता समिति'** के **सदस्य** के रूप में सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया; साथ ही माननीय कुलगुरु जी और माननीय उच्च शिक्षा मंत्री जी के वक्तव्य का अनुश्रवण किया|
- 26 नवंबर को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित (**Theme-*"India: The Mother of Democracy"***)एक दिवसीय संगोष्ठी कार्यशाला में प्रतिभाग किया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र–छात्राओं को दूरभाष पर परामर्श प्रदान किया|
- अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।

- "प्राचीन काल से मध्यकालीन भारत तक स्त्री दशा: समाज के आईने में" नामक विषयपर शोध पत्र UGC केयर जर्नल में प्रस्तुत किया|
- "ML- BASED OLD AGE PEOPLE HEALTH MONITORING SYSTEM"नामक विषय पर पेटेंट प्रकाशित करवाया|
- सरस्वती विद्या मंदिर देघाट द्वारा आयोजित छात्र उन्नयन कार्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत
- किया|
- NIT कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया
- इतिहास सम्बंधित विषय की कापियों का मूल्यांकन किया|
- परीक्षा विभाग से सम्बंधित टेबुलेशन के कार्य में सहयोग किया|
- NAAC टीम Visit के लिए SLM सम्बंधित कार्य किया|
- NAAC टीम Visit से सम्बंधित अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|

- दिनांक 5/9/22 से 9/9/22 तक मनोविज्ञान विभाग उत्तराखंड मुक्तविश्वविद्यालय द्वारा आत्महत्या रोकथाम जागरूक कार्यक्रम के आयोजन गतिविधियों में सहयोग किया|
- शैल कला एवं ग्रामीण विकास समिति द्वारा विश्व आत्महत्या निवारण दिवस पर आयोजित समूह परिचर्चा "थीम- क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शनस" कार्यक्रम का संचालन किया|
- आगामी नैक के दृष्टिगत समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आवंटित कार्यों को संपन्न किया|
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 23-24 सितंबर को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रस्तुत किया|
- NAAC की Mock Visit के लिए SLM सम्बंधित कार्य किया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
- इतिहास विषय से सम्बंधित अंतराष्ट्रीय सेमीनार का संचालन किया|
- इतिहास और मनोविज्ञान विषय की प्रतियोगी परीक्षाओं में भूमिका विषय पर एक संयुक्त रेडियो व्याख्यान प्रस्तुत किया|
- उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विविधता के विभिन्न आयाम पर एक संयुक्त रेडियो व्याख्यान प्रस्तुत किया|
- नैक सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन किया|
- आजादी के अमृत महोत्सव में चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र–छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
- समाज कार्य विभाग द्वारा आयोजित "भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत ,'पिछले ७५वर्षों में भारत में महिला सशक्तिकरण' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग और सहयोग कार्य किया|
- वेब सीरीज का समाज और बच्चों पर प्रभाव; रेडियो टॉक दिया|

- STRIDE द्वारा आयोजित SPSS-साप्ताहिक कार्यशाला में प्रतिभाग किया|
- राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'पिछले 75 वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया
- सृजन ऑस्ट्रेलिया के तत्वाधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मलेन में प्रतिभाग किया|
- विभाग द्वारा आयोजित B.A. प्रथम वर्ष तथा M.A. प्रथम सेमेस्टर के लिए के लिए ऑनलाइन कक्षाओं में व्याख्यान प्रस्तुत|
- अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला "पिछले 75 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास " 19/6/22 में प्रतिभाग किया।
- अर्थशास्त्र विभागद्वारा आयोजित कार्यशाला "Data for sustainable development" 26/6/22 में प्रतिभाग किया।

❖ राजनीति विज्ञान विभाग

- दिनांक 17 मार्च 2023 को **एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (सेमिनार)** का आयोजन किया गया जिसका विषय **"वैश्विक परिदृश्य में भारतीय लोकतंत्र और जी -20"** था । जिसमें **संयोजक के तौर पर लोक प्रशासन विभाग के समन्वयक डॉ० घनश्याम जोशी** एवं प्रशासनिक समिति के सदस्यों के तौर पर राजीनीति विज्ञान से डॉ० लता जोशी , आरुशी एवं लोक प्रशासन विभाग से श्री शुभांकर शुक्ला , श्री सुमित सिंह एवं श्री प्रमोद कुमार चन्याल द्वारा दायित्वों का निर्वहन किया गया ।

- 27 मार्च 2023 को राजनीति विज्ञान के **अध्ययन बोर्ड की बैठक** ऑनलाईन आयोजित की गयी जिसमें प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा , उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय,प्रो० एम.एम.सेमवाल, राजनीति विज्ञान विभाग हेमवती नन्दन केन्द्रीय गढ़वाल विश्वविद्यालय, प्रो० डी. के. पी.चौधरी, राजनीति विज्ञान विभाग, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय, प्रो० सतीश कुमार राजनीति विज्ञान विभाग , इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय , डॉ० घनश्याम जोशी ,लोक प्रशासन विभाग , उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय , डॉ लता जोशी, राजनीति विज्ञान विभाग , उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, आरुशी, राजनीति विज्ञान विभाग , उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

  अध्ययन बोर्ड की बैठक में **पाठ्यक्रम निर्माण** सम्बन्धी निम्नलिखित निर्णय लिए गए :-

  - स्नातक स्तर पर राजनीति विज्ञान विषय के प्रथम सेमेस्टर से छठे सेमेस्टर के छः 'मेजर प्रश्न पत्रों' के पाठ्यक्रम में कुछ संशोधनों के साथ सहमति प्रदान की गयी।
  - स्नातक स्तर पर राजनीति विज्ञान विषय के 'छः माइनर प्रश्नपत्रों' के पाठ्यक्रमों से पहले , तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के तीन माइनर तथा दूसरे , चौथे तथा छठे सेमेस्टर के लिए तीन 'माइनर वोकेशनल प्रश्नपत्रों' के पाठ्यक्रमों को कुछ संशोधनों के साथ सहमति प्रदान की गयी।
  - स्नातक स्तर पर राजनीति विज्ञान विषय के छठे सेमेस्टर के एक मेजर इलेक्टिव प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम कुछ संशोधनों के साथ सहमति प्रदान की गयी
  - जनरल इलेक्टिव पूल के लिए तीन जनरल इलेक्टिव प्रश्न पत्रों के पाठ्यक्रमों को सहमति प्रदान की गयी।
  - स्नातक स्तर पर राजनीति विज्ञान विषय द्वारा पहले सेमेस्टर और दूसरे सेमेस्टर के लिए **वैल्यू एडेड कोर्स प्रश्न** पत्रों के पाठ्यक्रम निर्माण पर विचार एवं निर्णय.
  - राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के अलोक में अध्ययन बोर्ड में शामिल विद्वत जनों की अनुशंसा उपरांत अपेक्षित बदलाव करते हुए राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम पुनर्गठन करते हुए इकाइयों को पाठ्यक्रमानुसार विभक्त किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग फैकल्टी द्वारा अर्जित उपलब्धियाँ—

- आरुशी , राजनीति विज्ञान विभाग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 2 जुलाई 2022 CPL (Centre for people Leadership) द्वारा आयोजित वेबिनार "An Introduction of Socio-Political Philosophy" विषय पर लेक्चर सीरिज में प्रतिभाग किया।
- संविधान दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित संगोष्ठी पिछले ७५ वर्षो में "भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

❖ लोक प्रशासन विभाग

- श्री शुभांकर शुक्ला , लोक प्रशासन विभाग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 2 जुलाई 2022 CPL (Centre for people Leadership) द्वारा आयोजित वेबिनार "An Introduction of Socio-Political Philosophy" विषय पर लेक्चर सीरिज में प्रतिभाग किया।
- श्री शुभांकर शुक्ला , लोक प्रशासन विभाग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा राजनीतिक विज्ञान द्वारा आयोजित संगोष्ठी पिछले ७५ वर्षो में "भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास" विषय पर एक दिवसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया।
- श्री प्रमोद कुमार चन्याल,लोक प्रशासन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनाँक 13 व 14 नवम्बर 2022 को शिक्षा संकाय एल. एस. एम राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिथौरागढ़ (सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा) द्वारा "शिक्षा, साहित्य, संस्कृति और समाज की वैश्विक विकास में भूमिका" विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग किया एवं "सामजिक विकास में शिक्षा एवं संस्कृति की भूमिका: सामाजिक न्याय के परिप्रेक्ष्य में" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री प्रमोद कुमार चन्याल,लोक प्रशासन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनाँक 24 व 25 फरवरी 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग, हेमवती नन्दन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल द्वारा "Politics and Development in the Himalayan and Sub- Himalayan Region: Exploring linkages and Possibilities" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग किया एवं "पहाड़ी क्षेत्रो में महिलाओं की रोजगार की स्तिथि का एक विश्लेषण: उत्तराखण्ड के विशेष सन्दर्भ में" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री प्रमोद कुमार चन्याल,लोक प्रशासन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनाँक 11 व 12 दिसम्बर 2022 को हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी, द्वारा "बहुभाषिकता, बहुसंस्कृति और भारतीयता" विषय पर आयोजित सेमिनार में आयोज़क मण्डल के सदस्य के रूप में कार्य किया एवं "बहुभाषिकता एवं भारतीय राजनीति" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री प्रमोद कुमार चन्याल,लोक प्रशासन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा UGC Approved Journal शोध दृष्टि के Vol. 14, January 2023 (Impact Factor 6.125) में "सामजिक विकास में शिक्षा एवं संस्कृति की भूमिका: सामाजिक न्याय के परिप्रेक्ष्य में" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया।
- श्री प्रमोद कुमार चन्याल,लोक प्रशासन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा UGC Approved Journal शोध दृष्टि के Vol. 14, January 2023 (Impact Factor 6.125) में "सामाजिक न्याय के आईने से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मानव अधिकार और जीवन मूल्य" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया।

लोकप्रशासन विभाग

- लोक प्रशासन विभाग तथा राजनीति विज्ञान विभाग और विधि विद्याशाखा के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्जालीय एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "सशत्र सेनाओं का शौर्य :वीरगाथा" का आयोजन किया गया।

- दिनांक 05.03.2022 को लोक प्रशासन विभाग द्वारा MAPA(सेमेस्टर) और BAPA 2021-22 शीतकालीन सत्र के शिक्षार्तियों के लिए induction session का आयोजन किया गया।

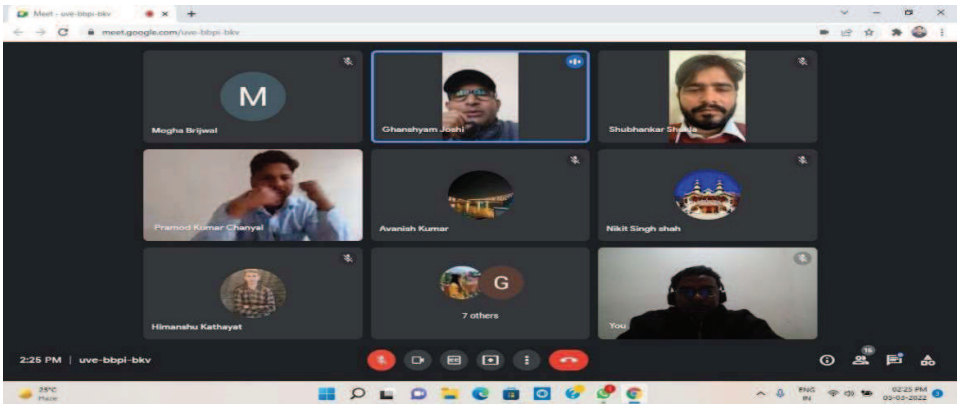

मनोविज्ञान विभाग

- Inpods द्वारा आयोजित FDP कार्यक्रम "Advanced Concepts of Outcomes based-Education" 7/4/22 में प्रतिभाग किया।
- Ability द्वारा आयोजित कार्यशाला "Managing Challenging Behaviours of Children with ADHD in Classroom setting" 7/4/22 में प्रतिभाग किया।
- Ability द्वारा आयोजित कार्यशाला "Developing Math Readiness skill in children with Special Needs" 12/4/22 में प्रतिभाग किया।
- Ability द्वारा आयोजित कार्यशाला "Developing Arithmetic skills in children with Special Needs" 28/4/22 में प्रतिभाग किया।
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं की Google Meet पर Counselling Class गयी।
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|

- अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।
- मेरे द्वारा लिखित पुस्तक "Culture and Scholastic Behaviour" का पब्लिकेशन तथा विश्वविद्यालय में विमोचन कराया गया|
- विभाग द्वारा चलाये जा रहे "मानसिक विकास जागरूकता कार्यक्रम" में सहयोग तथा व्याख्यान भी प्रस्तुत किया गया|
- विश्वविद्यालय की आतंरिक शिकायत समिति द्वारा आयोजित "महिला जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन तथा व्याख्यान भी प्रस्तुत किया गया|
- परीक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त प्रश्नपत्र निर्माण सम्बन्धी गोपनीय कार्य किया गया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के सत्रीय कार्य के क्विज के निर्माण का कार्य किया गया|
- MAPSY 203 तथा MAPSY 204 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य किया गया।
- Ability द्वारा आयोजित कार्यशाला "Improving Arithmetic skills in children with Special Needs" 12/5/22 में प्रतिभाग किया।
- Ability द्वारा आयोजित कार्यशाला "How to Teach Time and Money to Children with Special Needs" 26/5/22 में प्रतिभाग किया।
- Ability द्वारा आयोजित कार्यशाला "Remedial strategies for 4Ds – Dyslexia, Dysgraphia, Dyscalculia and Dyspraxia" 24/5/22 में प्रतिभाग किया।
- Special B.Ed. द्वारा आयोजित चतुर्थ सेमेस्टर की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यख्यान प्रस्तुत किया गया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं की Google Meet पर Counselling Class गयी।
- "Mind and Society" journal में एक शोध पत्र का Review किया|
- विभाग द्वारा आयोजित B.A. प्रथम वर्ष तथा MA 4 th Semester के लिए ऑनलाइन प्रयोगात्मक कार्यशाला में सहयोग तथा व्याख्यान भी प्रस्तुत किया गया।
- BBA द्वारा आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग कक्षाओं में व्याख्यान प्रस्तुत किये गये|
- Aggression पर Radio talk दिया गया|
- MSW के दो विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट कार्य का निर्देशन किया|
- "Mind and Society" journal में एक शोध पत्र का Review किया|
- अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला "पिछले 75 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास " 19/6/22 में प्रतिभाग किया।
- अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला "Data for sustainable development" 26/6/22 में प्रतिभाग किया।
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं की Google Meet पर Counselling Class गयी।
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
- अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।

- MA II Sem की प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन एवं व्याखान दिया गया
- BA I की प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन एवं व्याखान दिया गया
- वेब सीरीज का समाज और बच्चों पर प्रभाव एवं ब्रेन फोंग-एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन पर ०२ रेडियो टॉक दिए गये
- छात्रों की BA एवं MA की प्रयोगात्मक फाइलों का मूल्यांकन किया
- एडमिशन सेल द्वारा दिए डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का कार्य संपादित किया
- STRIDE द्वारा आयोजित SPSS-साप्ताहिक कार्यशाला में प्रतिभाग किया
- BA II की प्रयोगात्मक परीक्षा में आंतरिक परीक्षक का कार्य किया
- BA I की प्रयोगात्मक परीक्षा में आंतरिक परीक्षक का कार्य किया
- MSW के छात्रों के लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया
- दुर्भिती एवं इसके मनोवैज्ञानिक प्रभावों का अध्ययन विषय पर वीडियो लेक्चर संपादित किया
- राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'पिछले 75 वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया
- दिनांक 5/9/22 से 9/9/22 तक मनोविज्ञान विभाग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आत्महत्या रोकथाम जागरूक कार्यक्रम के आयोजन मे सहयोग किया जिसमें 6-7/9/22 को राजकीय इंटर कॉलेज मोतीनगर एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज धौलाखेड़ा मे क्रमशः कार्यशाला, 8/9/22 को विश्वविद्यालय मे नुक्कड़ नाटक के तथा 9/9/22 को आत्महत्या रोकथाम जागरूक पर एक दिवसीय "व्याख्यान एवं परिचर्चा "के आयोजन मे सहयोग किया गया|
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 23-24 सितंबर को आयोजित अंतर राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रस्तुत किया|
- NAAC की Mock Visit के लिए SLM सम्बंधित कार्य किया|
- संज्ञानात्मक विकार पर वीडियो व्याख्यान प्रस्तुत किया|
- बी. ए. तृतीय वर्ष की पुस्तक की दो यूनिट की एडिटिंग की|
- आगामी नैक के दृष्टिगत समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आवंटित कार्यों को संपन्न किया गया|
- आगामी नैक के दृष्टिगत शिशु सदन के सभी कार्यों को संपन्न किया गया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
- अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।

डॉ.रूचि तिवारी

- नैक हेतु समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आवंटित कार्यों को संपन्न किया गया|

- नैक के दृष्टिगत शिशु सदन के सभी कार्यों को संपन्न किया गया|
- नैक हेतु व्यवस्था अधिकारी का कार्य किया गया|
- "Impact of Media type, Family type and Employment Level on Negative Mental Health" पेपर Review journal of Philosophy and Social Science, Vol. XLVII में प्रकाशित हुआ|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
- परीक्षा अनुभाग द्वारा आबंटित टेबुलेशन का कार्य किया
- बी ए मनोविज्ञान की पुस्तक 301 की 2 यूनिट एडिट की
- उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस एक दिवसीय पर सेमिनार तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया
- 21वी शताब्दी के कौशल और वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया
- कुलपति आवास के अनावरण कार्यक्रम में स्वागत समिति में स्वागत का कार्य किया
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में प्रतिभाग किया
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में प्रतिभाग किया
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
- विभागीय कार्यो के संपादन में सहयोग किया
- विभागीय कार्यो के संपादन में सहयोग किया
- परीक्षा अनुभाग द्वारा आबंटित प्रश्न पत्र का कार्य किया|
- परीक्षा अनुभाग द्वारा आबंटित टेबुलेशन का कार्य किया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के सत्रीय कार्यों में क्विज का निर्माण किया|
- विश्व विकलांगता दिवस पर रेडियो टॉक किया|
- विभाग द्वारा स्नातक तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम में प्रतिभाग किया|
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य सुरक्षा सम्बन्धी व्याख्यान में प्रतिभाग किया|
- माइंड एंड सोसाइटी जर्नल के लिए दो रिसर्च पेपर का रिव्यु किया गया|

- अष्टम दीक्षांत समारोह के लिए पदक निर्माण समिति में कार्य किया|
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
- विभागीय कार्यो के संपादन में सहयोग किया|
- सप्तम दीक्षांत समारोह में पदक निर्माण समिति में कार्य किया|
- सप्तम दीक्षांत समारोह में V.I.P भोजन समिति में कार्य किया|
- परीक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त प्रश्नपत्र निर्माण सम्बन्धी गोपनीय कार्य किया गया|
- विभाग द्वारा आयोजित B.A. प्रथम वर्ष के लिए ऑनलाइन प्रयोगात्मक कार्यशाला में सहयोग तथा व्याख्यान भी प्रस्तुत किया गया|
- विभाग द्वारा आयोजित M.A. चतुर्थ सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन प्रयोगात्मक कार्यशाला में सहयोग तथा व्याख्यान भी प्रस्तुत किया गया|
- परीक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त प्रश्नपत्र संशोधन सम्बन्धी गोपनीय कार्य किया गया|
- Women counselling cell की awareness पर Radio talk दिया गया|
- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित NEP की कार्यशाला में प्रतिभाग किया|
    - National Testing Agency द्वारा सैनिक स्कूल के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में केंद्र निरीक्षक की भूमिका का निर्वहन किया|
    - स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
    - अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।
    - परीक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त प्रश्नपत्र निर्माण सम्बन्धी गोपनीय कार्य किया गया|
    - परीक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त प्रश्नपत्र संशोधन सम्बन्धी गोपनीय कार्य किया गया|
    - विभाग द्वारा आयोजित B.A. प्रथम वर्ष के लिए ऑनलाइन प्रयोगात्मक कार्यशाला में सहयोग तथा व्याख्यान भी प्रस्तुत किया गया|
    - विभाग द्वारा आयोजित M.A. द्वितीय सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन प्रयोगात्मक कार्यशाला में सहयोग तथा व्याख्यान भी प्रस्तुत किया गया|
    - B.A. प्रथम वर्ष के लिए ऑनलाइन प्रयोगात्मक परीक्षा में आंतरिक निरीक्षक का कार्य किया|
    - B.A. द्वितीय वर्ष के लिए ऑनलाइन प्रयोगात्मक परीक्षा में आंतरिक निरीक्षक का कार्य किया|
    - परीक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त UFM उत्तर पुस्तिकाओं की जांच का कार्य किया गया|
    - B.A. व M.A. की प्रयोगात्मक फाइल की जांच का कार्य किया गया|
    - 27- 28/2/2023 को परीक्षा केन्द्रों में औचक निरीक्षण का कार्य किया गया।
    - स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|

- अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।
- 3/3/2023 को परीक्षा केन्द्रों में औचक निरीक्षण का कार्य किया गया।
- विभाग द्वारा Expert committee के लिए प्रद्दत कार्य किये।
- 15/3/2023 को इनवरटिस यूनिवर्सिटी बरेली में project evaluation तथा व्याख्यान के लिए आमंत्रित।
- एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "वैश्विक परिदृश्य में भारतीय लोकतंत्र और जी-20" में प्रतिभाग किया।
- स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र –छात्राओं को दूरभाष परामर्श|
- अन्य विभागीय कार्यों में सहयोग किया।
- SIMT रुद्रपुर में आयोजित स्काउट गाइड प्रोग्राम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया
- 01 मार्च 2023 को मनोविज्ञान विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया
- 04 मार्च 2023 को शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया
- 17 मार्च 2023 को ''वैश्विक परिदृश्य में भारतीय लोकतंत्र और जी- 20'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीरय संगोष्ठी में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया
- नयी शिक्षा नीति के तहत मनोविज्ञान विभाग के स्नातक कार्यक्रम हेतु सकारात्मक मनोविज्ञान और परामर्श विषय का पाठ्यक्रम तैयार किया
- मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित BOS में प्रतिभाग किया

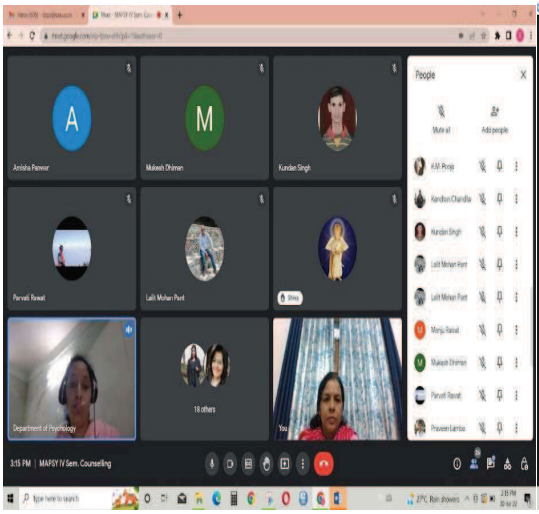

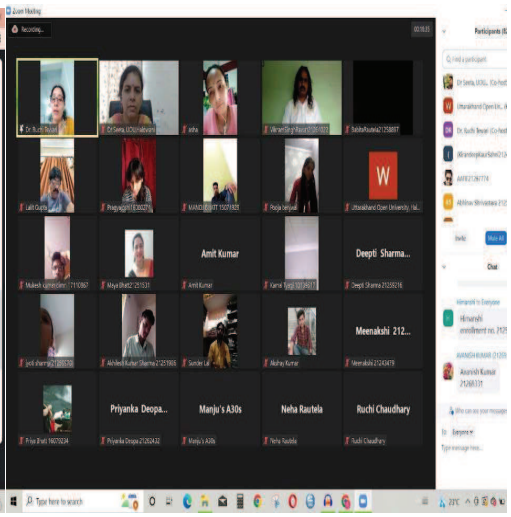

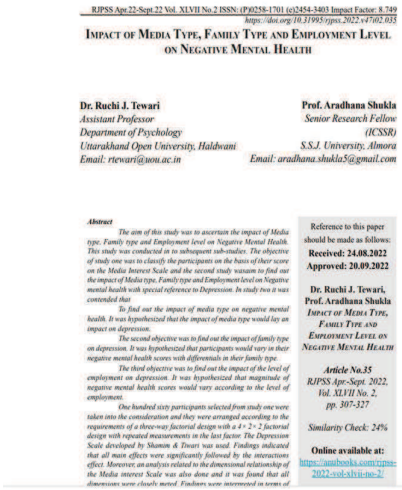

RJPSS Apr.22-Sept.22 Vol. XLVII No.2 ISSN: (P)0258-1701 (e)2454-3403 Impact Factor: 8.749
https://doi.org/10.31995/rjpss.2022.v47i02.035

Impact of Media Type, Family Type and Employment Level on Negative Mental Health

Dr. Ruchi J. Tewari
Assistant Professor
Department of Psychology
Uttarakhand Open University, Haldwani
Email: rtewari@uou.ac.in

Prof. Aradhana Shukla
Senior Research Fellow
(ICSSR)
S.S.J. University, Almora
Email: aradhana.shukla5@gmail.com

Abstract

The aim of this study was to ascertain the impact of Media type, Family type and Employment level on Negative Mental Health. This study was conducted in to subsequent sub-studies. The objective of study one was to classify the participants on the basis of their score on the Media Interest Scale and the second study wasaim to find out the impact of Media type, Family type and Employment level on Negative mental health with special reference to Depression. In study two it was contended that

To find out the impact of media type on negative mental health. It was hypothesized that the impact of media type would lay an impact on depression.

The second objective was to find out the impact of family type on depression. It was hypothesized that participants would vary in their negative mental health scores with differentials in their family type.

The third objective was to find out the impact of the level of employment on depression. It was hypothesized that magnitude of negative mental health scores would vary according to the level of employment.

One hundred sixty participants selected from study one were taken into the consideration and they were arranged according to the requirements of a three-way factorial design with a 4 × 2 × 2 factorial design with repeated measurements in the last factor. The Depression Scale developed by Shamim & Tiwari was used. Findings indicated that all main effects were significantly followed by the interactions effect. Moreover, an analysis related to the dimensional relationship of the Media interest Scale was also done and it was found that all dimensions were closely meted. Findings were interpreted in terms of

Reference to this paper should be made as follows:
Received: 24.08.2022
Approved: 20.09.2022

Dr. Ruchi J. Tewari,
Prof. Aradhana Shukla
Impact of Media Type, Family Type and Employment Level on Negative Mental Health

Article No.35
RJPSS Apr.-Sept. 2022,
Vol. XLVII No. 2,
pp. 307-327

Similarity Check: 24%

Online available at:
https://anubooks.com/rjpss-2022-vol-xlvii-no-2/

Suman Villa, 85-Phool Bagh Colony, Main Road, Meerut (U.P.) India | Web : www.sadalmeerut.in, www.aathafoundation.in

ICAAAS-2022

IVth International Conference on
Innovative and Current Advances in Agriculture and Allied Sciences
12-14 June 2022

Organized by :
Society for Scientific Development in Agriculture & Technology
Meerut (U.P.) India

Certificate

This is to certify that Dr./Er./Mr./Ms. Ruchi Tewari from Assistant Professor, Department of Psychology, Uttarakhand Open University, India participated & presented a paper (Oral/Poster) in the IVth International Conference in Offline/Online on ICAAAS-2022 during 12-14 June 2022 at Himachal Pradesh University, Summer Hill, Shimla, H.P., India.

Dr. P.B. Singh — Organizing Secretary
Dr. Mahender Singh — Organizing Convener
Dr. S.P. Singh — Organizing Chairman

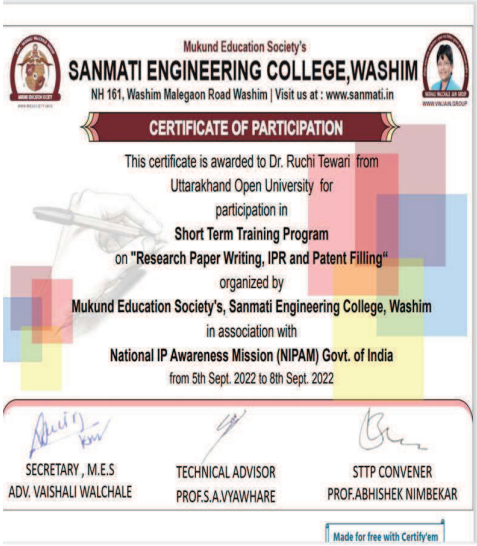

Mukund Education Society's
SANMATI ENGINEERING COLLEGE,WASHIM
NH 161, Washim Malegaon Road Washim | Visit us at : www.sanmati.in

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

This certificate is awarded to Dr. Ruchi Tewari from Uttarakhand Open University for participation in
Short Term Training Program
on **"Research Paper Writing, IPR and Patent Filling"**
organized by
Mukund Education Society's, Sanmati Engineering College, Washim
in association with
National IP Awareness Mission (NIPAM) Govt. of India
from 5th Sept. 2022 to 8th Sept. 2022

SECRETARY , M.E.S — ADV. VAISHALI WALCHALE
TECHNICAL ADVISOR — PROF.S.A.VYAWHARE
STTP CONVENER — PROF.ABHISHEK NIMBEKAR

Made for free with Certify'em

International Journal of Trend in Scientific Research and Development

Online Open Access Journal ISSN: 2456-6470

Certificate of Publication

This Certificate is Proudly Presented for Honorable Achievement to

Dr. Ruchi Tewari

Assistant Professor, Department of Psychology,
Uttarakhand Open University, Haldwani, Uttarakhand, India

For Paper title *"A Systematic Review: The Influence of Bhagavad Gita on Positive Mental Health in Adolescents"*

Published in International Journal of Trend in Scientific Research and Development (IJTSRD), Vol - 6 | Issue - 5 (July-Aug 2022). With Impact Factor 7.251, issued in the year of 2022 by SJIF

IJTSRD51769
Unique Paper ID

www.ijtsrd.com
Available Online

Dr. M. M. Patel
Chief Editor

❖ अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभागीय कार्यशाला एवं संगोष्ठी की सूची

क्रमांक	विद्याशाखा/विभाग	दिनांक	कार्यशाला/ संगोष्ठी
1	अर्थशास्त्र विभाग/ समाज विज्ञान विद्याशाखा	18-19 मई 2022	**'महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण) शीर्षक पर 'आंतरिक शिकायत समिति'** द्वारा दो दिवसीय महिला जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन में सह-**कार्यक्रम सचिव** की भूमिका का निर्वहन करते हुए प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र हेतु मंच संचालन कार्य किया।
		27 मई 2022	**'शिक्षा के राष्ट्रीय सरोकार'** शीर्षक पर राजनीति विज्ञान विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में **आयोजक मंडल में सदस्य** की भूमिका का निर्वहन किया।
		18 जून 2022	**'पिछले 75 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सह ई-संगोष्ठी का आयोजन में **संयोजक** की भूमिका का निर्वहन किया।
		29 जून 2022	सांख्यिकीय दिवस पर **'Data for Sustainable Development (सतत विकास हेतु आँकड़े)'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सह ई-संगोष्ठी का आयोजन में **संयोजक** की भूमिका का निर्वहन किया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन

अर्थशास्त्र विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा दिनांक 18 जून, 2022 (शनिवार) को प्रातः 10:30 बजे **"आज़ादी का अमृत महोत्सव" के अन्तर्गत"** पिछले 75 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी।

विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर विभिन्न संस्थानों से पधारे अतिथियों ने उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय को समर्पित कुल गीत से की गयी तपश्चात आजादी का अमृत-महोत्सव पर भारत सरकार द्वारा बनाई गयी विडियो क्लिपिंग का प्रसारण किया गया। इसके बाद अतिथियों को पौधें भेट कर उनका स्वागत किया गया। इस क्रम मे डॉ मदन मोहन जोशी (नोडल अधिकारी ,भारत का अमृत महोत्सव) ने अतिथि प्रोफेसर बिक्रम केसरी पटनाइक जी जो की IGNOU मे SOEDS के निदेशक पद पर अपनी सेवाइए दे रहे हैं, को पौधा भेंट किया। इसी प्रकार डॉ. सूर्यभान ने एचएनबी गढ़वाल विश्वविध्यालय के प्रोफेसर एम सी सती जी को पौधा भेंट किया , डॉ शालिनी चौधरी ने दून विश्वविध्यालय के प्रमुख प्रोफेसर आर पी ममगई जी को ,डॉ नमिता वर्मा ने निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा, प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पांडे जी व अध्यक्ष महोदय प्रोफेसर आर सी मिश्रा को तथा डॉ लता पंत ने कुलसचिव पी डी पंत जी को पौधा भेट किया। तत्पश्चात प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पांडेय जी ने स्वागत भाषण में अर्थशास्त्र की नयी परिभाषा पर प्रकाश डाला एवं पर्यावरण व अर्थशास्त्र के बीच व्यापक सम्बन्ध को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होने यह भी बताया की कैसे पर्यावरण मानव जाति को प्रभावित करता है और पर्यावरण को कैसे मानव जाति के अनुकूल बनाया जाए। डॉ शालिनी ने विषय प्रवर्तन में 1945 से वर्त्तमान तक की भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डाला एवं भारत मे लागू हुए L.P.G मॉडल को भी बताया।

अतिथि उद्बोधन में इग्नू के SOEDS के निदेशक व जाने माने अर्थशास्त्री प्रोफेसर बिक्रम केशरी पटनायक जी ने ,स्वतंत्रता से पूर्व व बाद की भारत की अर्थव्यवस्था से बखूबी रूबरू कराया। उनके उद्बोधन मे भारत जब सोने की चिड़िया कहलाता था से शुरू करके भारत मे ब्रिटिश काल तक की भारतीय अर्थव्यवस्ता का चित्रण था।

तत्पश्चात एच एन बी गढ़वाल विश्वविद्यालय के विख्यात अर्थशास्त्री प्रोफेसर एम सी सती जी ने उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी में चलाये जा रहे क्वालिटी ऑफ़ एजुकेशन की सराहना की। इन्होने 1922 से 1947 तक के विभिन्न आंदोलनों पर बड़ी गहराई से प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने भारत की आधारभूत संरचना, क्षमता निर्माण आदि जैसे ज्वलंत मुद्दों पर भी अपना पक्ष रखा. इन्होने भारत व चीन की अर्थव्यवस्था की तुलनात्मक व्याख्या की। उनके अनुसार आने वाले वर्षों मे (2050 तक) भारतीय अर्थव्यवस्था अपने चरम पर होगी।

इसके उपरांत दून विश्वविद्यालय के प्रमुख प्रोफेसर ममगई जी ने अपने उद्बोधन में क्षेत्रीय असमानता व रोज़गार जैसी समस्याओ पर अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही उन्होंने नयी शिक्षा निति व श्रम गहन तकनीक व वोकल फॉर लोकल पर अपना पक्ष रखा। उनके अनुसार बेरोजगारी की समस्याओं से उभरने के लिए क्वालिटी एडुकेशन व स्किल डेव्लपमेंट पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष प्रोफेसर आर सी मिश्र जी ने जनसंख्या विस्फोट को देश के लिए घातक ठहराया. प्रोफेसर आर. सी. मिश्र द्वारा उद्बोधन मे जनसांख्यिकीय विभाजन पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। उनके अनुसार राष्ट्र की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाला राष्ट्रवादी नहीं हो सकता व शिक्षक को अपने विषय का गहरा ज्ञान होना चाहिए तभी शिक्षार्थियों को पूर्ण लाभ मिल सकता है।

कुलसचिव प्रोफेसर पी.डी पंत जी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। तथा इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के कार्यक्रय में लगभग 156 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमे से कई प्रतिभागी विभिन्न राज्यों जैसे महाराष्ट्र, हरयाणा, व उत्तरप्रदेश से भी थे।

संगोष्ठी के प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में विद्वानों द्वारा प्रतिभागियों की जिज्ञासा को संतुष्ट किया गया.

इस अवसर पर डॉ. एम.एम.जोशी ,डॉ. सूर्यभान, डॉ. दीपांकर जोशी ,डॉ घनश्याम ,डॉ सीता ,डॉ ललित पंत, डॉ राजेंद्र कैडा, डॉ नमिता वर्मा, आदि मौजूद रहे। यह संगोष्ठी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मुख्यालय में ही आयोजित की गयी तथा ऑनलाइन माध्यम से भी कई शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया .

इस कार्यक्रम का संचालन अमित जोशी जी द्वारा किया गया।

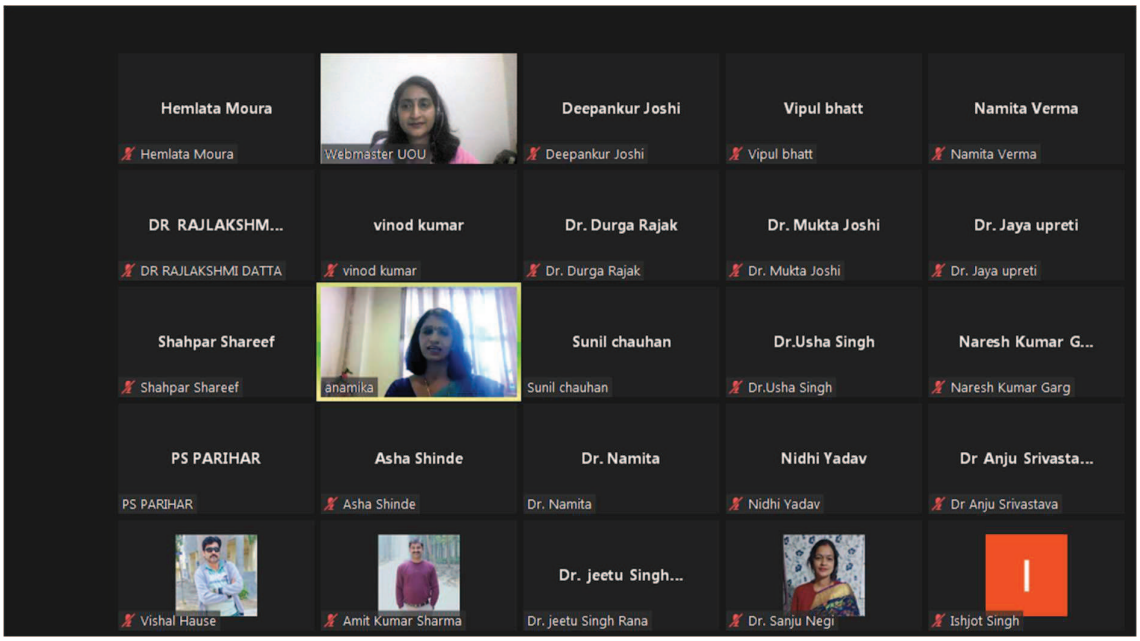

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन अर्थशास्त्र विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा दिनांक 29 जून, 2022 (बुधवार) को अपराह्न 2:30 बजे 'सतत विकास के लिए आँकड़े' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी. विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर विभिन्न संस्थानों के अतिथियों ने उद्बोधन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्विद्यालय को समर्पित कुल गीत से की गयी तपश्चात सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर एक सूक्ष्म वीडियो क्लिप का प्रसारण किया गया. डॉ शालिनी चौधरी ने कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ किया व संगोष्ठी के विषय पर प्रकाश डाला

अतिथि उद्बोधन में डॉ अनामिका चौधरी जो कि शकुंतला मिश्रा नेशनल रिहैबिलिटेशन, लखनऊ में अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष है ने एस डी जी पर बड़ी गहराई से प्रकाश डाला। डाटा को सतत विकास के लिए किस प्रकार प्रयोग किया जाना चाहिए,पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने ये भी बताया कि डाटा को हम पूरे विश्व के विकास के लिए किस प्रकार अनुकूल बना सकते है।

तत्पश्चात डॉ नरेश कुमार गर्ग (सेवानिवृत्त)एस. एम. जे. एन. पी .जी. कॉलेज हरिद्वार ने नवीकरणीय संसाधन पर अपने विचार प्रस्तुत किये उनके अनुसार प्राकर्तिक संसाधनों को बचाने के लिए यथासंभव प्रयास किये जाना चाहिए। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन सीमित मात्रा में करना चाहिए। प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग से भावी पीढ़ी के लिए संसाधन शून्य हो सकते हैं,इसलिए इनका दोहन बहुत सोच समझ कर किया जाना चाहिए, विभिन्न टूल्स

को किस प्रकार प्रयोग किया जाय जिससे संसाधनों के सीमित प्रयोग से अधिकतम उत्पादन किया जा सके जैसे आदि ज्वलंत मुद्दों पर भी अपना पक्ष रखा.

डॉ शालिनी चौधरी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। तथा इस के कार्यक्रय में लगभग 30 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

संगोष्ठी के प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में विद्वानों द्वारा प्रतिभागियों की जिज्ञासा को संतुष्ट किया गया.

इस अवसर पर डॉ नमिता वर्मा,डॉ. एम.एम.जोशी ,डॉ. सूर्यभान, डॉ. दीपांकर जोशी ,डॉ घनश्याम ,डॉ सीता ,डॉ ललित पंत , डॉ रूचि तिवारी ,डॉ प्रभा ढौंढियाल , डॉ शिवांगी उपाध्याय ,डॉ मीनाक्षी राणा ,डॉ मुक्ता जोशी आदि मौजूद रहे।

यह संगोष्ठी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मुख्यालय में ही आयोजित की गयी तथा ऑनलाइन माध्यम से कई शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया .

अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति की बैठक के महत्वपूर्ण बिन्दु

क्रम संख्या	विभाग	तिथि	अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति
1.	अर्थशास्त्र	17 जून 2022	अर्थशास्त्र विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर संचालित पाठ्यक्रमों के उन्नयन एवं प्री.पी.एच.डी. के पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु अध्ययन बोर्ड की बैठक हुई। जिसमें बाह्य विषय विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्री.पी.एच.डी. के कुल CW 03 एवं CW 04 के अंतर्गत 03 मोडूअल का निर्माण किया गया।
		23 मार्च 2023	अर्थशास्त्र की विशेषज्ञ समिति की बैठक हुई। बैठक में नई शिक्षा नीति 2020 लागू किए जाने के सन्दर्भ में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देश (दिनांक 07 दिसंबर 2022) एवं निदेशक (अकादमिक) द्वारा प्रेषित ई-मेल (दिनांक 08 फरवरी 2023; दिनांक 09 मार्च 2023) के निर्देशानुसार, अर्थशास्त्र विषय में स्नातक पाठ्यक्रम (तीन वर्षीय; बहुआयामी संरचना) पर सभी विषय विशेषज्ञों ने अनुमोदन दिया। जिसमें बाह्य विषय विशेषज्ञों के साथ मिलकर बी. ए. (अर्थशास्त्र) के कुल चौदह (14) प्रश्नपत्रों का निर्माण किया गया।
		25 मार्च 2023	अर्थशास्त्र विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 लागू किए जाने के सन्दर्भ में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देश (दिनांक 07 दिसंबर 2022) एवं निदेशक (अकादमिक) द्वारा प्रेषित ई-मेल (दिनांक 08 फरवरी

			2023; दिनांक 09 मार्च 2023) के निर्देशानुसार, अर्थशास्त्र विषय में स्नातक पाठ्यक्रम (तीन वर्षीय; बहुआयामी संरचना) हेतु अध्ययन बोर्ड की बैठक हुई। बैठक में सभी विषय विशेषज्ञों ने अनुमोदन दिया।

BOS की छायाचित्र

- **डॉ. नमिता द्वारा** FDP INPODS द्वारा दिनांक 7/4/22 को आयोजित "Advanced Concepts of Outcomes based- Education" में प्रतिभाग किया|

Workshops

- अर्थशास्त्र विभाग उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 19/6/22 को आयोजित "पिछले 75 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास " विषय में प्रतिभाग किया|
- अर्थशास्त्र विभाग उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 26/6/22 को आयोजित "Data for sustainable development" विषय में प्रतिभाग किया|
- राजनीति विज्ञान विभाग उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "पिछले 75 वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास" विषय में प्रतिभाग किया|
- STRIDE द्वारा आयोजित SPSS-साप्ताहिक कार्यशाला में प्रतिभाग किया|

Paper Published

- A research Paper on Women Empowerment in relation to Indian Economy has been published in international journal of trend in scientific research and development.
- A research Paper on Women literacy and economic development in international journal on Economics, Finance and sustainable development.
- Co-authored a research Paper on Impact of Industry 4.0 in Human Resource Management in American journal of Social and Humanitarian research.
- A research Paper on The Effect of Labour Force Participation on the Economy and Budget in International journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology.
- A research Paper on Public Enterprises and its Implications on Economic Policy and Development in International journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology and Management.
- Co-authored a research Paper on Cashless Economy in India in International journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering and Management.

❖ समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग

- प्रोफेसर रेनू प्रकाश के निर्देशन में कु.वि.वि. नैनीताल द्वारा 'शिक्षण व्यवसाय एवं शिक्षिकाएं (अल्मोडा नगर के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षिकाओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) शीर्षक पर शोधार्थी राखी को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई।
- प्रोफेसर रेनू प्रकाश के निर्देशन में कु.वि.वि. नैनीताल द्वारा 'सामाजिक परिवर्तन में मीडिया की भूमिका (अल्मोडा जनपद के द्वाराहाट विकासखंड के विशेष संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) शीर्षक पर शोधार्थी राधा को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई।

विभागीय कार्य

1. एम.एस.डब्ल्यू. छात्रों का लघुशोध प्रबन्ध कार्य का निर्देशन।
2. स्नातक एवं परास्नातक छात्रों/छात्राओं का ऑफ लाइन एवं ऑन लाइन परामर्श कार्य।
3. असाइनमेंट के लिए क्वेश्चन बैंक का निर्माण किया गया।
4. स्नातक एवं परास्नातक के असाईमेंट के प्रश्न पत्रों का निर्माण एवं अपलोड करने का कार्य।
5. स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर अगस्त माह में प्रस्तावित परीक्षाओं हेतु तैयार प्रश्नपत्रों का मॉडरेशन का कार्यकिया गया।
6. अगस्त माह में प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम सारणी में टंकण त्रुटि जाचने कार्य किया गया।
7. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के SLM Proof Reading Work.

परीक्षा एवं मूल्यांकन से संबंधित कार्य

1. स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर जुलाई माह में होने वाली परीक्षाओं हेतु **प्रश्न पत्रों** का निर्माण किया गया।
2. कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल बी.ए. प्रथम वर्ष की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य किया गया।
3. स्नातक एवं स्नातकोतर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य।
4. कुमाऊ वि.वि. में पंजीकृत एक शोधार्थी राधा का पीएचडी उपाधि का साक्षात्कार हुई।
5. विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह हेतु दिये गये दायित्वों का निर्वहन किया गया।

अन्य कार्य

1. उ0मु0वि0वि0 हल्द्वानी एवं रजा न्यास के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 11.04.2022 से 13-04-2022 तीन दिवसीय रजा शिखर समारोह के हल्द्वानी प्रसंग का आयोजन।
2. उ0मु0वि0वि0 हल्द्वानी एवं रजा न्यास के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 11.04.2022 से 13-04-2022 तीन दिवसीय रजा शिखर समारोह के हल्द्वानी प्रसंग का आयोजन।
3. 06 अगस्त 2022 को समाज कार्य विभाग, उ.मु.वि.वि. हल्द्वानी द्वारा शीर्षक 'पिछले 75 वर्षों में भारत में महिला सशक्तिकरण' पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में ऑन लाइन माध्यम से प्रतिभाग किया गया।
4. 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव में प्रभात फेरी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
5. निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा नैक के मूल्यांकन हेतु गठित कमेटी में सदस्य के रूप में संयोजक के निर्देशानुसार नैक कार्यों का सम्पादन करने में योगदान दिया गया।
6. निदेशक, CIQA के निर्देशानुसार स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम को खण्डवार विभाजन करने, प्रत्येक खण्ड का प्रथम पृष्ट निर्माण, इंडैक्स इत्यादि निर्माण का कार्य किया गया।
7. नैक मूल्यांकन हेतु वि.वि. में गठित समस्त कमेटियों द्वारा समय-समय पर मांगी गई सूचनाओं को एकत्रित कर संबंधित कमेटियों को प्रेषित करने का कार्य किया गया।
8. 12 से 14 सितम्बर 2022 नैक मॉक पीयर टीम के विजिट को समाज विज्ञान विद्याशाखा के साथ विभागीय कार्यों के प्रदर्शन हेतु तैयार पीपीटी प्रस्तुतीकरण, पाठ्यसामग्री को सीका कार्यालय में उपलब्ध कराने, वापस ले जाने, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अन्य गतिविधियों में प्रतिभाग किया।
9. दिनांक 17 से 21 तक बी.एड. (ओ.डी.एल) प्रवेश काउन्सलिंग कमेटी के सदस्य के रूप में कार्यकिया गया।
10. दिनांक 17 से 25 तक IGNOU (STRIDE) द्वारा संचालित UGC approved short-term Pprofessional development programme, on **"IMPLEMENTATIONS OF NEP-2020 FOR UNIVERSITY AND COLLEGE TEACHERS"** Under Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission On Teachers And Teaching में प्रतिभाग किया।
11. एमएसडब्ल्ू द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्रों को क्षेत्रीय कार्य के लिए निर्देशक का कार्य किया।
12. राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 09 नवम्बर 2022 को **'उत्तराखण्ड की विकास यात्रा के दो दशक- एक परिचर्चा'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया
13. 16 नवम्बर 2022 को **'21वीं शताब्दी के कौशल और वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
14. हिंदी विभाग उ.मु.वि.वि. द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग।
15. गणित विभाग उ.मु.वि.वि. द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग।
16. विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में दिये गये दायित्वों का निर्वहन किया गया।

17. एन.ई.पी. 2020 पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
18. 26 जनवरी 2023 के कार्यक्रम में प्रतिभाग।
19. स्वास्थ्य कैम्प में स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया।
20. विज्ञान विद्याशाखा, उ0म0वि0वि0 द्वारा 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' को "CV Raman and his contributions in Science", शीर्षक पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया।
21. समर्थ पोर्टल हेतु Training session on 'how to update an employee profile' आयोजक Uttarakhand Open University, Haldwani में प्रतिभाग किया।
22. 02 अप्रैल से 04 अप्रैल 2023 को सुलभ इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एक्शन सोशियोलॉजी एंड सेनिटेशन द्वरा 'सेनिटेशन, हैल्थ एंड हाईजिन' शीर्षक पर हाने वाली राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत करने के लिए शोध साराशं एवं शोध पत्र तैयार करने का कार्य किया गया।
23. 04 मार्च को महिला जागरूकता कार्यशाला (8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर) होने वाली महिला जागरूकता कार्यशाला की तैयारी में सहयोग।
24. 25 फरवरी से 01 मार्च तक बी0एड0 विशेष विभाग द्वारा आयोजित शोध पद्धतिशास्त्र की कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।
25. 25 एवं 26 अप्रैल 2023 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप स्नातक स्तर हेतु पाठ्यक्रम तैयार कर अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया।
26. दिनांक 26 जुलाई 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'आजादी के अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में 'पिछले 75 वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास' विषय पर आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी में प्रतिभाग किया।
27. दिनांक 18-19 मई 2022 को 'महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण) शीर्षक पर आंतरिक शिकायत समिति द्वारा दो दिवसीय महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया|
28. अप्रैल से 04 अप्रैल 2023 को सुलभ इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एक्शन सोशियोलॉजी एंड सेनिटेशन द्वरा 'सेनिटेशन, हैल्थ एंड हाईजिन' शीर्षक पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शोध पत्र प्रस्तुतीकरण किया गया।
29. विश्वविद्यालय में समय-समय पर आने छात्र-छात्राओं को विषय से संबंधित जानकारियॉ एवं देना एवं उनके समस्याओं का निराकरण करने का कार्य किया जाता है।
30. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कार्यक्रम संचालित करने के लिए मान्यता हेतु यूजीसी-डीईबी में आवेदन करने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार कर बेबसाईट पर अपलोड किये गये।
31. लाईब्रेरी साइंस विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग एवं दिये गये दायित्वों का निवर्हन किया गया।
32. शिशु सदन बेडी डे केयर की बैठक का आयोजन किया गया।
33. 21 जून को योग दिवस पर योग कार्यक्रम की तैयारी में सहयोग।
34. 5 जून पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया।

35. विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर दिये जाने वाले दायित्वों का निवर्हन किया गया।

समाज शास्त्र विभागीय विभिन्न कार्यक्रमों की छायाचित्र

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा आयोजित
महिला जागरूकता कार्यक्रम
"महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण)"
Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal)
(अधिनियम-2013)
दिनांक – 18/05/2022 से 19/05/2022
अध्यक्ष
मुख्य अतिथि
विशिष्ट अतिथि
विशिष्ट अतिथि
विशिष्ट अतिथि

विशिष्ट अतिथि
विशिष्ट अतिथि
विशिष्ट अतिथि
विशिष्ट अतिथि
संयोजक
कार्यक्रम सचिव
सह-संयोजक – डॉ. आशुतोष भट्ट, डॉ. ज्योति रानी, डॉ. रुचि तिवारी
सह-कार्यक्रम सचिव- डॉ. शालिनी चौधरी, डॉ. सीता, डॉ. भाग्यश्री जोशी

1. राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 09 नवम्बर 2022 को **'उत्तराखण्ड की विकास यात्रा के दो दशक- एक परिचर्चा'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

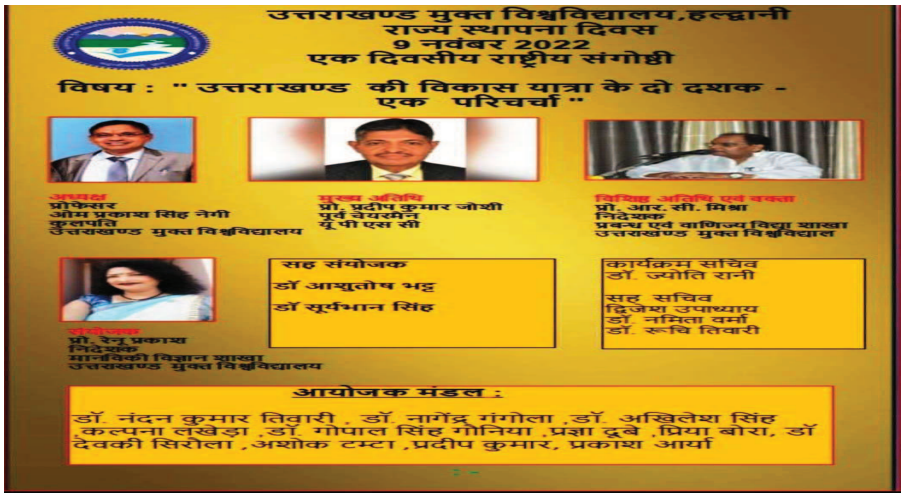

2. मानविकी विद्याशाखा एवं समाज शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 08.03.2022 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के सुअवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा
(SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES AND COMMERCE)

वाणिज्य विभाग

- डॉ. गगन सिंह, सह-प्राध्यापक, वाणिज्य ने **Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration (ATI)** द्वारा **Project Formulation** विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाल में प्रतिभाग किया गया।

- डॉ. गगन सिंह, सह-प्राध्यापक, वाणिज्य ने 5 जून, 2022 को Jai Narain Vyas University, Jodhpur (Raj.) द्वारा पर्यावरण दिवस पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी मे प्रतिभाग किया |
- डॉ गगन सिंह, ने Netaji Subhash Open University, Kolkata (NSOU) द्वारा National-Level Workshop on 'Programme Approval Process of ODL Programme in India and Strategies Adopted for Quality Assurance' विषय पर 30.12.2022 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाल में प्रतिभाग किया गया।

- *विजय पाल सिंह, डॉ रूपेश रोशन सिंह, लवली प्रॉफेश्नल विश्वविद्यालय* व गगन सिंह, सह-प्राध्यापक, वाणिज्य, द्वारा *"Financial Inclusion Through Social Security Schemes in Himachal Pradesh: A Study of PMSBY, PMJJBY & APY"*, शीर्षक पर लिखित शोध ***ANVESAK, Vol. 52, No.1 (I) January – June,*** *pp. 152-162.* ***(ISSN: 0378 – 4568)*** में प्रकाशित हुआ।
- डॉ शमशेर सिंह, सहायक प्राध्यापक, शारीरिक शिक्षा, हि. प्र. विश्वविद्यालय, शिमला व गगन सिंह, सह-प्राध्यापक, वाणिज्य, द्वारा ***"A Critical Analysis Of Adventure And Sports Tourism In Himachal Pradesh"***, शीर्षक पर लिखित शोध Shodhasamhita: Journal of Fundamental & Comparative Research, Vol. VIII, Issue-II, No.12 July – December, 2022, pp. 25-34. (ISSN: 2277-7067) में प्रकाशित हुआ |

- वाणिज्य विभाग द्वारा 18 अप्रैल को एम. कॉम. बी. कॉम. व सी. सी. ओ. एम. पाठयक्रम में पंजीकृत छात्रों के लिए Orientation-cum-Induction Programme का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न छात्रों ने ऑनलाइन माध्यम से उसमें हिस्सा लिया | इस कार्यक्रम में छात्रों की कई समस्याओं का हल निकाला गया तथा साथ ही उन्हें विश्वविद्यालय से संबन्धित अन्य जानकारी विभाग में कार्यरत शिक्षक डॉ गगन सिंह, श्री सुनील कुमार व डॉ प्रिया महाजन द्वारा दी गई |

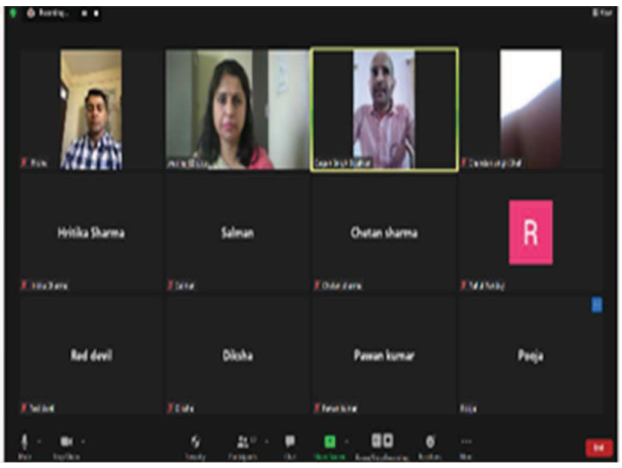

- वाणिज्य विभाग द्वारा माह जून में BBA, B.Com, M.Com, व CCOM में पंजीकृत शिक्षार्थियों के लिए Counselling schedule के अनुसार सप्ताह में कक्षाएं व परामर्श सत्र आयोजित किए गए।

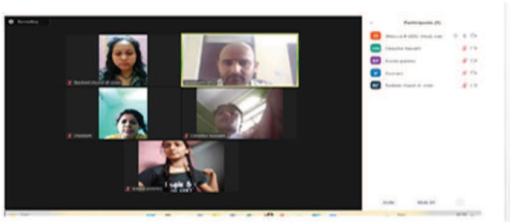

- वाणिज्य विभाग द्वारा 28 नवम्बर को एम. कॉम. बी. कॉम. व सी. सी. ओ. एम. पाठयक्रम में पंजीकृत छात्रों के लिए Orientation-cum-Induction Programme का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न छात्रों ने ऑनलाइन माध्यम से उसमें हिस्सा लिया | इस कार्यक्रम में छात्रों की कई समस्याओं जैसे अध्ययन सामाग्री, सत्रीय कार्य व परीक्षा संबंधी का हल निकाला गया तथा साथ ही उन्हें विश्वविद्यालय से संबन्धित अन्य जानकारी विभाग में कार्यरत शिक्षक डॉ गगन सिंह, श्री सुनील कुमार व डॉ प्रिया महाजन द्वारा दी गई |

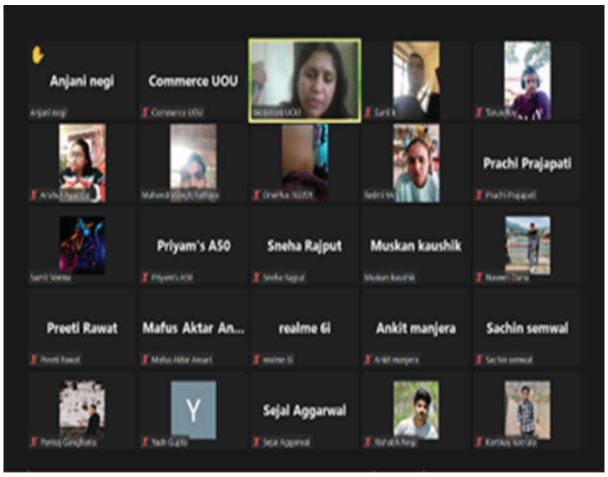

प्रबन्ध अध्ययन विभाग

- डॉ. मंजरी अग्रवाल द्वारा पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य, विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य विभागीय कार्यों को सम्पादित किया गया।
- डॉ. सुमित प्रसाद द्वारा विभागीय छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य विभागीय कार्यों को सम्पादित किया गया।

विज्ञान विद्याशाखा
(SCHOOL OF SCIENCE)

विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण –

जन्तु विज्ञान विभाग (Department of Zoology)

1. जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा वर्ष 2022–23 के दौरान दिनांक 18–19 नवम्बर 2022 को प्लांटिका फाउण्डेशन देहरादून तथा जन्तु विज्ञान विभाग उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा संयुक्त रूप से पांचवी प्लांट साइंस रिसर्च मीट का दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें 273 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

2. जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा वर्ष 2022 से 2023 में नामांकित बी0एस0सी0 एवं एम0एस0सी0 के शिक्षार्थियों के लिये ग्रीष्मकालिन एवं शीतकालिन सत्र में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यशाला 07 जगहों पर आयोजित की गई। यथा देहरादून, ऋषिकेश, पौड़ी ,

उत्तरकाशी (गढ़वाल मण्डल) तथा हल्द्वानी, रानीखेत एवं पिथौरागढ़ (कुमाऊँ मण्डल) में आयोजित करायी गयी। जिसमें जन्तु विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

3. जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा बी0एस0सी0 एवं एम0एस0सी0 तथा **बी0ए ए0सी0** प्रथम सेमेस्टर (NEP 2020) के तहत सभी वार्षिक एवं सेमेस्टर प्रणाली पाठ्य सामाग्री तैयार कर विश्वविद्यालय की वैबसाइट में अपलोड कर दि हैं, तथा मुद्रण अनुभाग को भी भेज दिये गये हैं।

4- वर्ष २०२२-२३ के दौरान 47 इकाई लेखनों का कार्य अलग अलग पुस्तकों मैं मेरे द्वारा किया गया

5. जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा वर्ष 2022 से 2023 के दौरान 02 बार बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम बैठक 18.03.2022 को की गई, जिसमें पी0एच0डी के कोर्स से सम्बन्धित कार्य किया गया, तथा द्वितीय बैठक 28.02.2023 को आयोजित की गई, जिसमें (NEP 20) नये पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार किया गया।
6. जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रतिभाग किया गया।

Dr. Pravesh. Kumar Sehgal

1. .Convener of **National Conference Agriculture, Applied & Life Sciences: Current Research on 5th PSRM & Awards 18-19 Nov. 2022** Organized by PLANTICA Association of Plant Science Researchers (APSR) Dehradun and Dept. of Zoology ,School of Science, Uttarakhan OpenUniversity ,Haldwani ,Nainital.Uttarakhand .
2. Fellow member of Plantika-Association of Plant Science Researchers (-APSR) - 2022.

3. **I have delivered lecture as a part of Coursework in Ph.D. Programme, UOU**. I deliver a lecture through Offline Class on 22/02/23 February. The topic for the lecture is **'· Predatory Publishers and journals'**
4. I have prepaid NEP 2020 B.Sc. Complete Syllabus and Dept. of Zoology UOU, Haldwani.
5. I have prepaid and organized the Board of Studies Meeting for updating the B.Sc. Zoology NEP 2020 Syllabus **18 March 2023**.

डा. श्याम सिंह कुंजवाल

वर्ष २०२२-२३ मैं दो शोध पत्र राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स मैं प्रकाशित किये गए जिनका विवरण निम्न है

1. **Shyam S. Kunjwal "**Studies on Tropical Mulberry Varieties (L Series) of Regional Sericulture Research Station, Sahaspur, Dehradun, Uttarakhand", CURRENT RESEARCH ON ZOOLOGY AND ENTOMOLOGY SCIENCES, Volume – 2, pp 47-75, Edition: 1st, Publication Year: 2022. Paperback ISBN: 978-93-90833-01-6.
2. **Shyam S. Kunjwal** Cancer Stem Cells: From an Insight into the Basics to Recent Advances and Therapeutic Targeting, **Journal of Stem Cells International**, Volume June 2022, and Article ID 9653244, **ISSN(P) 1066-5099, ISSN(E) 1549-4918 I.F:** 5.131. Link: https://doi.org/10.1155/2022/9653244.
3. I have prepared syllabus for the Pre PhD Coursework complete with all BOS Member Professor Neera Kapoor, Professor A.K...Dobryial, Professor O.P.Gusion. Different University and UOU Director SOS and Faculty member Associate Professor and Academic Faculty member Dept. of Zoology .UOU.
4. एग्रीकल्चर, जीवन विज्ञान: वर्तमान 5वें पीएसआरएम एवं amp पर अनुसंधान; पुरस्कार प्लांट साइंस रिसर्चर्स एसोसिएशन (एपीएसआर) देहरादून, उत्तराखंड। 18-19 नवंबर 2022 प्लांटिका द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।
5. वानिकी विभाग और पर्यावरण विज्ञान, स्कूल ऑफ अर्थ एंड एनवायर्नमेंटल साइंस, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी 05 जून, 2022। द्वारा पर्यावरण दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

Dr. Mukta Joshi

1. शुक्रवार, 17 मार्च, 2023 को सामाजिक विज्ञान विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हलद्वानी उत्तराखंड, भारत द्वारा आयोजित "वैश्विक परिदृश्य में भारतीय लोकतंत्र और जी-20" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

2. एग्रीकल्चर, जीवन विज्ञान: वर्तमान 5वें पीएसआरएम एवं amp पर अनुसंधान; पुरस्कार प्लांट साइंस रिसर्चर्स एसोसिएशन (एपीएसआर) देहरादून, उत्तराखंड। 18-19 नवंबर 2022 प्लांटिका द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।
3. . वानिकी विभाग और पर्यावरण विज्ञान, स्कूल ऑफ अर्थ एंड एनवायर्नमेंटल साइंस, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी 05 जून, 2022। द्वारा पर्यावरण दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

डा. जया उप्रेती इकाई लेखन

1. शुक्रवार, 17 मार्च, 2023 को सामाजिक विज्ञान विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हलद्वानी उत्तराखंड, भारत द्वारा आयोजित "वैश्विक परिदृश्य में भारतीय लोकतंत्र और जी-20" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
2. एग्रीकल्चर, जीवन विज्ञान: वर्तमान 5वें पीएसआरएम एवं amp पर अनुसंधान; पुरस्कार प्लांट साइंस रिसर्चर्स एसोसिएशन (एपीएसआर) देहरादून, उत्तराखंड। 18-19 नवंबर 2022 प्लांटिका द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।
3. . वानिकी विभाग और पर्यावरण विज्ञान, स्कूल ऑफ अर्थ एंड एनवायर्नमेंटल साइंस, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी 05 जून, 2022। द्वारा पर्यावरण दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।
4. 14 दिसंबर, 2022 को प्राणीशास्त्र विभाग, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय और भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा आयोजित "पारिस्थितिकी तंत्र के कामकाज में जैव विविधता संरक्षण की भूमिका" पर एक वेबिनार में भाग लिया।

पूर्णिमा नैनवाल

1. 20 दिसंबर, 2022 को उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, हलद्वानी में दक्षिण अफ्रीका के ज़ुलुलैंड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डी.डी. तिवारी द्वारा दिए गए "21वीं सदी की चुनौतियां और शिक्षा: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" विषय पर व्याख्यान में भाग लिया।
2. 24/11/22 एवं 25/11/2022 को पंतनगर में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया।
3. एनईपी पाठ्यक्रम पर चर्चा करें और रूपरेखा तैयार करें।28 फरवरी, 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भौतिकी विभाग, स्कूल ऑफ साइंसेज, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा "सीवी रमन और विज्ञान में उनका योगदान" विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लिया।
4. 14 दिसंबर, 2022 को प्राणीशास्त्र विभाग, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय और भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा आयोजित "पारिस्थितिकी तंत्र के कामकाज में जैव विविधता संरक्षण की भूमिका" पर एक वेबिनार में भाग लिया।

❖ भौतिकी विज्ञान विभाग -

- विभागीय शिक्षक द्वारा ऑनलाइन छात्रों को परामर्श दिया गया तथा अन्य प्रदत्त दायित्वों का निवर्हन किया गया। ऑनलाइन विभागीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

❖ रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा किये गए किर्यकलापो का संशिप्त विवरण क्षाया प्रति के साथ इस प्रकार है |

१. प्रेरण कार्यक्रम (Induction Programme):

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में नवागुंतक विधार्थियो के लिए एक **प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमे** विधार्थियो कि विश्विद्यालय द्वरा चलाये जा रहे कार्यक्रम के बारे में बताया जाता है जेसे कि प्रवेश, परामर्श सत्र, असाइनमेंट, परीक्षा, प्रयोगात्मक कार्यशाला आदि के बारे में जानकारी विधार्थियो को दी जाती है| **(छाया चित्र संलग्नक).**

२. अध्यन बोर्ड की बैठक :

विभाग द्वारा माह मार्च २०२३ में अध्यन बोर्ड की बैठक संपन्न करायी गयी जिसमे देश के महत्वपूर्ण संस्थानों से विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया. बैठक में मुख्य रूप से वर्तमान सत्र से चलाये जा रहे NEP पाठ्यक्रम को तैयार किया गया| **(छाया चित्र संलग्नक).**

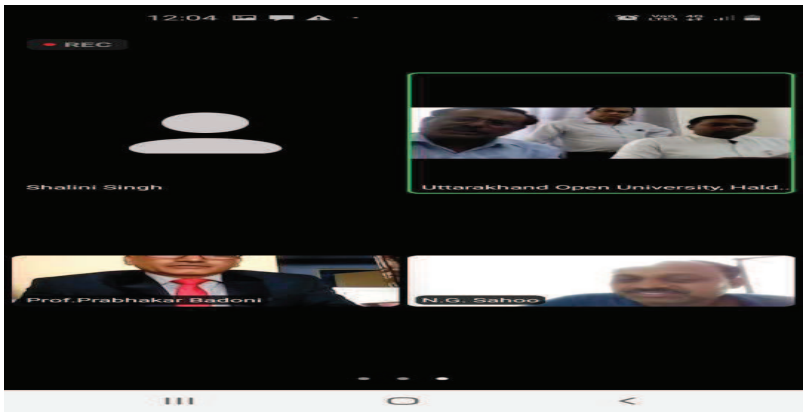

३. प्रयोगात्मक कार्यशाला (Practical workshop):

विभाग द्वारा वर्ष में दो बार विधार्थियों के लिए पुरे प्रदेश भर में सात रीजनल सेंटर में दस दिवसीय प्रोगात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जाता है जिसमे मुख्य रूप से उत्तरकाशी, पोढ़ी, देहरादून, ऋषिकेश पिथोरागढ़, रानीखेत, हल्द्वानी है| प्रयोगात्मक कार्यशाला में विधार्थियो को उनके पाठ्यक्रम में उपस्थित प्रयोगिक आधारित कार्य को सम्बन्धित अध्यन केन्द्रों की प्रयोगशाला में संपन्न कराया जाता है तत्पश्चात इस पर आधारित प्रयोगात्मक परीक्षा करायी जाती है| **(छाया चित्र संलग्नक).**

४. सेमिनार/ वर्कशॉप में प्रतिभाग : विभाग में कार्यरत प्राध्यापको के द्वारा विभिन्न राष्टीय एवम अन्तराष्ट्रीय स्तर के **सेमिनार/ वर्कशॉप में प्रतिभाग किया गया** जिनका विवरण निम्न प्रकार से है|

1.**डॉ. रुचि पांडे (सहायक प्रोफेसर)** दिनांक 18-19 नवंबर, 2022 को एसोसिएशन ऑफ प्लांटिका साइंस रिसर्चर्स (पीएसआर), प्लांटिका फाउंडेशन, कंसोर्टियम, उत्तराखंड और उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी हल्दीवानी

द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 5वीं प्लांट साइंसेज रिसर्चर्स (पीएसआर) 2022: "उत्तराखंड (भारत) के तराई क्षेत्र की मिट्टी की उर्वरता स्थिति का विश्लेषण शीर्षक से एक शोध कार्य प्रस्तुत किया गया है।" **(छाया चित्र संलग्नक).**

५. विभाग द्वारा कराये जा रहे शोध कार्य व प्रकाशित शोध पत्र:

वर्तमान सत्र में विभाग में दो शोध विधार्थी शोध कार्य कर रहे है| इसके अलावा विभाग में कार्यरत प्राध्यापको के द्वारा विभिन्न राष्टीय एवम अन्तराष्ट्रीय स्तर के शोध पत्र प्रकाशित किये है जिनका विवरण निम्न प्रकार से है|

1. Pritee Pant, Kapil Khulbe and **Charu C. Pant**, in-vitro Antioxidant, Antibacterial activity and Phytochemical Characterization of Senecio nudicaulis Buch. -Ham. er D. Don leaves extracts. Biological Forum – *An International Journal* 15(5): 205-215(2023).
2. **Author(s): Dr. Ruchi Pandey** ,Contribution of soil Organic Carbon , Total Nitrogen and Carbon / Nitrogen Ratio in soils of Tarai Region of Uttarakhand in India. The Canadian Journal of Clinical Nutrition, Volume 10, Issue 1, Januaruy ,2022, Page 70-80.
3. **Author(s): Dr. Ruchi Pandey** and Dr. Beena Tewari FularaThe Therapeutic uses of *Putranjiva roxburghii:* Review Article International Journal of Veterinary Sciences and Animal Husbandry ,2022; 7(4): 51-54 DOI: https://doi.org/10.22271/veterinary.2022.v7.i4a.433

4. **Author(s): Dr. Ruchi Pandey and Dr.Shalini Singh** Screening of Primary Soil Nutrients (NPK) in Tarai and Hill Region Uttarakhand, India, © 2023 IJRAR March 2023, Volume 10, Issue 1 www.ijrar.org (E-ISSN 2348-1269, P- ISSN 2349-5138)
5. Prasad, J., **Kumar, V.,** Chandra, B., Tamta, A., Khulbe, R., Kandpal, N.D., **2023.** CuO-Rice Starch Nanocomposites: Synthesis, Characterization and Antibacterial Properties. Asian Journal of Chemistry. 35(5):1169-1177. (ISSN/ISBN No. 0975-427X).UGC-Care List Group II (Scopus). https://doi.org/10.14233/ajchem.2023.27739.
6. B.Pant, D. Prakash, and P. Sagar, Microwave Assisted Solvent Free Catalytic Amino-Carbonylation of Aryl Bromide by Using μ-Dichloro-*bis*(benzylidene aniline)palladium(II) Complex as CatalystAsian Journal of Chemistry,vol.35. No.2 (2023),361-365.

❖ वनस्पति विज्ञान विभाग

1.इकाई लेखन Unit Writing

विभाग के शिक्षकों द्वारा स्नातकोत्तर कार्यक्रम (MSCBOT-21) हेतु 20 से अधिक इकाई लेखन तथा 08 असाइनमेंट का निमार्ण किया गया।

2. अध्ययन सामाग्री का स्वरूपण और संपादन Formatting and Editing of SLM

वनस्पति विज्ञान विभाग के शिक्षकों (डॉ0 एस0एन0 ओझा, डॉ0 पूजा जुयाल, डॉ0 किर्तिका पडलिया, डॉ0 प्रभा ढौंडियाल, डॉ0 पुष्पेश जोशी) द्वारा वर्ष 2022–2023 में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (MSCBOT-21) की कुल 05 पुस्तकों / अध्ययन सामाग्री का स्वरूपण और संपादन (formatting and editing) किया गया।

3.संकाय विकास कार्यक्रम Faculty Development Programme (FDP)

विभाग के शिक्षकों ने STRIDE, IGNOU, दिल्ली द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम Faculty Development Programme (FDP) में प्रतिभाग किया।

4.वनस्पति विज्ञान संवर्धन कार्यक्रम Departmental Activities for Promotion

- विभाग के शिक्षकों द्वारा **वनस्पति विज्ञान संवर्धन विभिन्न क्रियाकलाप द्वारा किया गया–**
  - i- रेडियो टॉक – >04
  - ii- सेमिनार में प्रतिभाग (राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय) – >20
  - iii- वेबिनार में प्रतिभाग (राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय) – >08
  - iv- वर्कशाप में प्रतिभाग (राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय) – >15
  - v- संकाय विकास कार्यक्रम – 02
- स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम के शिक्षार्थियों हेतु सत्र एवं सेमेस्टर के प्रारम्भ में इंडक्शन प्रोग्राम (ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड) का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

- सोमवार, 28 फरवरी 2023 को स्कूल ऑफ साइंस, उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित '' आजादी का अमृत महोत्सव'' मनाने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान सर्वत्र पूज्यते विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का समन्वय किया गया।

5.पुरस्कार Awards

Plant Science Research Meet (PSRM)- 2022 में डॉ0 एस0एन0 ओझा, एवं डॉ0 पुष्पेश जोशी को विज्ञान के क्षेत्र में निम्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- Received "Plant Science Excellence Research Award-2022" in National conference on Agriculture, applied and life sciences- Current Research at Uttarakhand Open University, Haldwani from November 18-19, 2022 (Dr. S. N. Ojha).
- Received "**Outstanding Faculty in Science Education Award- 2022**" in National conference on Agriculture, applied and life sciences- Current Research at Uttarakhand Open University, Haldwani from November 18-19, 2022 (Dr. Puspesh Joshi).

6.वनस्पति विज्ञान विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक

- विभाग द्वारा वर्ष 2022–2023 के दौरान 02 बार बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम बैठक 28.07.2022 को की गई, जिसमें स्नातक के लिए सीबीसीएस पाठ्यक्रम एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अल्प संसोधन और पी0एच0डी (**वनस्पति विज्ञान**) के कोर्स से सम्बन्धित कार्य किया गया, तथा द्वितीय बैठक 27.03.2023 को आयोजित की गई, जिसमें स्नातक हेतु NEP 2020 के अनुसार नये पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार किया गया।

7. विभागीय प्रयोगशाला कार्यशाला

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम के शिक्षार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन सत्र की विभागीय प्रयोगशाला कार्यशाला एवं परीक्षा का सफल संचालन विश्वविद्यालय के 07 अध्ययन केन्द्रों देहरादून, ऋषिकेश, पौड़ी , उत्तरकाशी (गढ़वाल मण्डल) तथा हल्द्वानी, रानीखेत एवं पिथौरागढ़ (कुमाऊँ मण्डल) में आयोजित करायी गयी। जिसमें वनस्पति विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

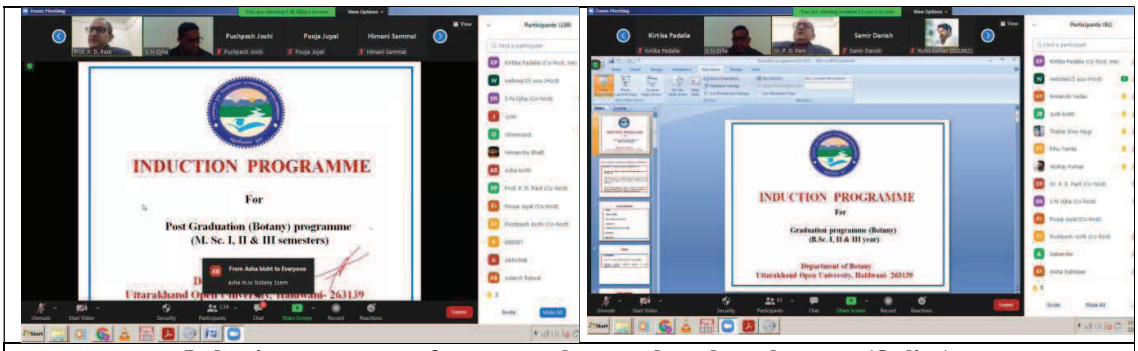

Induction programme for post-graduate and graduate learners (Online)

Inaugural session of Laboratory workshop

Educational field trip and promotion during laboratory workshop

BOS meeting of Department of Botany, dated 28 July, 2022 and March 27, 2023

“Plant Science Excellence Research Award-2022” received By Dr. S. N. Ojha

"Outstanding Faculty in Science Education Award- 2022" received by Dr. Pushpesh Joshi

National Webinar on "Vigyan Sarvatra Pujyate (विज्ञान सर्वत्र पूज्यते)" February 28, 2023	Practical Workshop of Botany at HNB University Pauri Campus

❖गणित विभाग

SELF LEARNING MATERIAL CONSTRUCTION:

- According to New Education Policy the department of mathematics prepared his own self learning material for BSC First and Semester learners.
- For post graduate first and second semester learners department has prepared his own study material.

Department academic works:

- The faculties of Department of Mathematics actively participated in examination duties, paper setting, evaluation, Assignment works and lectures for PhD students.
- The department works related for DEB and NAAC.
- The department has organized Board of Study meeting.

Organized Programme:

- Organized a national conference entitled "National conference of mathematics and its applications in sciences" during Dec 22-23, 2022 organized by the Department of Mathematics at Uttarakhand Open University, Haldwani.

- Organized a counseling for Under graduate and post graduate learners.
- Organized a Induction programme for learners.

Workshop\Seminar\Training programme Attended:

The faculty of department attend 20 national and 02 International programme organized by different University\Institute.

Radio Talk: Two radio talk given by the faculty of department of Mathematics.

Video Lecture: Ten video lectures were given by the faculty of department of Mathematics.

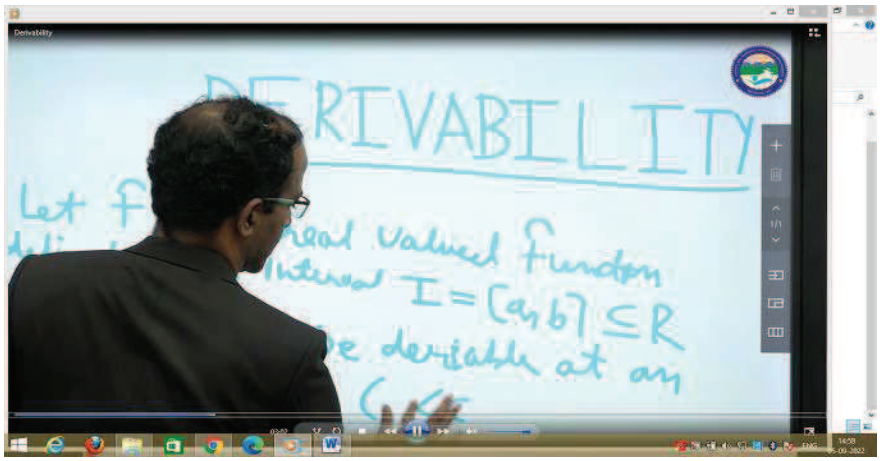

- Publication:

1. Dr.Kamlesh Bisht have written a new concept based innovative paper on the topic "**Hesitant Fuzzy Time Series Forecasting**" and preparing to submit to the Journal "Expert Systems and Application" with impact factor 8.665.

2. Dr.Kamlesh Bisht research paper entitled "Computational-based partitioning and Strong (α,β) -cut based novel method for intuitionistic fuzzy time series forecasting" is published in the Journal "Applied Soft Computing" (Elsevier) with impact factor 8.263. *Learner support*

3. Dr. Arvind Bhatt Edited a book as a chief editor of "National Conference of Mathematics and it's application in Science".

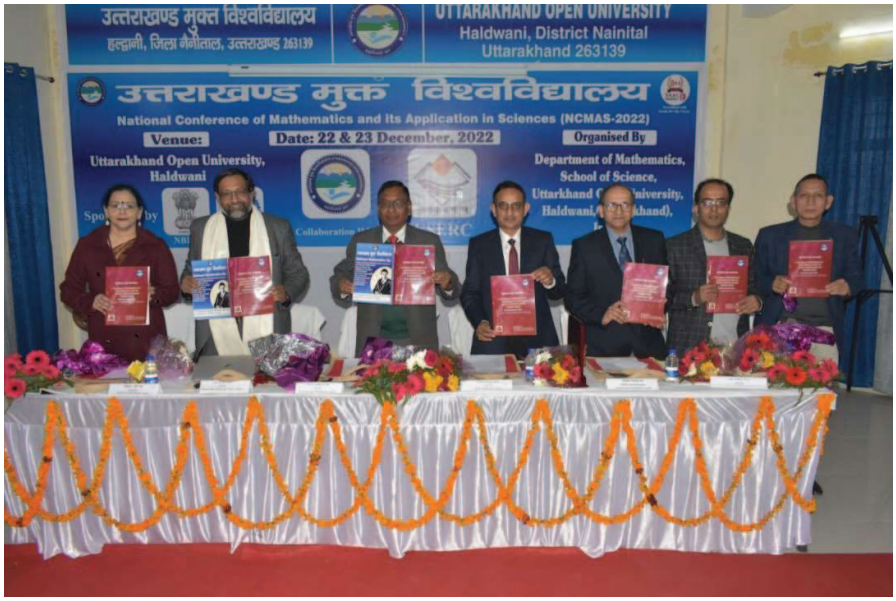

- Dr.Shivangi Upadhyay published a paper entitled "Geometry and Application in Economics of Fixed point" in Symmetry, MDPI.https://www.mdpi.com/2073-8994/15/3/704/pdf

डॉ. कमलेश बिष्ट

- गणित विभाग द्वारा 22-23 दिसंबर 2023 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (NCMAS-2022) के आयोजन में प्रतिभाग किया।
- मार्च २०२३ को गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी के तहत आयोजित BOS में प्रतिभाग किया।
- एक ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया गया, जिसे 28/02/2022 को "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाने के लिए "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" के अवसर पर "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" विषय पर स्कूल ऑफ साइंस द्वारा आयोजित किया गया था। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हलद्वानी
- 26 जुलाई 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा "पिछले 75 वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्था का विकास" विषय पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।
- 29 जून, 2022 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "सतत विकास के लिए डेटा" नामक सेमिनार में भाग लिया।
- स्कूल ऑफ़ हेल्थ में "योग दिवस" पर एक व्याख्यान में भाग लिया।
- अर्थशास्त्र विभाग ने "पिछले 75 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास" शीर्षक से एक सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें भाग लिया गया।
- स्कूल ऑफ अर्थ एंड एनवायरनमेंट साइंस द्वारा 5 जून को "केवल एक पृथ्वी" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया था जिसमें भाग लिया गया है।
- श्रीमद्भगवत गीता जयंती पर संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित एक सम्मेलन व्याख्यान में ऑनलाइन भाग लिया गया।
- समर्थ पोर्टल पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी व्याख्यान में प्रतिभाग किया।

विभाग का कार्य

- लिखित इकाई की संख्या 7
- पुस्तक सम्पादित 01
- असाइनमेंट प्रश्न तैयार किया गया।

- वीडियो लेक्चर तैयार
- रेडियो व्याख्यान दिया गया।
- अध्ययन मंडल की बैठक में भाग लिया
- "संविधान दिवस" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया
- राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एनसीएमएएस-2022 राष्ट्रीय संगोष्ठी में तीन शोध प्रपत्र प्रकाशित किये।

परीक्षा संबंधी कार्य

- उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया।
- परीक्षा विभाग द्वारा दिये गये सारणीकरण का कार्य किया गया।
- विभाग द्वारा आयोजित व्यावहारिक कार्यशाला में भाग लिया।

Dr. Jyoti Rani

National seminar/ workshop of the Department Faculty

- Modified the syllabus of B.A. / B.Sc. (Mathematics) and M.A./M.Sc. (Mathematics).
- Organized one day National Webinar on "**सतत् भविष्य के लिए आज लैंगिक समानता जरूरी :लैंगिक असमानता-कारण-समस्याएँ, चुनौतियाँ एवं समाधान**" as a **ORGANIZING SECRETARY** for Celebrating the Women's day", organized by Department of Humanities UOU, Haldwani, March 8, 2022.
- Attended One day International Web Conference on **"International Women's Day "** on **"Re-explore: Gendered Reality in Different Context**" organized by Department of History Govt. Degree College, Doshapani, Nainital, Uttarakhand (India) on 6 March. 2022.
- Actively participated one day National Web Conference on topic **Revolutionary Changes and Struggle Journey: Dr. B.R.Ambedkar and E.V.R. Periyar** organized by Pt. PurnaNand Tewari Govt. Degree College, Dosapani, Doshapani, Nainital, M.P.G.College, Haldwani, Nainital, Uttarakhand, April 10, 2022.
- Attendant FDP on **Advanced Concepts of outcomes-based Education** organized by ***InPods Ed-tech***, April 6, 2022.
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा दिनांक May 18-19, 2022 को दो दिवसीय महिला जागरूकता कार्यक्रम "महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण)" मे प्रतिभाग किया.

- Attended an online National webinar on Environment Day on June 5, 2022 organized by Department of Forestry and Environmental Science, School of Earth and Environment Science, Uttarakhand Open University Haldwani.
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा आयोजित 'पिछले 75 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 18 जून, 2022 को ऑनलाइन प्रतिभाग किया।
- ***अंतर्राष्ट्रीय*** योग दिवस के अवसर पर योग विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार मे दिनांक 20 जून, 2022 को ऑनलाइन प्रतिभाग किया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा दिनांक 29 जून, 2022 को 'Data for Sustainable Development' (सतत विकास के लिए आंकड़े)' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया।
- Attended a webinar on "पिछले 75 वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास' conducted by the department of Political Science, Uttarakhand Open Univeristy, Haldwani at July 26, 2022.
- Verified the assigned admission forms of Dehradun regional centre.
- Attended a one day seminar 'World Suicide Prevention Day' organized by Department of Psychology, Uttarakhand Open University, Haldwani on 9th September, 2022.
- Participated "हिन्दी में हस्ताक्षर" programme organized by Department of Hindi, Uttarakhand Open University, Haldwani on 14th September, 2022.
- मनोविज्ञान विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 10 अक्टूबर, को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस केउपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया।
- Prepared the power point presentation in examination Department required for NAAC.
- Organized one day National Webinar on "**उत्तराखंड की विकास यात्रा के दो दशक- एक परिचर्चा**" as a Organizing sectary for", organized by Uttarakhand Open University, Celebrating the Uttarakhand Establishment Day program Haldwani, November 9, 2022.
- Attended National Seminar on the occasion of National Library week 2022 on "Connect with your Library" organized by Uttarakhand Open University, Haldwani on 21st November 2022.
- Attended one day National Conference National on Constitution Day with the theme of India: The Mother of Democracy, Organized by School of Law & School of Social Science Uttarakhand Open University, Haldwani dated on 26-November-2022.
- Attended one day Conference "व्यक्ति की गरिमा,स्वतंत्रता, सभी के लिए न्याय और विधिक सहायता का महत्व" Organized by School of Law & School of Social Science Uttarakhand Open University, Haldwani dated on 9 December 2022.
- Attended a National seminar on "Bahubhashita, bahusanskriti aur bhartiyata" organized by the Department of Hindi, Uttarakhand Open University, Haldwani from December 11-12, 2022 at UOU, Haldwani.

- Attended a lecture on ‘‘21st Century Challenges and Education: A global Perspective” delivered by Prof. D.D. Tiwari, University of Zululand, South Africa on December 20, 2022 at Uttarakhand Open University, Haldwani
- Organized a National Conference on "National conference of mathematics and its applications in sciences" as an **ORGANIZING SECRETARY** for Celebrating National Mathematics day, organized by the Department of Mathematics at Uttarakhand Open University, Haldwani, Dec 22-23, 2022.
- Organized a seminar as a member of organizing committee on the occasion of ”National Science Day", on February 28, 2023.
- Actively participated in the “One days’ workshop” for SAMARTH PORTAL Organized by Uttarakhand Open University, Haldwani.
- Actively participated in the “One days’ workshop” for PRE-Ph.D Course Work Organized by Uttarakhand Open University, Haldwani.
- Actively participated in the “One days’ workshop” for NEP Organized by Uttarakhand Open University, Haldwani on January 17-18, 2023.
- Attended one day seminar ‘‘वैश्विक परिदृश्य में भारतीय लोकतंत्र और जी- 20’’ in UOU campus on 17 March 2023.
- Attended the “proceeding release ceremony” of Mathematics department on March 20, 2023 at UOU, Haldwani.
- Attended One Day Women Awareness Workshop organized by the Department of Education, UOU, Haldwani on March 4, 2023.
- Participated in the meeting of **crèche as coordinator**.

Department work

- Modified the syllabus of B.A. / B.Sc. (Mathematics) and M.A./M.Sc. (Mathematics).
- Prepared and uploaded the quiz (assignments) for Post-graduation and graduation.
- Prepared the assigned examination question papers for graduation and post-graduation programme.
- Video lecture prepared and delivered.
- There are three online lectures delivered by me to the learners of BA/BSC Mathematics of first year on the SLM entitled “Calculus and differential equation” with course code MT-02 by the ZOOM app.

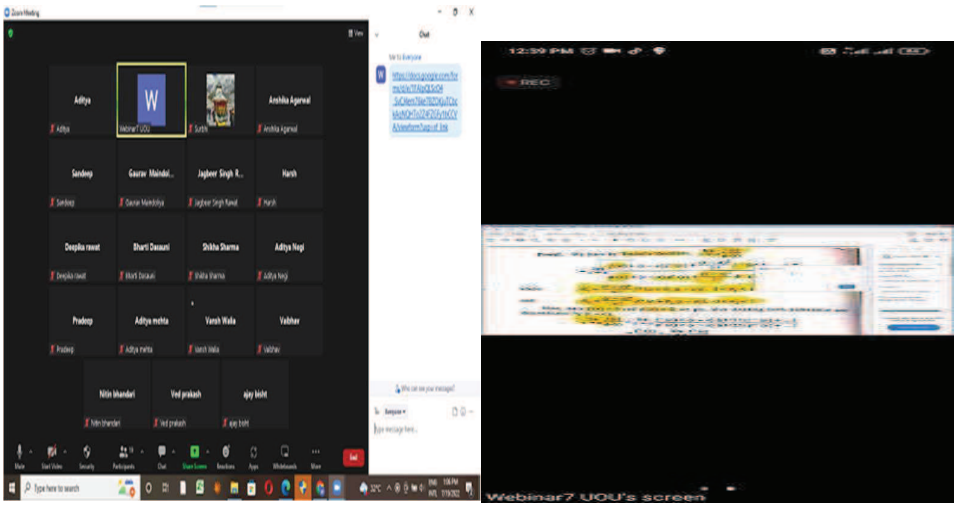

- Actively participated in virtual counseling sessions for M.A./M.Sc. (Mathematics) Second Semester organized by Department of Mathematics from 12-10-2022 to 14-10-2022.
- Actively participated & Delivered an online lecture at the "Two days' workshop" for MA/MSc First Semester learners organized by the Department of Mathematics.
- Actively participated & delivered an online lecture at the Online Induction programme for BA/BSc and MA/MSc learners organized by the Department of Mathematics.
- **One research papers published in NCMAS-2022, National Seminar conduct by Department of Mathematics, Uttarakhand Open University.**

Examination Related work

- Counseling of Uttarakhand Open University learners regarding the admission, exam, assignment and other query.
- Examination Session 2020-2021 & 2021-22 related work, result processing, prepare date-sheet, Tabulation and declaration and conducted University Entrance Exam as **Assistant Exam Controller.**
- As a **Assistant Exam Controller** work as a team member declared promotion results and declared all final years results which we have conducted in the month of March-April 2022.
- Prepared date-sheet for final examination (Summer August 2022) of the University.
- Prepared Power Point Presentation of Examination for NAAC.
- Evaluated the examination copies of UG/PG programme.

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL OF EARTH AND ENVIRONMENTAL SCIENCE)

1. बी.एससी. के विषय-वानिकी एवं एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान के शिक्षार्थियों के लिए **इंडक्शन कार्यक्रम** का आयोजन किया गया।

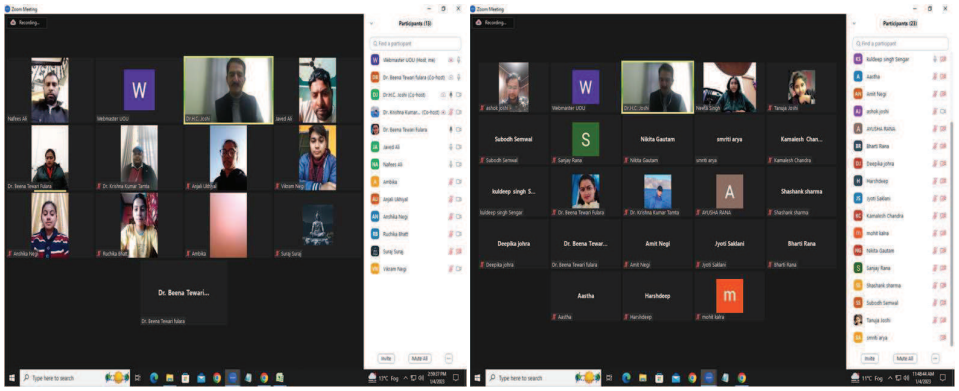

इंडक्शन कार्यक्रम

2. बी.एससी. के विषय-वानिकी एवं एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान के शिक्षार्थियों के लिए पं.एल.एम.एस. पी.जी. कॉलेज ऋषिकेश में 7-11 June, 2022 और एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी में 24-30 June, 2022 प्रयोगशाला कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रयोगशाला कार्यशाला

3. बी.एससी. के विषय वानिकी एवं एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान के शिक्षार्थियों के लिए दिनांक 25-June, 2022 को वन अनुसंधान केंद्र हल्द्वानी तथा दिनांक 10, June, 2022 को जल परीक्षण प्रयोगशाला नमामि गंगे परियोजना एम्स ऋषिकेश का **शैक्षणिक भ्रमण** का आयोजन किया गया।

शैक्षणिक भ्रमण

4. वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा, द्वारा **"विश्व पर्यावरण दिवस"** दिनांक 5 जून 2022 के अवसर पर **"केवल एक पृथ्वी"** (Only One Earth) विषय पर **एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार** तथा विश्वविद्यालय परिसर में **वृक्षारोपण कार्यक्रम** का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

"विश्व पर्यावरण दिवस" दिनांक 5 जून 2022 के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में **वृक्षारोपण कार्यक्रम**

5. **"हरेला पर्व" जुलाई 2022** के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में **वृक्षारोपण कार्यक्रम** का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

"हरेला पर्व" जुलाई 2022

6. **विभाग द्वारा किये गये रेडियो कार्यक्रम:**

   (i) हरेले का हमारे पर्यावरण से नाता https://youtu.be/Us3AxLNcBbw **(डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा एवं डॉ. बीना तिवारी फुलारा)**

   (ii) विश्व ओज़ोन दिवस – 2022 https://youtu.be/yVJ-jp3ziQs **(डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा एवं डॉ. बीना तिवारी फुलारा)**

   (iii) हिमालय दिवस - महत्ता और विचार https://youtu.be/geV95wEid9g **(डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा एवं डॉ. बीना तिवारी फुलारा)**

   (iv) प्राकृतिक संसाधन और बढ़ती जनसँख्या https://youtu.be/CiLGF3roJ7Q **(डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा एवं डॉ. बीना तिवारी फुलारा)**

   (v) अरंडी - एक विषैला पौंधा https://youtu.be/BBQrmQqxsgU **(डॉ. बीना तिवारी फुलारा)**

   (vi) माँ नन्दा महोत्सव - उत्तराखण्ड का लोक-पर्व https://youtu.be/k0C-7dFY4o0 **(डॉ. बीना तिवारी फुलारा)**

   (vii) औषधीय पौधों की उपयोगिता एवं रासायिनक घटक https://youtu.be/k0C-7dFY4o0 **(डॉ. बीना तिवारी फुलारा)**

7. **विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रकाशित शोध पत्र (Research Papers): 07**

   (i) Jyotsna, Ashish Tewari, Shruti Shah and **Krishna Kumar Tamta,** (2023).Timing of phenological events and fruit ripening in Ficus palmate forssk. In the Mid Himalayan Region. Journal of Applied Biology & Biotechnology, Vol. 11(4), pp. 109-118.

   (ii) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara, Krishna Kumar Tamta,** Shalini Chaudhari and Deepak Paliwal, (2022). Higher Education in India and Uttarakhand: Role of Conventional Vs Open and Distance Learning Systems. Towards Excellence (An Indexed Refereed & Peer-Reviewed Journal of

Higher Education) UGC-Human Resource Development Centre Gujarat University, Vol.14, Issue No.4, DOI: 10.37867/TE140439.

(iii) Amit Mittal, Ashish Tewari, Nandan Singh, **Krishna Kumar Tamta, Beena Tewari Fulara**, Shruti Shah, and S. Sharma, (2022). Physiological Maturity Studies of Myrica esculenta in Kumaun Himalaya Uttarakhand. Current World Environment (CWE), 17(2).

(iv) Sandeep Kumar Sunori, Apala Bhatt, Amit Mittal, Nandan Singh, **Krishna Kumar Tamta,** Pradeep Juneja, Ishita Uniyal (2022). Development of ANN Based Models for Binary Classification of Rainfall." IEEE 3rd Global Conference for Advancement in Technology (GCAT), Bangalore, India, 2022, pp. 1-4, DOI: 10.1109/GCAT55367.2022.9972190.

(v) **एच. सी. जोशी,** शालिनी सिंग, **कृष्ण कुमार टम्टा** और **बीना तिवारी फुलारा** (2023). "भारत में नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्तिथि: एक समीक्षा"I शोध दिशा, अंक: 61/3, पृष्ठ संख्या: 228-234.

(vi) Komal Joshi, **Beena Tewari** and Jeet Ram, 2022. Seed Characteristics and Germination of Quercus leucotrichophora A. Camus Tree along the Elevation Gradient in Central Himalaya, India. Indian Journal of Ecology (2022) 49(2): 558-562 DOI: https://doi.org/10.55362/IJE/2022/3561

(vii) Ruchi Pandey, **Beena Tewari Fulara, (**2022). The therapeutic uses of Putranjiva roxburghii: Review Article. Int J Vet Sci Anim Husbandry 2022;7(4):51-54. DOI: https://doi.org/10.22271/veterinary.2022.v7.i4a.433

8. <u>विभाग के शिक्षकों द्वारा विश्वविश्यालय के संपादित एस. एल. एम. :</u>

(i) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 501: Environment and Ecology, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(ii) S. S. Samant, Uma Melkania, **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 502: Land, Water and Bio-Resources, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(iii) Satish Kumar Bhardwaj, Richa Kothari, **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 503: Energy Resources, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(iv) Uma Melkania, **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 504: Environmental Ethics and Philosophy, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(v) Rajiv Pandey, **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 505: Research Methodology for Environmental Studies, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(vi) Nagin Chand, Anita Pande **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 506: Environmental Physics and Chemistry, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(vii) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 507: Environmental Microbiology and Biotechnology, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(viii) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 508: Environmental Economics and Sustainable Development, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(ix) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 601: Environmental Pollution and Health, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(x) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 602: Environmental Planning, Policies and Acts, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(xi) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara** and **Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 603: Environmental Impact Assessment and Environmental Auditing, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(xii) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara, Krishna Kumar Tamta, (2022).** EVS 604: Clean Technologies, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(xiii) **H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara, Krishna Kumar Tamta, (2023).** EVS 605: Atmosphere and Climate Change, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(xiv) H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara, Krishna Kumar Tamta, (2023). EVS 606: Ecophysiology and Ecotoxicology, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

(xv) H. C. Joshi, Beena Tewari Fulara, Krishna Kumar Tamta, (2023). EVS 607: RS, GIS and GPS: Basics and Applications, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India.

विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रकाशित संपादित पुस्तक अध्याय (Edited Book Chapters): 11

(i) Nandan Singh, Ashish Tewari*, Shruti Shah, Amit Mittal, **Krishna Kumar Tamta** and Maitreyie Narayan., (2023). Capsule Maturation Timing and Seed Germination in *Rhododendron Arboreum* Smith at Sub-Alpine Region of Western Himalaya, Uttarakhand. PLANTA – Vol.-6: pp: 1065 – 1072 *(Research Book Series Chapter – 118)*

(ii) Ashish Tewari, Shruti Shah, Nandan Singh, Amit Mittal and **Krishna Kumar Tamta**, (2023). Water Relations of the Indian Himalayan Treeline Species In: Surendra P. Singh, Zafar A. Reshi and Rajesh Joshi (Eds), Ecology of Himalayan Treeline Ecotone, (pp. 395 - 410), Springer Nature Singapore. https://doi.org/10.1007/978-981-19-4476-5_16 (**Scopus).**

(iii) Krishna Kumar Tamta, (2022). Unit 1: Introduction to Environmental Planning, In: EVS 602: Environmental Planning, Policies and Acts, SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 1-15.

(iv) Krishna Kumar Tamta, (2022). Unit 2: Environmental Protection, In: EVS 602: Environmental Planning, Policies and Acts, SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 16-38.

(v) Krishna Kumar Tamta, (2022). Unit 4: Decision Making, In: EVS 603: Environmental Impact Assessment (EIA) and Environmental Auditing (EA), SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 58-68.

(vi) Krishna Kumar Tamta, (2022). Unit 11: EIA for Some Typical Development Projects, In: EVS 603: Environmental Impact Assessment (EIA) and Environmental Auditing (EA), SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 152-163.

(vii) **Krishna Kumar Tamta,** (2022). Unit 1: Technology for Development, In: EVS 604: Clean Technologies, SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 1-21.

(viii) **Beena Tewari, Fulara,** (2022). Unit 9: Climate Change, In: EVS 601: Clean Technologies, SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 164-216.

(ix) **Beena Tewari, Fulara,** (2022). Unit 2: Components of EIA Process, In: EVS 603: Environmental Impact Assessment (EIA) and Environmental Auditing (EA), SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 1-13.

(x) **Beena Tewari, Fulara,** (2022). Unit 3: Preparation and Writing of EIA Report, In: EVS 603: Environmental Impact Assessment (EIA) and Environmental Auditing (EA), SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 14-38.

(xi) **Beena Tewari, Fulara,** (2023). Unit 17: Human Settlement Planning, In: EVS 607: RS, Gis And Gps: Basics and Applications, SLM, UOU, Haldwani, Nainital (Uttarakhand), India, pp: 337-357.

9. पुरस्कार:

(i) **डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा एवं डॉ. बीना तिवारी फुलारा** द्वारा दिनांक 19 नवंबर, 2022 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हलद्वानी में "5वीं प्लांट साइंस रिसर्च मीट (पीएसआरएम) 2022: "नेशनल कॉनफेरेन्स ऑन एग्रीकल्चर, एप्लाइड एंड लाइफ साइंसेज - करेंट रिसर्च" में नामक **राष्ट्रीय सम्मेलन** में एक **तकनीकी सत्र** की **सह-अध्यक्षता** की गई।

(ii) **डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा** द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2022 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में भाग लिया और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

(iii) **डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा** को दिनांक18-19 नवंबर, 2022 को एसोसिएशन ऑफ प्लांट साइंस रिसर्चर्स (एपीएसआर), प्लांटिका फाउंडेशन, देहरादून, उत्तराखंड और उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी हलद्वानी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "5वीं प्लांट साइंस रिसर्च मीट (पी.एस.आर.एम) 2022: "नेशनल कॉनफेरेन्स ऑन एग्रीकल्चर, एप्लाइड एंड लाइफ साइंसेज - करेंट रिसर्च" में विज्ञान शिक्षा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार-2022 **(Outstanding Faculty in Science Education Award-2022)** प्रदान किया गया।

Receiving Outstanding Faculty in Science Education Award- 2022

10. शोध कार्य प्रस्तुतीकरण:

- **डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा** द्वारा दिनांक 19 नवंबर, 2022 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हलद्वानी में "5वीं प्लांट साइंस रिसर्च मीट (पीएसआरएम) 2022: "नेशनल कॉनफेरेन्स ऑन एग्रीकल्चर, एप्लाइड एंड लाइफ साइंसेज-करेंट रिसर्च" में नामक **राष्ट्रीय सम्मेलन** में "*डी. ब्यूटीरेसिया* रॉक्सब. एंड *पी. अर्मेनिका* लिनन. दि प्रोमिसिंग ऑइलसीड्स प्रोडूसिंग ट्री स्पीशीज फॉर इकोनॉमिक अपलिफ्टमेंट" शीर्षक से एक "**शोध कार्य प्रस्तुतीकरण** किया गया।

11. विभाग के शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार/ऑनलाइन /कार्यशाला/सेमिनार/ सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभाग:

Date	Participation in Seminar/ Conference (if any)
24 November, 2021	Attended one day seminar on "Water: issues and challenges in the Himalaya" organized by Society for Mountain Development and Conservation and Central Himalayan Environment Association (CHEA) Nainital at Nainital.
29-30 November, 2021	Attended 02 days International Webinar on "Social Determinants of Health and Health Seeking Behaviour forwards Health Equity: with special Reference to Elderly People of Mountain Region organized by UOU, Haldwani.
17-18 December, 2021	Attended 02 Days Online National Webinar on "Entrepreneurship Development through Cultivation of Medicinal and Aromatic Plants", organized by IDP-NAHEP, College of Horticulture and Forestry, CAU (Imphal), Pasighat- Arunanchal Pradesh.
18th January, 2022	Attended 01 day webinar on ***''राष्ट्रीय चेतना के शैक्षिक आधार "*** organized by ***ज्योतिष विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं विद्याभारती, नई दिल्ली.***

1-2 February, 2022	Attended 02 days online webinar on "Herbal medicine to combat the threatening pandemic diseases a scope for future startup" organized by the College of Horticulture and Forestry, Central Agricultural University (Imphal), Pasighat, Arunachal Pradesh, under Institutional Development Plan of National Agricultural Higher Education Project.
13-14 February. 2022	Attended 02 days National Webinar on Floristic Research in India, Contribution of BSI to Nation: Present and Future" organized by Botanical Survey of India, MOEF&CC, Kolkata, on the Occasion of 133 Foundation Day.
28 February, 2022	Attended 01 day National Webinar on "Vigyan Sarvatra Pujyate" on the occasion of "National Science Day" organized by School of Science and School of Earth and Environmental Science, Uttarakhand open University, Haldwani.
08 March, 2022	Attended 01 day pragramme on the occasion of International Women's Day organized by Uttarakhand Open University Haldwani.
30 March, 2022	Attended 01 day National Seminar on Invasive Alien Species : An undesirable guest to the natural ecosystem" organized by Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Ministry of Environment, Botanical Garden, Shalimar, Howrah, West Bengal 711103, India.
26 April, 2022	Attended 01 day webinar on "Snow, Glacier and Glacial lake studies in Himalayan Region" organized by USERC, Dehradun.
11-12 May, 2022.	Attended two days CII Business Summit "Being Future Ready" (Virtual Mode) on "Enhancing Competitiveness by Investing in Technology, Innovation and Research" and "Design Innovation Leadership: Key for Sustainable Growth of Economy" organized by Confederation of Indian Industry, Udyog Vihar, Gurgaon, Haryana.
18-19 May, 2022	Attended two days Awareness programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal organized by Uttarakhand Open University, Haldwani
18 June, 2022	Attended one day national webinar on '**पिछले** *75* **वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास**' **विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी** organized by Department of Economics, UOU, Haldwani.
29 June, 2022	Attended National Webinar on "Data for Sustainable Development" organized by Department of Economics, School of Social Science, UOU, Haldwani.
26 July, 2022	Attended One Day National Seminar on "**पिछले** 75 **वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास**" (Virtual Mode) organized by Department of Political Science Uttarakhand Open University
28 July, 2022	Successfully participated in a National Online Quiz Competition on "Awareness on World Nature Conservation in and around the world" on the occasion of "World Nature Conservation Day" organized by Department of Science Modern Institute of Technology Rishikesh-Uttarakhand.

6 August, 2022	Participated in one day National Seminar on, "**पिछले** 75 **वर्षों में भारत में महिला सशक्तिकरण**" Organized by Department of Social Work, Uttarakhand Open University, Haldwani.
28 August, 2022	Participated in the one day online seminar on "Environmental Concerns in Himalaya" organized by Prof. Y. P. S. Pangtey Research Foundation Society.
9 September, 2022	Attended Online Lecture on "Creating Hope through Actions" on the occasion of World Suicide Prevention Day organized by Department of Psychology, School of Social Sciences, Uttarakhand Open University Haldwani.
16 September, 2022	Participated in the National Seminar on "Protecting life on earth on the occasion of Preservation of the Ozone layer" organized by the IGNOU, New Delhi.
27 September, 2022	Participated in photography competition and secure 3rd Position on the occasion of world Tourism Day organized by Department of Tourism, Uttarakhand Open University.
30 September, 2022	Attended one day Online Webinar on "What risks should businesses and industries be most concerned about and how can they best prepare for a greener future and climate transition approach?" under Climate Dialogue Series2022–India organized by Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC), GIZ and Avian We–Chase India.
10 October, 2022	**मनोविज्ञान विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 10 अक्टूबर, को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया।**
18-19 November, 2022	Attended 5th Plant Science Research Meet (PSRM) - 2022: National Conference on Agriculture, applied and life sciences- Current Research held at Uttarakhand Open University, Haldwani jointly organized by organized by organized by Association of Plant Science Researchers (APSR), Plantica Foundation, Dehradun, Uttarakhand & UOU, Haldwani.
21 November, 2022	Attended National Seminar on the occasion of National Library week 2022 on "Connect with your Library" organized by Uttarakhand Open University, Haldwani.
24-25, November, 2022	Actively participated in "Entrepreneurship Development Programme (EDP) in Biotechnology" organized by Biotech Consortium India Limited, New Delhi and Uttarakhand Council for Biotechnology, Government of Uttarakhand, Pantnagar at GBPUAT, Pantnagar
26 November, 2022	Attended 01 day National Conference National on Constitution Day with the theme of India: The Mother of Democracy, Organized by School of Law & School of Social Science Uttarakhand Open University, Haldwani.
Date	**Participation in Workshop (if any)**

8-12 November, 2021	Attended 05 Days Online Workshop on "Digital Technologies, Office Skills, and Technology Enhanced Learning" conducted by School of Vocational Studies, Uttarakhand Open University, Haldwani in Collaboration with Uttarakhand Science Education & Research Centre (USERC), Govt. of Uttarakhand, Dehradun.
1-8 February, 2022	Attended 07 days virtual training on "Success Master class: Personality Development with Soft Skills Learning" organized by the College of Horticulture and Forestry, Central Agricultural University (Imphal), Pasighat, Arunachal Pradesh, under Institutional Development Plan of National Agricultural Higher Education Project.
23 February, 2022	Attended 01 day National Workshop on "Entrepreneurship Skill, Attitude and Behavior Development" organized by Kumaun University Innovation and Incubation Centre (KU-IIC), Nainital.
14 to 25 March, 2022	Attended 2 Weeks Online Capacity Building Programme for Teachers in Higher Education on "Blended Learning in Higher Education Institutions" organized by Dr. B. R. Ambedkar Open University, Hyderabad, Centre for Staff Training and Development (CSTD) in collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA).
24-26 March, 2022	Attended 03 daysTraining Programme on 'NEP 2020: Changing Role of Teachers in Distance and Online Learning' (Online Mode) Organized by Staff Training and Research Institute of Distance Education IGNOU, Maidan Garhi, New Delhi.
26 March, 2022	Attended 01 day Online Workshop on उत्तराखंड के भोगोलिक संकेत (जी.आई.टैग): जानकारी एवं जागरुकता (Geographical Indications (G. I. Tag) of Uttarakhand: Information and Awareness) Organized by Intellectual Property Rights Cell Kumaun University, Nainital.
04 May, 2022	Attended "one-day Capacity Building Training Programme in Plant Identification" (Virtual Mode) organized by Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok.
12-14 July, 2022	Participated in Three Days short term "Capacity Building Programme on "Quantitative Methods of Research for Teachers and Academics" organized by Staff Training and Research Institute of Distance Education (STRIDE).
05-08 September, 2022	Participated Four Days Short Term Training Programme (Online) on "Research Paper Writing, IPR and Patent Filing" organized by Mukund Education Society's and Sanmati Engineering College.
01अक्टूबर , 2022	गांधी जयंती 2022 की पूर्व संध्या पर अपराह्न 03: 00बजे से हिंदी विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 'रचनात्मक लेखन कार्यशाला' में भाग किया।
14-15 October, 2022	Attended NAAC sponsored two days National workshop on "Role of IQAC in quality enhancement & sustainability" organized by IQAC & Mechanical Engineering department, Tulsiramji Gaikwad Patil, Nagpur.

20 - 21 October, 2022	Actively participated in Two Days Workshop on the "Reducing Risk & Building Resilience: Capacity Building In The Mountain States" jointly organized by Dr. Raghunandan Singh Tolia Uttarakhand Academy of Administration (DRSTUAoA) Nainital Government of Uttarakhand and National Institute of Disaster Management (NIDM), Ministry of Home Affairs, Government of India at Nainital

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा

(School of Computer Science and Information Technology)

Dr. Jeetendra Pande

Ignou stride UGC-Approved ShortTerm Professional Development Programme: Development and Use of Open Educational Resources (OER) in Distance and Online Learning' में OER Implementations in UOU विषय परव्याख्यान दिया| UOU "Development of Online Courses for SWAYAM" Portal

Thailand Cyber University Project (TCU), Ministry of Higher Education,Science, Research and TCU International e-Learning Conference (IEC2022 "HOW SWAYAMHAS TRANSFORMED THEINDIAN HIGHER EDUCATION ECO-SYSTEM""

Gunwant, S., Pande, J., Bisht, R. J. (2022). Asystematic study of the literature on careerguidance expert systems for students: Implicationsfor ODL. Journal of Learning for Development, 9(3),492-508. Thematic and Sentiment Analysis of Learners'Feedback in MOOCs. HV Pant, MC Lohani, J Pande - Journal of Learningfor Development, 2023 Related articles All 2versions Investigating the Teachers' AttitudeRegarding open Educational Resources (OER) at Sukhothai Thamathirat Open University, Thailand J Pande, A Singh, K Intaratat, G Mythili - ResearchHighlights in Language, Literature and …, 2022Exploring the factors affecting learners' retention inMOOCs: A systematic literature reviewHV Pant, MC Lohani, J Pande - … Journal ofInformation and Communication Technology…,2021https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou22_ge51/preview

Dr.Ashutosh Kr Bhatt

Patwal A S,Agarwal G, & Bhatt A K (Feb2023). "A Systematic Review on Soil Properties, ItsIdentification andMachineLearningApproaches", International Journal of Research and Analytical Reviews, E-ISSN 2348-1269, P-ISSN 2349-5138,UGC Approved (Journal No :43602(19)), 7.17 Impact Factor, Volume 10 Issue1."Water Quality Prediction of Nainital Lake, Uttarakhand,India Using Artificial Neural Network Models" विषय पर लिखा लेख IGI Global, Hershey, Pennsylvania 17033-1240,USA, 2022 द्वारा प्रकाशित किया गया | DOI:10.4018/978-1-6684-2443-8, ISBN13:9781668424438. Bateja R, Dubey S K, Bhatt A, "Prescription BasedRecommender System for Diabetic Patients Using EfficientMap Reduce", published in ENGINEERING JOURNAL Volume 26 Issue 10, E-ISSN: 0125-8281, 31 Oct 2022, pp. 85-98,https://engj.org/ DOI:10.4186/ej.2022.26.10.85, Scopus, ESC IIndexed Bateja, R., Dubey, S. K., & Bhatt, A. (27 Sept 2022)."Integration of EHR and PHR leveraging cloud services forapproving treatments" published in International Journal ofHealth Sciences, 6(S8), 4940– 4959. DOI:https://doi.org/10.53730/ijhs.v6nS8.13322, ISSN 2550-6978E-ISSN 2550-696X, indexed by SCOPUS,https://oa.mg/work/10.53730/ijhs.v6ns8.13322 Pant H, Lohani M C,

Bhatt A K, Pant J, Singh D, "GUI basedThoracic Disease Detection using Segmented DeepConvolutional Neural Network", published in "IEEE Xplore"DOI:10.1109/ICCUBEA54992.2022.10011072, 16 January2023, pp.259-272 Scopus Indexed,https://ieeexplore.ieee.org/document/10011072, E ISSN:2771-1358 ISBN:978-1-6654-8451-0, USB ISBN:978-1-6654- 8450-3. X-rays imaging analysis for early diagnosis of the thoracic disorders using Capsule Neural Network with Transfer learning H Pant, MC Lohani, AK Bhatt - 2023 9th International Conference on Advanced …, 2023 A reseach paper entitled "Decrypting the Learners' Retention Factors in Massive Open Online Courses" coauthored by Dr. Jeetendra Pande- Associate Professor(Computer Science) is publised in the Journal of

Learning for Development , 9(1), 37-54. The Journal is SCOPUS indexed and the full length paper is available at https://jl4d.org/index.php/ejl4d/article/view/570

https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou24_cs09/preview

Dr.Balam S Dafauti Five Days online Faculty Development Program on "Data Analytics for Research" from 27th June 2022 to 1st July 2022 organized by Amity School of Economics, Amity University - Uttar Pradesh, Greater Noida Attended Online Faculty Development Program on the

topic "Emerging Trends in Cultural Heritage Tourism Management" from28TH Nov- 2nd Dec, 2022 organized as part of the Pre- Inaugural celebrations of AURA2022, held at Amity University Greater Noida. Successfully Completed Five Days online Faculty Development Program on "Data Analytics for Research" from 27th June 2022 to 1st July 2022 organized by Amity School of Economics, Amity University - Uttar Pradesh, Greater Noida. Participated and completed Ten Days Online FDP Cum Workshop on " Skill Enhancement and Professional Development" as a Value added Course from 13 Jun to 24 Jun, 2022. Organized by Amity University, Uttar Pradesh (Greater, Noida) Presented a Research paper on MOOC in India: Implementations" Challenges in International Conference on "Dimensions of ODL System in Current Global Scenario of Higher Education" Organized by Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal. Participated and completed Ten Days Online FDP Cum Workshop on; Skill Enhancement and Professional Development as a Value added Course from 13 Jun to 24 Jun, 2022. Organized by Amity University, Uttar Pradesh (Greater, Noida) Participated and Presented a Research paper on Comparison of MOOC Platforms in India in International e-Learning Conference, organized by Thailand Cyber University.

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

(SCHOOL OF EDUCATION)

शिक्षा शास्त्र विभाग –

डा. डिगर सिंह फर्स्वाण

अगस्त 2022 में सितम्बर 2021 के हल्द्वानी रीजन के प्रवेश आवेदन पत्रों का वेरिफिकेशन के लिए गठित समितियों को कार्य आवंटित किया गया| कुमाऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों में जैसे राजकीय महाविद्यालय मासी अल्मोडा, MBPG कॉलेज हल्द्वानी नैनीताल, LBS राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ नैनीताल, में वाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित होकर BA शिक्षाशास्त्र, MA शिक्षाशास्त्र तथा बीएड के प्रयोगात्मक परीक्षाओं को संपन्न किया| विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित MPDD की बैठक में प्रतिभाग किया| MPDD में उपनिदेशक के दायित्यों का निर्वहन करते हुए विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग किया तथा पुस्तक वितरण, पुस्तकों की आपूर्ति, SLM टेंडर तथा SLM से सम्बंधित विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया| 27-07- 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित CBCS की बैठक में प्रतिभाग किया| विभाग में CBCS से सम्बंधित बैठक आयोजित कर BA शिक्षाशास्त्र के सभी सेमेस्टरों के लिए CBCS के अनुसार Core व Elective विषयों का चयन किया| बीएड स्पेशल द्वितीय एवम चतुर्थ सेमेस्टर की पांच दिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा उनको प्रमाण पत्र वितरित किया | विभाग में विभिन्न विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन हेतु सभी प्राध्यापकों को विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र, सत्रीय कार्य, SLM तथा अन्य से सम्बंधित कार्यों की जिम्मेदारी दी गयी| विभाग में पीएचडी में पंजीकृत शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा समय - समय पर विश्वविद्यालय द्वारा दिये गए कार्यो को पूर्ण किया|

दिनांक 8-9-2022 को शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में शोध सलाहकार समिति (RAC) की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विभाग में पंजीकृत शोधार्थियों द्वारा शोध प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण किया गया तथा शोधार्थियों को शोध कार्य से सम्बंधित विभिन्न सुझाव दिए गए| MPDD में उपनिदेशक के दायित्यों का निर्वहन करते हुए विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग किया तथा पुस्तक वितरण, पुस्तकों की आपूर्ति, SLM टेंडर तथा SLM से सम्बंधित विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया| विभाग में MAED के पाठ्यक्रम को ब्लाक के आधार निर्मित करने हेतु विभागीय बैठक आयोजित कर सभी प्राध्यापकों को इस हेतु जिम्मेदारी दी गयी|| विभाग में विभिन्न विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन हेतु सभी प्राध्यापकों को विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र, सत्रीय कार्य, SLM तथा अन्य से सम्बंधित कार्यों की जिम्मेदारी दी गयी| विभाग में पीएचडी में पंजीकृत शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा समय - समय पर विश्वविद्यालय द्वारा दिये गए कार्यो को पूर्ण किया|

दिनांक 21-11-2022 को विभाग में पंजीकृत शोधार्थियों का शोध प्रारूप पर चर्चा करने हेतु शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक का आयोजन किया गया| विभाग में पंजीकृत पांच शोधार्थियों (नीरज कांडपाल, बृजेश कुमार बनकोटी, दीपक सोराड़ी, संजना रौतेला तथा सुशील कुमार चंद्रा) ने अपने शोध प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण किया| बैठक में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. गोपाल सिंह नयाल पूर्व प्राध्यापक एस.एस. जे. परिसर अल्मोड़ा, विश्वविद्यालय के शोध निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डेय, निदेशक शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा प्रो. ए. के. नवीन तथा विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे|

डॉ॰ डिगर सिंह फर्स्वान सह प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र द्वारा 12-18 मार्च 2023 तक इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU- STRIDE) द्वारा आयोजित National Workshop on "Design and Development of Self-Learning Materials for Distance, Online and Blended Learning" में प्रतिभाग किया| जिसमें विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा SLM के निर्माण तथा इससे सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान प्रस्तुत किये गए|

24 -25 मार्च 2023 तक LSM PG College Pithoragarh सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा में वाह्य परीक्षक के रूप में सम्मिलित हुआ तथा प्रयोगात्मक परीक्षा को संपन्न किया| दिनांक 27मार्च,2023 को शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शिक्षा विभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक प्रो अखिलेश . कुमार नवीननिदेशक शिक्षाशास्त्र की अध्यक्षता में ऑनलाईन आयोजित की गयी। जिसमें बी.ए. शिक्षा शास्त्र (BAED) के पाठ्यक्रम को NEPके अनुसार सेमेस्टर के आधार पर पुनर्योजित कि 2020 ये जाने हेतु चर्चा की गयी जिसमें अध्ययन बोर्ड के सदस्यों द्वारा बी. ए. शिक्षा शास्त्र (BAED) के पाठ्यक्रम को NEP के अनुसार 2020) सेमेस्टर के आधार पर पुनर्योजित कर पाठ्यक्रम के सभी प्रश्नपत्रों के नामकरण एवं अध्यायचर्चाBlock तथा Unit पर स्वीकृति प्रदान (की गयी तथा इकाई लेखकों ,संपादकों ,प्राश्निकों तथा परीक्षकों की सूची को अनुमोदित किया गया |अध्ययन बोर्ड की बैठक में प्रो .अरविंद कुमार झा प्राध्यापक स्कूल ऑफ एजुकेशन इग्नू, नयी दिल्ली, प्रो .मनोज कुमार सक्सेना विभागाध्यक्ष केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश शिमला, प्रोरजनी रंजन सिंह ., विभागाध्यक्ष डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि, लखनऊ तथा विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे| UGC DEB के PORTAL में B.A. शिक्षाशास्त्र BAED के पाठ्यक्रम को सेमेस्टर के आधार (6 सेमेस्टर) पर तैयार कर उपलोड किया गया तथा MAED के पाठ्यक्रम को सेमेस्टर के आधार पर उपलोड किया गया| विभाग में विभिन्न विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन हेतु सभी प्राध्यापकों को विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र, सत्रीय कार्य, SLM तथा अन्य से सम्बंधित कार्यों की जिम्मेदारी दी गयी| विभाग में पीएचडी में पंजीकृत शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा समय -समय पर विश्वविद्यालय द्वारा दिये गए कार्यो को पूर्ण किया|

शिक्षाशास्त्र विभाग में पंजीकृत शोध छात्र कमल गहतोड़ी का Ph.D. Final Viva का प्रस्तुतीकरण का संचालन किया|

डॉ॰ डिगर सिंह फर्स्वान सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र द्वारा सितम्बर 2023 में विभिन्न कार्यों का निर्वहन किया| विश्वविद्यालय की MAED, BAED, B.Ed ODL तथा B.Ed Special परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य किया| 10 -11 2023 को MIET हल्द्वानी तथा UCOST देहरादून द्वारा "Intellectual property right" विषय पर आयोजित स्टेट लेवल कार्यशाला में प्रतिभाग किया| 22 -11-2023 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में मीडिया की भूमिका" विषय पर देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया| विश्वविद्यालय की आगामी परीक्षाओं के लिए NEP 2020 के अनुसार सत्रीय कार्यों का निर्माण करने तथा उसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु विभाग के सभी प्राध्यापकों को कार्य आवंटित किया| BAED-23 प्रथम सेमेस्टर "Introduction to Education" विषय का NEP के अनुसार पांच unit का SLM तैयार कर MPDD को प्रकाशन हेतु प्रेषित किया| विश्वविद्यालय की आगामी परीक्षाओं के लिए MAED, BAED, B.Ed ODL, Ph.D. Course Work तथा विशेष शिक्षा के विभिन्न प्रश्न पत्रों का निर्माण कर परीक्षा विभाग को प्रषित किया|

27-11-2023 को MIET तथा अमर उजाला द्वारा प्रायोजित देवभूमि शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 (Devbhumi Education Excellence Award 2023) से माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया गया|

यह पुरस्कार सम्पूर्ण उत्तराखंड राज्य से 16 प्राध्यापकों को उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदान किया गया |

विभाग में विभिन्न विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन हेतु सभी प्राध्यापकों को विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र, सत्रीय कार्य, SLM तथा अन्य से सम्बंधित कार्यों की जिम्मेदारी दी गयी| विभाग में पीएचडी में पंजीकृत शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा समय -समय पर विश्वविद्यालय द्वारा दिये गए कार्यो को पूर्ण किया|

डॉ॰ देबकी सिरोला (Assistant Professor)

डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा विश्वविद्यालय की मार्च-अप्रैल 2022 में संपन्न परीक्षाओं के शिक्षाशास्त्र विषय के MAED-203 प्रश्नपत्र की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय की जून-जुलाई में प्रस्तावित परीक्षा हेतु विभिन्न प्रश्नपत्रों का निर्माण कर परीक्षा विभाग को प्रषित किया गया | BA-17 मार्कशीट रिजल्ट बनाने का कार्य संपादित किया गया और BAED 2 वर्ष के असाइनमेंट MCQs—(100 MCQs प्रत्येक) तैयार किया गया। असाइनमेंट BAED-201, BAED-202, BA17, BA 16, BAM-17 (100 MCQs प्रत्येक) बनाकर अपलोड किया गया।

डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा माह मई 2022 में निम्न कार्यों का सम्पादन किया गया- जुलाई-अगस्त से प्रारम्भ होने वाली परीक्षाओं के लिए निम्न लिखित विषयों के निबंधात्मक एवं लघु उत्तरीय प्रश्नपत्रों का निर्माण किया गया-

1. BAED-302-III YEAR
2. MAED- 608- IV Semester
3. MAED- 609- V Semester
4. PE-05 - IV Semester

इसके अतिरिक्त BA-17, BSC-17 BCOM-19 , MA-18, MA-19, MA-22 मेन परीक्षाओं के टेबुलेसन का कार्य संपादित किया गया। 15 मई से प्रारम्भ होने वाले सत्रीय परीक्षाओं के MCQ बनाकर अपलोड करने का कार्यों को संपादित किया गया।

डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा माह जून 2022 में निम्न कार्यों का सम्पादन किया गया- 25 जुलाई 2022 से प्रारंभ होने वाली ग्रीष्म कालीन सेमेस्टर और वार्षिक परीक्षाओं की 28 विषयों के प्रश्नपत्रों के मौडरेशन का कार्य संपादित किया। इसके अतिरिक्त पीएच-डी०प्रवेश परीक्षाओं की उत्तर कुंजी की क्रॉस जाँच का कार्य एवं Ph-D प्रवेश परीक्षाओं के टेबुलेसन का कार्य संपादित किया गया।

डॉ॰ देबकी सिरोला के द्वारा माह जुलाई 2022 में निम्न कार्यों का सम्पादन किया गया- MA Education I,II, III & IV Sem की Counselling list बनाने का कार्य संपादित किया गया। 1 अगस्त 22 से प्रारम्भ होने वाली परीक्षा से संबन्धित OMR शीट, Verification form & आन्सर शीट लिस्ट बनाकर सभी परीक्षा सेंटरों में बंडल बनाकर भेजवाया। Uou exam सेंटरों की लिस्ट बनाकर सभी के मोबाइल नम्बर की लिस्ट बनाई उन्हें व्हाट्सएप ग्रूप से जोड़ा और उनसे परीक्षा से संबन्धित सामग्री की जानकारी प्राप्त करने का कार्य किया। B.A.-21 SEP-21Roorkee regional Centre के Admission verification का कार्य संपादित किया। Sepl. B.Ed. Workshop की 2 class की teaching की दोनों कक्षाओं में पाठ योजना बनाना सिखाया। फ्लाइंग ड्यूटी के चालान फ़ारमैट मेल करने का कार्य संपादित किया।

डॉ॰ देबकी सिरोला सहायक प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र द्वारा सहायक परीक्षा नियंत्रक के दाइत्यों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय की अगस्त- 2022 में हो रही परीक्षाओं से संबन्धित विभिन्न कार्यों को सम्पन्न किया गया। परीक्षा केन्द्र 45 , M.B.P.G. College हल्द्वानी में दिनाँक 04-08-2022 को 2-4 pm वाली पाली में

औचक निरीक्षण किया गया जिसमें 4 परीक्षार्थियों को मोबाईल फोन से नकल करते हुए पकड़ा गया उसके बाद उनका UFM किया गया।

दिनाँक 15-08-2022 को माननीय कुलपति महोदय के नेतृत्व में निकाली गई स्वतन्त्रता दिवस की प्रभात फेरी में प्रतिभाग किया और स्वतन्त्रता दिवस के समारोह में सहभागिता की। दिनाँक 18-08-2022 को माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में की गई परीक्षा समिति की बैठक में प्रतिभाग किया। दिनाँक 19-08-2022 को परीक्षा केंद्र SBS राजकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय रुद्रपुर का औचक निरीक्षण किया गया जहाँ परीक्षाएँ सुचारु रूप से चल रही थी, सभी परीक्षार्थी शान्तिपूर्वक परीक्षा दे रहे थे। दिनाँक 27-08-2022 को परीक्षा केंद्र राजकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय टनकपुर, राजकीय महविद्यालय बनबसा, राजकीय स्नातकोत्तर महविद्यालय खटीमा और राजकीय महविद्यालय सितारगंज का औचक निरीक्षण किया गया जहाँ परीक्षाएँ सुचारु रूप से चल रही थी, सभी परीक्षार्थी शान्तिपूर्वक परीक्षा दे रहे थे।

फ्लाइंग स्कॉड परीक्षा ड्यूटी (27/08/2022)

डॉ॰ देबकी सिरोला सहायक प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र द्वारा माह सितम्बर में बीए I-की 4, बीए-II-4 एवं बीए III -4 , कुल 12 पाठ्यक्रमों का ब्लॉक वाइज़ SLM BAED-101 की BOOK-01, BOOK-02, BAED-102 की BOOK-01,BOOK-02 , BAED- 201 की BOOK-01, BOOK-02, BAED-202 की BOOK-01,BOOK-2, BAED-301, BOOK-01, BOOK-02, BAED-302 की BOOK-01, BOOK-02 का 4 वर्षीय SLM कवर पेज एवं इंडेक्स सहित पाठ्यक्रम को ब्लॉक वाइज़ विभाजित कर प्रत्येक इकाइयों का संयोजन कर सम्पादन करके MPDD विभाग में छपवाने के लिए प्रस्तुत किया गया। दिनाँक 08-09-2022 को RAC कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शोधार्थियों द्वारा शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए जिसमे विभिन्न सुझाव देने में प्रतिभाग किया।

RAC कार्यशाला (08-09-2022)

दिनाँक 10-09-2022 को एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार "उच्च शिक्षा के वैश्वीकरण पर एनईपी 2020 के विभिन्न आयाम" (Various Dimensions of Higher Education) पर आधारित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबीनार में प्रतिभाग किया। जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों पर वक्ताओं द्वारा दिये गए विचारों को आत्मसात किया जो शिक्षार्थियों के लिए भी लाभदायक सिद्ध होगा।

ऑनलाइन वेबीनार-10-09-2022--

दिनाँक 09-09-2022 से 14-09-2022 तक NAAC प्रत्यायन के कार्यों को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने के लिए दिये गये उत्तरदायित्व-यथा-वाह्य व्यवस्था, स्वछता और अनुशासन सम्बन्धी कार्यों को संपादित करने के लिए रिपोर्ट बना कर प्रस्तुत किया गया।

CBCS पाठ्यक्रम के तहत यूजीसी द्वारा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए B.A.II सेमेस्टर का प्रथम प्रश्नपत्र शिक्षा के दार्शनिक आधार का पाठ्यक्रम निर्माण करके शिक्षा विभाग को प्रस्तुत किया गया। सितंबर माह में 2 रिसर्च पेपर यूजीसी केयर लिस्ट शोध पत्रिका में प्रकाशित किया। इसके अतिरिक्त नैक से संबन्धित विभागीय कार्यों को संपादित किया। साथ ही बीए द्वितीय वर्ष के प्रश्नपत्रों के निर्माण हेतु सिलैबस लिस्ट बनाकर तीन प्रश्निको के नाम की पूर्ण विवरण के साथ सूची बना कर शिक्षा विभाग को प्रस्तुत किया।

डॉ॰ देबकी सिरोला प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा माह अक्टूबर 2022 में नैक से संबन्धित विभागीय कार्य को संपादित किया। Sepl. B.Ed. Counselling Admission verification का कार्य संपादित किया। साथ ही बीए द्वितीय वर्ष के प्रश्नपत्रों के निर्माण हेतु सिलैबस लिस्ट बनाकर तीन प्रश्निको के नाम की पूर्ण विवरण के साथ सूची बना कर शिक्षा विभाग को प्रस्तुत किया। स्नातक कार्यक्रम के शिक्षा शास्त्र विषय के उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य किया गया।

Sepl.B.Ed. Counselling (17-10-2022 & 18-10-2022)

डॉ॰देबकी सिरोला प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र, विद्याशाखा द्वारा माह नवम्बर 2022 में Ph॰D॰(Education) Counselling Admission verification का कार्य संपादित किया गया। दिसम्बर में आयोजित होने वाली परीक्षाओं के लिए बीए प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष और बी॰ एड॰ के प्रश्नपत्रों का निर्माण कर परीक्षा विभाग को प्रस्तुत किया। बी॰एड॰ ओडिएल की उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त दिनाँक 13-11-2022 एवं 14-11-2022 को शिक्षा संकाय पिथौरागढ़ में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में सह-संयोजक की भूमिका का निर्वाह किया साथ ही नई शिक्षा नीति और वैश्विक विकास पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। दिनाँक 21-11-2022 को शोध उपाधि समिति की बैठक में प्रतिभाग किया।

अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार शिक्षा संकाय पिथौरागढ़ (13-11-2022 एवं 14-11-2022)

डॉ॰ देबकी सिरोला (सहायक प्राध्यापक) शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा माह दिसम्बर में निम्न कार्यों का सम्पादन किया गया- जनवरी 2023 से प्रारम्भ होने वाली शीतकालीन परीक्षा के लिए स्पेशल एडुकेशन के दो प्रश्न पत्रों का निर्माण किया गया। दिनाँक 6-12-22 से 19-12-22 तक यूजीसी-एचआरडीसी कु॰वि॰वि॰

नैनीताल द्वारा कराये गए ऑनलाइन कोर्स- 'रेफरेशर कोर्स इन एडुकेशन'' में प्रतिभाग कर 'रेफरेशर कोर्स को A+ ग्रेड के साथ सफलता पूर्वक पूर्ण किया।

ऑनलाइन 'रेफरेशर कोर्स इन एडुकेशन'' दिनाँक 6-12-22 से 19-12-22

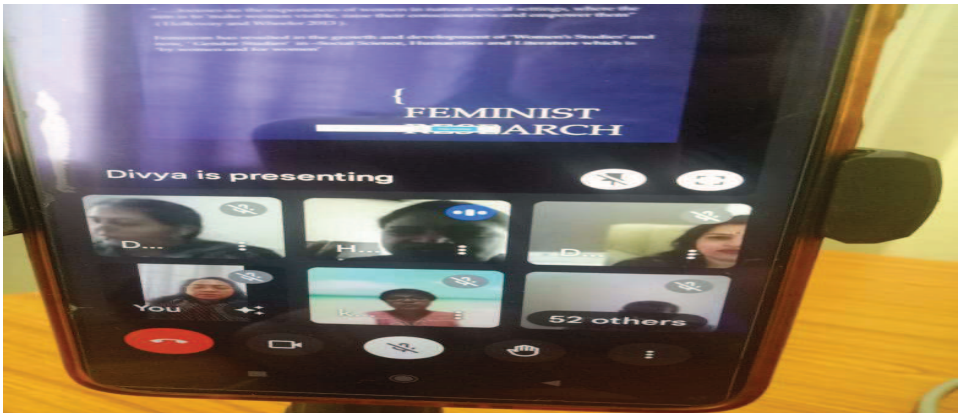

बी॰एड॰ स्पेशल प्रथम सेमेस्टर की ऑनलाइन कार्यशाला में शिक्षण कार्य किया। कु॰वि॰वि॰ नैनीताल के बी॰एड॰ तृतीय सेमेस्टर के प्रश्नपत्र का निर्माण कर कु॰वि॰वि॰ नैनीताल को प्रेषित किया। शिक्षाशास्त्र विषय के B.A. 16 द्वितीय वर्ष, B.A. 17 द्वितीय वर्ष, B.A.M. 17 द्वितीय वर्ष और B.A.G. 17 द्वितीय वर्ष के असाइनमेंट बनाकर अपलोड किया। M.A. (MAED-605) शिक्षाशास्त्र विषय के तृतीय सेमेस्टर और (MAED-612) चतुर्थ सेमेस्टर के असाइनमेंट बनाकर अपलोड करने हेतु विभाग में प्रस्तुत किया। बी॰एड॰ (ODL) तृतीय सेमेस्टर की ऑनलाइन कार्यशाला की तीन विषयों में शिक्षण कार्य किया। शीतकालीन परीक्षाओं के B.A. एवं M.A. शिक्षाशास्त्र विषय (BAED एवं MAED) के विभिन्न प्रश्नपत्रों के मोडरेशन का कार्य किया।

डॉ॰ देबकी सिरोला (सहायक प्राध्यापक) शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा 4 जनवरी 2023 को- बी॰एड॰ (ODL) प्रथम सेमेस्टर की ऑनलाइन कार्यशाला में शिक्षण कार्य किया गया। विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षान्त समारोह 11 जनवरी 2023 के सफल आयोजन हेतु गठित समिति के सदस्य का निर्वहन करते हुए शोभा यात्रा पूर्वाभ्यास से संबन्धित कार्य एवं परीक्षा से सम्बन्धित कार्यों अंकपत्रों का पुष्टीकरण, उपाधि एवं प्रमाणपत्र तैयारी के कार्यों का सम्पादन किया गया। शीतकालीन सत्र में आयोजित बी॰एड॰ (ODL) परीक्षाओं के विभिन्न प्रश्न-पत्रों - PE-01, PE-07, CPS-01, CPS-02, CPS-03, CPS04, और CPS 21 के प्रश्न-पत्रों का मौडरेशन कार्य किया गया। एम ए प्रथम वर्ष एवं एम ए द्वितीय वर्ष के (MAED-103 एवं MAED-203) दो प्रश्न पत्रों का निर्माण कर परीक्षा विभाग में प्रस्तुत किया।

बी॰एड॰ (ODL) प्रथम सेमेस्टर ऑनलाइन लेक्चर- (04-01-2023)

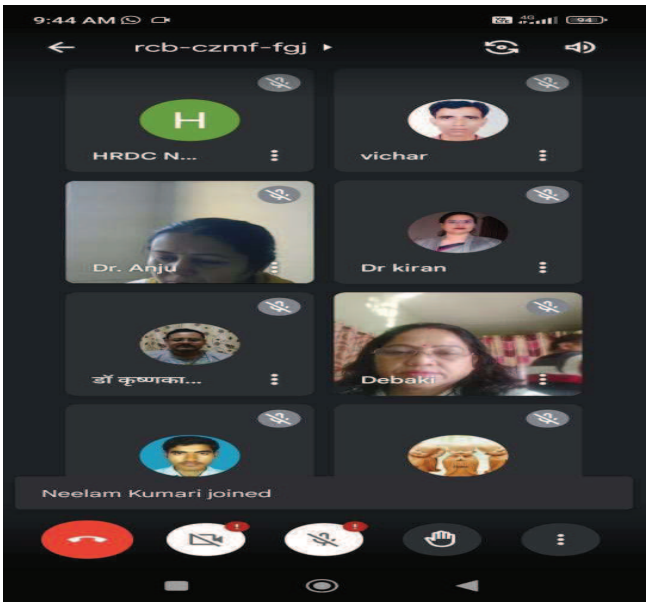

डॉ॰ देबकी सिरोला (सहायक प्राध्यापक) शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा शीतकालीन सत्र में आयोजित परीक्षाओं के विभिन्न प्रश्न-पत्रों – MAED- 201, MAED-305 एवं MAED-207, MAED-202, MAED-203, MAED-205 के प्रश्न-पत्रों का मौडरेशन कार्य किया गया।

NIEPVD देहरादून राष्ट्रीय कार्यशाला (25-02-2023)

दिनाँक 27-02-2023 से प्रारम्भ हुई शीतकालीन परीक्षाओं में रा॰ स्ना॰ महा॰पिथौरागढ़ एवं राजकीय महाविद्यालय नारायणनगर में संचालित परीक्षाओं में फ्लाइंग स्क्वाड की भूमिका का निर्वहन करते हुए परीक्षाओं के औचक निरीक्षण का कार्य संपादित किया।

माह मार्च 2023- डॉ॰ देबकी सिरोला (सहायक प्राध्यापक) शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा दिनाँक 01-03-2023 से 04-03-2023 लक्ष्मण सिंह रा॰ स्ना॰ महा॰पिथौरागढ़, राजकीय महाविद्यालय नारायणनगर, रा॰ स्ना॰ महा॰

बलुवाकोट एवं राजकीय महाविद्यालय मुंस्यारी में संचालित हो रही शीतकालीन सत्र की परीक्षाओं का औचक निरीक्षण का कार्य संपादित किया।

दिनाँक 01-03-2023 एवं 04-03-2023 औचक निरीक्षण- लक्षमण सिंह रा० स्ना० महा०पिथौरागढ़ एवं रा० स्ना० महा० बलुवाकोट I

औचक निरीक्षण- राजकीय महाविद्यालय नारायणनगर एवं राजकीय महाविद्यालय मुंस्यारी I (0 3-03-2023)

दिनाँक 15-03-2023, 23 -3-23 एवं 24-3-2023 को प्री-पी०-एच0डी0 कक्षाओं में शिक्षण कार्य किया गया।

लेक्चर ऑफलाइन – 15 / 03 / 2023, 23 -3-23 एवं 24-3-2023 Ph.D. Course Work उ०मु० वि०वि० हल्द्वानी।

Ph.D. Course Work Class - March-2023

दिनाँक 27-03-2023 को शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की BOS की ऑनलाइन बैठक में प्रतिभाग किया गया। मीटिंग में एनईपी 2020 के अनुरूप बनाए गए सीबीसीएस पाठ्यक्रम को विशेषज्ञों से मूल्याँकन कराया गया। जिसमें पाठ्यक्रम निर्माण विशेषज्ञों के द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन करने के महत्वपूर्ण सुझाव दिये गए। इन सुझावों को सीबीसीएस-पाठ्यक्रम में संलग्न कर प्रस्तुत किया गया।

BOS ऑनलाइन बैठक- (27-03-2023)

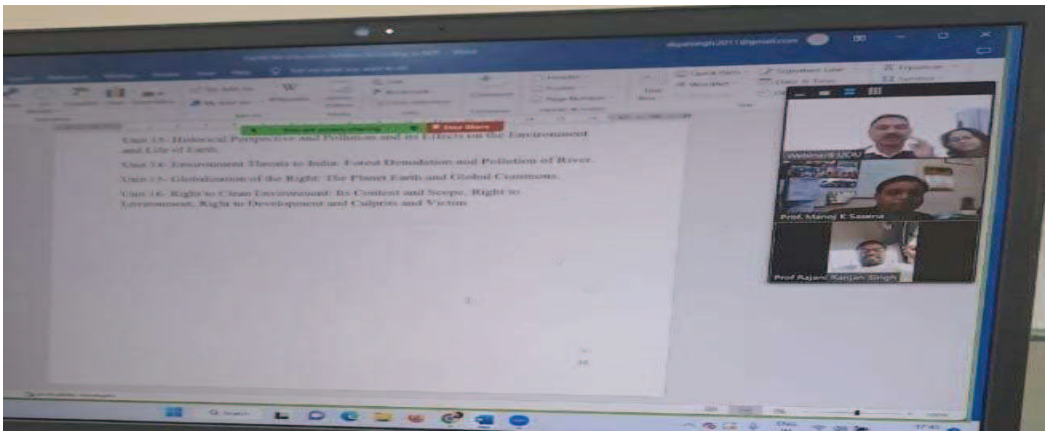

दिनाँक 29-03-2023 को ओडीएल बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के प्रश्नपत्र CPS-19 की मौखिक परीक्षा को आन्तरिक परीक्षक के रूप में संपादित कर परीक्षा को सुचारू से सम्पन्न करायी।

मौखिक परीक्षा- प्रश्नपत्र CPS-19- ओडीएल बी.एड. तृतीय सेमेस्टर

Dr. Digar Singh Farswan

I. Published a research paper on, Climate change and the role of civil society in environmental protection; Special reference to Uttarakhand, In Climate change mitigation; Indian Perspectives,ISBN;978-93-95055-02-4,Chankya Publishers &Distributers,2023,pp146-161.

II. Published a research paper on Role of Open and Distance learning in Inclusive Education, International Journal of Current Research Vol. 14, Issue,08,pp.2217222176,August,2022DOIhttps://doi.org/10.24941/ijcr.4389308.202

III. Published a research paper on "Teacher's role in 21st century and reforms in Teacher education with reference to NEP 2020",Shodhdrishti,UGC approved journal No.49321,an International Peer reviewed referral research journal vol-13, no-4, Impact factor 5.427,ISSN;0976-6650,April 2022 pp 83-89.

IV. Published a research paper on "A study of reforms in Indian school curriculum; Regional perspective in Journal of education; Ravindra Bharti University ISSN;0972-7175impact factor 5.8 vol ;xxiv,no8, Peer reviewed and referred,2021-2022,pp117-125.

V. अंतराष्ट्रीय महिला सप्ताह के अंतर्गत महिला दिवस के उपलक्ष्य मे एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन 'Innovation and Technology for Gender Equality Focus on Digital Well-being with Health and Legal rights'विषय पर दिनांक मार्च 2023 को 4 विश्वविधालय परिसर मे किया गया|

VI. दिनांक 06 /12 /2022 से 19 /12 /2022 तक एच आर डी सी कुमाऊं विश्वविधालय नैनीताल द्वाराआयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया एवं A+ग्रेड प्राप्त किया |

विशिष्ट शिक्षा विभाग: -

हल्द्वानी आदर्श अध्ययन केंद्र में नामांकित विद्यार्थियों की छह दिवसीय कार्यशाला के समापन सम्बंधी रिपोर्ट

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय बीएड शिक्षा के आदर्श अध्ययन केंद्र, हल्द्वानी में नामांकित विद्यार्थियों की छह दिवसीय कार्यशाला का समापन दिनांक 18 जुलाई, 2023 को विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि हल्द्वानी नगर निगम के मेयर डॉ जोगेंद्र रौतेला, निदेशक अकादमिक प्रो पीडी पंत, शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रो ए के नवीन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला के संयोजक व विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा कार्यशाला की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई व आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया गया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डिगर सिंह फरस्वार्ण द्वारा आमंत्रित अतिथियों का परिचय कार्यशाला के प्रतिभागियों से कराया गया। निदेशक प्रो ए के नवीन द्वारा कार्यशाला में नवीन दिव्यांगजन एक्ट के अंतर्गत एक किस प्रकार की दिव्यांगताओं का के बारे में अवगत कराया। स्थानीय पार्षद श्री मनोज जोशी द्वारा अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय द्वारा इस तरह के कार्य शालाओं के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समाज के लिए विशेष शिक्षक आवश्यक हैं और राज्य में एकमात्र उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय इस तरह का कोर्स कर आ रहा है यह हर्ष की बात है जिसका लाभ दिव्यांग जनों के अभिभावकों को भी मिल रहा है।

मुख्य अतिथि हल्द्वानी मेयर डॉक्टर जोगेंद्र रौतेला द्वारा अपने उद्बोधन में कार्यशाला में प्रतिभाग कर रही महिला प्रतिभागियों की संख्या के संदर्भ में प्रसन्नता व्यक्त की और इस बात की अपेक्षा की कि इस महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम को करने वाले विशेष शिक्षक समाज में दिव्यांगजनों के लिए प्रशिक्षकों के रूप में कमी को पूरा करेंगे। शिक्षा के

अधिकार के अधिनियम के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य में सरकार द्वारा विशेष शिक्षकों के पदों में जारी भर्ती का लाभ इस कोर्स को कर रहे अभ्यर्थियों को मिलेगा।

अकादमिक निदेशक प्रो पीडी पंत ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम के प्रति बहुत संवेदनशील है, समय पर कार्यशाला का आयोजन व परीक्षाओं का कार्य विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाता है। विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम से प्रतिवर्ष सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी उत्तीर्ण होकर विशेष शिक्षा के क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त कर रहे हैं गत वर्ष राष्ट्रपति महोदय द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को दिव्यांग जनों के लिए पुनर्वास पेशेवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया जोकि विश्वविद्यालय की लोकप्रियता और अच्छी कार्यशैली को इंगित करता है।

कार्यशाला के अंत में भावना धोनी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। शिक्षा शास्त्र विद्या शाखा से डॉ कल्पना पाटनी लखेडा, डॉ देवकी सिरोला, डॉ मनीषा पंत, डॉ दिनेश कांडपाल, दीपिका रैकवाल, दीप्ति कुंजवाल, पूजा भट्ट उपस्थित रहे। समस्त प्रतिभागियों को मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

देहरादून आदर्श अध्ययन केंद्र में नामांकित विद्यार्थियों की छह दिवसीय कार्यशाला के समापन सम्बंधी रिपोर्ट

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के आदर्श अध्ययन केंद्र, देहरादून परिसर में नामांकित बीएड विशेष शिक्षा द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुयी छह दिवसीय कार्यशाला का समापन दिनांक 24 जून, 2023 को राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून के सभागार में किया गया कार्यशाला के मुख्य अतिथि देहरादून जिले के मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री प्रदीप रावत जी के द्वारा समापन सत्र का उद्घाटन किया गया।

अपने उद्बोधन में मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री रावत द्वारा सभी प्रतिभागियों से इस क्षेत्र से कार्यशाला के उपरांत फील्ड वर्क में जाने से पूर्व शिक्षक को संवेदनशील होना बताया एक शिक्षक एक छात्र के भविष्य का ही नहीं अपितु तो पूरे राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। एक शिक्षक को दार्शनिक होने के साथ-साथ चिंतनशील और अपने विषय का पूरा ज्ञान और अनुशासित होना चाहिए। दिव्यांगजनों के संदर्भ में विशेष शिक्षकों की भूमिका उनके सशक्तिकरण पुनर्वास व जनों के प्रति संवेदनशील होनी चाहिए। दिव्यांग बच्चे को शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। समावेशी विद्यालयों के साथ-साथ सामान्य विद्यालयों में भी दिव्यांग बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में वर्तमान समय में विशेष शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया गतिमान है जिससे दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिक्षक को कार्य करने के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत प्रतीक चिन्ह व पुष्पगुच्छ से करते हुए विशेष शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष व सहायक प्राध्यापक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने अपना उद्बोधन में छह दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की व अपेक्षा की कि जो कुछ भी प्रशिक्षण इस सेमेस्टर में प्रतिभागियों ने प्राप्त किया उसको आगामी सेमेस्टर में अपने कार्य क्षेत्र में उपयोग में लाएंगे।

अपने स्वागत भाषण में दीप्ति कुंजवाल ने सभी अतिथियों व विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए अतिथियों का परिचय सभी प्रतिभागियों को दिया। कांउसलर पूजा भट्ट द्वारा अपना उद्बोधन में 6 दिन से कार्यशाला में प्रयोगात्मक प्रशिक्षण से संबंधित सभी पहलुओं को बताया। कार्यशाला में प्रतिभागियों में शैल, चंद्रशेखर गौतम, आशुतोष गिरी द्वारा कार्यशाला से संबंधित अपने अनुभव साझा किए गए। संचालन अंकित रतूड़ी द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा दिया गया। कार्यशाला में पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उड़ीसा वह उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से आए हुए प्रतिभागी उपस्थित रहे आए हुए सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

सांकेतिक भाषा के प्रशिक्षण से सम्बंधित एक दिवसीय कार्यशाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा सांकेतिक भाषा के प्रशिक्षण से सम्बंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सितम्बर , 2022 माह में देहरादून परिसर मे किया। कार्यशाला का उद्घाटन विशेष शिक्षा विभाग के समंवयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल व समाजशास्त्र विभाग की सहा. प्राध्यापिका डॉ भावना डोभाल ने किया। कार्यशाला में प्रशिक्षिका श्रीमती जगदीप कौर द्वारा प्रशिक्षार्थियों को सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया गया।

NISD One Day Prevention from alcohol and Drug abusing Awareness Workshop Report-Dehradun

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के संवैधानिक निकाय राष्ट्रीय समाज सुरक्षा संस्थान, नई दिल्ली के सौजन्य से मादक पर एवं मादक पदार्थों से बचाव संबंधी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय देहरादून में किया गया। साला का उद्घाटन हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर एमके पंत देहरादून परिसर के निदेशक डॉ सुभाष रमोला व मैनेजमेंट विभाग के डीन प्रोफेसर अभिषेक बोहरा द्वारा किया गया। कार्यशाला की रूपरेखा बताते हुए कार्यशाला के संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा भारतीय समाज सुरक्षा संस्थान द्वारा स्कूल कॉलेज कैंपस को मादक पदार्थों से मुक्त बनाने हेतु इस तरह की कार्यशाला के आयोजन की महत्ता के बारे में बताया गया व साथ ही ड्रग्स से बचने के लिए युवा पीढ़ी को किस प्रकार रचनात्मक कार्यों की ओर ले जाए जाए इसके बारे में विचार व्यक्त किए गए। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एम के पंत ने कहा कि प्रतिभागियों को अपना जीवन का लक्ष्य तय करते हुए अपने तनाव को किस प्रकार से कम करें कि युवा पीढ़ी नशे की और न जाए और आत्मसम्मान व अपनी कार्य क्षमता को बढ़ाकर रखना और साथ ही मादक पदार्थों से अपने व्यवहार को नकारात्मक रूप से बदलने से बचना ही हमारे जीवन को प्रगति की ओर ले जाएगा। वर्तमान समय में शराब के नशे की मात्रा का बढना हमारे मस्तिष्क के आकार को सिकुड़ता है और साथ ही हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को कमजोर कर हेपेटाइटिस बीमारी की और बढ़ाता है उन्होंने जानकारी दी कि महिलाओं द्वारा नशे के प्रयोग से होने वाले बच्चे में शारीरिक विकृति की संभावना बहुत

ज्यादा होती है। इससे पहले परिसर निदेशक डॉ सुभाष रमोला द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा की संकल्पना को प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला को महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम में डॉ राजेश तिवारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया डॉ नवनीत रावत द्वारा विद्यार्थियों में अनुशासन के माध्यम से ड्रग्स को अपने से दूर रखने पर जोर दिया गया। विभागाध्यक्ष प्रो अभिषेक बोहरा द्वारा सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालयों को शिक्षण संस्थाओं को ड्रग फ्री बनाने की राष्ट्रीय समाज सुरक्षा व उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की पहल का स्वागत किया गया।

विशेष शिक्षा एवं दिव्यांग जनों के पुनर्वास हेतु शोध प्रविधि विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्याशाला रिपोर्ट

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विशेष शिक्षा एवं दिव्यांग जनों के पुनर्वास हेतु शोध प्रविधि विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्याशाला का शुभारंभ दिनांक 25 फरवरी 2023 को उत्तराखंड राज्य के राज्यपाल महामहिम लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त श्री गुरमीत सिंह द्वारा किया गया विशेष अतिथि के रुप में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत द्वारा अपना शुभ आशीर्वाद कार्यशाला में दिया गया उद्घाटन को संबोधित करते हुए प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉक्टर धन सिंह रावत ने कार्यशाला में आए प्रतिभागियों को कार्यशाला में अधिक से अधिक दिव्यांग जनों के लिए शोध संबंधी तकनीकों का लाभ लेंगे उत्तराखंड राज्य में शिक्षा विभाग द्वारा दिव्यांग जनों के लिए गृह आधारित शिक्षा के लिए विशेष शिक्षक के 285 पदों के सृजन की जानकारी भी प्रदान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए उत्तराखंड के राज्यपाल महामहिम लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह जाना है दिव्यांग जनों के लिए इस कार्यशाला को अति महत्वपूर्ण बताते हुए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की प्रशंसा की और अपेक्षा की थी इस कार्यशाला के 5 दिनों से निकलने वाला अमृत दिव्यांग जनों के लिए हितकारी होगा राष्ट्रीय दृष्टि बधितार्थ संस्थान के निदेशक श्री मनीष वर्मा द्वारा संस्थान के बारे में गतिविधियों के से अवगत कराया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने विशेष शिक्षा में शोध हेतु आगामी सत्र से एमएड व पीएचडी शुरू किए जाने का की बात की| उदघाटन सत्र में महामहिम श्री राज्यपाल जी द्वारा पूर्णत: दृष्टिबाधित छात्रा काव्या बोहरा को सर्वाधिक अंक लाने व ब्रेल लिपि में प्रशिक्षण दिए जाने पर सम्मानित किया गया| उद्घाटन सत्र धन्यवाद प्रस्ताव प्रोफेसर ऐ के नवीन द्वारा दिया गया सत्र का संचालन डॉक्टर सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा किया गया|

उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए डॉ राजेश नैथानी, प्रतिकुलपति हिमालय विश्वविद्यालय द्वारा ओपन इनोवेशन इन रिसर्च पर अपना व्याख्यान दिया गया शोध में विभिन्न विधाओं और विभिन्न तकनीकों का नवीन रूप से किस प्रकार प्रयोग हो रहा है उसकी जानकारी दी गई दिवस के अंतिम सत्र में ऑफिसर प्रतिभा नथानी प्राध्यापक ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय द्वारा परिकल्पना एवं उनके प्रकार के बारे में जानकारी दी गई|

कार्यशाला के दूसरे दिन में डॉ डिगर सिंह फर्स्वाण, सह प्राध्यापक, उमुविवि, हल्द्वानी द्वारा शोध प्रविधि के बारे में विभिन्न जानकारियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया दूसरे सत्र में डॉ गीतिका मेहरोत्र सेवानिवृत्त प्राध्यापिका द्वारा रिसर्च प्राविधि के बारे में जानकारी दी गई| रक्षपाल बहादुर संस्थान बरेली से आए विषय विशेषज्ञ डॉक्टर सतीश चंद्र द्वारा साइंटिफिक टेंपरामेंट इन रिसर्च के बारे में जानकारी दी गई दिवस के अंतिम सत्र में एनआईवीएच के सहायक प्राध्यापक डॉ पंकज कुमार द्वारा दिव्यांग जनों के लिए शोध संबंधी सहायक उपकरणों के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया गया कार्यशाला के दूसरे दिवस अल्मोड़ा के सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय से आई विषय विशेषज्ञ डॉक्टर ममता असवाल द्वारा सैंपल सैंपल साइज के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया गया कि किस प्रकार शोध का महत्व है और कितना सैंपल इन चौथ के लिए आवश्यक है उसके बारे में जानकारी दी अल्मोड़ा विश्वविद्यालय से आए डॉ. भास्कर चौधरी द्वारा सांख्यिकी संबंधी जानकारियों से अवगत कराया और साथ ही आने वाली समस्याओं के निराकरण की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई| आम्रपाली संस्थान, हल्द्वानी से आई डॉक्टर किरण सती द्वारा शोध लेखन के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया गया|
कार्यशाला के चौथे दिवस डॉक्टर गीतिका मेहरोत्र द्वारा आंकड़ों के संग्रह संबंधित तकनीक और आंकड़ों के बारे में जानकारी दी गई| दूसरे सत्र में डॉ विनोद केन द्वारा रिसर्च प्रपोजल के लिए ग्रांट व फंडिंग कहां से जुटाई जाए उसके बारे में अवगत कराया गया| प्रोफेसर एके नवीन निदेशक, शिक्षा शास्त्र , उमुविवि द्वारा विशेष शिक्षा के क्षेत्र में दिव्यांगजनों के अधिकारों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई सत्र के अंतिम दिन डॉक्टर सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा रिपोर्ट राइटिंग से संबंधित जानकारी प्रदान की गई|
कार्यशाला के अंतिम दिवस डॉ जसमेर सिंह द्वारा विशेष शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय पुनर्वास परिषद की भूमिका के संदर्भ में जानकारी प्रदान की गई| अंतिम दिवस में सभी प्रतिभागियों द्वारा अपने शोध विषय के आधार पर बनाए गए प्रस्तावों को प्रस्तुत किया गया|

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा विशेष शिक्षा एवं दिव्यांगजनों के पुनर्वास में शोध प्रविधि विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन ०१ मार्च को राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून के सभागार में किया गया| समापन सत्र के मुख्य अतिथि समाज कल्याण एवं परिवहन मंत्री माननीय चंदन राम दास जी, विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के पूर्व सलाहकार व प्रति कुलपति डॉ राजेश नैथानी व उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी की अध्यक्षता में किया गया|

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए माननीय समाज कल्याण मंत्री श्री चंदन रामदास जी ने अपने उद्बोधन में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को कार्यशाला के सफल समापन की बधाई देते हुए कहा कि इस संवेदनशील विषय पर विश्वविद्यालय द्वारा कार्यशाला का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है| कार्यशाला द्वारा जो भी निष्कर्ष दिव्यांग जनों के

हितों के लिए निकलेंगे उसको विश्वविद्यालय समाज कल्याण मंत्रालय उत्तराखंड को भेजें जिससे कि दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण करने में सरकार को और सहायता मिल सके साथ ही प्रतिभागी एवं आमंत्रित अतिथियों को समाज कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई राज्य सरकार द्वारा कोविड में अनाथ हुए बच्चों को छात्रवृत्ति देने वाला समाज कल्याण पहला विभाग बना राज्य में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की स्थापना सभी 13 जिलों में की जाएगी इसके लिए समाज कल्याण विभाग केंद्रीय मंत्रालय को प्रस्ताव यथाशीघ्र भेजेगा| कार्यशाला के विशेष अतिथि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के पूर्व सलाहकार डॉ राजेश नैथानी द्वारा प्रतिभागियों व आमंत्रित अतिथियों को बताया गया कि नई शिक्षा नीति में दिव्यांग जनों के लिए विशेष शिक्षकों का प्रावधान विशेष रूप से किया गया है जिसके लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा नवीन शिक्षा नीति के निर्माण के समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओमप्रकाश सिंह नेगी जी को तत्कालीन शिक्षा मंत्री द्वारा अनुरोध कर नवीन शिक्षा नीति में दिव्यांगजनों की शिक्षा के लिए सुझाव मांगे गए थे| कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओमप्रकाश सिंह नेगी द्वारा विशेष शिक्षा में शोध की आवश्यकता की बात कही| विश्वविद्यालय द्वारा इस पांच दिवसीय शोध कार्यक्रम से प्राप्त सुझाव को भारत सरकार उत्तराखंड सरकार को प्रेषित किए जाने के साथ ही विश्वविद्यालय में विशेष शिक्षा में एम एड पाठ्यक्रम व पीएचडी कार्यक्रम आगामी सत्र से प्रारंभ करने के लिए यथाशीघ्र भारतीय पुनर्वास परिषद से पत्राचार कर प्रारंभ करने की जानकारी अपने उद्बोधन में दी| इससे पूर्व डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल के संचालन में चले समापन सत्र के कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर दिवस पर प्रतिभागी बबीता को सम्मानित माननीय मंत्री श्री चंदना दास द्वारा किया गया | प्रतिभागी स्मृति लोशाली द्वारा पांच दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जयपुर से आई प्रतिभागी नीतू शर्मा व कश्मीर से आये दृष्टिबाधित प्रतिभागियों मोहम्मद मुजम्मिल द्वारा कार्यशाला के संदर्भ में फीडबैक दिया गया कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रोफ़ेसर ए के नवीन द्वारा दिया गया कार्यशाला में राष्ट्रीय दृष्टि बाजार संस्थान के वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर विनोद केन, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ डिगर सिंह फर्स्वान व डॉ राकेश रयाल व देहरादून परिसर के निदेशक सुभाष रमोला व राज्यों से आए प्रतिभागीगण उपस्थित रहे|

नयी शिक्षा नीति 2020 एवं नवीन दिव्यांगजन एक्ट 2016 विषय पर आयोजित कार्यशाला की रिपोर्ट

राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 एवं नवीन दिव्यांगजन एक्ट 2016 विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन दिनांक 10 नवंबर को किया गया| उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि माननीय कैलाश गहतोडी, मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी कॉलेज के प्राचार्य प्रो नगेंद्र द्विवेदी उत्तराखंड विश्वविद्यालय की शिक्षा शास्त्र के निदेशक प्रोफेसर एके नवीन उपस्थित रहे| मुख्य अतिथि, वन विकास निगम के अध्यक्ष कैलाश चंद गहतोड़ी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति में दिव्यांगजनों के लिए प्रावधानों की जानकारी इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागीयों को मिलेगी साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय वर्तमान में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है| विश्वविद्यालय की बढ़ती छात्र संख्या उसकी लोकप्रियता और विश्वसनीयता की ओर इंगित करती है दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से इस तरह की कार्यशालाओं का लाभ प्रतिभागियों के साथ सामान्य जनों को भी मिलता है|

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं विश्वविद्यालय हल्द्वानी के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने कार्यशाला में आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को महत्व दिया गया है और दूरस्थ शिक्षा वर्तमान में उच्च शिक्षा के प्रसार के लिए अपनी भूमिका का बहुत अच्छा निर्वहन कर रहा है दूरस्थ

शिक्षा आप को कहीं भी, किसी भी समय, किसी के लिए भी शिक्षा के साधन उपलब्ध कराती है, कार्यशाला में आये प्रतिभागियों से उन्होंने अपेक्षा की कि इन दो दिवस व विशेषज्ञों के व्याख्यान दिव्यांगजन नीति व नई शिक्षा नीति पर सुनेंगे और उनसे संबंधित प्रावधानों को अपने कार्य क्षेत्र में उपयोग में लाएंगे| कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रोफेसर नगेन्द्र द्विवेदी प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय टनकपुर ने इस प्रकार की कार्यशाला का महाविद्यालय में कराए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की साथ ही उन्होंने अपेक्षा की कि मुक्त विश्वविद्यालय महाविद्यालय को इस तरह की कार्यशाला के आयोजन के लिए हमेशा प्राथमिकता देता रहेगा जिससे सीमांत क्षेत्र के लोगों को नवीन ज्ञान की जानकारी होती रहे और मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा सीमांत क्षेत्र के लोगों को अपनी उच्च शिक्षा बढ़ाने में हमेशा सहायक सिद्ध होगा|

विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की गई| शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एके नवीन द्वारा अपना व्याख्यान मानवाधिकार एवं दिव्यांगजन विषय पर दिया गया| कार्यक्रम के दूसरे सत्र में शिक्षा शास्त्र विभाग के निदेशक डॉ डिगर सिंह फर्सवाण द्वारा नई शिक्षा नीति में दिव्यांगजनों के लिए प्रावधान विषय पर व्याख्यान दिया गया| कार्यक्रम के तीसरे सत्र में डॉ कल्पना लखेड़ा द्वारा, नई शिक्षा नीति में आंगनवाड़ी के अंतर्गत बाल वाटिका का प्रावधान विषय पर अपना व्याख्यान दिया गया| पहले दिन के समापन सत्र का धन्यवाद डॉ धर्मवीर सिंह सह प्राध्यापक व अध्ययन केंद्र प्रभारी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया गया| कार्यशाला में टनकपुर व चंपावत क्षेत्र के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्यो द्वारा प्रतिभाग किया गया| कार्यशाला का संचालन डॉ सुमन कुमारी द्वारा किया गया| इस अवसर पर सुषमा मक्कड़ ,भावना धोनी, पूजा भट्ट, दीप्ति कुंजवाल, रमेश बमेटा व महाविद्यालय के स्टाफ के समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे|

राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन दिनांक 11 नवंबर को किया गया| समापन सत्र के मुख्य अतिथि अतिथि एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर अमित अग्रवाल, विशेष अतिथि के रूप में बाजपुर महाविद्यालय की सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रोफेसर कमला चिनियाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय खटीमा की प्राचार्य प्रोफेसर आभा शर्मा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर नगेन्द्र द्विवेदी द्वारा अध्यक्षता की गई|

इससे पूर्व सुबह के प्रथम सत्र में कार्यक्रम संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा विभिन्न दिव्यांगताओं की जानकारी एवं उनके कारण और निवारण और शीघ्र हस्तक्षेप अन केंद्र के बारे में जानकारी दी गई द्वितीय सत्र में डीडीआरसी जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र चंपावत की नोडल अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया गया जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र उधम सिंह नगर के नोडल अधिकारी श्री सतीश चौहान द्वारा दिव्यांग जनों के लिए विभिन्न योजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया तीसरे सत्र में मनोविज्ञान विभाग

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ सीता द्वारा दिव्यांग जनों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाने संबंधी व्याख्यान दिया गया

पांचवें सत्र में डॉ ललित मोहन पंत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक द्वारा दिव्यांग जनों के मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर अपना व्याख्यान दिया गया प्रोफेसर सुशीला मक्कड़ द्वारा नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा , विद्यालय शिक्षा, में विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई| कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल कार्यक्रम सहयोग द्वारा कार्यशाला दो दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई| कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए|

NISD One Day Prevention from alcohol and Drug abusing Awareness Workshop Report-Sitarganj

दिनांक 29/4/2023 में राजकीय महाविधालय सितारगंज में एंटी ड्रग सेल एवम उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय हल्द्वानी के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य विषय "प्रिवेंशन ऑफ अल्कोहल एंड ड्रग अब्यूज " पर केंद्रित था।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविधालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र वर्मा ने मुख्य अतिथि प्रो ऐ.के.नवीन , निदेशक विधि विद्याशाखा उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय को पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। तत्पश्चात मुक्त विश्व विद्यालय से कार्यशाला के आयोजक सचिव डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने समाज में नशे के बढ़ते प्रचलन के विरुद्ध युवा पीढ़ी से एक जुट होने की अपील की तथा नशे के मनोवैज्ञानिक पहलुओं एवम सामाजिक प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की । डॉ सुमन पिलखवाल ने बताया कि युवाओं के साथ - साथ समाज के सभी व्यक्तियों को नशे के विरुद्ध अपनी भूमिका तय करनी होगी । कार्यशाला के निदेशक प्रो ए.के. नवीन ने छोटे - छोटे कथानकों के माध्यम से नशे के प्रभाव से होने वाले नुकसानों से छात्र / छात्राओं को अवगत कराया तथा नशे के वैधानिक प्रावधानों के साथ साथ विधिक सहायता केंद्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कुमारी पायल वर्मा को निदेशक प्रो. ए. के.नवीन द्वारा पुरस्कृत भी किया गया तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी प्राध्यापक एवम् छात्र/ छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुवा। जिसमे मुक्त विश्व विद्यालय से आए सभी विषय विशेषज्ञों ने छात्र/ छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

अंत में कार्यक्रम का समापन करते हुए प्राचार्य सुभाष वर्मा द्वारा सभी विषय विशेषज्ञों का धन्यवाद दिया गया तथा नशे से दूर रहने के प्रायोगिक उपाय बताए जिससे "ड्रग फ्री देव -भूमि "का सपना साकार हो पाए। कार्यक्रम का संचालन एंटी ड्रग सेल की नोडल अधिकारी डॉ. अनीता नेगी ने किया।इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ सत्यमित्र सिंह, डॉ राजविंदर कौर , डॉ कमला उपाध्याय, डॉ कार्तिकेय भट्ट, डॉ सविता रानी, डॉ चारू चंद्र उप्रेती ,डॉ भुवनेश कुमार, डॉ रीतिका गिरी गोस्वामी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। छात्र छात्राओं में कुमारी आरती, तुषार शर्मा , ऋषभ कुमार , विक्रांत तिवारी, संजय कुमार,श्री नीरज ,अफजाल ,आदित्य, कु. दिव्या,नंदिनी,पायल वर्मा, जिकरा, फिज़ा, पायल आर्या,निशा, दीक्षा , कार्यालय से श्री कमलेश जोशी,श्री रमेश कर्नाटक,श्री राजेंद्र सिंह,श्री दीवान सिंह धोनी,श्रीमती चंद्र किरण ,श्री तरुण नेगी इत्यादि ने कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी की।

राष्ट्रीय सेवा योजना- इकाई 1, हल्द्वानी

सात दिवसीय विशेष शिविर

(दिनांक 02-01-2023 से 08-01-2023 तक)

(राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौलाखेड़ा में आयोजित)

सात(07) दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ दिनांक 2 जनवरी 2023 को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,धौलाखेड़ा में जिला पंचायत सदस्य श्री कमलेश चंदोला द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौरी नेगी की उपस्थिति में किया गया| उद्घाटन के उपरांत शिविर में सातदिनों में होने वाली समस्त गतिविधियों/क्रियाकलापों के बारे में शिविरार्थियों को जानकारी दी गई | शिविरार्थियों के 7 समूह बनाए गए और समूहों के अनुसार प्रत्येक दिवस की जिम्मेदारी सौंपी गई | प्रथम दिवस को स्थानीय स्तर परसफाई अभियान चलाकर स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया |

दूसरे दिन की शुरुआत प्रातः कालीन प्रार्थना से हुई | बौद्धिक सत्र में डॉ एसएन ओझा और डॉक्टर विशाल कुमार शर्मा द्वारा क्रमशः पर्यावरण एवं ऊर्जा के संसाधनों के बारे में शिविरार्थियोंको जानकारी दी गई | शाम के समय शिविरार्थियोंद्वारा अर्जुनपुर (गोरापड़ाव) में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें स्थानीय निवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया साईंकालीन परीक्षा नियंत्रक द्वारा औचक निरीक्षण किया गया |

तीसरे दिन प्रोफेसर एके नवीन और डॉक्टर दीपांकुर जोशी द्वारा विद्यार्थियों को विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी गई | शासन काल में ब्रेल दिवस के अवसर पर शिविर अर्थों को लुई ब्रेल के बारे में जानकारी दी गई इसके उपरांत स्वच्छता कार्यक्रम किया गया| चौथे दिन डॉ आशुतोष भट्ट सह.प्रा. द्वारा साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी दी गई तत्पश्चात श्री भूपेंद्र सिंह, ऑडियोलाजिस्ट द्वारा ऑडियो मीटर एवं ऑडियोग्राम की जानकारी दी गई साईंकाल में शिविरार्थियों द्वारा परिसर की सफाई का कार्यक्रम किया गया |

पांचवें दिन श्री मदन सिंह बिष्ट फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर क्षेत्राधिकारी द्वारा औषधीय पौधों की जानकारी प्रदान की गई साईंकाल में सभी राज्यों द्वारा मलिन बस्तियों की सफाई का कार्यक्रम चलाया गया औषधीय पौधों की जानकारी के लिए उत्तराखंड वानिकी अनुसंधान में स्थित वाटिका का भ्रमण कराया गया जिसमें श्री मदन सिंह नेगी क्षेत्राधिकारी ने सारे सभी राज्यों को औषधीय पादप के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की और संपूर्ण वाटिका का भ्रमण कराया

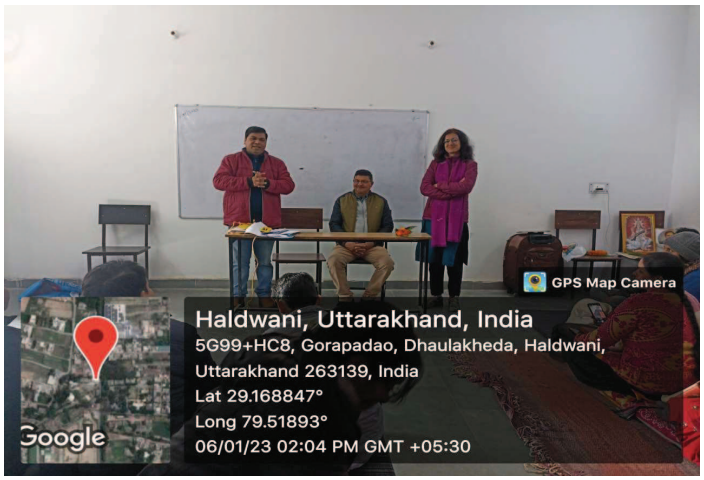

तत्पश्चात अपराहन में रामपुर रोड स्थित अमर उजाला प्रेस में समाचार पत्रों के संकलन संपादन मुद्रण एवं वितरण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई साइंस में शिक्षाप्रद स्लोगन को दीवार पर पेंट किया गया और परिसर की सफाई का कार्यक्रम किया गया रात्रि के समय शिविरार्थियों ने मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया।

अंतिम दिन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी जी की अध्यक्षता में सात दिवसीय शिविर का समापन किया गया जिसमें प्रो. ए के नवीन प्रोफेसर विशिष्ट अतिथि ने समापन पर सभी शिविरार्थियों ने इन सात दिवसीय शिविर में होने वाली गतिविधियों के प्रति अपने विचार रखें। डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और डॉ गौरी ने इन सात दिवसीय में होने वाली गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। माननीय कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी जी द्वारा सभी शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र वितरीत किये गये। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL OF HEALTH SCIENCE)

गृह विज्ञान विभाग (Department of Home Science)

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा 20 अप्रैल, 2022 को एम0 ए0 गृह विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर के लघु शोध कार्य सम्बन्धी एक शोध कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।

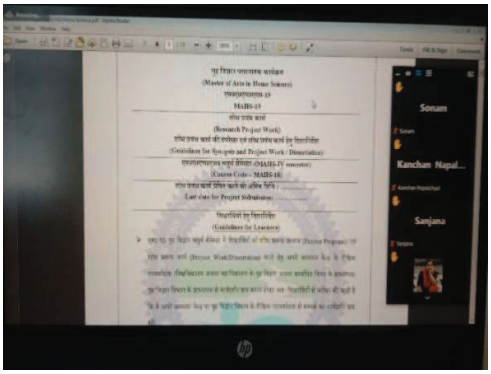

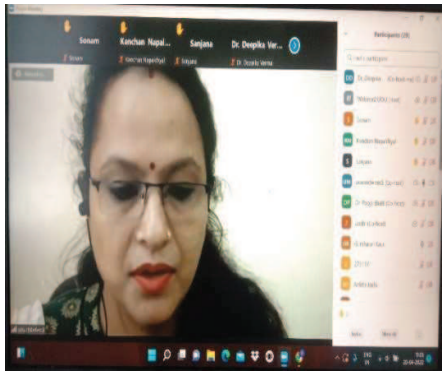

- डॉ. प्रीति बोरा द्वारा निम्न इकाई लेखन किया गया:

  Bora, P. 2022. Polyphenols in medicinal plants. Polyphenols in Health and Disease. Darshan Publisher, TN. (ISBN:978-81-954-602-7-2)

- संकाय सदस्यों द्वारा निम्न पॉपुलर आलेखो का लेखन किया गया:
  - Bhatt, P. and Joshi, J. 2022. Natural Dyes: An Environment Friendly Option. *Agrobios*. XX(9): 37. (ISSN: 0972-7027)
  - Bhatt, P. 2022. Revival of Polyurea and Polycarbonate Fiber Production. *Agrobios*. XX(10) : 87-88. (ISSN: 0972-7027)

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा 26 मई, 2022 को पीएच० डी० कोर्सवर्क की विशेषज्ञ समिति की बैठक ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।

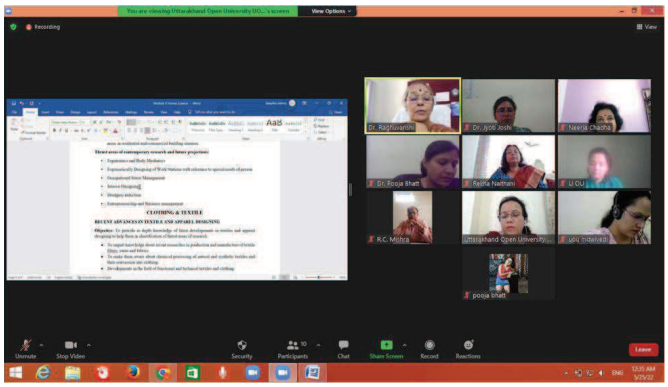

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा एथलीट दिवस के उपलक्ष्य निम्न विषयों पर रेडियो टॉक दी गई -

-खिलाडियों की पोषण आवश्यकता।

-खेल परिधान।

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 31 मई, 2022 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम सेमेस्टर के शिक्षार्थियों हेतु इंडक्शन कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराया गया।

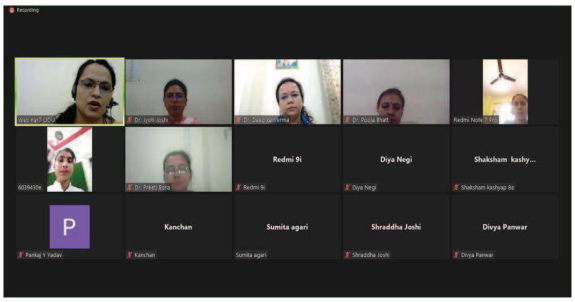

- डॉ० प्रीति बोरा द्वारा विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 1 जून, 2022 को बी.ए. गृह विज्ञान प्रथम वर्ष के शिक्षार्थियों हेतु इंडक्शन कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराया गया।

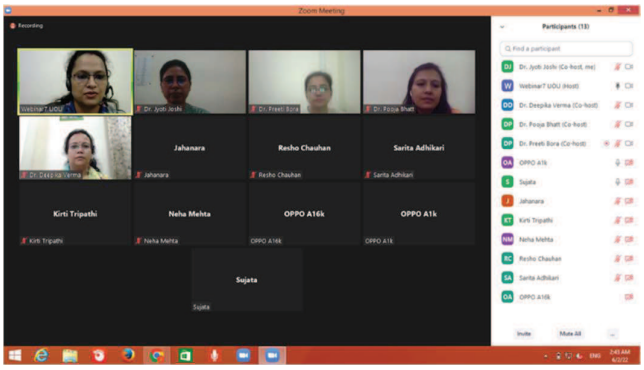

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा 17 जून, 2022 को गृह विज्ञान विभाग की अध्ययन बोर्ड की बैठक सम्पन्न कराई गई। जिसमे पीएच.डी. कोर्सवर्क का निर्माण तथा बी.ए. पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया।

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य निम्न विषयों पर रेडियो टॉक दी गई -

  -खाद्य सुरक्षा दिवस जागरूकता।

  -खाद्य भ्रान्तिया एवम मिथक।

  -खाद्य अपमिश्रण।

  - खाद्य सुरक्षा मानक।

  - खाद्य संदूषण।

- डॉ. ज्योति जोशी और डॉ. पूजा भट्ट निम्न समीक्षा लेख लिखा गया -

  Joshi, J. and Bhatt, P. 2022. Non conventional fibres of Uttarakhand. *Agrobios*. XX(12): 84. (ISSN: 0972-7027)

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 4 -8 जुलाई, 2022 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई। जिसमे विभाग के परामर्शदाताओं द्वारा सम्बंधित विषय पर काउंसलिंग सत्र भी आयोजित किये गये।

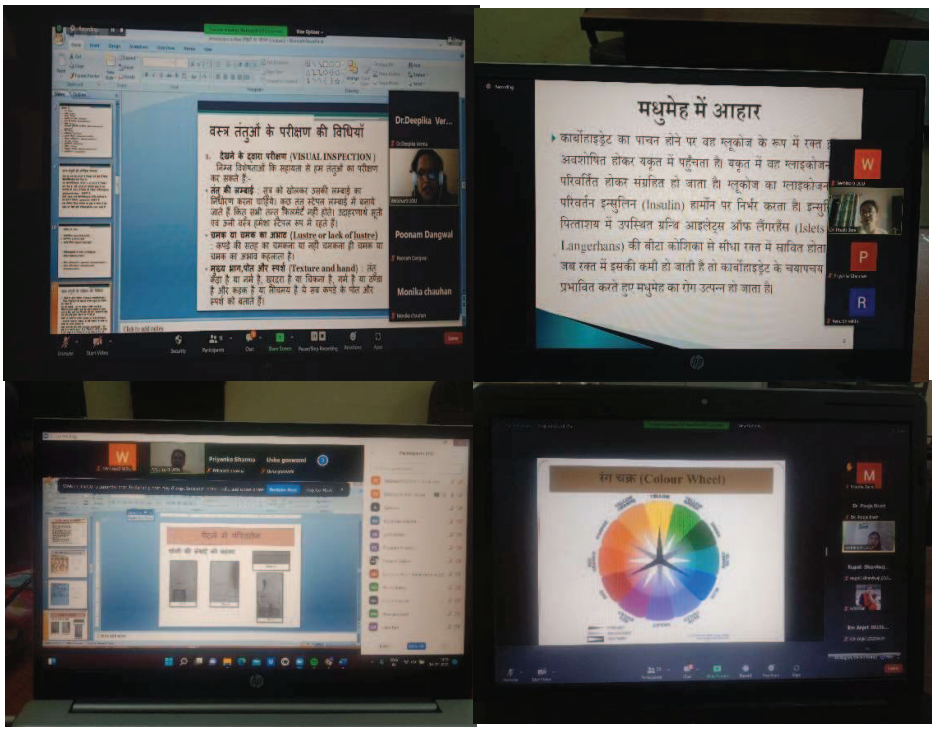

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य निम्न विषयों पर रेडियो टॉक दी गई -
  - विश्व युवा कौशल दिवस जागरूकता।
  -कोरोना महामारी का युवा कौशल पर प्रभाव।
  -टेक्सटाइल इंडस्ट्री, हैंडलूम एवम हेंडीक्राफ्टस।
  - युवा कौशल हेतु कार्यक्रम।
- डॉ. पूजा भट्ट और डॉ. ज्योति जोशी द्वारा निम्न पॉपुलर आलेखों का लेखन किया गया-
  Bhatt, P. 2022. Textile Recovery: *Reduce, Reuse And Recycling*. XXI(2): 83-84 (ISSN: 0972-7027)
  Joshi, J. 2022. Egyptian costume: *History and Facts. Agrobios*. XXI(2): 15. (ISSN: 0972-7027)
- गृह विज्ञान के संकाय सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया।
- गृह विज्ञान के संकाय सदस्यों द्वारा भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल में होने वाले इंटरनेशनल कांफ्रेंस हेतु सम्बंधित विषयों पर एब्सट्रेक्ट भेजे गए।
- गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1 से 7 सितम्बर के मध्य राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह को मनाने का मूल उद्देश्य जनमानस में पोषण सम्बंधी जागरुकता बढ़ाना है। इस वर्ष 1 से 7 सितम्बर, 2022 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम किये गए:

इस सप्ताह के दौरान विभाग के शिक्षकों द्वारा पोषण के विभिन्न आयामों पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो चैनल "Hello Haldwani 91.2 FM" पर रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। निम्न विषयों पर रेडियो वार्ताएं प्रस्तुत की गईं:

- ➢ महिलायें एवं स्वास्थ्य
- ➢ विद्यालयी बच्चों की पोषण सम्बंधित आवश्यकताएं
- ➢ हिडन हंगर
- ➢ महिला पोषण और सामाजिक सहभागिता

- विभाग द्वारा पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों हेतु एक ऑनलाइन "हेल्दी रेसिपी" प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका शीर्षक था: "पारंपरिक अनाज द्वारा व्यंजन तैयार करना"। पोषण सप्ताह में विभाग द्वारा एक ऑनलाइन पोषण क्विज भी आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त एक ऑनलाइन चार्ट / पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी।
- दिनांक 5 सितम्बर, 2022 को गृह विज्ञान विभाग द्वारा गौजाजाली उत्तर, हल्द्वानी ग्रामीण स्थित एक आँगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण किया गया। यहाँ पर उपस्थित महिलाओं तथा आगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को पोषण एवं आहार से सम्बंधित जानकारी विभाग द्वारा दी गयी। विश्वविद्यालय की ओर से बच्चों को फल आदि भी वितरित किये गए।

- दिनांक 6 सितम्बर 2022 को विभाग द्वारा मानपुर पश्चिम के एक विद्यालय देवभूमि अकेडमी में चार्ट / पोस्टर तथा भाषण प्रतियोगिता करायी गयी, जिसका विषय आहार तथा पोषण था। जिसके विजेता छात्रों को स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० आर० सी० मिश्र द्वारा पुरूस्कार तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

- सप्ताह के अंतिम दिन बाह्य विषय विशेषज्ञों द्वारा आहार एवं पोषण पर व्याख्यान दिए गए। इस अवसर पर **उजाला सिग्नस सेन्ट्रल हॉस्पिटल हल्द्वानी की आहार विशेषज्ञ डॉ आशिया कुरेशी तथा डॉ प्रभा बिष्ट, सहा० प्राध्यापक, गृह विज्ञान विभाग, एम० बी० पी० जी० कॉलेज हल्द्वानी,** द्वारा पोषण सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर व्याख्यान (zoom link द्वारा) दिए गए।

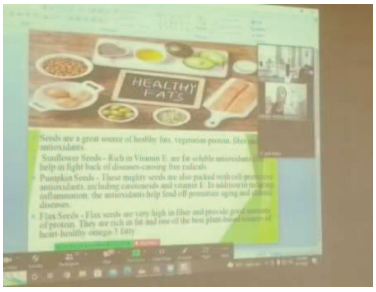

- दिनांक 6 सितम्बर, 2022 को गृह विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा व्यावसायिक शिक्षा विद्याशाखा द्वारा आयोजित अध्ययन बोर्ड की बैठक में प्रतिभाग किया गया। जिसमे गृह विभाग द्वारा कटाई एवम सिलाई पर एक कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया।
- दिनांक 22 सितम्बर, 2022 को गृह विज्ञान विभाग द्वारा एम0ए0 गृह विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर के लघु शोध प्रबंध की मौखिक परीक्षा ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई।
- गृह विभाग के शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय बाँस दिवस और विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो चैनल "Hello Haldwani 91.2 FM" पर रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। निम्न विषयों पर रेडियो वार्ताएं प्रस्तुत की गईं:
  - बाँस रेशा
  - विश्व हृदय दिवस -2022
- गृह विज्ञान के संकाय सदस्यों द्वारा NAAC विजिट की तैयारियों में योगदान दिया गया।
- डॉ. पूजा भट्ट (असिस्टेंट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग) द्वारा 'विश्व रजोनिवृत्ति दिवस' के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो चैनल "Hello Haldwani 91.2 FM" पर रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।

- 'विश्व मधुमेह दिवस', 'राष्ट्रीय बाल दिवस', 'विश्व टेलीविज़न दिवस' एवं 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो चैनल "Hello Haldwani 91.2 FM" पर निम्न रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया-
    - मधुमेह में आहार नियोजन
    - विश्व मधुमेह दिवस का इतिहास एवं दैनिक जीवन में मधुमेह प्रबंधन
    - बच्चों के पालन पोषण
    - विश्व टेलीविज़न दिवस का इतिहास एवं वर्तमान समय में इसकी भूमिका
    - राष्ट्रीय दुग्ध दिवस का इतिहास
- डॉ. पूजा भट्ट और डॉ. ज्योति जोशी द्वारा निम्न आलेखों का लेखन किया गया-
    - गहलोत एम., सिंह बी. एवं भट्ट.पी. 2022. हिमालयन नेटल, किसान भारती 53(12): 31-33 ।
    - Joshi. J. and Goel. A. 2022. Dyeing of Milkweed/ Lyocell and Milkweed/ Mulberry silk blended yarns with reactive dye. Asian Dyer. 19(5): 32-36 (ISBN 0972-9488)
- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 19 दिसम्बर, 2022 को एम0ए0 गृह के चतुर्थ सेमेस्टर के लघु शोध कार्य के मार्गदर्शन से सम्बंधित एक शोध कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से किया गया। जिसमे विभाग के परामर्शदाताओं द्वारा सम्बंधित विषय पर काउंसलिंग की गई।

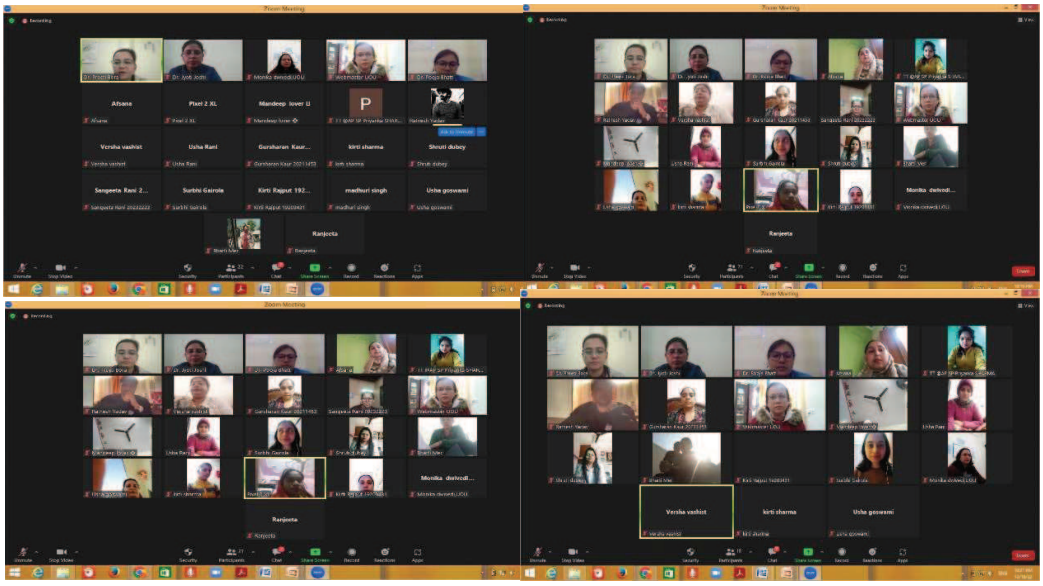

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा निम्न विषयों पर रेडियो टॉक दी गई -

  (1) वृद्धावस्था

  (2) वद्धावस्था में परिवर्तन

(3) शल्य चिकित्सा और जलने की स्तिथि में आहार नियोजन

(4) डिज़ाइन के तत्व

(5) प्रसार शिक्षा की अवधारणा

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा निम्न विषयों पर विडियो व्याख्यान दिए गए -

  (1) ऊर्जा

  (2) ऊर्जा का मापन

  (3) रेशों की विशेषताएँ

  (4) गृह व्यवस्था के उत्प्रेरक तत्व- मूल्य

  (5) गृह व्यवस्था के उत्प्रेरक तत्व- लक्ष्य

  (6) अच्छी फिटींग को प्रभावित करने वाले कारक

  (7) फिटींग अवधारणा

  (8) नवाचार और प्रसार

  (9) अभिग्रहण

- गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा दिनांक 17-18 जनवरी, 2023 को नई शिक्षा नीति से सम्बंधित कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया।

- गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा निम्न विषयों पर रेडियो व्याख्यान दिए गए -

  (1) वृद्धावस्था में आहार की आवश्यकताएं

  (2) आहार एवं पोषण

  (3) प्रसार शिक्षा का अन्य विषयों से सम्बन्ध

  (4) परिधान डिजाइनिंग और मापन माप

  (5) प्रसार शिक्षा की पद्यतियाँ एवं सिद्धान्त

- गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा निम्न विषयों पर विडियो व्याख्यान दिए गए -

  (1) अच्छी फिटींग को प्रभावित करने वाले कारक

  (2) फिटींग अवधारणा

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 1-6 फरवरी, 2023 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई। जिसमे विभाग के परामर्शदाताओं द्वारा सम्बंधित विषय पर काउंसलिंग भी की गई।

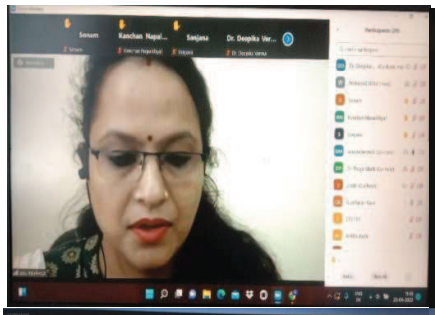

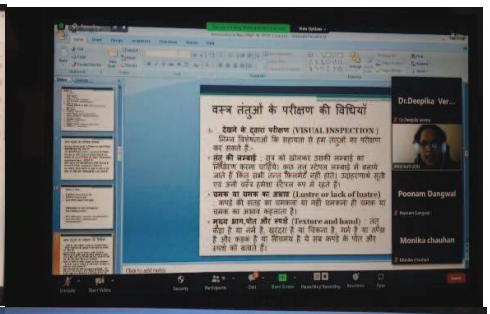
वस्त्र तंतुओं के परीक्षण की विधियाँ
Dr.Deepika Ver...
Poonam Dangwal
Monika chauhan

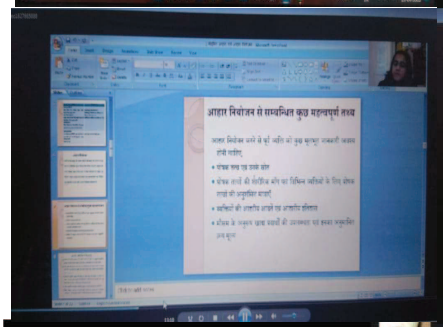
आहार नियंत्रण से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

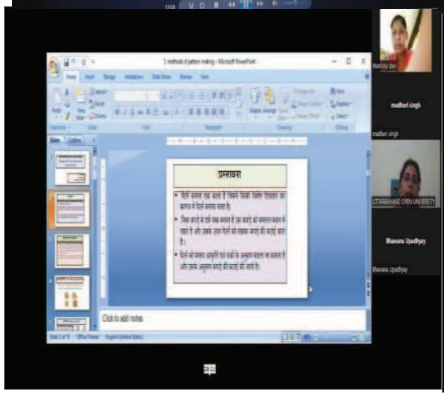
प्रस्तावना
Click to add notes

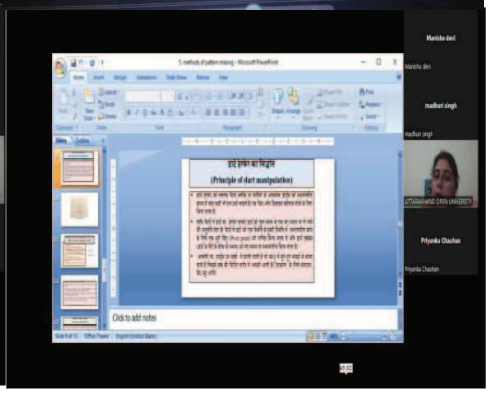
(Principle of dart manipulation)
Click to add notes

घर के कार्य
रक्षात्मक
•सुरक्षा प्रदान करता है
•मौसम से बचाता है
•आश्रय प्रदान करता है
•जानवरों, इंसानों और दुश्मनों से बचाता है
आर्थिक
• पैसे के मामले में मूल्य
• सामाजिक आर्थिक स्थिति को बढ़ाता है
• समाज में गौरव और प्रतिष्ठा देता है
• कुछ आय सृजन गतिविधि करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है
शिक्षाप्रद
•व्यक्तित्व और बुनियादी पारिवारिक मूल्यों के विकास में मदद करता है
•साफ़ करने, देखभाल करने, सहानुभूति आदि जैसे जीवन कौशल के विकास में मदद करता है
सामाजिक/पारिवारिक
•परिवार के भीतर और बाहर बातचीत को बढ़ावा देता है
•अपनेपन की भावना प्रदान करता है
•मूल्यों तथा रीति-रिवाज का पीढ़ी से पीढ़ी तक स्थानांतरण करने में सहायक है

Sink
Dishwasher
Range
Island
Refrigerator

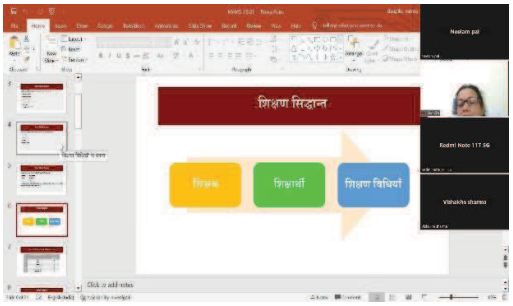

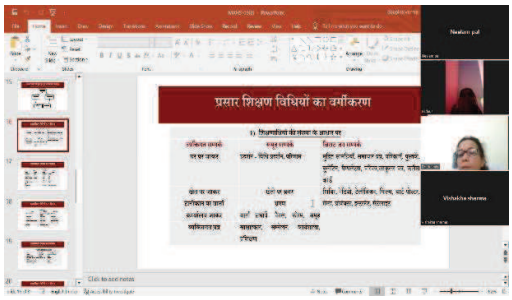

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा निम्न विषयों पर रेडियो टॉक दी गई -

  (1) आहार नियोजन

  (2) वस्त्र की फिटिंग को प्रभावित करने वाले कारक

  (3) वृद्धों हेतु परिधान

  (4) खाद्य सेवा प्रबंधन का परिचय

  (5) संतुलित आहार

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा 16 मार्च 2023 को गृह विज्ञान विभाग की विशेषज्ञ समिति की बैठक सम्पन्न कराई गई। जिसमे नई शिक्षा निति के अनुसार बी.ए. पाठ्यक्रम कोर्सवर्क का निर्माण किया गया।

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा 28 मार्च 2023 को गृह विज्ञान विभाग की अध्ययन बोर्ड की बैठक ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई। जिसमे नई शिक्षा निति के अनुसार विशेषज्ञ समिति द्वारा निर्मित बी.ए. पाठ्यक्रम को संशोधित कर अंतिम रूप दिया गया।

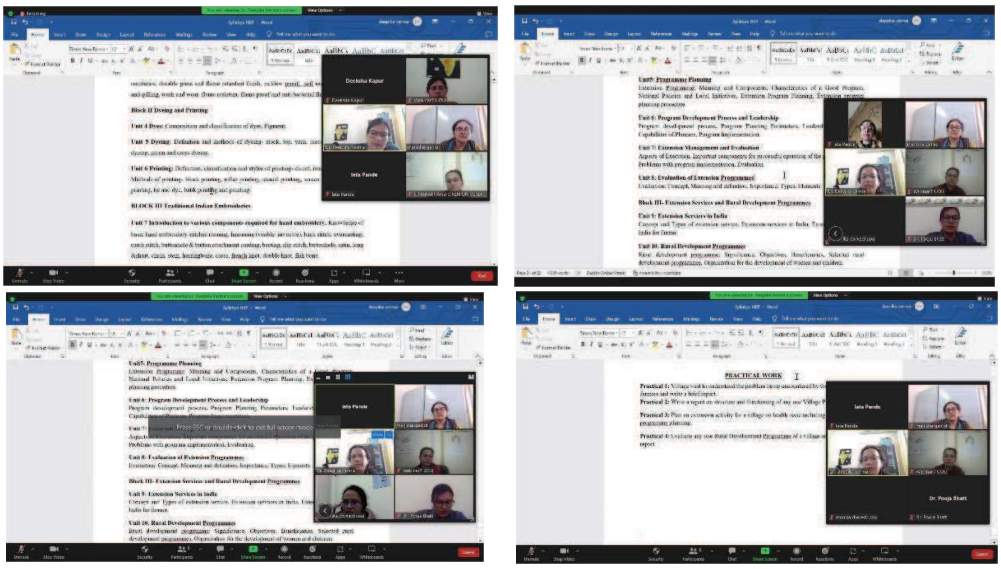

योग विभाग

- शीतकालीन सत्र 2022 में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के इंडक्शन प्रोग्राम हेतु टेलीग्राम ग्रुप का निर्माण कर उन्हें पाठ्यक्रम संबंधी आवश्यक सूचना प्रदान की गयी।
- बी.ए. योग तथा योग विज्ञान में डिप्लोमा के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 30/04/2022 को 01 बजे से 02 बजे तक इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया।
- एम.ए. योग के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 30/04/2022 को प्रातः 11 बजे से 12 बजे तक इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया।

  अप्रैल में आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम की फ़ोटो निम्न संलग्न है –

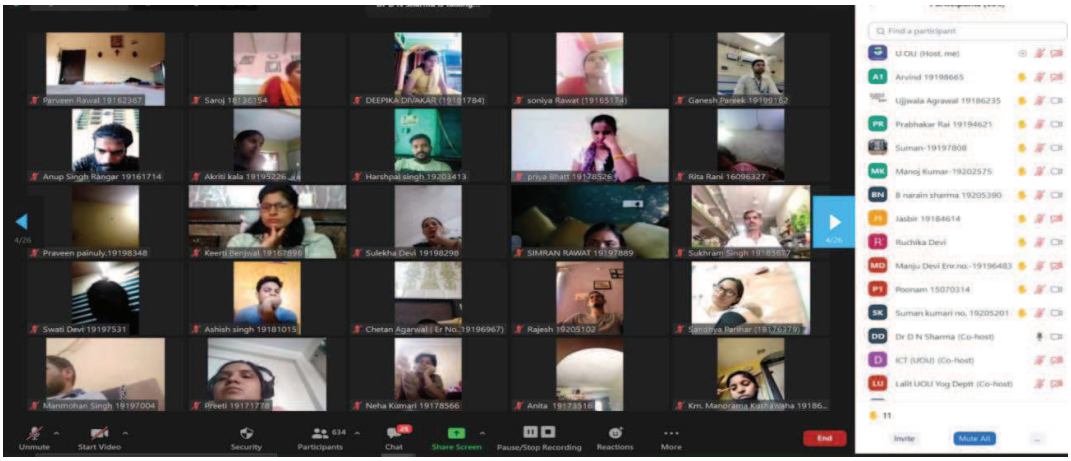

- दिनांक 13/05/2022 को एम. ए. योग प्रथम सेमेस्टर (शीतकालीन सत्र 2022) के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन ज़ूम एप के माध्यम से परामर्श सत्र आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों की विषय तथा पाठ्यक्रम से संबंधित समस्याओं का निराकरण का कार्य किया गया एवं प्रयोगात्मक सत्र भी संचालित किया गया।

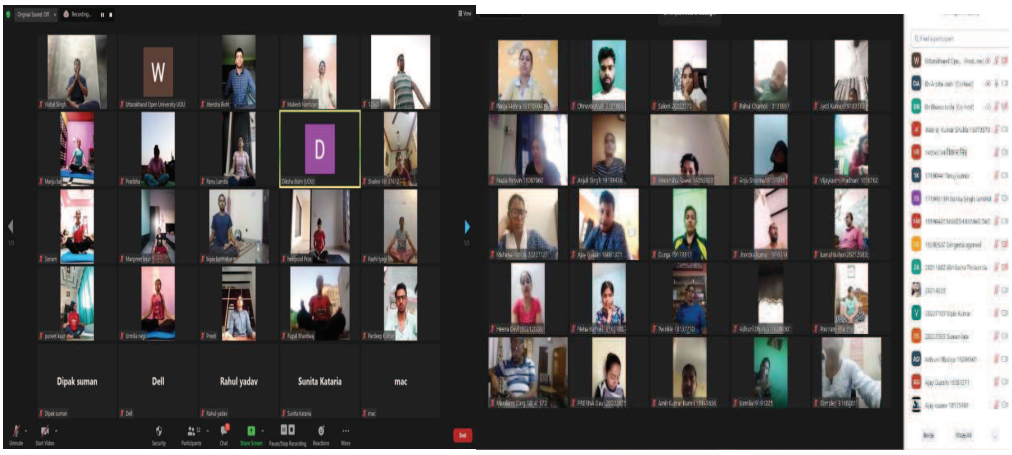

परामर्श सत्र की फ़ोटो

- 1 जून से 10 जून 2022 तक अतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित योग सप्ताह हेतु आवश्यक तैयारियां की गयी। जिसके अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं की सूचना ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से शिक्षार्थियों व विद्यार्थियों को दी गयी एवं इच्छुक प्रतिभागियों का ऑनलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 15 जून 2022 से 21 जून 2022 तक योग सप्ताह मनाया गया। जिसके अंतर्गत योग संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे निबन्ध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता, योग प्रश्नोत्तरी, योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

- दिनांक 15-06-2022 को प्रथम दिवस में सामान्य योगाभ्यास का कार्यक्रम किया गया। जिसमें लगभग 30 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।
- दिनांक 16-06-2022 को द्वितीय दिवस में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 22 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।
- दिनांक17-06-2022 को तृतीय दिवस में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 25 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।
- दिनांक18-06-2022 को चतुर्थ दिवस में योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 28 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।
- दिनांक19-06-2022 को पंचम दिवस में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 22 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।
- दिनांक 20 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व संध्या पर **''वर्तमान परिदृश्य में योग की भूमिका''** नामक विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें 400 से अधिक लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन ऑनलाइन और ऑफ लाइन दोनों माध्यम से किया गया जिसमें लगभग 200 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

योग सप्ताह की विभिन्न प्रतियोगिताओं व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम की फोटो निम्न संलग्न है-

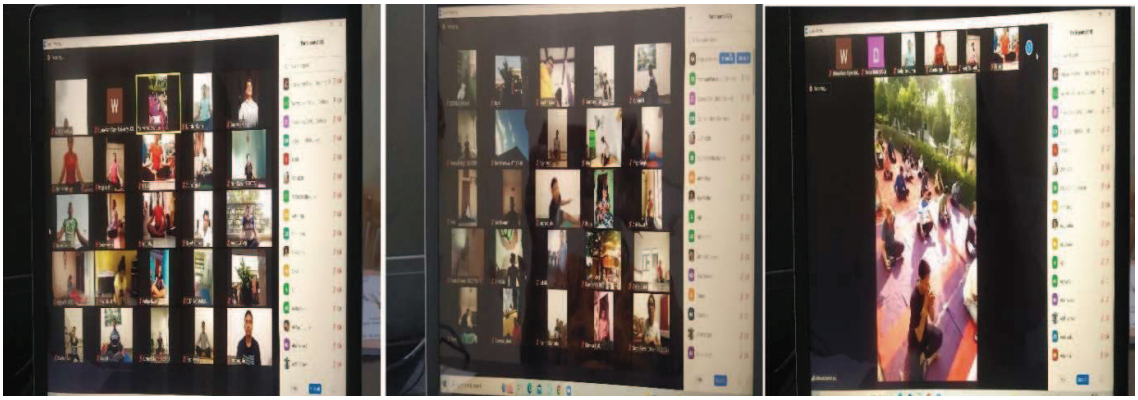

- दिनांक 01/07/2022 से 10/07/2022 तक योग डिप्लोमा (मुख्य व बैक), बी. ए. योग प्रथम वर्ष (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की दस दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।
- दिनांक 01/07/2022 से 10/07/2022 तक बी. ए. योग द्वितीय वर्ष (मुख्य व बैक), बी. ए. योग तृतीय वर्ष (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की दस दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।
- दिनांक 11/07/2022 को योग डिप्लोमा (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।
- दिनांक 12/07/2022 को बी. ए. योग प्रथम वर्ष (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।
- दिनांक 13/07/2022 को बी. ए. योग द्वितीय वर्ष (मुख्य व बैक) शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।
- दिनांक 14/07/2021 एवं 15/07/2021 को बी. ए. योग तृतीय वर्ष (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी

- दिनांक 18/07/2022 से 27/07/2022 तक एम. ए. योग द्वितीय सेमेस्टर व एम. ए. योग प्रथम वर्ष (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की दस दिवसीय कार्यशाला की पूर्व तैयारी की गयी तथा दस दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।
- दिनांक 18/07/2022 से 27/07/2022 तक एम. ए. योग द्वितीय सेमेस्टर व चतुर्थ सेमेस्टर (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की दस दिवसीय कार्यशाला की पूर्व तैयारी की गयी तथा दस दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।
- दिनांक 28/07/2022 एवं 29/07/2022 को योग एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर एवं एम. ए योग प्रथम वर्ष (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की दस दिवसीय कार्यशाला की प्रयोगात्मक परीक्षा ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।
- दिनांक 30/07/2022 से 01/08/2022 को एम. ए. योग द्वितीय वर्ष व चतुर्थ सेमेस्टर (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा ज़ूम एप के माध्यम से संपन्न करायी गयी।

जुलाई माह में आयोजित कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षा से संबंधित फोटो-

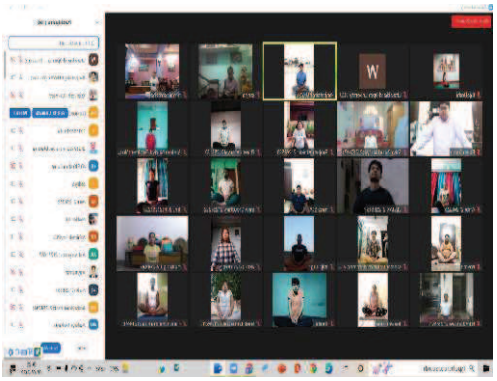

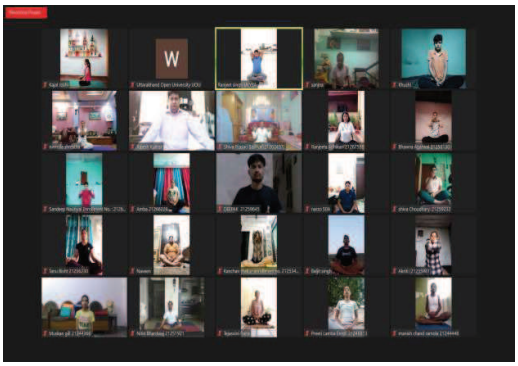

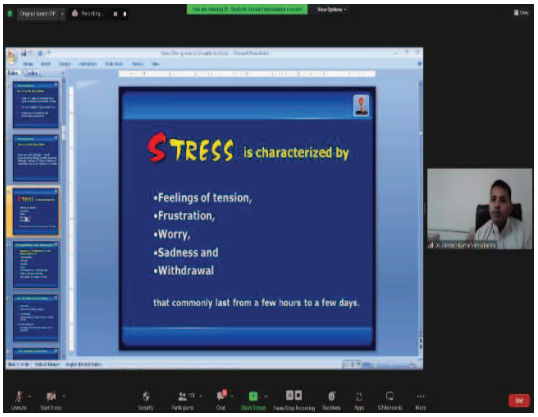

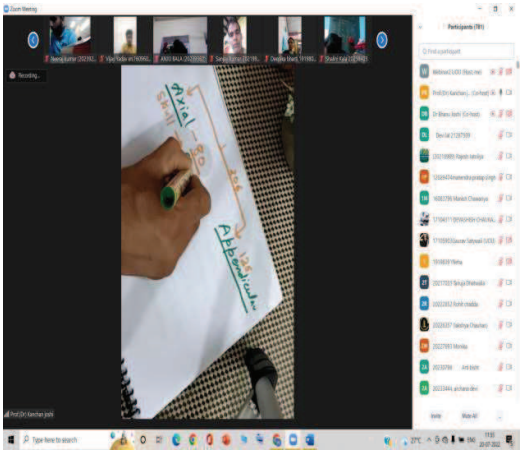

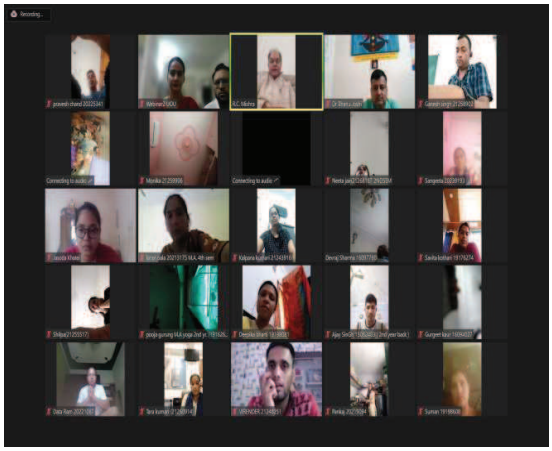

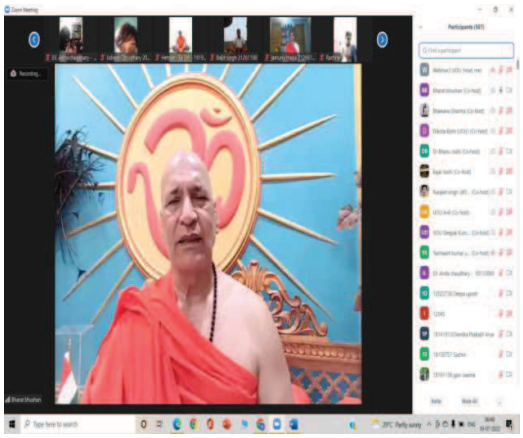

- दिनांक 01/08/2022 को एम. ए. योग चतुर्थ सेमेस्टर (मुख्य व बैक) के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा संपन्न करायी गयी।
- योग विभाग द्वारा परीक्षा विभाग के निर्देशानुसार परीक्षा संबंधी गोपनीय कार्यो का सम्पादन किया गया।
- परीक्षा विभाग के निर्देशानुसार अगस्त माह 2022 में आयोजित परीक्षाओं के निरीक्षण का कार्य किया गया

- जुलाई व अगस्त माह 2022 में आयोजित प्रयोगात्मक परीक्षा में अनुपस्थित विद्यार्थियों के विवरण की सूची (excel sheet) तैयार की गयी।
- नैक (NAAC) हेतु विभाग संबंधी पी.पी.टी. में सुधार कार्य किया गया।
- नवम्बर सत्र 2021 में पंजीकृत विद्यार्थियों के एडमिशन फॉर्म के सत्यापन का कार्य पूर्ण किया गया।
- सितंबर माह में NAAC में प्रस्तुत किए जाने हेतु पी.पी.टी. में संशोधन का कार्य किया गया।
- योग के शिक्षार्थियों को NAAC के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुति देने हेतु योगाभ्यासों का प्रशिक्षण दिया गया।
- योग विभाग से संबंधित अन्य आवश्यक जानकारी CIQA टीम को प्रस्तुत की गई।
- निःशुल्क योग कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में प्रातः 7: 00 बजे से 8:00 बजे तक किया गया।
- योग विभाग के भूतपूर्व एवं वर्तमान में अध्यनरत शिक्षार्थियों को समय समय पर सूचित कर विश्वविद्यालय गतिविधियों में प्रतिभाग करने हेतु बुलाया गया।
- एम. ए. योग, बी.ए. योग तथा योग विज्ञान में डिप्लोमा के ग्रीष्मकालीन सत्र 2022 में आयोजित परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया।
- प्रातः कालीन 7:00 से 8:00 बजे आयोजित नि:शुल्क योग कक्षाओं हेतु प्रचार-प्रसार का कार्य किया गया तथा निःशुल्क योग कक्षाओं का नियमित संचालन किया गया।
- NAAC निरीक्षण के समय सांस्कृतिक योग कार्यक्रम हेतु विद्यार्थियों को उचित प्रशिक्षण दिया गया।
- योग तथा अन्य विषयों के पुराछात्रों को NAAC टीम के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया तथा NAAC से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण कार्यों का निर्वहन किया गया।
- नवंबर माह 2022 में आयोजित होने वाली कार्यशाला हेतु पूर्व आवश्यक तैयारियां की गई।
- ग्रीष्मकालीन परीक्षा 2022 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य किया गया।
- योग विभाग द्वारा योग विषय एवं अन्य विषयों के टेबुलेशन का कार्य किया गया।
- दिनांक 24 नवंबर 2022 से 03दिसंबर 2022 तक हरिद्वार में आयोजित होने वाली डिप्लोमा, बी. ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष, एम.ए. योग द्वितीय सेमेस्टर /प्रथम वर्ष के (मुख्य व बैक) विषयों की कार्यशाला तथा प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु आवश्यक तैयारियाँ की गयी एवं शिक्षार्थियों का पंजीकरण कर कार्यशाला आयोजित की गयी।
- कार्यशाला से पूर्व कार्यशाला की सूचना सभी शिक्षार्थियों को टेलीफोन, मेल व मैसेज के माध्यम से प्रदान की गई।
- CIN (प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र) तथा CYS (योग विज्ञान में प्रमाण पत्र) की होने वाली प्रयोगात्मक परीक्षा की सूचना टेलीफोन, मेल व मैसेज के माध्यम सभी शिक्षार्थियों को प्रदान की गई।

- दिनांक 24/11/2022 से 03/12/2022 तक योग विज्ञान में डिप्लोमा, बी. ए. (प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष), एम. ए. प्रथम वर्ष/ द्वितीय सेमेस्टर के मुख्य व बैक के शिक्षार्थियों की दस दिवसीय कार्यशाला हरिद्वार में आयोजित की गयी।
- दिनांक 04/12/2022 को योग विज्ञान में डिप्लोमा, बी. ए. (प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष), एम. ए. प्रथम वर्ष/ द्वितीय सेमेस्टर के मुख्य व बैक के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हरिद्वार में संपन्न करायी गई।
- दिनांक 05/12/2022 से 14/12/2022 तक एम. ए. योग द्वितीय वर्ष /चतुर्थ सेमेस्टर के मुख्य व बैक के सभी शिक्षार्थियों की कार्यशाला का आयोजन हरिद्वार में किया गया।
- दिनांक 09/12/2022 को CIN (प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र) तथा CYS (योग विज्ञान में प्रमाण पत्र) के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हरिद्वार में संपन्न कराई गई।
- दिनांक 15/12/2022 को एम. ए. द्वितीय वर्ष / चतुर्थ सेमेस्टर के मुख्य व बैक के सभी शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हरिद्वार में संपन्न कराई गई।
- हल्द्वानी विश्वविद्यालय के मुख्यालय में आयोजित की जाने वाली कार्यशाला हेतु आवश्यक तैयारियाँ की गईं।

- दिसंबर माह में बी. ए. योग व एम. ए. योग के सभी वार्षिक एवं सेमेस्टर विषयों के सत्रीय कार्य हेतु असाइनमेंट पोर्टल पर प्रश्नों के अपलोडिंग का कार्य किया गया।
- दिनांक 20/12/2022 से 29/12/2022 तक योग विज्ञान में डिप्लोमा, बी. ए. (प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष), एम. ए. प्रथम वर्ष/ द्वितीय सेमेस्टर, द्वितीय वर्ष / चतुर्थ सेमेस्टर के मुख्य व बैक के सभी शिक्षार्थियों की दस दिवसीय कार्यशाला हल्द्वानी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की गयी।
- दिनांक 29/12/2022 को CIN व CYS के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हल्द्वानी विश्वविद्यालय के मुख्यालय में संपन्न कराई गई।
- दिनांक 30/12/2022 को योग विज्ञान में डिप्लोमा, बी. ए. (प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष), एम. ए. प्रथम वर्ष/ द्वितीय सेमेस्टर, द्वितीय वर्ष / चतुर्थ सेमेस्टर के मुख्य व बैक के शिक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हल्द्वानी विश्वविद्यालय में संपन्न करायी गई।
- माननीय कुलपति के अनुमोदनार्थ दिनांक 30/12/2022 को भारत माता पूजन के कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया जिसमे योग विभाग एवं योग के शिक्षार्थी सम्मिलित रहे।

उपर्युक्त आयोजित कार्यक्रमों की फोटो निम्न में संलग्न है-

- दिनांक 11/01/2023 को आयोजित दीक्षांत समारोह में दिए गए दायित्वों का निर्वहन किया गया।
- परीक्षा विभाग द्वारा आगामी परीक्षाओं हेतु MY-102 के प्रश्नपत्र के निर्माण कार्य किया गया।
- जनवरी माह में आयोजित NEP की बैठक में सदस्यता व विभाग को दिए गए दायित्वों का निर्वहन किया गया।
- नवंबर व दिसंबर माह में आयोजित कार्यशाला के बिलों का समायोजन कार्य पूर्ण किया गया।
- परीक्षा विभाग द्वारा निर्देशित टेबुलेशन के कार्य में सहायता प्रदान की गयी।
- सत्रीय कार्य से संबंधित शिक्षार्थियों की शिकायतों का निराकरण करने में सहायता प्रदान की गयी।
- दिनांक 25/01/2023 को योग विभाग पी.एच डी. से संबंधित DRC/RAC की बैठक संपन्न कराई गयी।
- शीतकालीन सत्र में प्रवेश हेतु टेलीग्राम व व्हाट्स एप ग्रुप के माध्यम से विभाग द्वारा प्रचार-प्रसार का कार्य किया गया।
- शिक्षार्थियों को योग विषय से संबंधित अध्ययन सामग्री हेतु सहायता प्रदान की गयी।

दिनांक 25/01/2023 को योग विभाग पी.एच डी. से संबंधित DRC/RAC की बैठक की फोटो निम्न संलग्न है-

- नवंबर व दिसंबर माह में आयोजित योग विज्ञान डिप्लोमा, बी. ए. प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष, एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर/प्रथम वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर/ द्वितीय वर्ष के प्रयोगात्मक परीक्षाओं की अवार्ड सूची तैयार की गयी।
- परीक्षा विभाग के निर्देशानुसार परीक्षा कार्य तथा परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्य संपन्न किए गए।
- शीतकालीन सत्र के एम. ए. योग तथा बी. ए. योग के सभी विषयों के सत्रीय कार्य की अंतिम तिथि असाइनमेंट पोर्टल पर विस्तारित करने का कार्य किया गया।
- प्रवेश तिथि विस्तारित होने की जानकारी शिक्षार्थियों को प्रदान की गई।

- प्रवेश, पाठ्यक्रम तथा सत्रीय कार्य से संबंधित समस्याओं का निराकरण फोन व ई-मेल के माध्यम से किया गया।
- परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्यों का निर्वहन किया गया।
- UGC DEB के पोर्टल में योग विभाग के विविध पाठ्यक्रम अपलोड किए गये।
- दिनांक 19 मार्च 2022 को योग विभाग की विषय विशेषज्ञ समिति (Expert Committee) की बैठक ऑनलाइन ज़ूम ऐप के माध्यम से संपन्न की गई।
- दिनांक 21 मार्च 2023 को योग विभाग की अध्ययन मंडल समिति (Board of studies) की बैठक ऑनलाइन ज़ूम ऐप के माध्यम से संपन्न कराई गई।
- दिनांक 28 मार्च 2023 को योग विभाग द्वारा शोध छात्र (श्री अनिल कोठारी) के शोध कार्य का प्री-सबमिशन का कार्य संपन्न कराया गया।

दिनांक 19 मार्च 2022 , दिनांक 21 मार्च 2023 एवं दिनांक 28 मार्च 2023 को आयोजित उपरोक्त कार्यक्रमों का छायाचित्र निम्न संलग्न है-

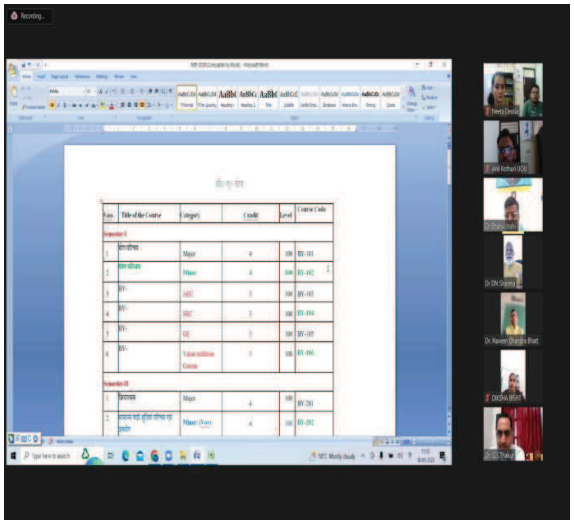

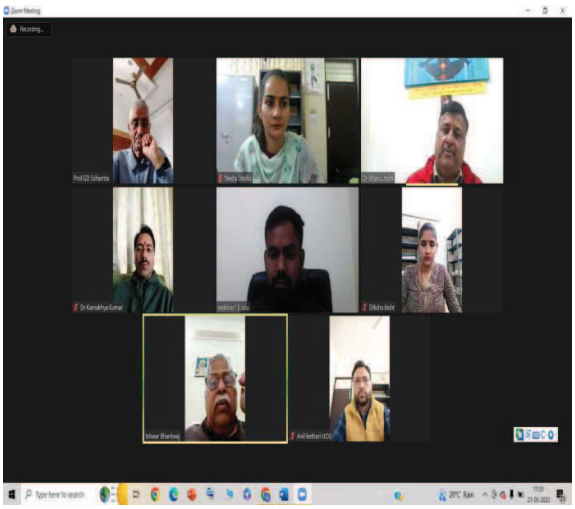

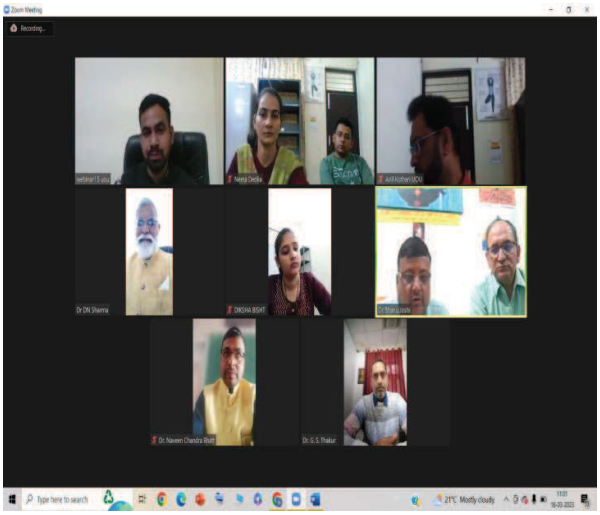

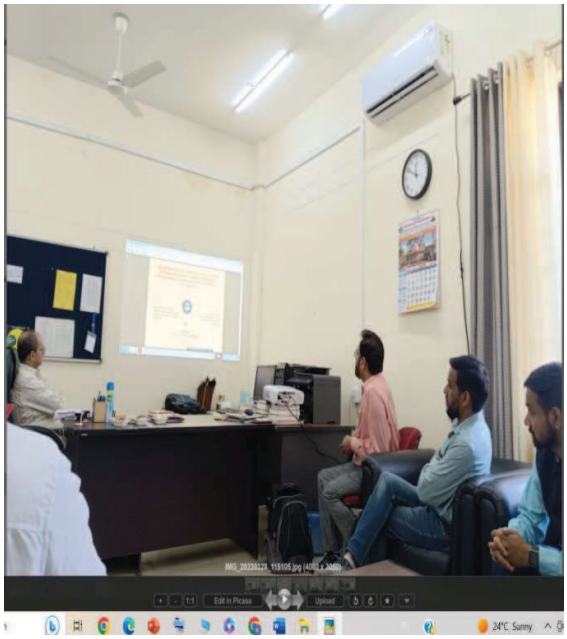

विधि विद्याशाखा

(School of Law)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की सामाजिक सहभागिता के क्षेत्र में एक और उपलब्ध :विधिक सहायता केंद्र का विधिवत उद्घाटन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय विधिक सहायता केंद्र का विधिवत उद्घाटन दिनांक 09-12-2022 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. आर .सी मिश्रा और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री शमा परवीन द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर विधि विद्या शाखा के निदेशक प्रो.ऐ के. नवीन, विधिक सहायता केंद्र के प्रभारी और विद्या शाखा के समन्वयक डॉ. दीपांकुर जोशी, कुलचाव डॉ रश्मि पंत और विश्वविद्यालय के शिक्षक और समस्त विश्वविद्यालय परिवार उपस्थित था। विधिक सहायता केंद्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ समन्वय कर समाज के वंचित वर्गों को निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध करने में सहायता

करेगा 1 साथ ही जिले के दूर दराज़ के क्षेत्रों तक विधिक जागरूकता पहुंचाने और विधि शिक्षा के प्रचार प्रसार में भी कार्य करेगा।

विश्वविद्यालय में विधिक सहायता केंद्र के उद्घाटन के साथ ही मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. आर .सी. मिश्रा ने व्यक्ति के लिए मावधिकारों के महत्व को रेखांकित किया, विधि विद्या शाखा के निदेशक प्रो.ऐ के. नवीन ने सयुंक्त राष्ट्र संघ की 2022 की थीम व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता और सभी के लिए न्याय पर प्रकाश डाला। धन्यवाद् ज्ञापन कुलसचिव डॉ रश्मि पंत ने किया। मंच संचालन डॉ. दीपांकुर जोशी ने किया।इस अवसर पर डॉ. एम. एम जोशी, डॉ.डिगर सिंह फर्स्वाण, डॉ.दिनेश चौधरी, डॉ.देवकी सिरोला डॉ.सिद्धार्थ पोखरियाल, डॉ.मनीषा पंत डॉ. दिनेश चंद्र डॉ. श्रीमती भावना, श्री राजेश आर्य, श्री विभु कांडपाल,सुश्री प्रीती शर्मा, सुश्री दीपिका और समस्त विश्वविद्यालय परिवार उपस्थित था।

विधिक सहायता केंद्र, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय
विधिक जागरूकता कैंप
राजकीय इंटर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौलाखेड़ा,हल्द्वानी
दिनांक 4 जनवरी-2023

.

विधिक सहायता केंद्र, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय

विधिक जागरूकता कार्यक्रम

राजकीय महाविद्यालय सितारगंज

दिनांक 29 मार्च-2023

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विधिक सहायता केंद्र द्वारा राजकीय महाविद्यालय सितारगंज में दिनांक 29 मार्च-2023 को एक दिवसीय नशा मुक्ति कार्यशाला में विधिक सहायता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधि विद्या शाखा के निदेशक प्रो.ऐ के. नवीन ने एक दिवसीय नशा मुक्ति कार्यशाला में विद्यार्थियों व अन्य समीपस्थ निवासरत लोगों को नशा मुक्ति, विधिक सहायता और विधि शिक्षा के अन्य आयामों की विस्तृत जानकारी प्रदान की |

पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबन्धन विद्याशाखा

(School of Tourism, Hospitality and hotel Management)

- विभागीय अध्यापक द्वारा नई शिक्षा नीति के अनुरूप BOS कराया गया जिसमें पाठ्यक्रमों को NEP-2020 के अनुरूप तैयार किया गया।
- ऑनलाइन इंडक्शन प्रोग्राम तथा कक्षाओं का आयोजन किया गया।
- पाठ्यसामग्री निर्माण कार्य किया गया।
- स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की इकाईयों का लेखन व सम्पादन कार्य किया गया।
- मुद्रण अनुभाग में कार्य दायित्वों का सम्पादन किया गया।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा

उत्तराखंड़ मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने किया इंडेक्शन प्रोग्राम

- उत्तराखंड़ मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को इंडेक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जो कि बीएलआईएस के चौथे बैच के पहले सेमेस्टर के शिक्षार्थियों के लिए आयोजित किया गया था। इंडेक्शन प्रोग्राम रखने का मकसद नये नामांकित विद्यार्थियों को इस कोर्स से जुडी समस्त जानकारी दिया जाना था जिसमें कि कोर्स क्या है, किसको ये कोर्स करना चाहिए, इस कोर्स का स्कोप क्या है इसे करने के बाद स्टूडेंट्स कहां कहां व किस तरह के पदों के लिए आवदेन कर सकते हैं पर जानकारी दी गई . साथ ही लाइब्रेरी क्या है और लाइब्रेरी से जुड़ी विभिन्न सेवाओं व सोर्सेस के बारे में भी बताया गया. इंडेक्शन में लगभग 30 विद्धार्थियों ने शिरकत की. बी.एल.आई.एस कोर्स में इस बार 80 विद्धार्थियों के द्वारा नामांकन किया गया है। इंडेक्शन में सुदूर चंपावत से लेकर अमरोहा, हरदोई व गजरौला तक के स्टूडेंट्स ने शिरकत की।
- कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के '**निदेशक प्रो. ए.के. नवीन**' ने कहा कि इंडेक्शन प्रोग्राम नए विद्वार्थियों के लिए बहुत जरूरी है जिससे वह उस कोर्स से ज़ुड़ी सभी जानकारी हासिल कर सकें और अपने विषय के शिक्षक से भी परिचित हो सकें. दूरस्थ माध्यम के लिए यह और जरूरी हो जाता है कि वह इंडेक्शन कार्यक्रम कराए. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए "**विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. पी.डी. पंत**"ने कहा कि पुस्तकों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है आज डीजिटल युग में पुस्तकों का भी डिजीटाइजेशन हो रहा है जिसके लिए एडवांस तकनीकि अपनाई जा रही है। एक लाइब्रेरियन को आज बहुत एडवांस होने की जरूरत है। विवि ने इसी जरूरत को देखते हुए यह कोर्स शुरु किया है और लगातार बढ़चढ़कर हर साल इस कोर्स में स्टूडेंट्स दाखिला ले रहे हैं. धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विश्वविद्यालय की "**कुलसचिव प्रो. रश्मि पंत**" ने कहा कि स्टूडेंट्स की सहूलियत के लिए विवि लगातार प्रयारत है। बीएलआईएस विभाग के द्वारा इंडेक्शन प्रोग्राम कराना बहुत अच्छी पहल है दूरस्थ माध्यम के स्टूडेंट्स के लिए इंडेक्शन ज्यादा जरूरी हो जाता है। विभाग की असिसटेंट प्रोफेसर व "**कार्यक्रम की संचालक प्रीति शर्मा**" ने बहुत विस्तार के साथ लाइब्रेरी के प्रकार व इस क्षेत्र के नवाचारों पर बात रखी उन्होंने पीपीटी के जरिये बताया कि बी.लिव करने के बाद कहां कहां किस किस तरह का काम किया जा सकता है। कोर्स के दौरान विवि के द्वारा क्या क्या सुविधांए उन्हें दी जाती है इस पर भी बात की. उन्होंने विवि के वीडियो व रेडियो विभाग में दिए गए लैक्चर्स के लिंक भी साझा किये ताकि स्टूडेंट्स को पढ़ने में कोई दिक्कत न हो।
- कार्यक्रम में विवि के शिक्षा विभाग के कोर्डिनेटर डा. डिगर सिंह फर्स्वाण, डा. देवकी सिरोला, डा.दीपांकुर जोशी, डा. नंदन तिवारी, शुभांकर शुक्ला, विभु कांडपाल, राकेश पपनै, समेत 30 सेअधिक स्टूडेंट्स शामिल रहे।

❖ इंडक्शन प्रोग्राम (प्रेरण कार्यक्रम),

❖ प्रथम सेमेस्टर (सत्र जनवरी, 2023) 19 अप्रैल, 2023(ऑनलाइन माध्यम)

❖

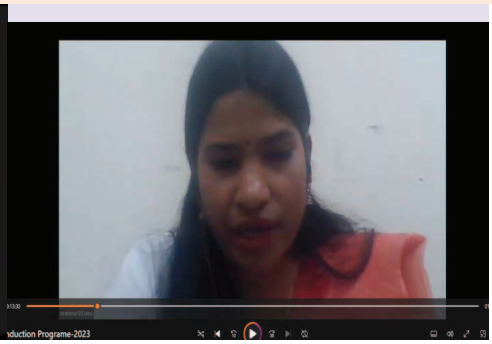

बीएलआईएस के दोनों सेमेस्टर की कार्यशाला की अनुसूची

क्रम संख्या	कार्यशाला केंद्र	सेमेस्टर	तिथि
1.	यू.ओ.यू. मॉडल अध्ययन केंद्र	द्वितीय सेमेस्टर	01.06.2023 से 10.06.2023
2.	यू.ओ.यू. मॉडल अध्ययन केंद्र	प्रथम सेमेस्टर	12.06.2023 से 21.06.2023

❖ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ऑनलाइन मोड के माध्यम से बीएलआईएस-21 द्वितीय सेमेस्टर और बीएलआईएस-21 प्रथम सेमेस्टर (सत्र जनवरी -2023) में नामांकित छात्रों के लिए पाठ्यक्रम बीएलआईएस-105 के लिए एक ऑनलाइन व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन का आयोजन विभिन्न तिथियों में किया गया

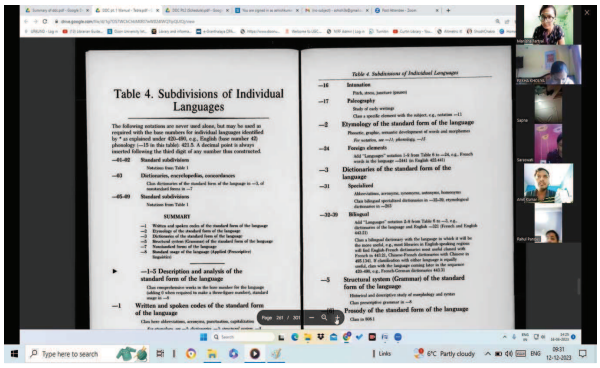

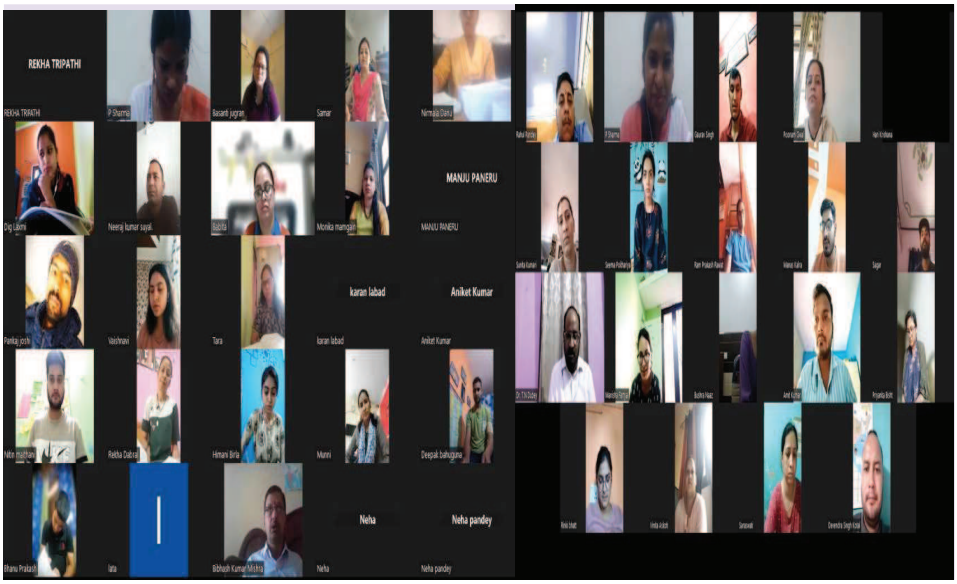

इंडक्शन प्रोग्राम (प्रेरण कार्यक्रम)

बीएलआईएस-21 प्रथम सेमेस्टर (जुलाई सत्र-2023)

पुस्तकालय एवम सूचना विज्ञान द्वारा बीएलआईएस-21 प्रथम सेमेस्टर (जुलाई सत्र-2023) में नामांकित छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम (प्रेरण कार्यक्रम) का आयोजन 30 अक्टूबर 2023 को प्रातः 11:00 बजे से 01:00 बजे तक ऑनलाइन माध्यम ज़ूम मीटिंग पर किया गया

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय पुस्तकालय जगत के पितामह पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की 131वीं जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया गया।

शुक्रवार को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिवप्रो. पीडी पंत, प्रो.ए.के.नवीन व डा ॅ. अरविंद भट्ट ने संयुक्त रूप से डॉ. एस. आर. रंगनाथन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में कुलसचिव प्रो. पीडी पंत ने कहा पद्मश्री डॉ. रंगनाथन के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके पुण्य कृत्यों के लिए अकादमिक एवं शोध समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। वनस्पति विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर व उपनिदेशक शोध एवं नवाचार डा. पी.के. सहगल ने कहा कि सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए पुस्तकों का सतत् अध्ययन बेहद जरूरी है। असिसटेंट डायरेक्टर कंप्युटर एवं आईसीटी अनुराग भट्ट ने कहा कि डिजीटल लाइब्रेरी पर विस्तार से बात रखी. उन्होने परंपरागत लाइब्रेरी से लेकर डिजीटल लाइब्रारी तक के सभी तकनीकों ओपेक, आईसीटी और इंस्टीट्यूशनल रिपोजेटरी, प्लेजेरिज्म व आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस पर विस्तार से बात रखी. इस दौरान बीएलआईएस के शिक्षार्थियों तारा देवी व मंजू पुनेरा ने एस.आर. रंगनाथन के लाइब्रेरी पर दिए गए नियमों को विस्तार से बताया। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा की प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. प्रीति शर्मा ने कहा कि पुस्तकालय एक ऐसा मंदिर है जहां व्यक्ति साहित्य, समाज, अर्थव्यवस्था, कला एवं संस्कृति को पढ़कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाता है। उन्होंने बताया कि यूं तो लाइब्रेरियन दिवस दुनिया भर में 16 अप्रैल को मनाया जाता है पर एसआर. रंगनाथन के लाइब्रेरी साइंस में योगदान को देखते हुए उनके जन्मदिवस को ही भारत में राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस के तौर पर मनाया जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा दिल्ली प्रगति मैदान में दो दिवसीय

फेस्टवल ऑफ लाइब्रेरी प्रोग्राम में दिए गए लाइब्रेरी इस दौरान उन्होंने पद्मश्री रंगनाथन द्वारा दिए गए अध्ययन के मूल मंत्रों से प्रतिभागियों को परिचित कराया। कार्यक्रम में विवि के डा. सीता विश्वकर्मा, डा. दिनेश कुमार, डा. देवकी सिरोला, डा. मनीषा पंत, राजेश आर्या, विभु कांडपाल, शोधार्थी जीवन परगॉई, समेत बीएलआईएस के स्टूडेंट्स गोविंद, शगुफ्ता, सबेअसरा व रेखा बिष्ट मौजूद रही.

काउंसलिंग क्लासेज

पुस्तकालय एवं सूचना विभाग द्वारा लगभग २०२३ के सत्र में ४५ क्लासेज ऑनलाइन के माध्यम से एंड लगभग ३० क्लासेज ऑफलाइन के माध्यम से ली गई जिसमे से कुछ क्लासेज की इमेजेस नीचे दी गई है एवं सभी क्लासेज का रिकॉर्ड भी उपलब्ध है।

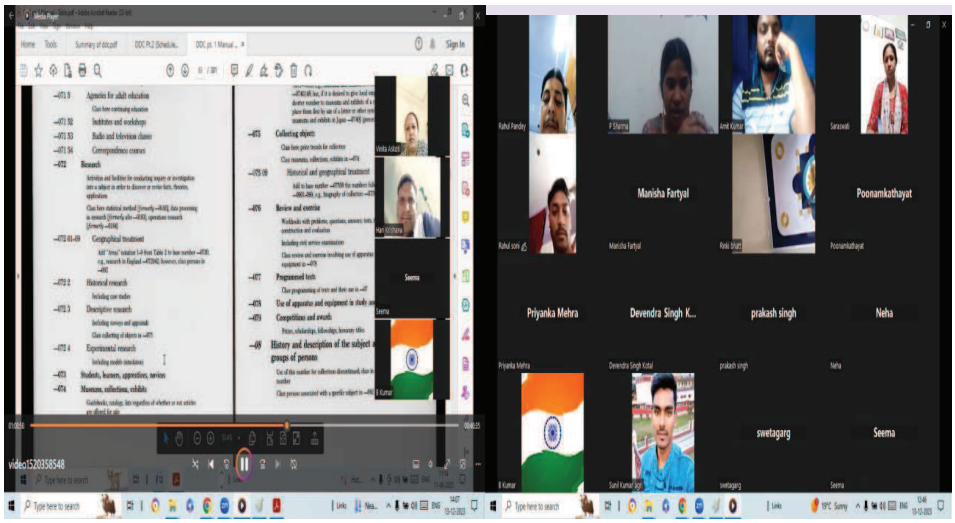

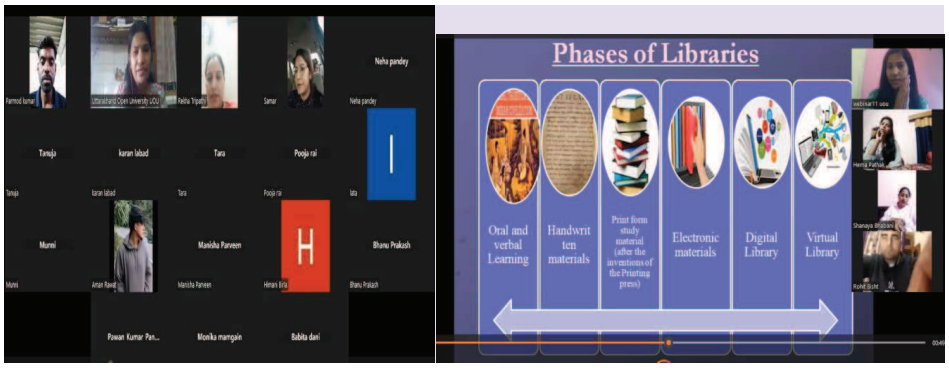

3 पेपर प्रकाशित और "सरकारी कॉलेज नारवार मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा में ई-लाइब्रेरी के महत्व पर राष्ट्रीय सेमिनार" में प्रस्तुत किए गए हैं। शोध पत्रों का विवरण और चित्र नीचे दिए गए हैं।

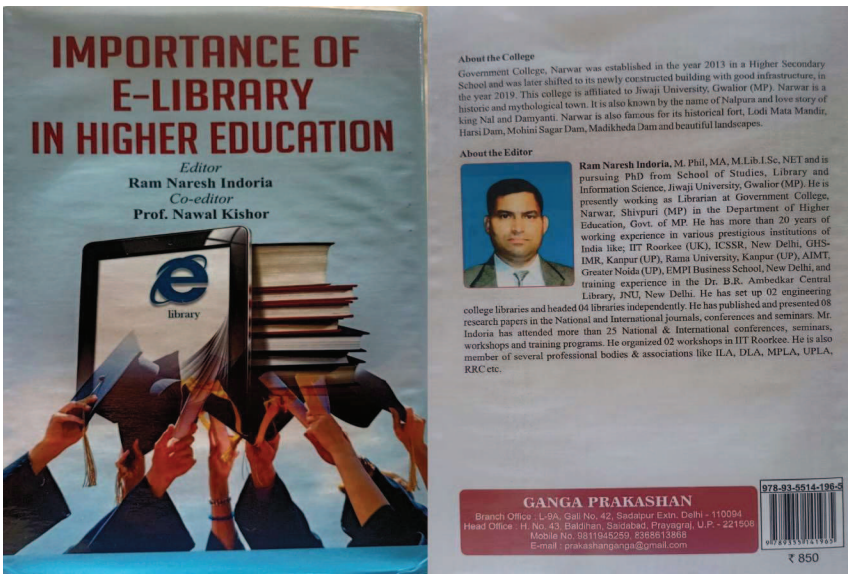

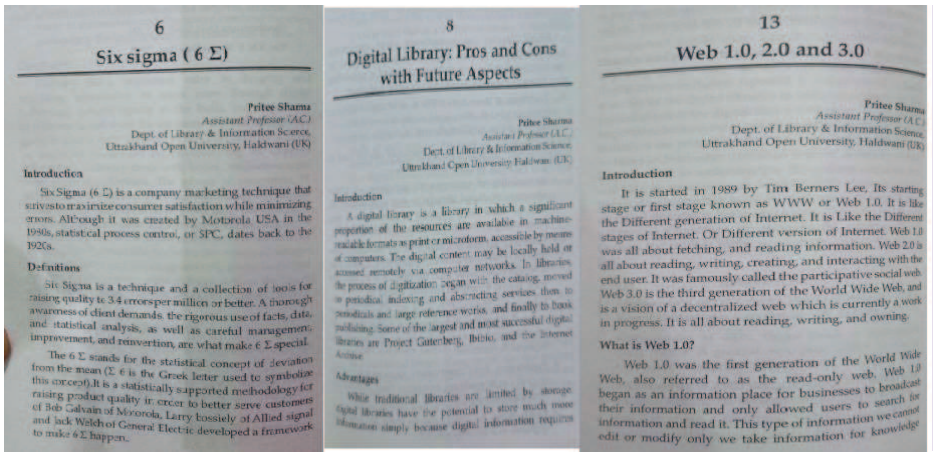

6

Six sigma (6 Σ)

Pritee Sharma
Assistant Professor (A.C.)
Dept. of Library & Information Science,
Uttrakhand Open University, Haldwani (UK)

Introduction

Six Sigma (6 Σ) is a company marketing technique that strivesto maximize consumer satisfaction while minimizing errors. Although it was created by Motorola USA in the 1980s, statistical process control, or SPC, dates back to the 1920s.

Definitions

Six Sigma is a technique and a collection of tools for raising quality to 3.4 errors per million or better. A thorough awareness of client demands, the rigorous use of facts, data, and statistical analysis, as well as careful management, improvement, and reinvention, are what make 6 Σ special.

The 6 Σ stands for the statistical concept of deviation from the mean (Σ 6 is the Greek letter used to symbolize this concept).It is a statistically supported methodology for raising product quality in order to better serve customers of Bob Galvain of Motorola, Larry Bossiely of Allied signal and Jack Welch of General Electric developed a framework to make 6 Σ happen.

8

Digital Library: Pros and Cons with Future Aspects

Pritee Sharma
Assistant Professor (A.C.)
Dept. of Library & Information Science,
Uttrakhand Open University, Haldwani (UK)

Introduction

A digital library is a library in which a significant proportion of the resources are available in machine-readable formats as print or microform, accessible by means of computers. The digital content may be locally held or accessed remotely via computer networks. In libraries, the process of digitization begin with the catalog, moved to periodical indexing and abstracting services, then to periodicals and large reference works, and finally to book publishing. Some of the largest and most successful digital libraries are Project Gutenberg, Ibiblio, and the Internet Archive.

Advantages

While traditional libraries are limited by storage, digital libraries have the potential to store much more information simply because digital information requires

13

Web 1.0, 2.0 and 3.0

Pritee Sharma
Assistant Professor (A.C.)
Dept. of Library & Information Science,
Uttrakhand Open University, Haldwani (UK)

Introduction

It is started in 1989 by Tim Berners Lee, Its starting stage or first stage known as WWW or Web 1.0. It is like the Different generation of Internet. It is Like the Different stages of Internet. Or Different version of Internet. Web 1.0 was all about fetching, and reading information. Web 2.0 is all about reading, writing, creating, and interacting with the end user. It was famously called the participative social web. Web 3.0 is the third generation of the World Wide Web, and is a vision of a decentralized web which is currently a work in progress. It is all about reading, writing, and owning.

What is Web 1.0?

Web 1.0 was the first generation of the World Wide Web, also referred to as the read-only web. Web 1.0 began as an information place for businesses to broadcast their information and only allowed users to search for information and read it. This type of information we cannot edit or modify only we take information for knowledge

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की विस्तृत रिपोर्ट

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी **उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय के स्कूल ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस विद्याशाखा** द्वारा **राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह** का आयोजन बड़ी धूम-धाम से किया गया।

पुस्तकालय सप्ताह 2023 की थीम - "There's More to the Story"

इस पुस्तकालय सप्ताह के अन्तर्गत पांच दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो कि निम्नवत हैं।

क्रम संख्या	कार्यक्रम	दिनॉक	स्थान
01	पोस्टर प्रतियोगिता	16/11/2023	उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय
02	ओपन डिसकशन फोरम कम लैक्चर	17/11/2023	
03	शैक्षणिक भ्रमण(जीबी पंत विश्वविद्यालय लाइब्रेरी पंतनगर)	18/11/2023	जीबी पंत विश्वविद्यालय लाइब्रेरी पंतनगर
04	ऑनलाइन क्विज	19/11/2023	उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय
05	नेशनल सेमिनार ऑन लाइब्रेरीज एंड लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस एजुकेशन इन द करेंट इनफार्मेशन सिनारियो	20/11/2023	उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय

कार्यक्रम	दिनॉक	कार्यक्रम
प्रथम दिवस	16/11/2023	पोस्टर प्रतियोगिता

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का **शुभारंभ पोस्टर प्रतियोगिता** से किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें **बीएलआईएस के 15 स्टूडेंट्स समेत एच एन इंटर कालेज के 10 स्टूडेंट्स** शामिल थे। पोस्टर प्रतियोगिता का चयन समिति के अध्यक्ष प्रो. मंजरी अग्रवाल व डा. राजेन्द्र कैड़ा थे. दो श्रेणियों जूनियर व सीनियर से तीन तीन विजिताओं का चयन किया गया जिसका पुरस्कार वितरण पुस्तकालय सप्ताह के समापन समारोह (नेशनल सेमिनार) में किया मुख्य अतिथि प्रो. जयदीप शर्मा(इग्नू, नई दिल्ली) एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.पी.एस नेगी द्वारा किया गया। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का ऑनलाइन का रजिस्ट्रेशन 11 नवंबर से शुरु हो गया था जिसमें 134 विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, लाइब्रेरियन,रिसर्च स्कॉलर्स व स्टूडेंट्स ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया।

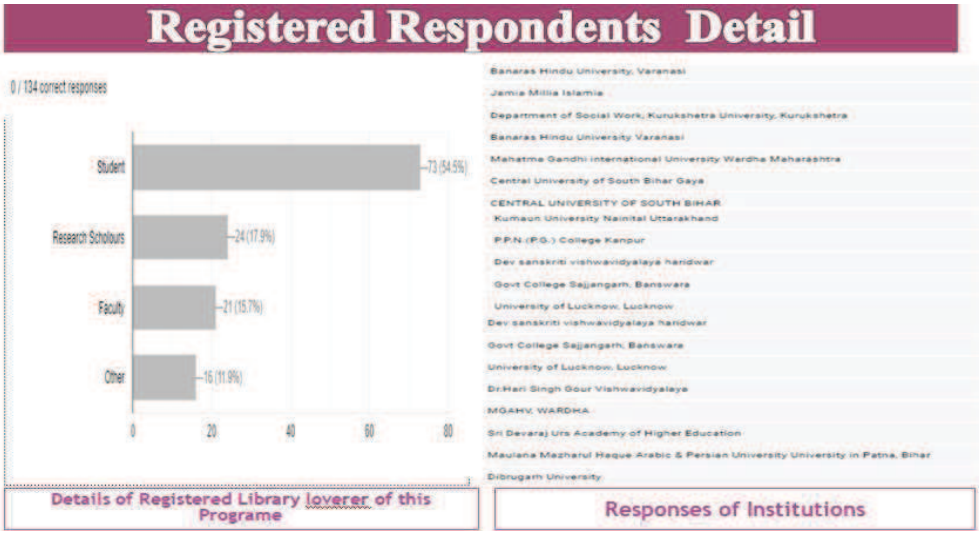

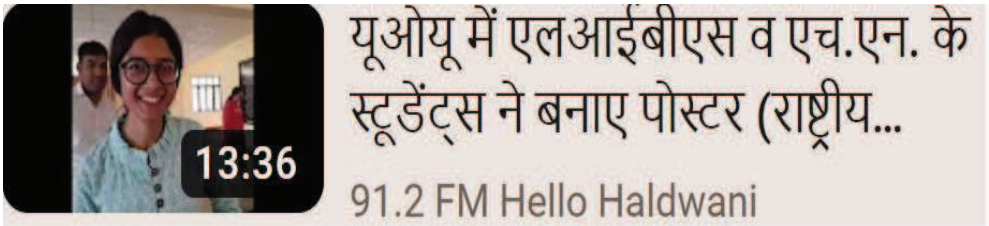

कार्यक्रम	दिनॉक	कार्यक्रम
द्वितीय दिवस	**17/11/2023**	**ओपन डिसकशन फोरम**

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के द्वितीय दिन ओपन डिसकशन फोरम का आयोजन किया गया, जिसमें बीएलआईएस के विद्यार्थियों के अलावा विभिन्न कालेजों के लगभग 28 विद्यार्थी शामिल हुए, जिसमें असिसटेट प्रोफेसर प्रीति शर्मा द्वारा लाइब्रेरी ई रिसोर्सेज के बारे में चर्चा की गई. साथ ही फ्री ई लर्निंग पोर्टल जैसे कि दीक्षा, एनडीएल, हाथी ट्रस्ट डिजीटल लाइब्रेरी, प्रोजेक्ट गुटनबर्ग, इंटरनेट आर्काइव आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, साथ ही आईटी के राजेश आर्या ने भी विभिन्न विषयों पर चर्चा की जैसे कि चैट जीपीटी, लाइसेसिंग, डेटा सिक्योरिटी, एआई आदि। साथ ही बच्चों के सवालों के भी जवाब दिये गए।

कार्यक्रम	दिनॉक	कार्यक्रम
त्रतीय दिवस	**18/11/2023**	**जीबीपंत यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी का भ्रमण**

राष्टीय पुस्तकालय सप्ताह के तीसरे दिन जीबीपंत यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी का भ्रमण किया गया, जिसमें कि पुस्ताकालय विज्ञान के 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया एवं साथ में स्कूल ऑफ लाइब्रेरी साइंस के निदेशक प्रो. ए.के.नवीन, पुस्तकालय सप्ताह की संयोजक व असिसटेंट प्रोफेसर प्रीति शर्मा, आईसीटी से राजेश आर्या, वीड़ियो से विभु कांडपाल, रेडियो से अनिल नैलवाल आदि मौजूद रहे। जीबीपंत विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डा. के.पी.

सिंह, हेमा हिदायतुल्ला द्वारा लाइब्रेरी के विभिन्न सेक्सनों के बारे में विस्तार बताया गया।

कार्यक्रम	दिनॉक	कार्यक्रम
चौथे दिवस	19/11/2023	ऑनलाइन क्विज

पुस्तकालय सप्ताह के चौथे दिन का आरंभ ऑनलाइन क्विज द्वारा किया गया जिसका लिंक 19 तारीख को रात्रि 12 बजे से प्रारंभ हो गया था जिसमें कि 100 विभिन्न विश्वविद्यालय के लोगों ने प्रतिभाग किया है।

❖ Quiz on National Library Week 2023 (Responses)

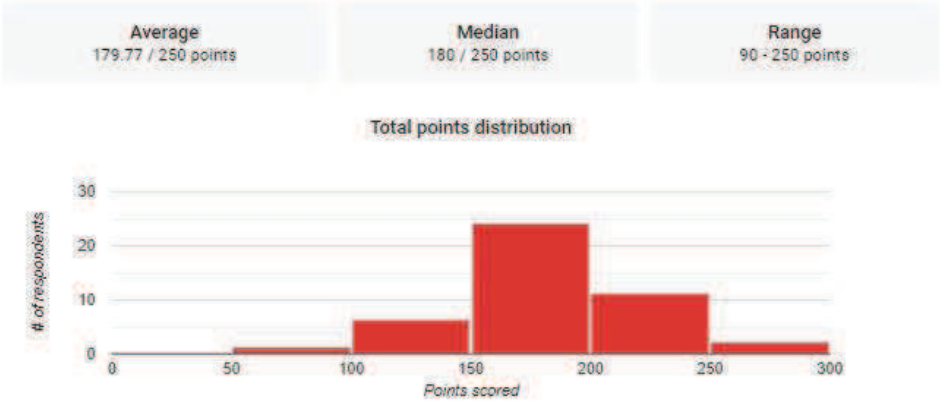

Quiz on National Library Week 2023 (Responses)

कार्यक्रम	दिनॉक	कार्यक्रम
पांचवें दिवस	**20/11/2023**	**राष्ट्रीय सेमिनार**

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के पांचवें व अंतिम दिन एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में इग्नू में लाइब्रेरी साइंस के डीन प्रो. जयदीप शर्मा मौजूद रहे। उन्होंने लाइब्रेरी पहले क्या थी वर्तमान में किस रूप में हैं और भविष्य में लाइब्रेरी किस तरह की होंगी इस पूरे सफरनामें पर बात की। उनकी बातचीत का विषय था लाइब्रेरीज एंड लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस एजुकेशन इन द करेंट इनफार्मेशन सिनारियो. इसमें उन्होंने लाइब्रेरी के वर्तमान रूप, उसके इतिहास व भविष्य पर बात रखी। साथ ही डिजीटल लाइब्रेरी और कैसे हम लाइब्रेरी को रिर्सच में इस्तेमाल कर सकते हैं इस पर बात की। सेमिनार के अंत में प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये गए साथ ही विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गए। पुस्तकालय वितरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.पी,एस नेगी व प्रो. जयदीप शर्मा द्वारा किये गए। सेमिनार में लगभग 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.डी. पंत, प्रो. ए. के. नवीन, डा. दीपांकुर जोशी, डा. शशांक शुक्ला, डा. कमल देवलाल, डा. भाग्यश्री, विनीता पंत, शैलजा, डा.मीतू गुप्ता, दीपिका, डा. कुशा. तरूण, राजेश आर्या, विभु कांडपाल व संयोजक प्रीति शर्मा समेत कई लोग मौजूद रहे।

व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा

(School of Vocational Studies)

[01] व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा शिक्षार्थियों के कौशल विकास हेतु दिनाँक 27 जून 2022 से 01 जुलाई, 2022 (पाँच दिवसीय) तथा 04 - 08 जुलाई, 2022 (पाँच दिवसीय) कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशालाओं में शिक्षार्थियों के व्यावहारिक ज्ञानवर्धन एवं कौशल विकास हेतु विषय-विशेषज्ञों ने कौशल विकास से संबन्धित विभिन्न विषयों (यथा- Digital & Socual Media Marketing, Personality Development, Communication Skills, E-Office Management, Data Management, Soft-Skills, Data Science & Applications, Programming Skills, etc.) पर अपने व्याख्यान / हैंड्स- ऑन-ट्रेनिंग प्रस्तुत किये

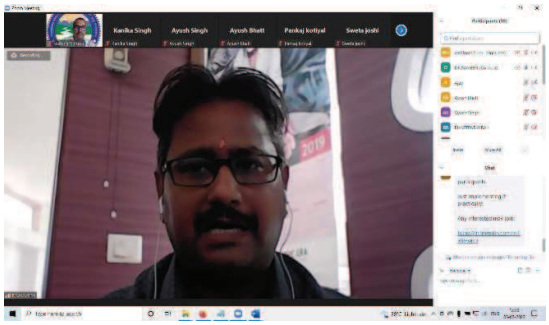

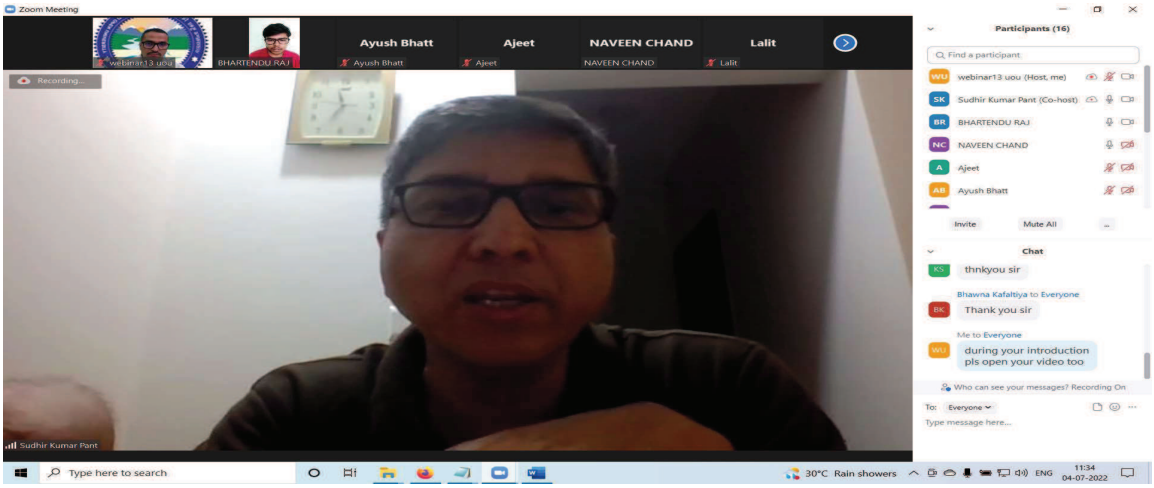

[02] विभाग में कार्यरत, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. गोपाल दत्त द्वारा स्वयं प्रभा (Swayam Prabha) चैनल पर प्रसारण हेतु Java Programming एवं Digital Finance & Cybersecurity कुल पाँच वीडियो व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। साथ ही Swayam MOOCs Platform पर संचालित होने वाले Web Designing के कोर्स हेतु विषय विशेषज्ञ (Subject matter Exper) के रूप में दो इकाई लेखन एवं दो वीडियो व्याख्यान तैयार किए गए।

[03] दिनांक 19 नवम्बर 2022 को महाप्रबंधक जिला जिला उद्योग आजीविका महोत्सव 2.0 (जिला अल्मोड़ा, विकासखंड- हवालबाग) में अतिथि व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया। व्याख्यान "Skill based Livelihood Promotion Strategies in the Digital Era of 21st Century, Especially in Relation to Hilly Areas" विषय पर आयोजित किया गया। महोत्सव में माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड सरकार मुख्य अतिथि रहे।

[04] दिनांक 28 - 29 नवम्बर 2022 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत (अल्मोड़ा) द्वारा Resource Person के रूप में "Digital Based Entrepreneurship Development Program" विषय पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

[05] दिनांक 23 फरवरी 2023 (पूर्वाह्न) को व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा के अध्ययन मंडल की बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में आंतरिक एवं बाह्य सदस्यों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार कर संचालित किये जाने पर अध्ययन मंडल सहमति प्रदान की। अध्ययन मंडल से प्राप्त सुझावों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देशों के अनुपालन में वैल्यू एडीशन कोर्सेज (Value Addition Courses) एवं स्किल एनहैंसमेंट कोर्सेज (Skill Enhancement Courses) तैयार किये गए हैं।

विश्वविद्यालय / राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत शिक्षार्थियों द्वारा स्किल एनहैंसमेंट कोर्सेज (Skill Enhancement Courses) में ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश लिए जा रहे हैं।

[06] वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन के क्रम में विभाग द्वारा Skill Enhancement Courses के तहत 16 कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही पाँच प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (अवधि- 6 माह, कोर्स क्रेडिट- 20 प्रति प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम), एवं 01 Value Added कोर्स का संचालन किया जा रहा है।

[07] विभाग में कार्यरत, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. गोपाल दत्त ने सामुदायिक रेडियो Hello Haldwani 91.2 FM पर विभिन्न विषयों (यथा- Mission Life- Life Style for Environment; Vocational Education & Information Technology, Agri- Entrepreneurship in Hilly Areas of Uttarakhand, etc.) पर व्याख्यान / रेडियो परिचर्चाएं प्रस्तुत की।

3. शोध/ परामर्श एवं प्रसार

(Research, Consultancy and Extension)

शोध विश्वविद्यालय के चिन्तन का प्राण होता है। नवीन खोज एवं शोध ही हमारी मौलिक विचार दृष्टि का निर्माण करते हैं। नवीन तथ्य एवं खोज जहाँ पूर्व के विचारों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उसका विस्तार करते हैं; वहीं वे नवीन चिन्तन की आधारपीठिका भी तैयार करते है। इसीलिए शोध और विचार का सम्बन्ध पार्श्व एवं मुख्यांश का है, जो एक–दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। शोध के इसी महत्व को समझते हुए यू.जी.सी. एवं उच्च शिक्षण संस्थान समय-समय पर गुणवत्तापरक शोध की दिशा में प्रयासरत रहते हैं। चूँकि विश्वविद्यालय अपने नवीन शोध कार्य के कारण जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य का महत्व स्वयं सिद्ध है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैचारिक गुणवत्ता के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर अपनी शोध की पीठिका तैयार की है। विश्वविद्यालय में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शोध के नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शोध की गतिविधियों को केंन्द्रित करने के लिए 'शोध एवं नवाचार निदेशालय' की स्थापना की गयी है। शोध एवं नवाचार निदेशालय का कार्य शोध के प्रवेश से लेकर शोध की मौखिकी कराने तक का है।

विश्वविद्यालय में शोध सम्बन्धित गतिविधियाँ सुचारू एवं अनुशासनबद्ध तरीके से चलें, इसके लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विभागीय शोध समिति एवं शोध उपाधि समिति का गठन किया है। विभागीय शोध समिति की रूपरेखा एवं शोध उपाधि समिति की रूपरेखा इस प्रकार है –

3.1 विभागीय शोध समिति:

- विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का समन्वयक - संचालक
- सम्बन्धित विद्याशाखा के अध्यापक - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सदस्य - अन्य विद्याशाखा का अध्यापक

3.2 शोध उपाधि समिति:

- सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष - संयोजक
- सम्बन्धित विभाग के समस्त अध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हो - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सम्बन्धित विषय के दो बाह्य परीक्षक जिनमें से एक की उपस्थिति अनिवार्य-सदस्य
- निर्देशक शोध - सदस्य

समाज विज्ञान विद्याशाखा के पीएच0डी0 शोधार्थियों मुनमुन, नामांकन संख्या–16089085, द्वारा दिनांक 25 अप्रैल 2022 को शोध प्रस्तवा शीर्षक **"भूमंडलीकरण की चुनौतियों के संदर्भ में स्वामी विवेकानंद जी के राष्ट्रीय विचारों की प्रासंगिकता"** को इतिहास विभाग की शोध सलाहकार समिति RAC के समक्ष ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। जिस पर इतिहास विभाग की शोध सलाहकार समिति RAC द्वारा

प्रस्ताव में बताये गये संशोधनों को शामिल कर पुनः प्रस्ताव को शोध सलाहकार समिति RAC के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की अनुशंसा की गई।

- संस्कृत विभाग एवं मानविकी विद्याशाखा के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री राकेश गुणवंत, नामांकन संख्या–12025602, के शोध प्रबन्ध शीर्षक **"श्रीमद्भागवत के एकादश एवं द्वादश स्कन्धों का सांस्कृतिक अनुशीलन"** हेतु शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक दिनांक 22 जुलाई 2022 को आयोजित कराई गई। शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक बाह्य परीक्षक प्रोफेसर जया तिवारी, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल एवं प्रोफेसर बृजेश कुमार पाण्डेय, संस्कृत एवं प्राच्य विज्ञान अध्ययन संस्थान, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली की उपस्थिति में कुछ सुझावों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।
- पर्यटन एवं आतिथ्य विद्याशाखा के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री राजीव सेमवाल, नामांकन संख्या–19202407, के शोध प्रबन्ध शीर्षक "**A Study of Satisfaction of Tourists Staying in Rules Home stays of Uttarakhand** " हेतु शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक दिनांक 23 जुलाई 2022 को आयोजित कराई गई। शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक बाह्य परीक्षक प्रोफेसर अजय अरोरा, विभागाध्यक्ष, पर्यटन विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल की उपस्थिति में कुछ सुझावों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

3.3 अनुसन्धान, प्रकाशन और पुरस्कार (RESEARCH PUBLICATIONS AND - AWARDS)

कार्यशालाएँ / सेमिनार में प्रतिभाग/ आमन्त्रित व्याख्यान का विवरण

(Details of Workshops/Seminars Attended)

क्रमांक	नाम	विभाग	वर्ष	सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला
1.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	ज्योतिष	**2022-23**	1. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 21 अप्रैल 2022 को सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय, प्रयागराज एवं ज्ञानभूमि एवं संस्कृत शौर्यम के संयुक्त तत्वाधान में ऑनलाइन आयोजित ''**सा विद्या या विमुक्तये**'' विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया गया। 2. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 28 अप्रैल 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, ज्योतिष विभाग द्वारा **''जन्मकुण्डल्यां राजयोग:''** विषयक ऑनलाइन आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया गया। 3. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 5-6 जून 2022 को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित "Depleting natural resources, Environmental crisis and remedies in Jambhani Philosphy" विषयक दो दिवसीय International Conference में प्रतिभाग किया गया। 4. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 13 जून 2022 को राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति द्वारा आयोजित ज्योतिषव्याख्यानमाला के अन्तर्गत **''शकुनतत्वमीमांसा''** विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया गया। 5. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 11 जुलाई 2022 से 23 जुलाई 2022 पर्यन्त UGC-HRDC हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा ऑनलाइन आयोजित 2 Week Refresher Course on Indigenous Knowledge & Ethics (Inter/ Multi-disciplinary) (RC-339) विषयक Refresher Course में सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया गया।

	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी	ज्योतिष	**2022-23**	6. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 26 नवम्बर 2022 को UGC-HRDC, Ranchi University, Ranchi द्वारा आयोजित GURU DAKSHTA 14th FDP कार्यक्रम में Resource Person के रूप में 'मानव जीवन में ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
2.	मंगलम कुमार रस्तोगी	हिन्दी	**2022-23**	हिंदी विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं रज़ा न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11-13 अप्रैल 2022 (त्रि-दिवसीय) रज़ा के चित्रों की प्रदर्शनी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।
3.	डॉ. प्रवेश सहगल	जन्तु विज्ञान	**2022-23**	1. prepared syllabus for the Pre PhD Coursework complete with all BOS Member Professor Neera Kapoor, Professor A.K...Dobryial, Professor O.P.Gusion. Different University and UOU Director SOS and Faculty member Associate Professor and Academic Faculty member Dept. of Zoology .UOU.
4.	डॉ. नीरज कुमार जोशी	संस्कृत	**2022-23**	**1.** दिनांक 18 जून, 2022 को समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा 'पिछले 75 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया। **2.** दिनांक 1 जुलाई 2022 को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड कॉमर्स केअन्तर्गत एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय अर्थव्यवस्था में हालिया विकास और चुनौतियां' पर आयोजीत व्याख्यान में प्रतिभाग किया। **3.** दिनाँक 26 जुलाई 2022 को समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत, राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा 'पिछले 75 वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पर आयोजीत व्याख्यान में प्रतिभाग किया। **4.** दिनांक 30 जुलाई 2022 को श्री शंकर शिक्षायतन, नई दिल्ली एवं ज्योतिष विभाग, श्री कल्ला जी वैदिक विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़, राजस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में गीताविज्ञानभाष्य-राजर्षिविद्याविमर्श विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का ऑनलाइन समायोजन किया आयोजीत व्याख्यान में प्रतिभाग किया।

				5. दिनांक 31 जुलाई 2022 को भारत संस्कृत समवाय द्वारा समायोजित भारतीय गणितशास्त्र : परम्परा एवं सिद्धान्त विषयक मासिक व्याख्यान में प्रतिभाग किया। **6.** दिनाँक 6 अगस्त 2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत, समाज कार्य विभाग के द्वारा 'पिछले 75 वर्षों में भारत में महिला सशक्तिकरण ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। आयोजित व्याख्यान में प्रतिभाग किया। **7.** दिनांक 09 नवम्बर 2022 को राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय: - '' उराखण्ड की विकास यात्रा के दो दशक – एक परचर्चा'' में प्रतिभाग किया। **8.** दिनांक 16 नवम्बर 2022 को "21वीं शताब्दी के कौशल और वैश्विक शैक्षिक परदिश्य" के संबंध में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया। **9.** दिनांक 20 दिसम्बर 2022 को इतिहास विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा ''21 वीं शताब्दी की चुनौतियों और शिक्षा'' एक वैश्विक परिदृश्य विषय पर आयोजित व्याख्यान में प्रतिभाग किया । **10.** 22 एवं 23 दिसम्बर 2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा के गणित विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया । **11.** 17 एवं18 जनवरी 2023 को , उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा नई शिक्षा नीति पर हुई दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
5.	डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा	शिक्षा शास्त्र	**2022-23**	I. अंतराष्ट्रीय महिला सप्ताह के अंतर्गत महिला दिवस के उपलक्ष्य मे एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन 'Innovation and Technology for Gender Equality Focus on Digital Well-being with Health and Legal rights'विषय पर दिनांक 4 मार्च 2023 को विश्वविधालय परिसर मे किया गया| II. दिनांक 06 /12 /2022 से 19 /12 /2022 तक एच आर डी सी कुमाऊं विश्वविधालय नैनीताल द्वाराआयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया एवं A+ग्रेड प्राप्त किया |

6.	डॉ. देबकी सिरोला	शिक्षा शास्त्र	**2022-23**	1.दिनाँक 25-02-2023 को डॉ॰ देबकी सिरोला (सहायक प्राध्यापक) द्वारा NIEPVD देहरादून में आयोजित विशेष शिक्षा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में शोध प्रविधि की राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया।
7	**डॉ. शालिनी चौधरी**	**अर्थशास्त्र विभाग / समाज विज्ञान विद्याशाखा**	**2022-23**	1 दिनांक 01 मार्च 2023 को राठ महाविद्यालय पैठाणी के विभागीय परिषद – कला संकाय द्वारा आयोजित **'मानव संसाधन के विकास में समय प्रबन्धन का महत्व'** विषय पर **मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान** दिया। 2. दिनांक 14 जुलाई 2023 को ग्राफ़िक एरा विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में बी.ए. (अर्थशास्त्र) के शोध प्रबंध मौखिक परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया। 3.दिनांक 14 जुलाई 2023 को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा के परीक्षण मंडल के सदस्य के रूप में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोहाघाट, पिथोरागढ़ एम.ए. (अर्थशास्त्र) के मौखिक परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया। 4.दिनांक 28 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विज्ञान शाखा द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार शीर्षक **'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते'** में **प्रतिभाग** किया गया। 5.दिनांक 22 जनवरी 2022 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग द्वारा **"चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास में पंचकोशीय संकल्पना"** विषयक आयोजित एकदिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में विषय पर आयोजित वेबिनार में **प्रतिभाग** किया। 6.दिनांक 18 जनवरी 2022 को ज्योतिष विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं विद्या भारती, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में **'राष्ट्रीय चेतना के शैक्षिक आधार'** विषय पर आयोजित वेबिनार में **प्रतिभाग** किया। 7.दिनांक 11-12 अप्रैल 2022 को Jean Monnet Module Culture, Society, Institution Change in European Union Co-funded by Erasmus+ Programme of European Union; Centre for European Studies, Jawaharlal Nehru University द्वारा **"Gender Equality and Social Policy in India & Europe"** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ऑनलाइन माध्यम से **प्रतिभाग** किया। 8.दिनाँक 26 जुलाई 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ***'पिछले 75 वर्षों में भारत की संवैधानिक संस्थाओं का विकास'*** विषय में **प्रतिभाग** किया।

				9.दिनाँक 06 अगस्त 2022 को समाज कार्य उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'पिछले ७५वर्षों में भारत में महिला सशक्तिकरण' विषय में **प्रतिभाग** किया। 10.दिनांक 14 जुलाई 2023 को भारत सरकार एवं आर्ट ऑफ़ लिविंग के तत्वाधान में, मनोविज्ञान विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित **'Mental Health and Meditation'** में **प्रतिभाग** किया गया। 11.दिनांक 31 मई 2023 को **'SAMVAD a live interaction session of Chairman UGC'** में **प्रतिभाग** किया। 12.दिनांक 23 मई 2023 को CIQA द्वारा आयोजित **'Quality in Research Proposals for Financial Support'** विषय पर Dr. B.S. Nagi द्वारा दिए व्याख्यान में **प्रतिभाग** किया।

प्रकाशन
(Publications)

क्रमांक	नाम व पद	विद्याशाखा / विभाग	प्रकाशन
1.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी (असिस्टेन्ट प्रोफेसर)	मानविकी / ज्योतिष	1. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित शोध पत्र 'भगण विमर्श' International Journal of Jyotish Research वेदचक्षु नामक पत्रिका में प्रकाशित। ISSN NO.- 2456-4427 2. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित 'शून्य अंक की मीमांसा' शीर्षक शोध आलेख UGC Care List जयन्ती नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित। 2448-9495 3. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित 'वसुधैव कुटुम्बकम् – स्वास्थ्य के सन्दर्भ में ' शीर्षक शोध आलेख Peer Reveiwed Journal में प्रकाशित। 4. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित 'वैदिकवाङ्मये चन्द्रस्य स्वरूपम्' शीर्षक शोध आलेख International Journal of Jyotish Research वेदचक्षु में प्रकाशित ISSN No.- 2456-4427
2.	डॉ0 शशांक शुकल	हिन्दी विभाग	1. गिरोह का ब्रह्मभोज, अनुज्ञा बुक्स प्रकाशन, दिल्ली, Isbn Number 978-93-95380-62-1 2.परिसर परिकथा (संपादन), प्रलेक प्रकाशन, नई दिल्ली,ISBN 978-93-5500-54-41 3 एक आलोचक की डायरी, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली,ISBN 978-93-524-71-5
3.	डॉ. मदन मोहन जोशी	इतिहास विभाग	1. **'मुक्त एवं दूरस्थ शिखा में संवाद, नवाचार एवं रचनात्मकता का अध्ययन: विशेष सन्दर्भ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय'** नामक शोधपत्र यू.जी.सी. केयर लिस्टेड शोध पत्रिका 'आधुनिक साहित्य' के जुलाई-सितम्बर 2022 के अंक में प्रकाशित 2. **Structured Spaces and their Functional Utility in theTraditional Houses of Kumaun Himalayas,** नामक शोध पत्र यू.जी.सी. केयर लिस्टेड शोध पत्रिका ' जूनी ख्यात के जुलाई-दिसम्बर 2022 अंक में प्रकाशित

			3. **Saiva Dharma as Depicted in the Icons of Kumaun Himalaya** नामक शोधपत्र यू.जी.सी. केयर लिस्टेड शोध पत्रिका 'आधुनिक साहित्य' के जनवरी-मार्च 2023 के अंक में प्रकाशित 4. Presented a research paper jointly on the title **Situating Lahul-Spiti and far west Garhwal in language dispersal** at International Seminar on *'Himalayan History, Culture, Archaeology, Palaeoenvironment, Ethnography and Languages'*, Himachal State Museum, Shimla, March 17-19, 2023
4.	डॉ. दीपांकुर जोशी		"मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में संवाद नवाचार और रचनात्मकता का अध्ययन विशेष संदर्भ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय" आधुनिक साहित्य : UGC केयर लिस्टेड जर्नल द्विभाषी वर्ष- अंक- जुलाई -सितम्बर 2022. ISSN 2277-7083 "भारतीय संविधान में उपबंधित समानता को प्राप्त करने के लिए समान अवसर आयोग की आवश्यकता" शोध दिशा : UGC केयर लिस्टेड जर्नल अंक 60/2 अक्टूबर -दिसंबर 2022. ISSN 0975-735X "Gender Dysphoria and the Socio-Legal Evolution of LGBTQ Rights in India", Shodh Disha UGC Care Journal, Issue- 03, Vol.- 47, 06, 2022, ISSN No. 0974-8946. "घरेलु हिंसा से पीड़ित महिलाओ का संरक्षण: एक अध्ययन आधुनिक साहित्य : UGC केयर लिस्टेड जर्नल द्विभाषी वर्ष-12 अंक- 45 जनवरी -मार्च 2023 ISSN 2277-7083
5.	**डॉ. शालिनी चौधरी**	**अर्थशास्त्र विभाग / समाज विज्ञान विद्याशाखा**	1. Dr. Namita Mishra and Dr. Shalini Chaudhary. 2022. नैनीताल जनपद के हल्द्वानी ब्लाक में कार्यरत महिला कृषि श्रमिकों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन (ग्राम बच्ची नगर न. 1, न. 2 के विशेष संदर्भ में). ***UPUEA Economic Journal (A Biannual-Bilingual Peer Reviewed Journal of Economics).*** 17: 235-240. (ISSN: 0975-2382) 2. Dr. Shalini Chaudhary. 2022. Women Entrepreneurship in India: Challenges & Opportunities. ***International Journal of Advance and Applied Research (DOUBLE-BLIND Peer Reviewed) (Bi-Monthly Research Journal).*** 9 (5): 859-861 (ISSN: 2347-7075)

			3. Dr. Shalini Chaudhary and Dr. Deepankur Joshi. 2022 भारतीय संविधान में उपबन्धित समानता को प्राप्त करने के लिए समान अवसर आयोग की आवश्यकता. ***शोध दिशा (UGC-Care Journal)*** Vol-60/2, : 80-85 (ISSN: 0975-735X) 4. H.C. Joshi, Beena Tewari 'Fulara', Krishna K. Tamta, Shalini Chaudhary, Deepak Paliwal 2022. Higher Education in India and Uttarakhand: Role of Conventional vs Open and Distance Learning Systems. ***Towards Excellence (UGC-Care Journal)*** 14 (4): 471-487 (ISSN No. 0974-035X) 5. Dr. Deepankur Joshi and Dr. Shalini Chaudhary. 2023. घरेलु हिंसा से पीड़ित महिलाओं का संरक्षण: एक अध्ययन. ***आधुनिक साहित्य (UGC-Care Journal)***. 45: 23-29. (ISSN: 2277-7083) 6. Dr. Harish Chandra Joshi, Dr. Shalini Chaudhary, Dr. Krishna K. Tamta, Dr. Beena Tewari 'Fulara'. 2023. भारत में नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्थिति: एक समीक्षा. ***शोध दिशा (UGC-Care Journal)***. 61(3): 228-234. (ISSN: 0975-735X)
6.	डॉ. नीरज कुमार जोशी	संस्कृत	**1.'भारतीयसंस्कृतौ कर्मकाण्डस्य महत्त्वम्'** विषय पर शोधप्रज्ञा UGC CARE LIST (IAAN -2347-9892) नामक शोधपत्रिका में शोध पत्र का प्रकाशन किया गया। **2.'नैषधीयचरितम् महाकाव्य का ज्योतिषशास्त्रीय वैशिष्टय'** विषय पर शोध-प्रभा UGC CARE LIST (IAAN -0974-8946) नामक शोधपत्रिका में शोध पत्र का प्रकाशन किया गया।
7.	डॉ. अनिल कुमार कार्की	हिन्दी	1. प्रतिनिधि कविताएँ : ज्ञानेन्द्रपति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. कवि की वर्तनी, राजेश जोशी पर आलेख, राजकमल प्रकाशन 3. जितेन्द्र श्रीवास्तव की प्रतिनिधि कविताएँ, जितेन्द्र श्रीवास्तव के कवि कर्म पर आलेख, कलमकार प्रकाशन 4. ज्ञानेन्द्रपति, ज्ञानेन्द्रपति पर दो आलेख, प्रभाकर प्रकाशन

8	डॉ. द्विजेश उपाध्याय	संगीत	1. भारत में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण प्रणाली के माध्यम से संचालित भारतीय शास्त्रीय संगीत के पाठ्यक्रमों का विश्लेषण: उत्तराखण्ड़ मुक्त विश्वविद्यालय के सन्दर्भ में| द्विजेश उपाध्याय[1], डॉ0 संध्या रानी शाक्य[2], ISSN - 2582-5356 (JANUARY-JUNE 2022), पृ.41-49 UGC Care Listed Journal
9.	डॉ. अशोक चन्द्र टम्टा	संगीत	1. अशोक चंद्र टम्टा- शोध संहिता, कुमाऊंनी लोक गीतों का जनमानस पर प्रभाव,ISSN .2277-7067 vol.No.IX ISSUE -9 V JULY-Decmber-2022, पृ.166-170 2. शोध प्रभा, कुमाऊंनी लोक गीतों में निहित धार्मिक मान्यताएं, एवं आस्थायें -झोड़ा एवं जागर गीतों के परिपेक्ष्य में पृ.14-19, ISSN. 0974-8946
10.	डॉ. प्रवेश कुमार सहगल	जन्तु विज्ञान	1. Attended Five days on-line faculty development programme On "Advances in research, professional development and academic leadership,(Under Guru – Dakshta) 21 February -25 February 2022. 2. Pravesh Kumar Sehgal.(28 March 2022) .International Journal of Recent Scientific Research. Outcome of reversal and humidification on the prevalence *of Chrysocoris stolli* wolf, a prospective related factor of *croton spersiflorum* ISSN: 0976-3031. .Vol. 13, Issue, 03 (A), pp. 484-488. UGC Approved number 49023. 3. R. K. Singh, Mr Bhupender kumar and Pravesh Kumar Sehgal (2022 April. study of ecological behaviour of tiger, Corbett national park, Ramnager , Uttarakhand **.** International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT), Volume 10, and Issue 4 April 2022 ISSN: 2320- 2882 .e 425-434. **UGC Approved Journal NO =49023(18)**
11.	डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा	शिक्षा शास्त्र	1.Published a research paper on, Climate change and the role of civil society in environmental protection; Special reference to Uttarakhand, In Climate change mitigation; Indian

			Perspectives,ISBN;978-93-95055-02-4,Chankya Publishers &Distributers,2023,pp146-161. 2.Published a research paper on Role of Open and Distance learning in Inclusive Education, International Journal of Current Research Vol. 14, Issue, 08, pp.22172-22176,August,2022DOIhttps://doi.org/10.24941/ijcr.43893.08.202 3.Published a research paper on "Teacher's role in 21st century and reforms in Teacher education with reference to NEP 2020",Shodhdrishti,UGC approved journal No.49321,an International Peer reviewed referral research journal vol-13, no-4, Impact factor 5.427,ISSN;0976-6650,April 2022 pp 83-89. 4.Published a research paper on "A study of reforms in Indian school curriculum; Regional perspective in Journal of education; Ravindra Bharti University ISSN;0972-7175impact factor 5.8 vol ;xxiv,no8, Peer reviewed and referred,2021-2022,pp117-125.

3.4 विस्तार गतिविधियाँ और संस्थात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व (Extention Activities and Institutional Social Responsibility)

❖ **ग्रामों को गोद लिया जाना (Village Adoption)**

❖ **उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा गोद लिए गाँव मोथरोवाला, देहरादून में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन**

दिनांक 28 जून, 2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा गोद लिए गाँव मोथरोवाला में बच्चों के बीच पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु एक 'चित्रकला प्रतियोगिता' का आयोजन टिहरी विस्थापित समिति के सभागार में आयोजित किया गया। इस चित्रकला प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरुक करना था। चित्रकला प्रतियोगिता का विषय **''पर्यावरण संरक्षण एवं चेतना''** था। प्रतियोगिता में कक्षा 01 से कक्षा 08 तक के लगभग 80 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मामचन्द जी, पार्षद मोथरोवाला, देहरादून, मुख्य वक्ता प्रो0 दुर्गेश पंत जी, निदेशक, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी, डॉ0 सुभाष रमोला, प्रभारी निदेशक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून एवं कार्यक्रम अध्यक्ष पार्षद श्री दर्शन लाल बिंजोला जी उपस्थित थे।

❖ मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज के सर्वागीण विकास एवं पर्यावरण संरक्षण में बच्चों का महत्वपूर्ण योगदान है। पर्यावरण सुरक्षित न होने के कारण हमें बहुत नुकसान झेलना पड़ रहा है। इस वजह से आज सभी का जीवन संकट में पड़ता जा रहा है, क्योंकि हमें ना खाने को अच्छा मिल पा रहा है, और ना हम अच्छी शुद्ध हवा ले सकते हैं। चारों तरफ प्रदूषण की मात्रा इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि हर इंसान का सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है।

❖ मुख्य वक्ता प्रो0 दुर्गेश पंत जी द्वारा कहा गया कि हमें प्रकृति से जुड़ना चाहिए एवं चित्रकला इसका एक बहुत अच्छा माध्यम है। हमारी संस्कृति के मूल में प्रकृति रही है। प्रकृति, पेड़, नदियाँ, पहाड़ को हमारे पूर्वजों ने पूजनीय माना है और इसी के साथ जीने की भावना ही हमें पर्यावरण संरक्षित करने को प्रेरित करती है।

❖ डॉ0 सुभाष रमोला, प्रभारी निदेशक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण के दूरगामी दुष्प्रभाव जैसे ऋतुचक्र का परिवर्तन, कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा का बढना, सुनामी, बाढ, सूखा, अतिवृष्टि या अनावृष्टि आदि हमारे सामने हैं जिन्हें देखते हुये अपने बेहतर भविष्य के लिये पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझना अति आवश्यक हैं।

❖ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पार्षद श्री दर्शन लाल बिंजोला जी ने कहा कि छात्रों एवं बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना पड़ेगा तभी पर्यावरण को बचाया जा सकता है। कार्यक्रम संयोजक डॉ0 भावना डोभाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। सह संयोजक नरेन्द्र जगूड़ी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी एवं पर्यावरण संरक्षण में दूरस्थ शिक्षा की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

❖ बच्चों के सभी वर्गो में प्रथम एवं द्वितीय आने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरण किये गए। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल की भूमिका में श्रीमती विजयलक्ष्मी, श्रीमती सुनीता सिंह एवं श्रीमती निरूपमा जी उपस्थित रही। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में बृजमोहन सिंह खाती, अजय कुमार सिंह, सुनील नेगी, अरविन्द कोटियाल, चेतन बहादुर थापा, सुशील जी एवं कई अभिभावक भी उपस्थित रहे।

- इसी क्रम में 'अपना घर बाल एवं महिला उत्थान समिति' के बहुत बच्चें इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के इच्छुक थे किन्तु संसाधनों की कमी के कारण प्रतिभाग नहीं कर सके। समिति की अध्यक्षा के अनुरोध पर एवं बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग व पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जिज्ञासा को देखते हुए यह प्रतियोगिता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा 'अपना घर' देहरादून में भी करवायी गयी। प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की ओर से पुरस्कार व प्रमाण पत्र भी वितरित किये गए।

4. अधिसंरचना और अधिगम संसाधन

(Infrastructure and Learning Resources)

उत्तराखण्ड प्रदेश में शैक्षिक जगत के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही यहाँ के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को भी शिक्षा से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। सीमित सीटों, सीमित संसाधनों की वजह से वे सभी के लिए सुलभ नहीं हो पाती। परम्परागत शिक्षा प्रणाली केन्द्रीयता के सिद्धान्त पर चलने वाली व्यवस्था है, जिसमें एक केन्द्र की क्रियाशीलता होती है। मुक्त विश्वविद्यालयी प्रणाली में ''शिक्षा आपके लिए तथा शिक्षा आपके द्वार'' जैसी अवधारणा होती है। यही कारण है कि शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित लोग भी इस प्रणाली में मुख्यधारा के अंग बन जाते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की इसी अवधारणा के क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है।

विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार

4.1 भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित है। हल्द्वानी को उत्तराखण्ड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, क्योंकि इसके पश्चात् राज्य की पर्वत श्रृंखलायें शुरू हो जाती है। यहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक तरह से शिक्षा का द्वार भी बन जाता है, क्योंकि इसी के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा का 'सार्वजनीन प्रसरण' सम्भव हो पा रहा है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी प्राथमिक भूमिका को समझ कर राज्य के

शिक्षार्थियों-बुद्धिजीवियों के लिए नये-नये पाठ्यक्रम का संचालन व अकादमिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी कर अपना महत्वपूर्ण सांस्कृतिक योगदान दिया है। किसी भी संस्था के कार्य का प्राथमिक आधार उसके ढाँचे और अधिसंरचनाएं होती हैं। मूलभूत ढाँचा और अधिसंरचना संस्था के कार्यों के सुचारू रूप से सम्पन्नता/संचालन में अपना विशेष योगदान देते हैं। इन्हीं के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ अपना सजीव आकार ग्रहण कर पाती हैं। भौतिक अधिसंरचना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के भवन, परिसर, मूलभूत सुविधा, तकनीकी सुविधा एवं अन्य क्षेत्र आते हैं। एक प्रकार से अधिसंरचना एवं मानवीय संसाधन क्षमतायें संस्था के शरीर की भाँति होते हैं, जिसमें सभी गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

4.2 मुख्य भवन (Main Building)

विश्वविद्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. मार्ग्रेट अल्वा, मुख्यमन्त्री डॉ.रमेश पोखरीयाल 'निशंक' द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। तदुपरान्त विश्वविद्यालय के भवन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री अजीज कुरैशी जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

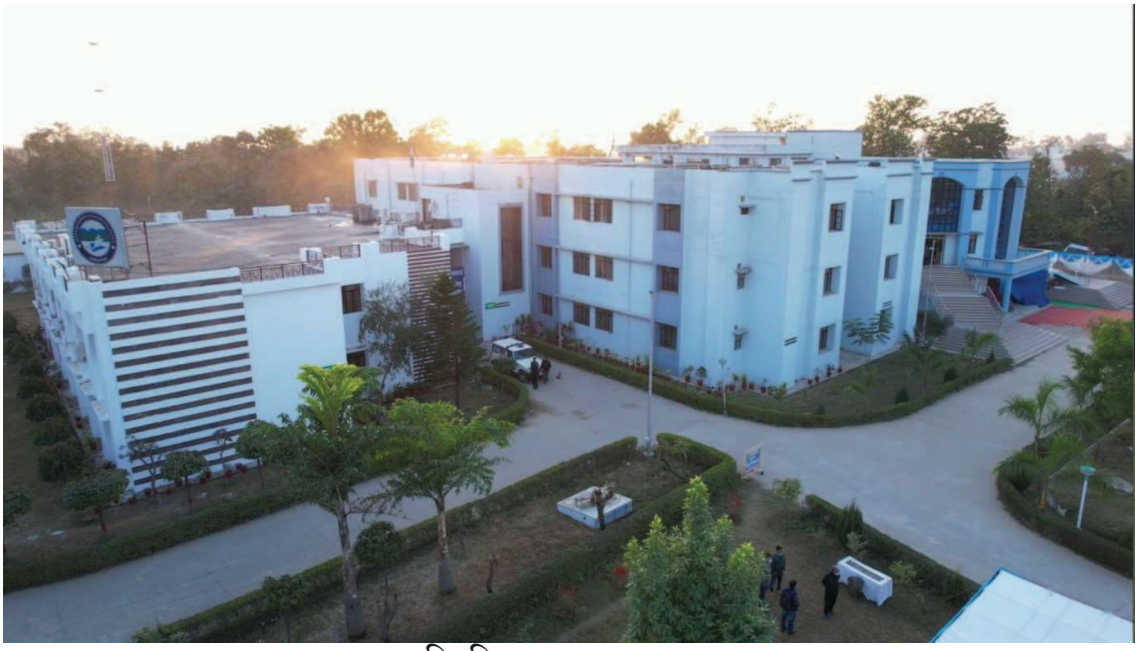

विश्वविद्यालय का मुख्य भवन

विश्वविद्यालय का भवन शैक्षिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परिसरों का संयुक्त समवाय है। इसका एक भवन जहाँ अकादमिक सदस्यों के लिए निर्मित है, वही दूसरा भवन प्रशासन के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए है। भवन का एक हिस्सा कम्प्यूटर लैब के रूप में विकसित है। शैक्षणिक भवन के भीतर विश्वविद्यालय के 13 विद्याशाखाओं के शिक्षकों के बैठने के लिए स्वतन्त्र कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे वे अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। शैक्षणिक भवन का विभाजन विद्याशाखाओं के अनुसार किया गया है। एक विद्याशाखा के भीतर विभिन्न विभाग हैं, जो आन्तरिक विषय-वस्तु की दृष्टि से जुड़े हुए हैं। कक्षों का विभाजन भी वैज्ञानिक पद्धति पर किया गया है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइन्स, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, पत्रकारिता जैसी विद्याशाखाओं के लिए स्वतन्त्र स्थान एवं कक्ष निर्मित किये गए हैं।

4.3 प्रशासनिक भवन: (Administrative Building)

प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियों के संचालन को व्यावहारिक धरातल पर क्रियाशील करने का केन्द्र होता है। इस भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय प्रमुख रूप से निर्मित है। कुलपति कार्यालय सम्पूर्ण विश्वविद्यालयी गतिविधियों, चाहें वह अकादमिक हो या प्रशासनिक का केन्द्र है। कुलसचिव कार्यालय सम्पूर्ण प्रशासन–कार्यों का नियन्त्रण करता है।

प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय प्रशासन का तीसरा घटक वित्त नियन्त्रक कार्यालय है । वित्त–नियन्त्रक विश्वविद्यालय के समस्त आर्थिकी का केन्द्रभूत अधिकारी है। इस प्रकार कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त कार्यालय आस-पास हैं, जिससे कार्य-संचालन में सुविधा हो।

विश्वविद्यालय भवन में कुछ अन्य अधिकारियों के कार्यालय भी हैं जिसमें मुख्य रूप से जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक कुलसचिव, लोक सूचना अधिकारी हैं।

4.4. पुस्तकालय: एक अधिगम संसाधन के रूप में (Library: As a Learning Resource)

विश्वविद्यालय ज्ञान की एक बौद्धिक इकाई है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र है, जो सम्पूर्ण समाज व संस्कृति को प्रभावित करता है। यह केवल ज्ञान का वितरण ही नहीं करता बल्कि उसका निर्माण भी करता है। ज्ञान-विज्ञान की इस प्रक्रिया में संवादात्मकता अनिवार्य है। संवाद की यह प्रक्रिया अध्यापक और छात्र के मध्य भी चलती है तथा पुस्तक और छात्र के मध्य भी। पुस्तक ज्ञान के संयोजित रूप होते हैं, इसीलिए हर वर्ग के व्यक्तियों के लिए यह हमेशा प्रासंगिक बनी रहती है। किसी भी उन्नत समाज की एक प्रमुख पहचान यह होती है कि उस समाज के पास श्रेष्ठ ग्रन्थ, पुस्तकें कितनी हैं? समृद्ध समाज, समृद्ध पुस्तकों का ऋणी होता है। प्राचीन समय में भी नालन्दा, तक्षशिला के ग्रन्थालय भारतीय ज्ञानात्मक चेतना के उत्कर्ष के प्रतीक थें। आज भी ग्रन्थालय किसी भी स्थान समाज और विश्वविद्यालय के ज्ञान–केंद्र बने हुए हैं। ग्रन्थालय विश्वविद्यालय के ज्ञान केन्द्र होते हैं, जो विद्यार्थी व शिक्षक को निरन्तर ज्ञानात्कम ऊर्जा से संचालित करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास समृद्ध पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में 26594 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, योग–आयुर्वेद, ज्योतिष, परम्परागत धर्मशास्त्र, विधि से लेकर लोक आधुनिक विषयों को भी समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय ग्रन्थालय विभाग इस बात के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है कि ग्रन्थालय में किसी भी विषय की महत्वपूर्ण अध्ययन पुस्तकें उपलब्ध हों, इसीलिए समय-समय पर सम्बन्धित विषयों के प्राध्यापक नवीन पुस्तकों की सूची पुस्तकालय विभाग को देते रहते हैं।

ग्रन्थालय में पुस्तकों के साथ शैक्षणिक विडियों/ऑडियो भी संग्रहीत हैं, जिसका लाभ प्राध्यापक एवं छात्र उठाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख जर्नल, पत्रिकाएं एवं समाचार पत्रों की सुविधाएं भी हैं, जो ग्रन्थालय को बहुविध ज्ञान–विज्ञान से सम्पन्न करती हैं। विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय विभाग छात्रहित केन्द्रित रहा है, इसलिए उसने छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं दी हैं, फिर वह चाहें छात्रों को पुस्तकों के आदान-प्रदान की सुविधा हो या इन्टरनेट सुविधा, फोटोकॉपी कराने की सुविधा हो या स्कैन कराने की सुविधा।

विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त है। ग्रन्थालय में सारी पुस्तकों की प्रविष्टि ई–माध्यम से की जा रही है जिससे अपनी दक्षता एवं तकनीकी सुविधाओं के उचित उपयोग से छात्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों को सहजता से ही प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय विभाग की सक्रियता एवं कुशलता को समय–समय पर विभिन्न संगठनों ने सराहा है। NCTE, VGC, DEC एवं RC के सदस्यों के निरीक्षण समय-समय पर यहाँ होते रहें हैं। ग्रन्थालय के प्रभारी डॉ0 जटाशंकर तिवारी के साथ ही राकेश पंत एवं श्रीमती मीनू गुप्ता की सक्रियता ने पुस्तकालय को छात्र हित के सर्वथा अनुकूल बना दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक सुविधाओं के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी सहयोगी है। ग्रन्थालय से लगा इसका वाचनालय शांतिपूर्ण कक्ष है, जिसमें छात्र पुस्तकालय का उचित लाभ उठाते रहे हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड में विशेष प्रसरित रहा है। इसकी अकादमिक गतिविधियाँ स्वत: स्फूर्त हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय में आए दिन विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न महापुरूषों की जयन्तियाँ मनाने का प्रचलन रहा है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यसूची में भी है।

4.5. पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.)

मुक्त विश्वविद्यालयीय परम्परा में पाठ्यसामग्री का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो पाठ्यसामग्री मुक्त शिक्षण व्यवस्था में सर्वमूलाधार है। इस प्रणाली में छात्र प्रत्यक्ष नहीं होता, इसलिए यहाँ के अध्यापकों के लिए एक विशेष दायित्व बन जाता है कि उन्हें छात्रों को अप्रत्यक्ष रूप से उसका विषय बोध करायें।इस कड़ी में अध्यापक अपनी पाठ्यसामग्री से ही छात्रों से जुड़ता है। पाठ्यसामग्री मुद्रणोपरान्त एम.पी.डी.डी. प्रभाग द्वारा छात्रों को वितरित की जाती है। इस प्रकार पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रभाग है। यह प्रभाग छात्रों तक पाठ्यसामग्री वितरण के प्रति उत्तरदायी है। यह प्रभाग सुनिश्चित करता है कि पाठ्यसामग्री छात्रों को समय पर प्राप्त हो सके।

एम.पी.डी.डी. का नवनिर्मित भवन

यह प्रभाग छात्रों के हित में, वर्ष 2021-22 से अधिकांश विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री सीधे उनके अध्ययन केन्द्रों पर प्रेषित कर रहा है। एम0पी0डी0डी0 अनुभाग द्वारा विद्यार्थियों को तीन प्रकार से पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा रही है-

1. विद्यार्थियों को उनके अध्ययन केन्द्रों तक सीधे पहुँचाकर।
2. क्षेत्रीयों केन्द्रों तक पहुँचाकर।
3. विद्यार्थियों को सीधे उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से।
4. कूरियर सेवा के द्वारा।

एमपीडीडी अनुभाग में अध्ययन सामग्री के साथ

इस वर्ष से विश्वविद्यालय का एम.पी.डी.डी. अनुभाग का यह प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री और अधिक सहजता से प्राप्त हो सके। इसके लिए यह अनुभाग निरन्तर नवीन योजनाओं के साथ

कार्य कर रहा है। वर्ष 2022-23 में यह अनुभाग अपनी कार्यकुशलता के साथ नवीन परिवर्तन करते हुए शीघ्रता से विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री प्रेषित कर चुका है। इस प्रकार यह प्रभाग विद्यार्थियों को उनका पाठ्यसामग्री वितरण हेतु कटिबद्ध है।

4.6. सूचना प्रौद्योगिकी अधिसंरचना (Information Technology Infrastructure)

- **सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (I.C.T.)**

वर्ष 2010 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. विभाग का अपना स्वयं का वैब सर्वर, एप्लिकेशन सर्वर और डेटाबेस सर्वर है। विश्वविद्यालय के पास सम्प्रति 12TB NAS की सम्पूर्ण बैकअप धारिता क्षमता है, और विश्वविद्यालय 1GBPS NKN नेटवर्क पाइप से जुड़ा है तथा 4MBPS नेटवर्क पाइप के बैकअप की व्यवस्था है।

आइ.सी.टी अनुभाग में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ

आई.सी.टी. विभाग मूलत: सूचना प्रोद्यौगिकी के सम्बन्ध में योजना निर्माण के साथ सूचना, तकनीकी निर्माण, हार्डवेयर प्रबंधन, आई.टी. सम्भरण एवं सहायता, अधिप्राप्ति, आभासी शिक्षा, कम्यूनिटी रेडियो आदि कार्यों का सम्पादन करता है और सॉफ्टवेयर विकास, पोर्टल विकास, प्रयोज्यता सम्भरण, डाटा केन्द्र प्रबन्धन, नेटवर्क प्रबन्धन, आई.टी. सेवाएं तथा सहयोग एवं सभी प्रकार के सम्प्रेषण के कार्यों का निर्वहन करता है। विश्वविद्यालय में इसके द्वारा स्टूडेण्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश/ परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया, इन्ट्रानेट में प्रार्थना पत्र के अलावा एम.पी.डी.डी., प्रवेश फॉर्म, परीक्षा/ अंकपत्र, वित्त एप आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा वैब पोर्टल बनाया गया है और छात्रों के लिए शिकायती टिकट प्रणाली भी निर्मित की गयी है।

वन-व्यू एप्लीकेशन द्वारा छात्रों को उनकी प्रोफाइल, शुल्क, परीक्षा आदि की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा विकसित ई-ग्रन्थालय भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए इन्ट्रानेट पोर्टल कार्यरत है और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, परीक्षाफल, हार्डवेयर एवं प्रयोज्यता से संबंधित आई.सी.टी. सहायता दी जाती है।

आई.सी.टी. विभाग द्वारा शिक्षण केन्द्रों के लिए भी प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, परीक्षाफल तथा सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग द्वारा छात्रों के लिए एक किओस्क भी स्थापित किया गया है, और ऑनलाइन लर्निगं भी शुरू की गयी है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi से सुसज्जित है, और सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसने विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (MOOC) की सुविधा दी है।

4.7. मानव संसाधन (Human Resources)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय श्रेयताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से युक्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उच्च तकनीकी सुविधायें उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कर्मचारी भी हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ मानवीय क्षमताओं की उत्पादकता निर्मित करना है। इसलिए विश्वविद्यालय भौतिक, तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों की 'एकसूत्रता की अंतर्क्रिया' पर विशेष बल देता है। अर्थात् एक ओर तो इसमें भौतिक ढाँचा, कार्यदशायें हैं, दूसरी ओर उन कार्यदशाओं को प्रसारित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है, तो तीसरी ओर कार्यदशा को व्यावहारिक रूप देने के लिए श्रेष्ठ मानवीय संसाधन यानी शिक्षा और कौशल का संयुक्त समवाय देखने को मिलता है। यहाँ का हर सदस्य अपने विषय की दक्षता के साथ ही यन्त्र एवं तकनीकी कौशल से युक्त है। आज का युग तकनीकी कौशल का युग है। आज हमारे पास ज्ञान का पुस्तकीय रूप ही पर्याप्त नहीं रह गया है। तेजी से बदल रहे विश्व में घटित हो रही हर महत्वपूर्ण घटना दूसरे समाज (देश) को प्रभावित कर लेती हैं। ऐसी स्थिति में यह युग की आवश्यकता है कि हम तकनीकी रूप से सक्षम बनें और सूचना युग में अपने लिए तथा अपने समाज के लिए ज्ञान का सृजन करें। इसलिए आज के युग में ज्ञान और कौशल दोनों महत्वपूर्ण हो उठे हैं। ज्ञान को प्रसारित होने के लिए कौशल चाहिए तथा कौशल को ज्ञान का स्त्रोत चाहिए। इसीलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीकी कार्य कुशल प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नियमित और अस्थायी शिक्षकों की श्रेष्ठ टीम है। यह देश के प्रारम्भिक विश्वविद्यालयों में से है, जहाँ शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

एक ओर हम छात्रों के लिए उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकें निर्मित करते हैं तो दूसरी ओर उनके ज्ञानात्मक उत्कर्ष के लिए वीडियो लेक्चर, रेडियो व्याख्यान, टैली कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अध्यापन, कार्यशाला, परामर्श सत्रों का आयोजन एवं संगोष्ठी का आयोजन करते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षण तन्त्र लचीलेपन, लोकतान्त्रिक एवं पारदक्रिया से संचालित होता है। प्राध्यापक सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन करते समय विशेष सुझावात्मक टिप्पणियाँ करते हैं, जिससे छात्र परीक्षा के पूर्व ही अपनी कमियों में सुधार कर लेते हैं। इसी प्रकार परामर्श सत्र में छात्रों की जिज्ञासाओं का रचनात्मक तरीके / पद्धति से शमन किया जाता है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञ विद्धानों को आमन्त्रित किया जाता है जिससे छात्र लाभान्वित हो सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तीन प्रक्रियाओं के तहत नियुक्त किए जाते हैं। कर्मचारियों का बड़ा वर्ग 'उपनल' सरकारी संस्था के तहत नियुक्त है। दूसरा वर्ग आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के तहत नियुक्त है तथा तीसरा वर्ग दैनिक भत्ते वाले कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियाँ उत्तराखण्ड सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों पर की जाती है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डेब) के मानकों के अनुरूप कुछ वरिष्ठ परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी विश्वविद्यालय करता रहा है। इन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की सम्यक व्यवस्था में सहयोग के लिए तकनीकी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारिंयों की नियुक्ति की गई है।

आदर्श अध्ययन केन्द्र

5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

(Student Support Services)

किसी भी शिक्षण संस्था या विश्वविद्यालय के दो मुख्य घटक होते हैं – छात्र और प्राध्यापक। एक शिक्षा का ग्रहीता है तो दूसरा उसका प्रदाता। छात्र और अध्यापक के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान वैसे तो प्रत्यक्ष रूप में होता है, किन्तु उसकी प्रक्रिया के निष्पादन में विश्वविद्यालय के अन्य तत्व भी सहायक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय में गुरू और छात्र के बीच ज्ञान ग्रहण की प्रक्रिया प्रत्यक्ष होती है, किन्तु दूरस्थ व मुक्त शिक्षा पद्धति में अध्यापक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष संवाद प्राय: नहीं होता। इसलिए यहाँ विद्यार्थी सहायता सेवाओं की लम्बी प्रक्रिया क्रियाशील होती है, जिसमें विश्वविद्यालय में छात्र के प्रवेश से लेकर उसके प्लेसमेन्ट और पुराछात्र समुदाय तक की प्रक्रिया चलती है। किसी भी शिक्षण तन्त्र के लिए छात्र केन्द्रीय घटक होता है। इस प्रकार विद्यार्थी सहायता सेवा का तात्पर्य उस पूरी प्रक्रिया से है, जो किसी भी शिक्षण संस्था में छात्रों के ज्ञानार्जन व सीखने की प्रक्रिया को समुन्नत व सुगठित रूप प्रदान करने के लिए कोई शिक्षण संस्था अपनाती है।

शिक्षण सहायता सेवाएँ के अन्तर्गत प्रवेश, पाठ्य-सामग्री, परामर्श सत्र, पुस्तकालय, परीक्षा, दीक्षान्त, प्लेसमेन्ट एवं पुराछात्र आदि शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था सन्निहित होती है। इस पूरी प्रक्रिया को इस चित्र/आरेख के माध्यम समझा जा सकता है -

शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

• अकादमिक सत्र

सामान्यतः विश्वविद्यालय का सत्र जुलाई से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष जून तक चलता है। इस पाठ्यक्रम वार्षिक परीक्षा प्रणाली या सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। सेमेस्टर प्रणाली में सेमेस्टर की अवधि छः माह है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष में एक बार प्रवेश दिया जा रहा है।

1. ग्रीष्म कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ)

• प्रवेश की अंतिम तिथि -

प्रवेश	सत्र
	ग्रीष्मकालीन
आरम्भ की तिथि	01 जुलाई
अंतिम तिथि	31 अगस्त
विलम्ब शल्क रू.250/- के साथ	15 सितम्बर
विलम्ब शल्क रू.500/- के साथ	30 सितम्बर

• ऑनलाइन प्रवेश -

सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाईन प्रक्रिया में शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे (डेबिड कार्ड/क्रेडिड कार्ड अथवा नेट बैकिंग) के माध्यम से किया जाता है।

प्रथम वर्ष/प्रथम समेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र तथा संलग्नकों को अनिर्वाय रूप से अध्ययन केन्द्र में जाकर सत्यापित कराते हैं। इन विद्यार्थियों को अग्रिम वर्ष में प्रवेश लेते समय अपने अभिलेखों को सत्यापित करवाने की आवश्यकता नही होती और वे सीधे ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करते हैं।

अगर कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पूर्व से ही नामांकित है तथा नये पाठ्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश लेना चाहता है, तो उस विद्यार्थी को अपने फार्म तथा संलग्नकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाना होता है।

• नामांकन/ पहचान पत्र

शिक्षार्थी सहायता सेवा का प्रथम चरण छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन किया जाता है और उसे एक नामांकन संख्या का आवंटन एक ही बार होता है, जिसका उल्लेख अंक तालिका, प्रमाण पत्र एवं उपाधि पत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। छात्र द्वारा पहचान पत्र पर प्रविष्टियाँ अंकन तथा नवीनतम फोटोग्राफ चिपका कर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र निदेशक से हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य होता है। पहचान पत्र शिक्षार्थी के विश्वविद्यालय में छात्र होने का प्रमाण होता है।

• पुनर्प्रवेश एवं पार्श्व प्रविष्टि

यदि कोई विद्यार्थी अपरिहार्य कारणों से पाठ्यक्रम के मध्य में ही अध्ययन छोड़ देता है और बाद में पुन: प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे विद्यार्थी को इस प्रतिबन्ध के साथ पुन: प्रवेश प्रदान किया जा सकता है कि ऐसे विद्यार्थी द्वारा उसके सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रथम प्रवेश की अवधि से निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर्गत ही पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना होगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पार्श्व प्रविष्टि (Lateral Entry) की भी व्यवस्था की है। पार्श्व प्रविष्टि के आधार पर प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में उनके पूर्व संस्थानों के

प्राप्तांको को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रतिशतांक में परिवर्तित किया जाता है, जिससे कुल प्रतिशत के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि का निर्धारण किया जा सके।

- **प्रवेश पद्धति -**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धतियों से प्रवेश लेने की व्यवस्था की गई है। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है वहाँ राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण के नियम लागू होते हैं, किन्तु जिन कार्यक्रमों में सीधे प्रवेश की व्यवस्था है, वहाँ सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में केवल वे अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र हैं जो विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा तथा अन्य मापदण्डों को पूरा करते हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय से निर्धारित शुक्ल का भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी का प्रवेश उसी अध्ययन केंद्र में माना जाएगा, जहाँ उसने पूरित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो अथवा पंजीकरण कराया हो । विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए वही आवेदन पत्र स्वीकार्य हैं, जिनके साथ विद्यार्थी द्वारा स्वप्रमाणित एवं सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु मात्र उन्हीं स्कूल बोर्डों/ विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र एवं उपाधियाँ मान्य है जिन उपाधियों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी ऐजुकेशन/विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समकक्षता/ मान्यता प्रदान की गयी हो।

- **पाठ्यसामग्री (Learning Material)**

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में मुद्रित अध्ययन सामग्री का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री छात्रों की रूचि, उनके मानसिक स्तर तथा ज्ञान के उच्चस्तरीय क्रियारूपों की सापेक्षता में निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश एवं नामाकंन के पश्चात् अध्ययन सामग्री छात्रों को दे दी जाती है। अध्ययन सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के मुख्यालय से भी होता है तथा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र से भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केंद्र हल्द्वानी, रानीखेत, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी, रूड़की एवं देहरादून में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन इसके अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से होता है। विद्यार्थी का नामांकन किसी अध्ययन केन्द्र पर होता है, और इस तरह वह क्षेत्रीय केंद्र तथा विश्वविद्यालय का एक भाग बनता है। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केंद्रो तथा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन की पद्धति का अनुसरण करता है।

- **परामर्श (Counselling)**

मुक्त विश्वविद्यालय की भिन्न शिक्षण-पद्धति के कारण परामर्श प्रक्रिया इसकी मुख्य आकादमिक गतिविधि है। परामर्श कक्षा-शिक्षण का विकल्प नहीं है, अपितु कक्षा-शिक्षण के आगे की प्रक्रिया है। मुक्त अध्ययन पद्धति यह स्वीकार करती है कि छात्र ने स्व-अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर विषय को समझ लिया है तथा विषय की समझ को उसके अंतिम रूप, क्रियात्मकता तक अब 'परामर्श सत्रों' का आयोजन कर लाया जाता है। परामर्श सत्र मुख्यत: अध्यापक और छात्र के मध्य क्रियात्मक-संवाद है। यानी किसी विषय की सैद्धान्तिक अवधारणा की समझ के पश्चात् उस विषय के क्रियात्मक रूपों के अनुशासन का नाम ही परामर्श सत्र या परामर्श कक्षायें हैं । परामर्श सत्र सैद्धान्तिक अधिगम की व्यावहारिक उपस्थापना है।

परामर्श सत्र का छायाचित्र

परामर्श कक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केन्द्रों पर शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जब कि विश्वविद्यालय अपने मुख्यालय पर प्रतिदिन छात्रों के लिए परामर्श कक्षायें चलाता है। शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्रों के आयोजन के पीछे मुख्य ध्येय यह है कि अवकाश के दिनों में व्यवसायरत, कार्यरत एवं गृहणियाँ भी इस सत्र का लाभ उठा सकती हैं। समय-समय पर आयोजित परामर्श–सत्रों की सूचना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बेवसाइट, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्रो कार्यालय के सूचना पट्ट एवं समन्वयकों तथा समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है। इस प्रकार परामर्श सत्र का आयोजन उन लोगों के लिए भी लाभप्रद है, जो अपनी व्यावसायिक एवं घरेलू व्यस्तता के कारण स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से विषय का समुचित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

❖ मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार (Evaluation Process and Improvement)

• परीक्षा (Exam)

परीक्षा विद्यार्थी के स्व-अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन चरण है। किसी छात्र ने अपने विषय को किस रूप में ग्रहण किया है तथा उसकी अभिव्यक्ति कैसी है, इस तथ्य का परीक्षा के माध्यम से ही मूल्यांकन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को पारदर्शी ढंग से निष्पादित करने की व्यवस्था की है।

• पात्रता एवं अनिवार्यता

प्रत्येक विद्यार्थी जिसने विश्वविद्यालय में विधिवत् प्रवेश लिया हो, विश्वविद्यालय में नामांकन कराया हो, पंजीकृत हो तथा जिसने सत्रीय कार्य पूर्ण कर जमा कर दिया हो और विश्वविद्यालय का शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क जमा किया हो, वह परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उन समस्त विषयों की परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा जो उस पाठ्यक्रम के लिए वर्ष विशेष में उसके द्वारा चयनित किये गये हों। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा अथवा किसी विषय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है, तो उसे उस विषय की

परीक्षा अथवा सम्पूर्ण परीक्षा (यथा स्थिति) में अनुपस्थित माना जाएगा। यदि छात्र पूरी परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो उसे सम्बन्धित कक्षा के लिए पुन: पंजीकरण नहीं करवाना होगा और न ही प्रवेश सम्बन्धी शुल्क का भुगतान करना होगा। छात्र को केवल उस वर्ष के लिए रूपये – 200 /- प्रति प्रश्न पत्र बैक परीक्षा शुल्क के साथ बैंक फॉर्म भर के परीक्षा हेतु आवेदन करना होगा, साथ ही वह अगले वर्ष की परीक्षा हेतु आवेदन कर सकता है। परीक्षार्थी के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र जिसमें छात्र की फोटो लगी हो, अवश्य होनी चाहिए। परीक्षार्थी के पास अपना पहचान-पत्र (वोटर आई.डी., लाइसेंस, पैन कार्ड आदि) होना चाहिए।

• 2022-23 में विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंकों का निर्धारण

(क) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हों-

1. सत्रीय कार्य- 30% अंक
2. लिखित परीक्षा- 70% अंक

(ख) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य होते हैं-

1. सत्रीय कार्य 30% अंक
2. प्रयोगात्मक कार्य 15% अंक
3. लिखित परीक्षा 55% अंक

(ग) पूर्णरूपेण मौखिक परीक्षा अथवा परियोजना कार्य 100 अंक अथवा सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था।
(घ) जिन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा उनमें सन्तोषजनक अथवा असन्तोषजनक के रूप में मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

• सत्रीय कार्य –

सत्रीय कार्य परीक्षा-मूल्यांकन का ही प्राथमिक चरण है। सत्रीय कार्य की परिकल्पना यह है कि इस मूल्यांकन के कारण छात्र की चिन्तन शक्ति का विकास हो तथा उसके स्व-अध्ययन सामग्री का प्रायोगिक, व्यावहारिक रूप सामने आ सके। अर्थात् छात्र द्वारा सीखे गये विषय का स्वरूप स्पष्ट हो सकें। सत्रीय कार्य छात्रों की मूल्यांकन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए यह अनिवार्य है कि छात्र निर्धारित शुल्क सीमा एवं निर्धारित समयावधि के भीतर ही इसे अध्ययन केंद्र में जमा कर दें। यदि कोई छात्र अन्तिम तिथि के उपरान्त सत्रीय कार्य जमा करता है तो उसे रू. 100 प्रति सत्रीय कार्य की दर से जमा करना होगा।

• अंक निर्धारण –

विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंको का निर्धारण अलग-अलग हैं। जैसे उन विषयों में, जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हो, उनमें सत्रीय कार्य के लिए 20 अंक तथा लिखित परीक्षा के लिए 80 अंक रखे गये हैं। किन्तु जिन विषयों में प्रयोगात्मक कार्य होते हैं, उनमें सत्रीय कार्य 40 अंको का प्रयोगात्मक कार्य 15 अंकों का तथा लिखित परीक्षा 45 अंकों के मध्य विभाजित होती है। यह प्रणाली पूर्णरूपेण विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाती है।

• परीक्षा में उत्तीर्ण होने के मापदण्ड -

प्रत्येक वर्ष में पंजीकृत छात्र द्वारा उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक (सत्रीय कार्य, प्रयोगात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा, परियोजना कार्य एवं लिखित परीक्षा में पृथक-पृथक) प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी विषय में उपर्युक्त विधि से निर्धारित अंक नहीं प्राप्त करता है तो उसे उस विषय

में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्र को उस विषय में उत्तीर्ण होने के लिए पुन: परीक्षा देनी होगी। परन्तु किसी विषय में अनुत्तीर्ण छात्र उस पाठ्यक्रम की परीक्षा अगले वर्ष की परीक्षा के साथ दे सकता है।

- **परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, शुल्क भुगतान एवं सुधार परीक्षा**

छात्र हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा प्रदान की है। किसी भी अभ्यर्थी को आवंटित परीक्षा केन्द्र में परिर्वतन हेतु निर्धारित शुल्क रू0 500/- का भुगतान करना होगा। किसी भी प्रकार का प्रवेश अथवा परीक्षा शुल्क नकद रूप में मान्य नहीं है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान बैंक चालान के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार करना अनिवार्य होगा।

उत्तीर्ण होने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा मे प्राप्त अंको में सुधार करने की इच्छा रखता है तो वहाँ रू0 200/- प्रति प्रश्न पत्र की दर से शुल्क का भुगतान कर सुधार परीक्षा दे सकता है। यह सुविधा विद्यार्थी को अपने चयनित पाठ्यक्रम के अधिक से अधिक सभी विषयों की आधी संख्या के बराबर विषयों में ही उपलब्ध होगी, किन्तु जो भी विषय चयनित किए जायेंगे उनके सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर /डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में भी सुधार परीक्षा अधिकतम कुल प्रश्न पत्रों की आधी संख्या के लिए अनुमन्य होगी। यथा 5 या 6 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 3 प्रश्न पत्र, 3 या 4 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 2 प्रश्न पत्र। कोई भी परीक्षार्थी जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हो, उन विषयों में वह सुधार परीक्षा दे सकता है । सुधार परीक्षा हेतु प्रति प्रश्न–पत्र रू. 200/- की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। सुधार परीक्षा में निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को उस वर्ष के लिए उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

- **श्रेणी –**

परीक्षा परिणाम की निम्न तीन उत्तीर्ण श्रेणियाँ होंगी :

A) स्नातक स्तर (Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	**60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक**	**First Division**	**60% or more**
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 45 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 45%
तृतीय श्रेणी	45 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 45% and upto 35%

B) परास्नातक स्तर (Post Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	**60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक**	**First Division**	**60% or more**
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 48 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 48%
तृतीय श्रेणी	48 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 48% and upto 35%

• बैक पेपर की सुविधा (Back Paper Facility)

विद्यार्थी यदि अपने चयनित पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होता है तो रू. 200 /- प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान कर पुन: परीक्षा दे सकता है। विद्यार्थी को यह सुविधा उन सभी विषयों में देय होगी जिनमें वह अनुत्तीर्ण है। यह सुविधा पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु निर्धारित अधिकतम समय सीमा तक देय होगी। बैक पेपर व सुधार परीक्षाएँ मुख्य परीक्षा के साथ ही आयोजित की जाती हैं।

❖ प्रशिक्षण और प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ (Training and Placement Cell)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु एक प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ का निर्माण किया गया है। इस प्रकोष्ठ में छात्रों का विस्तृत डाटाबेस रखा गया है। प्रकोष्ठ नौकरियों की रिक्तियों की सूचना के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनो के एच.आर. हेड्स के सम्पर्क में रहता है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा 'प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ' नामक एक पोर्टल निर्मित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को उनके कैरियर सम्बन्धित विभिन्न जानकारी प्रदान की जाती है। छात्र इस पोर्टल से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बारे में जानकारी ले सकते है। इस प्रकोष्ठ को पुरा छात्र प्रकोष्ठ से भी जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय के प्रबन्ध विषय में 150 से अधिक शिक्षार्थी जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है वो विभिन्न क्षेत्रों में (यथा – प्रशासनिक, बैंकिग, अध्यापन, निजी क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र आदि) कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार पर्यटन, होटल प्रबन्ध, कला, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर तथा विज्ञान आदि विषयों के शिक्षार्थी भी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपनी- अपनी सेवायें दे रहे हैं। भविष्य में प्रकोष्ठ द्वारा जॉब फेयर आयोजित करने की योजना है।

सप्तम दीक्षान्त समारोह -

विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षान्त समारोह दिनांक 11 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/ कुलाधिपति द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षान्त भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमन्त्री, उत्तराखण्ड एवं डॉ. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मन्त्री तथा अजय भट्ट जी उपस्थित रहें।

समारोह में विश्वविद्यालय में 2021–22 सत्रों में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को पीएच0डी0 (शोध उपाधि)/स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र/ स्नातक एकल विषय में शिक्षार्थियों को उपाधियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इन्हीं अकादमिक वर्षों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले स्नातकों एवं परास्नातकों को स्वर्ण पदक माननीय श्री राज्यपाल द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गये।

समारोह में मा0 कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की वर्ष 2021-22 का वार्षिक प्रगति आख्या का प्रस्तुतिकरण किया गया।

उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय–आठ 'मानद उपाधि प्रदान करना' (धारा 5 (चार)) परिनियम 36(4) में वर्णित व्यवस्थानुसार माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य के 02 विशिष्ट व्यक्तियों– श्रीमती वसन्ती देवी तथा पद्मश्री श्री कल्याण सिंह रावतजी को विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि (Honoris Causa) प्रदान की गई।

(देखें परिशिष्ट – I,II)

विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो
'हैलो हल्द्वानी'

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' जिसे कि 91.2 मेगाहर्टज की तरंगों पर शहर के दस किलोमीटर की दायरे में सुना जा सकता है। 2 नवंबर 2012 से विश्वविद्यालय के परिसर में स्थापित इस रेडियो की सिग्नेचर थीम दूरस्थ शिक्षा और सतत विकास है। 40 फीसद कार्यक्रम दूरस्थ शिक्षा के विद्धार्थियों के लिए विवि की अकादमिक फैकल्टी के द्वारा दिये जाते हैं तो वहीं शेष 60 फीसद कार्यक्रम समुदाय के लिए समुदाय के द्वारा तैयार किये जाते हैं। जिसमें कि हैल्दी हल्द्वानी, आधी आबादी, बच्चों की दुनिया, मिसाल-बेमिसाल, शिक्षा का पहिया, विज्ञान की दुनिया, किस्से बचपन के, हाट बाजार, उत्तराखंड परिक्रमा, योजनाएं घर द्वार, बात पहाड़ की व बदलती हल्द्वानी जैसे कार्यक्रम हैं। हैलो हल्द्वानी सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर 2018 से सक्रिय है। रेडियो रेडियो का अपना यू ट्यूब चैनल व फेसबुक पेज है। इसके अलावा इंटरनेट रेडियो भी 2012 से चल रहा है। इस वक्त रेडियो का प्रसारण प्रातः 10.30 से सांय 4.30 तक होता है। पत्रकारिता के स्टूडेंट्स को रेडियो इंटर्नशिप भी मुहैय्या कराता है।

6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन
(GOVERNANCE, LEADERSHIP AND MANAGEMENT)

❖ विश्वविद्यालय की संदृष्टि (Vision of University):

"ज्ञान के इस युग में उच्च-शिक्षा को विकास का सशक्त माध्यम बनाने के लिए ज्ञान का सृजन कर उत्तरा - खण्ड के लोगों, विशेषकर युवाओं तथा शिक्षा से वंचित एवं रोजगार में संलग्न व्यक्तियों को मूल्य-आधारित गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के सुविधाजनक एवं सर्वसुलभ अवसर उपलब्ध कराते हुए उन्हें जीवन पर्यन्त अध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा स्व-रोजगार, रोजगार एवं अन्य कौशलों में दक्ष बनाना जिससे कि वे प्रदेश, देश व सम्पूर्ण मानवता की उपयुक्त सेवा कर सकें।

❖ विश्वविद्यालयीय सहभागी स्वरूप एवं विकेन्द्रीकरण (Participative Decision Process and Decentralization)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सहभागी स्वरूप की पद्धति पर कार्य करता है। किसी भी पाठ्यक्रम या योजना को वह विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लागू करता है। प्राध्यापक अपने निदेशक से तथा निदेशक कुलपति के माध्यम से किसी निर्णय का निस्तारण करते हैं। इस प्रकार कार्यों में केन्द्रीयता और विकेन्द्रीयता दोनों रहती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभाग विकेन्द्रीकृत हैं। जैसे प्रादेशिक सेवाएँ, प्रवेश अनुभाग, शोध एवं नवाचार, अकादमिक अनुभाग, पुस्तक वितरण अनुभाग, आईसीटी अनुभाग ये सभी मिलकर सहभागी रूप में कार्य करते हैं। इन विभागों के स्वतन्त्र रूप से प्रभारी हैं और वे इसका संयोजन करते हैं। इसी प्रकार दीक्षान्त समारोह या अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में परस्पर सहभागी रूप में विश्वविद्यालय के सदस्य कार्य करते हैं। प्रशासन के स्तर पर विकेन्द्रीकरण का उदाहरण है – कुलपति के कार्यों का विभिन्न अकादमिक व्यक्तियों में वितरण। इस समय ओएसडी सामान्य, ओएसडी क्रय एवं मुद्रण, ओएसडी अनुरक्षण तथा ओएसडी पुस्तकालय के रूप में प्रशासन का विकेन्द्रीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय की नीति लोकतान्त्रिक है।

❖ भविष्य की योजनायें (Perspective plans)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय में भविष्य की योजनाओं के अन्तर्गत प्राथमिकता के आधार पर सर्वप्रथम इस विश्वविद्यालय को 12 (बी) तथा राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा ग्रेड प्राप्त कराया जाना, जिससे यह मुख्य धारा में सीधे रूप से जुड़ सकें और इसका सर्वतोमुखी विकास हो सके। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालयीय परिसर का भी विस्तार कराया जाना, अकादमिक एवं गैर अकादमिक कार्मिकों की नियुक्तियाँ, जन-जन तक शिक्षा को पहुँचाने हेतु कार्य करना, इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना आदि ये समस्त कार्य भविष्य की भावी योजनाओं में निहित है।

❖ छात्र शिकायत एवं निवारण पोर्टल (Students' Greivances and Solution Portal)-

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से तकनीकी माध्यम का उपयोग करते हुए छात्र हित में एक **'सपोर्ट टिकट पोर्टल'** का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी छात्र अपनी समस्या को ऑनलाइन प्रेषित कर सकता है। छात्र द्वारा जब ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, उसी समय उसे एक टिकट नम्बर भी प्राप्त हो जाता है। उस नम्बर के आधार पर वह अपनी शिकायत का निवारण कभी भी कर सकता है। समस्या के

निवारण सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में यह सुविधा आइसीटी अनुभाग द्वारा निर्मित की गई है।

❖ अकादमिक संपरीक्षा (Academic Audit)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल के अकादमिक संपरीक्षा की प्रक्रिया समय- समय पर सम्पन्न होती रही है। विश्वविद्यालय का अकादमिक निदेशालय इस कार्य को तत्परतापूर्वक करता रहा है। अकादमिक संपरीक्षा के अन्तर्गत सत्र 2021-22 के बीच हुए प्रमुख कार्यों का मूल्यांकन विवेचन है। इस बीच विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच, नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ की आवश्यकता एवं उनके महत्व निर्धारण, संगोष्ठी कार्यशालाओं में भागीदारी –आयोजन का मूल्यांकन करना तथा शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन की गतिविधियों की जाँच का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही आईक्यूएसी (आंतिरक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ) का गठन किया जायेगा, जिससे अकादमिक संपरीक्षा और व्यवस्थित रूप में सम्पन्न हो सके। सम्प्रति विश्वविद्यालय के निदेशक, अकादमिक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा के निर्देशन में अकादमिक संपरीक्षा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

❖ विश्वविद्यालय सहायता प्रणाली (University Support System)

विश्वविद्यालय का अपना एक शिक्षार्थी Support system है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपनी समस्या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित व्यक्ति तक पहुँचा सकता है । यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है । शिक्षार्थी सपोर्ट सिस्टम का उद्देश्य है - विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों या जुड़ने वाले छात्रों की समस्या का समाधान तकनीकी माध्यम से करना । अत: युगानुरूप शिक्षार्थियों के समस्या समाधानार्थ यह एक सुलभ साधन है ।इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी प्रवेश या परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी समस्या सीधे दूरभाष द्वारा बता सकता है साथ ही उसका समाधान भी प्राप्त कर सकते है ।

❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन (Financial Management of University)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बजटीय नियन्त्रण प्रणाली का पालन किया जाता है जिसके द्वारा विश्वविद्यालय का बजट तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट आगामी वर्ष के पहले ही तैयार कर लिया जाता है।

विश्वविद्यालय को शुल्क राशि (Fee-Fund) से आय प्राप्त होती है तथा राज्य सरकार द्वारा राज्य- अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जहाँ तक वित्तीय संसाधनों का सम्बन्ध है, विश्वविद्यालय सभी अनुदान/ निधि का कुशलता से उपयोग करता है।

लेखा के ऑडिट के लिये माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक चॉर्टड एकाउन्टेन्ट को बाहरी ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह चार्टड एकाउन्टेन्ट प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में लेखा की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करता है।

7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें

(Innovations and Best Practices)

डिजिटल प्रथायें (DEGITAL PRACTICES)

छात्रहित में विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल का उद्देश्य पाठ्यसामग्री को विश्वविद्यालय की वेबसाइट E-Learning.uou.ac.in पर अपलोड करना है। इसका मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को सही समय पर पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना हैं, जिनकी पाठ्यसामग्री कई कारणों से विलम्ब से प्राप्त होती है। इस पोर्टल के माध्यम से अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गयी है, जिससे छात्र प्रवेश के साथ ही अध्ययन सामग्री का पाठ कर सके। यह पोर्टल छात्रों को अध्ययन सामग्री तत्काल उपलब्ध कराता है। इसमें अभी 22 पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। इस पोर्टल को विगत तीन महीनों में लगभग 11,000 छात्रों ने देखा है। जो विद्यार्थी उक्त पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर इ- बुक्स का उपयोग करेगा तथा पुस्तक की माँग नहीं करेगा, उसे शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वर्तमान में यह सुविधा साइबर सिक्योरिटी, एम.जी.आई.एस तथा योग के कोर्स में उपलब्ध हैं।

गीता जयन्ती महोत्सव—

संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग- मानविकी विद्याशाखा, द्वारा दिनांक 03/ 12/ 2022 को मोक्षदा एकादशी के अवसर पर गीता जयन्ती महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें **"श्रीमद्भगवद्गीता-जीवन का आदर्श"** विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान एवं गीता पाठ किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मंगलाचरण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रोफ़ेसर ओ. पी. एस. नेगी जी रहे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रोफेसर रेनू प्रकाश जी ने किया। और अपने उद्बोधन में कहा कि गीता का ज्ञान दैनिक दिनचर्या के लिए आवश्यक है। हमें गीता को व्यावहारिक रूप में जानना होगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं अतिथि के रूप में प्रोफेसर आर. सी. मिश्र जी ने बताया कि गीता जीवन का आदर्श है जो मनुष्य को कर्म सिद्धांत एवं उसकी सिद्धता को बतलाता है। गीता मानव जीवन को स्थितप्रज्ञ से पूर्ण करना है। उन्होंने प्रज्ञा के पांच प्रकार की विशेष व्याख्या की और कहा कि मानव जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति में गीता का बहुमूल्य योगदान है। कार्यक्रम का संचालक एवं संयोजन डॉ. नीरज जोशी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक गण, प्राध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी, कुलसचिव, तथा डॉ. राकेश रयाल, डॉ राजेंद्र केड़ा, डॉ. गोपाल दत्त भट्ट, डॉ राजेंद्र सिंह क्वीरा, डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, डॉ प्रमोद जोशी, डॉ. प्रभाकर पुरोहित, द्विजेश उपाध्याय, जगमोहन परगाई, भाग्यश्री, अरविंद भट्ट, डॉ. अनिल कार्की, कुमार मंगलम सहित 50 से अधिक लोग मौजूद रहे।

गीता जयन्ती पर व्याख्यान देते हुए प्रोफेसर आर.सी. मिश्र

5 सितम्बर 2022, शिक्षक दिवस

- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक सम्मान 2022 का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. आर.सी. मिश्र ने किया। इस अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अवकाश-प्राप्त प्रो. एच. पी. शुक्ल को सम्मानित किया गया। विशिष्ट वक्तव्य देते हुए प्रो. शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय कोई ईंट-गारे का भवन नहीं होता। यह ज्ञान-संवेदना एवं तर्क का खुला आकाश होता है। शिक्षक ना किसी राज्य में रहता है और उसे ना ही कोई सीमा बाँध सकती है। शिक्षक स्वतन्त्र होता है एवं शिक्षा का परिसर एक आजाद ख्याल जगह। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कार्यकारी कुलपति प्रो. आर.सी. मिश्र ने कहा कि प्रो. एच.पी. शुक्ल का सम्मान हम सभी का सम्मान है। उन्होंने कहा कि आज हमें शिक्षक और गुरु के द्वैत को भुला कर पारम्परिक शिक्षा की ओर लौटना चाहिए। हमारी दृष्टि अग्रगामी तभी होगी जब हम अपनी परम्परा से गहरे रूप से संलग्न रहेंगे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. रश्मि पंत ने एवं कार्यक्रम का सञ्चालन हिंदी विभाग के प्राध्यापक कुमार मंगलम ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अकादमिक सदस्य एवं कार्मिक मौजूद रहे।

14 सितम्बर 2022, हिंदी दिवस

- 'हिंदी दिवस' पर आज 'उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय' के 'हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ विभाग' द्वारा 'हिंदी में हस्ताक्षर' का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ उमवि के माननीय कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने किया। वे अपने वक्तव्य में माँ, मातृभूमि और मातृभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए हिंदी को भारतीय चेतना का अधरभूमि कहा। उन्होंने कहा कि अन्य भारतीय भाषाओं से हिंदी का अन्योन्याश्रय सम्बन्ध है। हमें अपने सभी कार्यों को अधिकाधिक हिंदी में बरतना चाहिए। आज हिंदी ज्ञान के विविध अनुशासनों के साथ मजबूत पहचान के साथ कदमताल कर रही है। यह कार्यक्रम औपचारिक न होकर हमारे जीवन के साथ रहे। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त कार्मिकों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन व स्वागत हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ.राजेन्द्र कैड़ा ने किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के सभी सदस्यों ने एक रेड़ियो-वार्ता भी किया।

2 अक्टूबर, 2022, गांधी जयंती

गांधी के वैचारिक निर्मिती में भारतीयत दर्शन का गहरा असर है : प्रो. आर.सी. मिश्र

- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ विभाग द्वारा 01-02 अक्टूबर 2022 को रचनात्मक लेखन कार्यशाला एवं गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन के पहले चरण में रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. शिव प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. अनिल कार्की, कुमार मंगलम और राजेन्द्र कैड़ा ने वक्तव्य दिया। आयोजन के दूसरे चरण में गांधी जयंती व्याख्यान का आयोजन 02 अक्टूबर 2022 को किया गया। इस वर्ष के इस अतिथि व्याख्यान की आमंत्रित अतिथि मानविकी विद्याशाखा की निदेशक प्रो. रेणु प्रकाश थीं। उन्होंने अपने वक्तव्य में गांधी जी के सामाजिक चिन्तन को प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि गांधी हमारे मानसिक एवं सामाजिक संरचना के आधारभूत स्तम्भ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य एवं माननीय प्रभारी कुलपति महोदय प्रो. आर.सी. मिश्र ने गांधी की आत्मकथा और हिन्द स्वराज को ज्ञान से जुड़े सभी शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक बताया तथा उसे सभी के प्राथमिक पाठ के रूप में उससे गुजरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांधी का चित्त भारतीय था। इस अवसर पर आईटीसी विभाग द्वारा गांधी जी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति भी दी गयी। कार्यक्रम के पश्चात्

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा सफाई मुहीम भी चलाया गया। इस अवसर पर भारत के सत्यनिष्ठ व यशस्वी प्रधानमंत्री और गांधी के विचारों के सच्चे संवाहक श्री लाल बहादुर शास्त्री को भी याद किया गया। सभी विचारकों ने लाल बहादुर शास्त्री के देश के लिए दिए गए योगदान की चर्चा की एवं उनके व्यक्तित्व को अनुकरणीय बताया। उनके सरल और सहज जीवन से मिली प्रेरणा को अपने जीवन में उतारने के लिए उपस्थित सभी श्रोताओं का आह्वान किया गया।

11-12 दिसम्बर, 2022 भारतीय भाषा उत्सव

"उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय भारतीय भाषाओं को लेकर अपनी स्थापना से ही संवेदनशील रहा है।" : माननीय कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में तमिल भाषा के महाकवि राष्ट्रकवि चिन्नास्वामी सुब्रह्मण्यम भारती के जन्मदिन के अवसर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित भारतीय भाषा दिवस के तहत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ विभाग द्वारा 11-12 दिसम्बर, 2022 को भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत "बहुभाषा, बहुसंस्कृति एवं भारतीयता " विषयक दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ-साथ "मैं और मेरी मातृभाषा" विषयक निबंध प्रतियोगिता, उत्तराखंड के क्षेत्रीय उत्पादों की प्रदर्शनी, ऐपण प्रदर्शनी, लोक-कला प्रदर्शनी, छायाचित्र एवं चित्र प्रदर्शनी, पुस्तक प्रदर्शनी, गायन, लोक-नाट्य और विणई वादन इत्यादि का आयोजन किया गया।
- "भाषाओँ के बहुरंगी आकाश गंगा में हर भाषा एक तारा है।" के ध्येय वाक्य को समर्पित दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर, समाज-विज्ञानी प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि शैल चित्रों से लेकर आज हमने कृत्रिम मेधा तक की यात्रा कर ली है। इस यात्रा में भाषा के माध्यम से मनुष्य के उद्-विकास को लक्षित किया जा सकता है। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. जगत सिंह बिष्ट मुख्य वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदी बहुभाषिक, बहुसंस्कृति एवं भारतीयता के मूल स्वरूप के साथ विकसित हुई है। हिंदी अपने समग्र रूप में भारतीयता के

समवेश के लिए अग्रणी भूमिका का निर्वहन करती है, जिसमें पहाड़ी बोलियों और भाषाओं को भी समुचित प्रतिनिधित्व मिलता है। उद्घाटन के इस सत्र में बीज वक्तव्य देते हुए सुपरिचित कथाकार एवं महादेवी सृजनपीठ के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मण बिष्ट बटरोही ने कहा कि हिंदी का विशाल मातृकुल लोक-भाषाओं से निर्मित होता है। सभी पहाड़ी भाषाओँ के लोक-भाषिक स्वरूप से हिंदी समृद्ध हुई है। मानविकी विद्याशाखा की निदेशक प्रो. रेनु प्रकाश ने कहा कि भाषा उन्नति एवं प्रगति का सुदृढ़ नींव रखने का माध्यम है। भाषा संस्कृति के विविध घटकों को एकसूत्रता प्रदान करती है। संगोष्ठी का दूसरा सत्र तकनीकी सत्र था जिसमें लगभग पचास प्रतिभागियों ने अपने शोध-पत्रों का वाचन किया। भारतीय भाषा उत्सव का दूसरा दिन उत्तराखंड की भाषाओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने और उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करने का दिन था। भारतीय भाषा उत्सव की अवधारणा ही अपनी मातृभाषा के साथ अधिक से अधिक भारतीय भाषाओँ को सीखने, देश की एकता व अखंडता के अनुकूल वातावरण बनाने के लिए अपने साथ-साथ पडोसी भाषाओँ के प्रति सहिष्णु होने के लिए प्रतिबद्धता के साथ विकसित हुई। अतः यह आयोजन भी उत्तराखंड की क्षेत्रीय और मातृभाषाओं को समर्पित रहा। इस संदर्भ में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने कुमाउनी में पहरू पत्रिका के सम्पादक एवं साहित्यकार डॉ. हयात सिंह रावत को, कुमाउनी के सुपरिचित साहित्यकार श्री जगदीश जोशी को, गढ़वाली की सुपरिचित साहित्यकार श्रीमती बीना बैंजवाल को, गढ़वाली पत्रिका धाद के सम्पादक एवं गढ़वाली साहित्यकार श्री गणेश खुग्साल गणी एवं जौनसारी के सुपरिचित साहित्यकार श्री भजनदास वर्मा को सम्मानित किया। इस अवसर पर इन सभी को सम्मानित करते हुए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय ने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय अपने स्थापना के साथ ही उत्तराखंड की भाषाओँ के प्रति सजग रहा है। हमने अपने स्थापना के साथ ना सिर्फ गढ़वाली और कुमाउनी को अपने अध्ययन-अध्यापन का विषय बनाया बल्कि इन भाषाओँ के प्रति अधिक उदारता बरती। इसके साथ ही हमने नेपाली में भी पाठ्यक्रम चलाया। हम अपनी भाषिक विविधता के प्रति सजग हैं और उसके संवर्धन के प्रति प्रतिबद्ध भी। भारतीय भाषा उत्सव में अपनी भाषाओँ के रचनाकारों को सम्मानित कर हम स्वयं सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाषाओँ के संवर्धन और विकास के प्रति विश्वविद्यालय हरेक सुविधा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर लालकुआं विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड सरकार उत्तराखंड की सभी भाषाओँ के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस सत्र का सञ्चालन भारतीय भाषा उत्सव के सह-समन्वयक कुमार मंगलम ने स्वागत विश्वविद्यालय की माननीया कुलसचिव प्रो. रश्मि पंत ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. अनिल कार्की ने किया। इस अवसर पर निदेशक, मानविकी विद्याशाखा प्रो. रेनु प्रकाश एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजेन्द्र कैड़ा भी मौजूद रहे।

- दूसरे दिन का अगला सत्र बहुभाषा रचना-पाठ का रहा। जिसके पहले सत्र में बहुभाषी कहानी पाठ सम्पन्न हुआ। इस सत्र में गढ़वाली में श्री महेशानंद जी, कुमाउनी में श्री जगदीश जोशी ने, बंगाणी में श्री बलबीर रावत ने एवं रंवाल्टी में श्री महाबीर रम्वाल्टा जी ने कहानी-पाठ किया। इस अवसर पर सुपरिचित भाषाविद

श्री रमाकांत बैंजवाल एवं प्रो. प्रभा पंत ने क्रमशः गढ़वाली एवं कुमाउनी कहानी की पूर्वपीठिका को रेखांकित किया।

- अगला सत्र बहुभाषी कविता पाठ का रहा। जिसमें गढ़वाली के डॉ. प्रीतम अप्छायाण, श्रीमती बीना बैंजवाल, डॉ. सुमित रिन्वाल एवं श्री गिरीश सुंदरियाल तथा कुमाउनी के श्री ज्ञान पंत, श्री त्रिभुवन गिरि, श्री शंकर दत्त जोशी एव, श्री हर्षवर्धन जोशी तथा जौनसारी के श्री भजनदास वर्मा ने अपनी कविताओं का पाठ किया।
- भारतीय भाषा उत्सव का समापन प्रयोगांक नाट्य-संस्था, नैनीताल द्वारा महाकवि भास विरचित उरुभंगम के कुमाउनी रूपान्तर के नाट्य-मंचन से हुआ। जो यहाँ के जागर शैली में विकसित किया गया था।

4 मार्च होली मिलन समारोह

रंग हमारे लिए सौहार्द के प्रतीक हैं : माननीय कुलपति प्रो. ओमप्रकाश सिंह नेगी

- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक समवाय द्वारा 04 मार्च 2023 को होली के अवसर पर होली मिलन समारोह और सांस्कृतिक एवं सांगीतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय, विश्वविद्यालय की माननीय कुलसचिव एवं वित्त-नियंत्रक समेत विश्वविद्यालय के सभी कार्मिक मौजूद रहे। इस अवसर पर माननीय कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि रंगों का यह त्यौहार हमारे आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह अवसर विश्वविद्यालय परिसर में सभी कार्मिकों के बीच एक खुशनुमा माहौल के लिए आवश्यक है। माननीय कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों को होली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की। माननीय कुलपति के सम्बोधन के बाद सांस्कृतिक समवाय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड के लोक संगीतकारों ने होली के गीतों की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में कुमाउनी होली गीतों के साथ-साथ गढ़वाली होली गीतों की प्रस्तुति भी हुई। विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने सांगीतिक कार्यक्रम के पश्चात सूखे रंगों की होली खेली।

- दिनांक 18-19 मई 2022 को 'महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण) शीर्षक पर आंतरिक शिकायत समिति द्वारा दो दिवसीय महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महिला जागरूकता कार्यक्रम की छायाचित्र

परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा कुलपति प्रो0 ओ0पी0एसस0 नेगी द्वारा निम्न परीक्षा केन्द्रों का औचकर निरीक्षण किया गया–

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 01/04/2022 को एच0ई0सी0 पीजी कॉलेज, हरिद्वार का निरीक्षण किया।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 05/04/2022 को राजकीय महाविद्यालय, रूद्रपुर परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 06/04/2022 को राजकीय महाविद्यालय, काशीपुर परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 06/04/2022 को राजकीय महाविद्यालय, रामनगर परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया।

दो–दिवसीय महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति के अंतर्गत बुधवार दिनांक 18 मई को महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण) विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति ओ. पी.एस नेगी, मुख्य अतिथि, श्रीमती कुसुम कंडवाल एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. आराधना शुक्ला के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण एवं कुलगीत के साथ की गई। सभी अतिथि गणों का पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं शॉल देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. रेनू प्रकाश ने सभी अतिथि गणों का स्वागत करते हुए संबंधित विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति की गठन की आवश्यकता एवं शिकायत हेतु बनाई गई ईमेल आईडी को सांझा किया। कार्यक्रम के संचालक डॉ. डिगर सिंह ने दो दिवसीय कार्यक्रम के चार सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विशिष्ट अतिथि श्री चंद्र शेखर रावत, स्थाई अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, नैनीताल ने विशाखा बनाम राजस्थान राज्य एवम् अन्य गाइडलाइन एवं अधिनियम–2013 के विषय में बताते हुए इसके गठन के उद्देश्य को समझाया तथा कहा कि केवल महिलाओं को नहीं बल्कि पुरुषों की भी इन विषयों पर जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल कानूनों से इन मुद्दों को नहीं सुलझाया जा सकता बल्कि इसके लिए मनोवृति में भी परिवर्तन लाना होगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती कुसुम कंडवाल, अध्यक्ष, उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने बताया कि महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी होती है और उन्हें कार्य क्षेत्र में लैंगिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। उन्होंने लैंगिक उत्पीड़न को रोकने के लिए परिवार की भूमिका पर जोर दिया और बताया कि समाज तभी सुधरेगा जब परिवारों को सुधारा जाएगा। उन्होंने विवाह से पूर्व काउंसलिंग कराए जाने की बात कही। कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. ओ. पी. एस नेगी ने

महिला जागरूकता कार्यक्रम एवं आंतरिक शिकायत समिति के गठन की जरूरत के विषय में बात की तथा बताया कि हम अपने संस्कार खोते जा रहे हैं, हमें अंधी दौड़ में भागने से बचना होगा तथा महिलाओं का जागरूक होना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने महिला शिक्षा पर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम खोले जाने का भी पक्ष रखा।

इस अवसर पर डॉ रुचि तिवारी एवं प्रो. आराधना शुक्ला की संयुक्त पुस्तक **'कल्चर एंड स्कॉलिस्टक बिहेवियर'** का विमोचन भी किया गया। सारस्वत अतिथि प्रो. आराधना शुक्ला द्वारा पुस्तक की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। सत्र का संचालन डॉ. डिगर सिंह द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी.डी. पंत द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र की अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता प्रो. आराधना शुक्ला रही। सारस्वत वक्ता श्रीमती प्रभा नैथानी ने महिला उत्पीड़न के विधिक पहलू पर बात की।उन्होंने यौन उत्पीड़न को बताते हुए इसके विभिन्न पहलुओं जैसे शारीरिक संपर्क और अग्रिम, यौन संपर्क के लिए मांग, अश्लील साहित्य, यौन प्रकृति का अवांछित प्रदर्शन एवं शारीरिक, मौखिक या गैर मौखिक यौन आचरण आदि को समझाया। उन्होंने भंवरी देवी के केस को बताते हुए विशाखा बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान, सेक्सुअल हैरेसमेंट आफ विमेन एट वर्कप्लेस एक्ट –2013, आंतरिक शिकायत समिति एवं इसके विभिन्न प्रावधानों को विस्तृत रूप से समझाया।

मुख्य वक्ता प्रो. आराधना शुक्ला ने बताया की हमें ऐसी मुख्य धारा बनाने की जरुरत है जिसमे महिला– पुरुष एक साथ चलें। उन्होनें यौन उत्पीड़न की जड़ पर बात करते हुए वर्कप्लेस में उनकी असुरक्षा की भावना तथा विभिन्न प्रकार के यौन उत्पीड़न पर चर्चा की। उन्होने कहा कि पुरुषों हेतु भी आईसीसी का गठन किया जाना चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर वह भी अपनी बात रख सके। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चौधरी द्वारा किया गया एवं डॉ. सीता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस मौके पर डॉ. नीरजा सिंह , डॉ. दीपांकुर जोशी, प्रो. ए. के नवीन, डॉ. भाग्यश्री, विनीता पंत, डॉ. नमिता वर्मा, डॉ. रुचि तिवारी, डॉ. प्रभा ढ़ोंधियाल, श्रीमती प्रज्ञा दुबे, डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी, डॉ. कल्पना लखेड़ा, श्री राजेश आर्य आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस की शुरुआत सभी अतिथियो को पुष्प गुच्छ देकर की गई। द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रो. इला साह ने की। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. रेनू प्रकाश ने सभी अतिथिगणों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। डॉ. रूचि तिवारी ने आतंरिक शिकायत समिति के अंतर्गत बने महिला प्रकोष्ठ के विषय में बताते हुए इसके उद्देश्यों, कार्यशैली तथा प्रकोष्ठ हेतु बनाई गई ईमेल आई डी (femalecounsellingcelluou@gmail-com) को बताया। सारस्वत अथिति श्रीमती कनक चंद ने व्याख्यान में नारी के देवी व शक्ति स्वरुप को दर्शाते हुए बताया की वे अपने आचरण को भी बनाये रखें। उन्होंने कार्यस्थल पर होने वाले उत्पीड़न से बचने हेतु सुझाव दिये और कहा की खुलकर सामने आना जरूरी है तथा पुरुषो के लिये भी इस प्रकार की गोष्ठी का आयोजन आवश्यक है। सत्र में प्रो. आराधना शुक्ला, प्रो. इला साह व श्रीमती कनक चंद जी की अध्यक्षता में मुक्त परामर्श सत्र भी रखा गया जिसमें उपस्थित प्रतिभागियों में अपने प्रश्नों को रखा एवं परामर्शदाताओ ने उनकी शंकाओ को दूर किया।

समापन सत्र के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. ओ. पी. एस. नेगी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम में कार्यस्थल उत्पीड़न के राजनीतिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, विधिक सभी पहलुओं की चर्चा की गई। उन्होंने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र शुरू किए जाने की घोषणा की जिसकी समन्वयक प्रो. रेनू प्रकाश रहेंगी। विशिष्ट अतिथि प्रो.इला साह ने उत्पीड़न के सामाजिक पक्ष को प्रस्तुत करते हुए कहा कि उत्पीड़न समाज में पूर्व से ही होता आ रहा है। महिला हो या पुरुष दोनों ही इसके शिकार होते हैं। उन्होंने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि महिला क्यों शिकायत करने से कतराती है तथा केवल कानून बनाने या शिकायत समिति बनाने से कुछ नहीं होगा इसके लिए समय–समय पर सभाओं का आयोजन, इसके सदस्यों को मानदेय देने तथा दोनों पक्षों को सुने जाने की बात की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अमिता लोहनी ने कहा कि गांव में जाकर महिलाओं को जागरूक करने की आवश्यकता है क्योंकि अभी भी गांवों में महिलाओं में कानून के प्रति जागरूकता की बहुत कमी है तो इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार आदि का आयोजन किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इस सत्र की संचालक डॉ. ज्योति रानी रही तथा धन्यवाद ज्ञापन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर पी. डी. पंत द्वारा दिया गया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन दिनांक २७ मई को किया गया। जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय प्रोफ़ेसर ओ.पी.एस.नेगी जी ने किया है द्य मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. शिवकुमार जी, राष्ट्रीय मंत्री विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान नई दिल्ली का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में कुलपति सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी प्रोफ़ेसर हरेराम त्रिपाठी जी मार्गदर्शन किये है। सारस्वत अतिथि के रूप में काशी विद्वत परिषद के संगठन मंत्री प्रोफ़ेसर विनय कुमार पाण्डेय जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। माननीय अध्यक्ष जी की अनुमति से संचालित कार्यक्रम में मंगला चरण का पाठ डॉ प्रमोद जोशी असिस्टेंट प्रोफ़ेसर ज्योतिष विभाग ने किया। मंच संचालन कार्यक्रम सहसंयोजक डॉ. सुनील त्रिपाठी असिस्टेंट प्रोफ़ेसर ज्योतिष विभाग ने किया है। कार्यक्रम में विषय स्थापना श्रीमती अरुषी, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर राजनीति विज्ञान विभाग ने किया है। स्वागत भाषण और अतिथि परिचय कार्यक्रम संयोजक डॉ.सूर्यभान सिंह असिस्टेंट प्रोफ़ेसर राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा किया गया। सम्मानित अतिथियों प्रतिभागियों व अन्य सभी का धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफ़ेसर पी.डी. पन्त जी ने किया है।

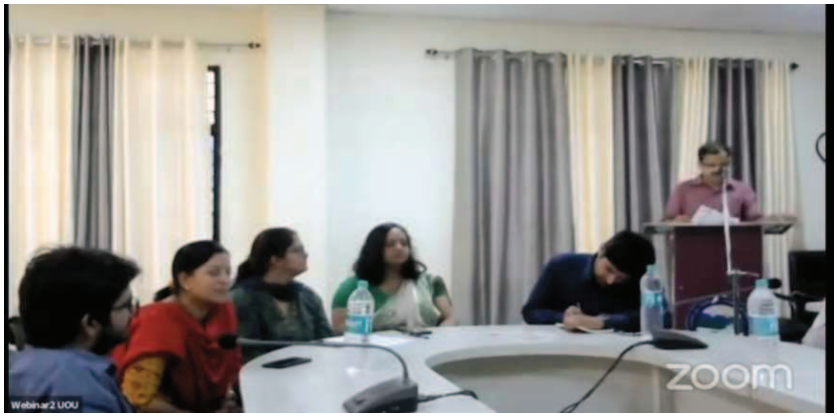

सारस्वत अतिथि प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय

सारस्वत अतिथि प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय ने मार्गदर्शन करते हुए कहा यह विषय शास्वत है। जिसकी परिभाषा देशकाल और राजसत्ता के अनुसार परिवर्तित होती है। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो भारत विश्व गुरु रहा है विश्व हमारी तरफ देखता था परंतु कालक्रम में भारत की स्थिति में बदलाव आया है, वर्तमान में पुनः ग्रहों की अनुकूलता है, पुनः

भारत के सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना और उनके संवर्धन का कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है।

इसके साथ ही शिक्षा के सरोकार राष्ट्रीय हो जो वैश्विक प्रकृति का हो इस पर भी देश में कार्य किया जा रहा है। क्योंकि भारत की समृद्धि के माध्यम से विश्व के कल्याण की चिन्तन भारत रखता है। इसलिए भारत की शिक्षा की आवश्यकता, पाश्चात्य शिक्षा की आवश्यकता और जरूरतों से भिन्न है। इस प्रकार से प्रोफेसर पांडे भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा के आधार पर भारत की शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्र से संबंध करते हुए इस गोष्ठी में अपना मार्गदर्शन करते हैं।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हरेराम त्रिपाठी

प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि देश का उत्थान संभव है जिसकी सामाजिक आर्थिक और संवैधानिक स्थिति सुदृढ़ हो द्यपरंतु यह स्थिति सुदृढ़ कैसे हो इस पर भी प्रोफेसर त्रिपाठी मार्गदर्शन करते हैं। इसके साथ ही वह कहते हैं कि शिक्षा वही जो राष्ट्र को समृद्ध करे। शिक्षा वही जो संस्कृति का संवर्धन करें। संवर्धन किस आधार पर संवर्धन राष्ट्र के आधार पर, संवर्धन राष्ट्रीय मूल्यों के आधार पर, वह मूल जो भारतीय प्राचीन परंपरा से आज भी जीवंत है उनको बढ़ाना है क्योंकि यह मानवीय मूल्यों से संबंधित है। इस प्रकार से प्रोफेसर हरेराम जी शिक्षा को राष्ट्रीय, और सांस्कृतिक संबद्धता के परिप्रेक्ष्य में हम सभी का मार्गदर्शन करते हैं।

मार्गदर्शन करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. शिव कुमार जी

डॉ शिवकुमार जी अपनी बात रखते हुए कहा कि शिक्षा क्या है? शिक्षा चाकरी का माध्यम है क्या?या वेदांग का अंग हैद्य इस कारण महत्वपूर्ण है द्य यह जीवन दृष्टि का निर्माण करता है या उससे निर्मित संस्कारों का अनुपालन करने के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

विष्णु पुराण के अनुसार विद्या मोक्ष का तरीका नहीं सिखाती तो विद्या नहीं है वही स्किल डेवलपमेंट, परंतु जो संदर्भ है राष्ट्रीय सरोकार उस पर विचार करते हुए कुछ बातों का विशेष उल्लेख किया है जिसमें उन्होंने कहा कि भारत की जो शिक्षा है वह भारत को किस दृष्टि से स्वीकार करती है। यह नेशन इन मेकिंग का भाव है। हम सभी राष्ट्र है, नहीं हैं या राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में चल रहे हैं। संविधान के प्रारंभ में ही इंडिया दैट इज भारत कहा गया है। क्या इस दृष्टिकोण को स्वीकार करती है हमारी शिक्षा। वास्तव में हम शिक्षा के माध्यम से किस प्रकार के राष्ट्र की कल्पना करते हैं? क्या है यह राष्ट्र? अगर उस राष्ट्र के संदर्भ में विवेचन करेंगे तो हमारी पुरातन लाखों वर्षों से बनी हुई जो सांस्कृतिक विरासत है उसका प्रतिनिधित्व करती है क्या यह शिक्षा? यह शिक्षा जो हमारी सांस्कृतिक पहचान है उस को मजबूत करती है। हमारे विद्यार्थियों में जो जिज्ञासु हैं शिक्षा का ज्ञान प्राप्त करते हैं क्या उन्हें उस दिशा में ले जाती है? हमारे यहां वाक्य बोले जाते हैं अनेकता में एकता और एकता में अनेकता।

इस प्रकार श्रीमान डॉ शिवकुमार जी ने भारतीय परंपरा संस्कृति का मार्गदर्शन किया तथा यह बताया है कि भारत की शिक्षा संस्कृति मानवीयता संवेदनशीलता और वसुधैव कुटुंब के लिए है।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए माननीय कुलपति प्रो. ओ.पी.एस.नेगी जी

कार्यक्रम अध्यक्ष उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर ओ.पी.एस. नेगी जी सभी अतिथियों का स्वागत वंदन अभिनंदन करते हुए अपनी बात करते है। आप कहा कि भारतीय शिक्षा संस्कृति और विज्ञानकिस प्रकार से राष्ट्र से संबंध हैद्य राष्ट्रीय सरोकारों से संबंध है। इसी क्रम में आपने कहा किस प्रकार से मुक्त और दूरस्थ शिक्षा पद्धति व्यक्ति निर्माण करते हुए, वंचित को भी उच्च शिक्षा का अवसर प्रदान करते हुए, राष्ट्र की मुख्यधारा में उनको जुड़ने का अवसर प्रदान करते हुए, राष्ट्रीय सरोकार से संबद्ध है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा सभी को शिक्षा देने की आवश्यकता की पूर्ति करने का कार्य कर रही है। इस संदर्भ में भी माननीय मार्गदर्शन किया है साथ ही उन्होंने बताया है कि किस प्रकार से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ स्थानों पर शिक्षा को पहुंचाने के लिए आधुनिक अद्यतन तकनीक का प्रयोग करते हुए वंचित को भी शिक्षा का अवसर देकर अपने योगदान से राष्ट्र को समृद्ध कर रहा है।

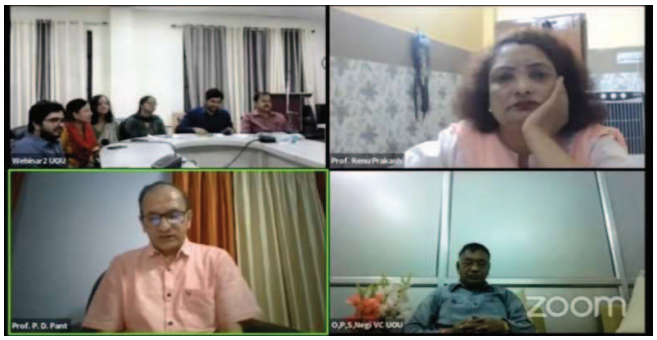

कार्यक्रम के अंतिम चरण में कुलसचिव पीडी पंत जी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, तकनीकी सहयोगी, मीडिया के साथी तथा आयोजन समिति का धन्यवाद ज्ञापन कियाद्य अंततः कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की अनुमति से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 'कम्यूनिटी रेडियों' में प्रसारित माह मई में प्रसारित प्रमुख कार्यक्रम

- **पिरुल प्लांट लगने से कम हुई जंगल की आग- अनिरुद्ध जड़ेजा (जीवन मांगल्य ट्रस्ट, रामगढ़)**
  गर्मी का मौसम शुरु होते ही पहाड़ से जो खबरें आ रही हैं वह बहुत चिंतित करने वाली हैं, कई हैक्टेअर जंगल आग के हवाले हो चुके हैं। आज पहले एपिसोड में बात रख रहे हैं अनिरुद्ध जड़ेजा जी जो कि रामगढ़ में जीवन मांगल्य ट्रस्ट के बहाने बहुत बेहतरीन काम कर रहे हैं। कई सारे पिरुल प्लांट्स उन्होंन पहाड़ में स्थापित किये हैं अवनि संस्था के साथ मिलकर। सर्वोदय आंदोलन से जुड़े हुए सामाजिक कार्यकर्ता है। विस्तार से सुनते हैं उनकी बात

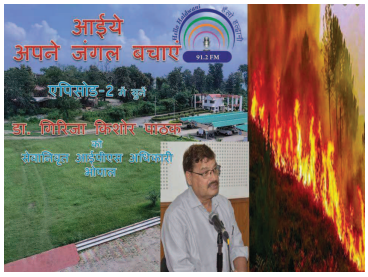

- **आग से जंगल बचाने को कम्युनिटी फॉरेस्टिंग बहुत जरूरी - डा. गिरिजा किशोर पाठक (पूर्व डीआईजी, भोपाल)** उत्तराखंड का जंगल या तो व्यापारियों की भेंट चढ़ गया या आग की। चिपको जैसे आंदोलन होने के बावजूद भी जंगलों का दोहन बदस्तूर जारी है। आग से अपने जंगलों को बचाने के लिए ग्राम पंचायतों को एलर्ट करना होगा। कम्युनिटी फॉरेस्टिंग बहुत जरूरी है। बहुत विस्तार के साथ सुनते हैं भोपाल से डा. गिरिजा किशोर जी

को आईये अपने जंगल बचाएं श्रृंखला के दूसरे एपिसोड में रेडियो जर्नलिस्ट सुनीता भास्कर के साथ में।

- **फायर लाइन कंट्रोल भी जंगल की आग बुझाने में बहुत कारगर नहीं- दीप चन्द्र आर्य (वन संरक्षक)**
  उत्तराखंड में 85 फीसद पर्वतीय क्षेत्र है. 1300 से 2000 मीटर तक की ऊंचाई का क्षेत्र चीड़ का है जो कि आग के लिए बेहद संवेदनशील है उत्तराखंड में 16 फीसद एरिया चीड़ के जंगलों का है.पशुपालक समाज अपने पशुओं के चारे की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन जंगलों में आग लगाते हैं और तापमान में वृद्धि होने के चलते आग आउट ऑफ कंट्रोल हो जाती है। ये कहना है वन संरक्षक दीप चन्द्र आर्या जी का। आईये अपने जंगल बचाएं श्रृंखला का ये तीसरा एपिसोड है। बहुत विस्तार के साथ सुनते हैं कि वन विभाग की क्या तैयारियां है फायर सीजन को लेकर रेडियो जर्नलिस्ट सुनीता भास्कर के साथ में वन संरक्षक दीप चन्द्र आर्या जी की जुबानी आपके अपने रेडियो हैलो हल्द्वानी में।

- **लोगों की प्रतिबद्धताएं बदलना है जंगल की आग की वजह- भुवन पाठक (सामाजिक कार्यकर्ता)**
  जंगल हमेशा आग फैलाने वाली चीजों को ही पैदा करते हैं लेकिन मनुष्यों का, पशुओं का हस्तक्षेप जंगलों में बारहमास बना रहता था लिहाजा चारा पत्ती, जलावन की लक़ड़ी, बिछावन की पत्तियां व पिरुल जंगल से जाते रहते थे। पिछले तीस साल से पहाड़ों में आजीविका के सवालों पर जल,जंगल, जमीन व तालाबों पर काम कर रहे हैं। आज जंगल के आग के कारणों पर कारकों पर और उपायों पर बता रहे हैं आईये विस्तार से सुनते हैं ये बातचीत।

- **पंचायती राज दिवस पर विशेष-** पंचायती राज व्यवस्था को लागू करने का श्रेय लार्ड रिपन को जाता है बहुत लंबी है पंचायतों की विकास यात्रा। आज पंचायतों को कुशल व संवेदनशील होने की जरूरत है। ये कहना है शुभांकर शुक्ला का जो कि उत्तराखंड मुक्त विवि के लोक प्रशासन विभाग में असिसटेंट प्रोफेसर हैं। बहुत विस्तार से पंचायती राज व्यवस्था की इस विकास यात्रा को जानते हैं शुभांकर शुक्ला के साथ

- **कोविड़ के बाद कितना पटरी पर लौटा पर्यटन -**उत्तराखंड की धरोहरें,यहां का भूगोल और संस्कृति पर आपका अपना रेडियो हैलो हल्द्वानी एक श्रृंखला शुरु कर रहा है, पर्यटन का मौसम शुरु हो चुका है। उत्तराखंड में कितनी तरह के पर्यटन की संभावनाएं हैं.किस तरह से टूरिज्म को यहां बढ़ावा दिया जा सकता है। होम स्टे के क्षेत्र में कितना काम हो रहा है विस्तार से जानेंगे इस श्रृंखला में। आज पहले एपिसोड में सुनते हैं कि कोविड के बाद अब जब हालात कुछ पटरी पर आए हैं तो ऐसे में पर्यटन उद्योग भी क्या पटरी पर आ गया है क्या हाल हैं इस वक्त पर्यटन उद्योग के विस्तार से बता रहे हैं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के टूरिज्म विभाग में असिसटेंट प्रोफेसर डा. अखिलेश सिंह।

- **नैब ने बदल दी ब्लाइंड बच्चों की जिंदगियां-** पहाड़ के गांवों में उपेक्षित दृष्टिबाधित बच्चों को नैब मिला तो उनकी जिंदगी ही बदल गई। आज इन दो एजुकेटर की जीवन अनुभव सुनते हैं आपके अपने रेडियो हैलो हल्द्वानी में रेडियो जर्नलिस्ट सुनीता भास्कर के साथ में

- **महिलाओं को लेकर संजीदा है आयोग- कुसुम कंडवाल (अध्यक्ष महिला आयोग)**
  –राज्य के बड़े शहरों में बने स्पा सेंटर्स में बड़े पैमाने पर पहाड़ से महिला तस्करी कर लड़कियों को लाया जा रहा है महिला आयोग इसे लेकर बेहद संजीदा है और जल्द ही स्पा सेंटर्स को लेकर कड़े नियम लागू करने वाला है ये कहना है राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल का। कुसुम कंडवाल जी कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न को लेकर दो दिवसीय सेमिनार में शिरकत करने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय आई थी। विस्तार से

सुनते हैं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल को रेडियो जर्नलिस्ट सुनीता भास्कर के साथ में आपके अपने रेडियो हैलो हल्द्वानी में।

- **महिला कानूनों पर बात** महिलाओं के लिए बने तमाम कानून कितने कारगर हुए हैं महिला हिंसा व उत्पीड़न को रोकने में इस पर बता रही हैं हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट प्रभा नैथानी। विस्तार से सुनते हैं ये बातचीत, उत्तराखंड मुक्त विवि के राजनीति विज्ञान विभाग में असिसटेंट प्रोफेसर डा. लता जोशी, संस्कृत में असिसटेंट प्रोफेसर प्रज्ञा दूबे व रेडियो जर्नलिस्ट सुनीता भास्कर के साथ में।

- **सुदूर पहाड़ों तक आयोग की पहुंच हो- अमिता लोहनी आयोग उपाध्यक्ष** - सुदूर मुनस्यारी जैसे गांवों में जाकर महिलाओं के कैंप लगाए कानूनी जानकारी दी उन्हें सशक्त किया ये कहना है महिला आयोग की पूर्व कुमांऊ उपाध्यक्ष अमिता लोहनी का। बहुत विस्तार से उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल में उन्होंने अस्पतालों में, बस स्टेशनों में महिला आयोग की फ्लैक्सी व स्टिकर लगाए ताकि महिलाओं को पता चल सके कि उनके समस्याओं को सुनने वाला भी कोई है। उन्होंने बताया कि नारी निकेतन व जेल में महिलाओं की स्थिति पर भी नजर रखते थे और उनके लिए रोजगार के लिए भी प्रयास किये। बहुत विस्तार से सुनते हैं अमिता लोहनी जी को जो कि इस वक्त मानवाधिकार परिषद की अध्यक्ष हैं।

- सामुदायिक रेडियो: एक परिचय सामुदायिक रेडियो एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें कि आम-जनमानस का रेडियो उनके ही द्वारा उनके लिए चलता है। रेडियो के इस प्रारूप के बारे विस्तृत रूप से आप तक जानकरी लेकर आ रहे हैं उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा विभाग से डॉ० गोपाल दत्त।

"हिन्दी पत्रकारिता का वर्तमान स्वरूप और डिजिटल मीडिया" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

30 मई, 2022 को हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (एन यू जे) के संयुक्त तत्वाधान में "हिन्दी पत्रकारिता का वर्तमान स्वरूप और डिजिटल मीडिया" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मीडिया अकादमिक क्षेत्र से जुड़े कई हस्तियों ने वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, बी एच यू के पूर्व निदेशक व वर्तमान में भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) के सदस्य प्रो0 बी0 आर0 गुप्त और भारतीय जनसंचार संस्थान (आई आई एमसी) नई दिल्ली के डीन अकादमिक प्रो0 गोविन्द सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। वेबिनार में देश के कई जगहों से मीडिया के छात्र भी वेबिनार में जुड़े थे।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रमुख दैनिक समाचार अमर उजाला के 'उजाला सिग्नेस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल' द्वारा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करने के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सभागार में 12 मई 2022 को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें एम्स दिल्ली से आये कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. शलभ अरोरा व डा. रूपेश कुमार व अन्य विशेषज्ञों ने इस गंभीर बीमारी को लेकर पीपीटी के माध्यम से विस्तृत रूप से जानकारी दी। साथ ही इससे बचाव के अनेक उपाय भी बताये। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या सदस्यों ने भागीदारी की और जानकारी का लाभ उठाया। इस दौरान 'उजाला सिग्नेस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल' के चिकित्सकों ने यह भी कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कर्मियों को उनका अस्पताल इलाज में विशेष इयायत देगा।

परीक्षा

- शीतकालीन सत्र (दिसम्बर–2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं से संबंधित टेबुलेशन का कार्य गतिमान है। तद्दिनांक तक जारी परीक्षाफलों की सूची ई–मेल से प्रेषित की जा रही है। शेष परीक्षाफल में कार्यगतिमान है।

- दिनांक 10 मई 2022 से 13 मई 2022 से पीएच0डी0 कोर्स वर्क की परीक्षा सम्पन्न कराई गई जिसमें वि0वि0 स्तर से परीक्षा केन्द्रों में निरीक्षण हेतु पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई। परीक्षाफल से संबंधित मूल्यांकन व टेबुलेशन कार्य गतिमान है।
- दिनांक 15 मई 2022 को पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा दो परीक्षा केन्द्र एम0बी0पी0जी0का0, हल्द्वानी व श्री गुरू राम राय पी0जी0का0, देहरादून में सम्पन्न कराई गई। जिसमें लगभग 505 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए है। परीक्षा की उत्तरकुंजी वि0वि0 की वैबसाइट में जारी की जा चुकी है।
- ग्रीष्मकालीन परीक्षा सत्र जुलाई 2022 हेतु बैक परीक्षा, सुधार परीक्षा, बैक सत्रीय कार्य व परीक्षा केन्द्र परिवर्तन आवेदन तिथि दिनांक 20 मई 2022 से 15 जून 2022 तक निर्धारित की गई है। तद्दिनांक तक बैक परीक्षा के लिए 759, सुधार परीक्षा के लिए 13 व बैक सत्रीय कार्य के लिए 935 परीक्षार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जा चुका है।
- मई माह में वि0वि0 की परीक्षा से संबंधित परीक्षा कार्य में संलग्न कार्मिकों एवं परीक्षा कन्द्रों से संबंधित कुल 65 बिल जांच उपरांत भुगतान एवं समायोजन हेतु वित्त अनुभाग को प्रेषित किये जा चुके है। अप्राप्त बिलों के संबंध में वि0वि0 कार्मिकों व परीक्षा केन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ई–मेल से सूचना प्रेषित की गई है।
- मई माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 403 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस, 2022

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के योग विभाग द्वारा 15 जून से 21 जून 2022 तक एक साप्ताहिक योग कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम के प्रथम दिन सामान्य योगाभ्यास कराया गया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 20 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया स कार्यक्रम का शुभारंभ स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो.आर.सी. मिश्र द्वारा किया गया स कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो.आर.सी. मिश्र द्वारा लेखन क्षमता के विकास हेतु निबंध की उपयोगिता, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में निबंध लिखने की कला शैली पर चर्चा की गईस निबंध प्रतियोगिता में योग एवं मानसिक स्वास्थ्य, भगवत गीता में योग का स्वरूप, वर्तमान परिदृश्य में यम एवं नियम की भूमिका तथा आत्मविश्वास के अध्ययन में ध्यान की भूमिका आदि विषयों पर प्रतिभागियों द्वारा निबंध लिखे गये।

कार्यक्रम के तीसरे दिन पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 22 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया स प्रतिभागियों ने योग से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर तैयार किये गये।

कार्यक्रम के चौथे दिन योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 34 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया स प्रतिभागियों ने अनिवार्य आसनों में सूर्यनमस्कार, पश्चिमोत्तान–आसन, हलासन, भुजंगासन, उष्ट्रासन तथा उच्च स्तरीय आसनों में धनुरासन शलभासन, पद्मवकासन, मयूरासन,चक्रासन नटराजआसन, राजकपोत आसन, हनुमानासन भूनमन आसन आदि किये स कार्यक्रम का शुभारंभ स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो.आर.सी. मिश्र द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के पांचवे दिन योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 20 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया स योग प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एवं पीएचडी प्रवेश परीक्षा हेतु तैयार करना है

कार्यक्रम के छटे दिन अर्थात अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व सांध्य पर एक राष्ट्रीय वेबिनार (ऑनलाइन) 'वर्तमान परिदृश्य में योग की भूमिका' नामक विषय पर किया गया। तथा इस बेबिनर में लगभग 260 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के सातवे दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस– आयुष मंत्रालय भारत सरकार के कॉमन प्रोटोकॉल के अनुसार विश्वविद्यालय परिसर में मनाया गया जिसमें माननीय कुलसचिव प्रोफेसर पी. डी. पंत द्वारा

कार्यक्रम का उद्‌बोधन किया गया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरसी मिश्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ष्मानवता के लिए योगष पर अपने विचार रखे गए स योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ भानु प्रकाश जोशी द्वारा एक साप्ताहिक योग कार्यक्रम (15 जून से 21 जून 2022) की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

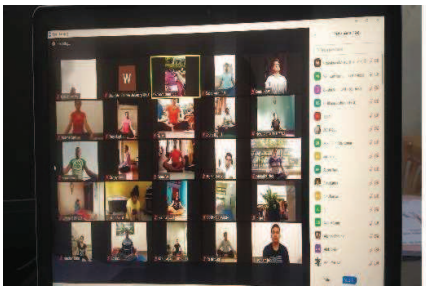
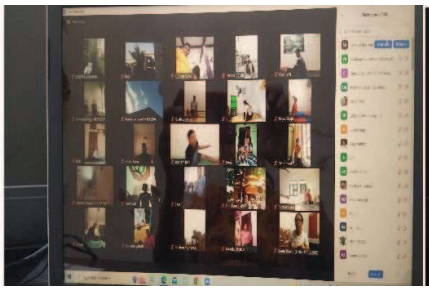
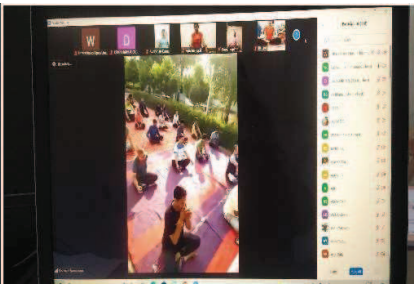

साप्ताहिक योग कार्यक्रम की निबंध प्रतियोगिता में तृतीय स्थान कल्पना पांडे, द्वितीय स्थान धीरज जोशी तथा ममता द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया।

साप्ताहिक योग कार्यक्रम की पोस्टर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हर्षिता नेगी, द्वितीय स्थान विशाखा तिवारी तथा ज्योति राणा द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया।

साप्ताहिक योग कार्यक्रम की योगासन प्रतियोगिता में दीपक पांडे ने तृतीय स्थान, कल्पना पांडे ने द्वितीय स्थान तथा हिमांशु परगाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

साप्ताहिक योग कार्यक्रम की योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रजनी आर्या और परीमुक्ता ने तृतीय स्थान, हिना चुफाल ने द्वितीय स्थान तथा मीरा डसीला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में आए कम आयु वर्ग के प्रतिभागियों में ग्रेनिया लीन कौर जोहाना लीन कौर, वंशिका जोशी, मैत्री पांडे,जिया गोस्वामी, चौतन्य धोनी,प्रियल बर्गली को प्रोत्साहन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस 2022

विश्व पर्यावरण दिवस 2022 के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय हल्द्वानी में विश्वविद्यालय के पर्यावरण एवं भू विज्ञान विद्याशाखा के वानिकी एवं पर्यावरण विजान विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस उपलक्ष्य पर सर्वप्रथम विश्वविद्यालय परिसर में प्रातः वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न औषधीय एवं उपयोगी पौध प्रजातियां जैसे नीम, आंवला, बहेरा, हरड़, पारिजात, जामुन इत्यादि का पौधारोपण किया गया। इस उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी, विद्याशाखा निदेशक प्रोफेसर पी. डी. पंत, वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के डा. एच. सी. जोशी, डा. बीना तिवारी फुलारा, डा. कृष्ण कुमार टम्टा सहायक सेत्रीय निदेशक ब्रजेश बनकोटी, अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में विभाग द्वारा ऑनलाईन राष्ट्रीय संगोष्ठी (वेबिनार) का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय 'मात्र एक धरती' (Only One Earth) जो कि इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस के लिए यू.एन. द्वारा घोषित मुख्य थीम है।

संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम समन्वयक एच. सी. जोशी जी द्वारा कार्यक्रम की संपूर्ण रूप रेखा का विवरण दिया गया तत्पश्चात निर्देशक महोदय प्रोफेसर पीडी पर द्वारा सभी आगंतुकों एवं मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा गया कि पर्यावरण का संरक्षण हम सभी की मौलिक जिम्मेदारी है मुख्यअतिथि के रूप में प्रोफेसर वीर सिंह, इमिरिटस प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर, कहा कि सभी बीमारियों की जड़ हमारा बोनसाई दिमाग है अर्थात अगर दिमाग बहुत छोटा है या सोच अगर बहुत छोटी है तो उसी के कारण सभी परेशानियां उत्पन्न होती है यदि दिमाग को बोन्साई ना बनने दें तो वह बहुत ही अधिक उन्नति कर सकता है. हमारी धरती इसी दिमाग की ही उपज है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रोफेसर आर. सी. मिश्र, निदेशक अकादमिक एवं निदेशक प्रबंध एवं वाणिज्य विद्याशाखा ने करते हुए कहा की हम ही अपने वातावरण को बचा सकते हैं उन्हें प्रोफेसर वीर सिंह जी द्वारा कही बात की विशेष सराहना करते हुए कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की धारणा ही सभी परेशानियों को समाप्त करने का मुख्य तरीका है यदि हम अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप दुनिया से ले तो दुनिया आगे बढ़ते रहे और हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को बहुत कुछ दे सकते हैं कार्यक्रम का संचालन डा. बीना तिवारी फुलारा के द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन बानी वानिकी विज्ञान विभाग के डा. कृष्ण कुमार टम्टा के द्वारा किया गया

पर्यावरण दिवस पर देवभूमि जन सेवा समिति, हल्द्वानी में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, समाज कार्य विभाग द्वारा प्रतिभाग

पर्यावरण दिवस पर देवभूमि जन सेवा समिति, हल्द्वानी में समाज कार्य विभाग द्वारा प्रतिभाग किया गया। देव भूमि एकेडमी में वृक्षा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से डॉ. नीरजा सिंह रही। डॉ. सिंह द्वारा पर्यावण के संरक्षण पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यू ओ यू के द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों की जानकारी भी दी गई।

महिला सशक्तिकरण पर जानकारी दी गई।। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की भवानी बिष्ट, कविता जोशी बीना जोशी पूर्णिमा गुरूरानी उमा जोशी उपस्थित रहे। देव भूमि एकेडमी के समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा फिक्की फ्लो उत्तराखंड के साथ शिक्षार्थियों के लिए विभिन्न विषयों पर ऑनलाईन ट्रेनिंग हेतु करार किया गया | जिसमें वर्त्तमान में 20 शिक्षार्थियों को दिन्नांक 5 जुलाई 2022 से ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी | इस ट्रेनिंग को स्वरोजगार, डिजिटल लिटरेसी इत्यादि से जोड़ा गया है |

इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा ऑन ट्रस्ट जो कि काशीपुर में स्थित है उसके साथ समाज कार्य विभाग का करार हुआ है जिसमें किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता एवं महत्वपूर्ण दिनों में स्वयं की देखभाल पर परामर्श प्रदान किया गया |

भारतीय शिक्षा समागम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर कार्यान्वयन विमर्श में प्रतिभाग

दिनांक 7–9 जूलाई, 2022 तक अखिल भारतीय शिक्षा समागम, वाराणसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर कार्यान्वयन विमर्श में कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, योगी आदित्यनाथ तथा माननीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो0 ओ. पी. एस. नेगी का पुन: कार्यभार ग्रहण

माननीय श्री राज्यपाल उत्तराखण्ड एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के आदेश संख्या-1433(1)/जी0एस0/शिक्षा/C7-12(1)/2017 दिनांक 20 जुलाई, 2022 के अनुपालन में प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा दिनांक 25 जुलाई, 2022 को पूर्वान्ह में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया गया।

हरेला पर्व के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किये गये पौधारोपण कार्यक्रम

- **उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम**

दिनांक 16 जुलाई 2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। वृक्षारोपण फलदार तथा नीम के पौधों का किया गया। वृक्षारोपण करते हुए कुलसचिव, प्रोफेसर पी0डी0 पंत ने कहा कि हरेला हमारी संस्कृति, परम्परावों से जुड़ा एक बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है। वर्तमान में जहां हमारी पहाड़ की संस्कृति को संजोने और सरंक्षित करने में इसका बड़ा योगदान हो सकता है, वहीं आज के समय में बिगड़ते पर्यावरण संतुलन को बचाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय सहायक प्राध्यापक, डॉ0 हरीश जोशी, डॉ0 एस0एन0 ओझा, सहायक क्षेत्रीय निदेशक व गोविंद सिंह रावत एवं भरत नैनवाल आदि मौजूद रहे।

- **<u>विश्वविद्यालय के गोद लिए मोथरोवाला, देहरादून</u>**

दिनांक 16 जुलाई, 2022 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांव मोथरोवाला के राजकीय शिशु निकेतन एवं महालक्ष्मीपुरम कालोनी में आयोजित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में दोनों स्थानों में फलदार वृक्ष लगाये गए। इस अवसर पर मोथरोवाला पार्षद प्रतिनिधि के रूप में श्री ललित शर्मा, महालक्ष्मीपुरम कालोनी के महासचिव श्री कुलदीप जी एवं ग्राम मोथरोवाला की स्थानीय जनता ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सौजन्य से वृक्षारोपण कर हरेला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात एक बैठक का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर डॉ0 सुभाष रमोला, प्रभारी निदेशक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून ने कहा कि उत्तराखण्ड का लोकपर्व हरेला हरियाली का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर वृक्षारोपण के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि समाज के सर्वांगीण विकास के लिये पर्यावरण संरक्षण आवश्यक है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ0 भावना डोभाल ने बताया कि पेड़ों के बगैर जीवन नामुमकिन है व हमें पेड़ लगाकर उनके संरक्षण का भी संकल्प लेना होगा। कार्यक्रम का संचालन करने हुए नरेन्द्र जगूड़ी ने कहा कि हर किसी को वृक्षारोपण करते हुए प्राकृतिक सुन्दरता में अपना योगदान देना चाहिए।

इस कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि ललित शर्मा ने पर्यावरण के प्रति स्थानीय लोगों को जागरुक करते हुए सभी से एक–एक पेड़ प्रतिवर्ष लगाने का आहवान किया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के संदेश को राजकीय बालिका निकेतन की अधिक्षिका, महालक्ष्मीपुरम कालोनी के महासचिव श्री कुलदीप जी एवं ग्राम मोथरोवाला की जनता द्वारा बहुत सराहा गया एवं इस प्रकार के अन्य कार्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय से आग्रह किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के बृजमोहन सिंह खाती, अजय कुमार सिंह, सुनील नेगी, अरविन्द कोटियाल, चन्द्र बल्लभ पोखरियाल, राहुल देव, चेत बहादुर थापा, अभिषेक कुमार समेत मोथरोवाला से काफी संख्या में आये लोगों ने वृक्षारोपण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत गणराज्य का स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम यूजीसी एवं राज्य सरकार के दिशा निर्देश के अनुसार गणतंत्र दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस सम्बन्ध में माननीय कुलपति जी द्वारा समस्त कार्मिकों को अपने निवास स्थानों पर दिनाक 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराने की अपील की गई।

सर्वप्रथम प्रातः 8 बजे समस्त शिक्षकों एवं कार्मिकों द्वारा प्रभात फेरी में प्रतिभाग किया गया। तत्पश्चात् माननीय कुलपति जी द्वारा ध्वजारोहण कर विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव" कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव बसानी में विविध

कार्यक्रम आयोजित किये गये।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत "सृजन संसार– मन की बात कविता के साथ'' कार्यक्रम का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग एवं हिंदी विभाग द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत "सृजन संसार–मन की बात कविता के साथ'' कार्यक्रम का सफल आयोजन दिनांक 16/08/2022 मंगलवार को विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. रश्मि पंत, विशिष्ट अतिथियों के रूप में विश्वविद्यालय की फाइनेंस ऑफिसर श्रीमती आभा गर्खाल एवं मानविकी विद्या शाखा की निदेशक प्रोफ. रेनू प्रकाश उपस्थित रहीं।

मनोविज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ. सीता एवं हिंदी विभाग समन्वयक डॉ.राजेंद्र कैड़ा द्वारा सभी आगंतुकों का स्वागत कर नव नियुक्त कुलसचिव डॉ. रश्मि पंत का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने किया और सिलसिला शुरू हुआ मन की बात कविता के साथ कहने का, जिसमें सबसे पहले डॉ. रूचि तिवारी ने अपनी कविता प्रस्तुत की, तत्पश्चात विश्वविद्यालय की फाइनेंस ऑफिसर श्रीमती आभा गर्खाल ने अपनी दो सुन्दर कविताओं से मंच की शोभा बढ़ाई जहाँ एक तरफ उन्होंने कविता के माध्यम से एक माँ ने नज़रिये से बेटे को रखा वही दूसरी तरफ माँ पर एक सुन्दर कविता भी सुनाई। शुभांकर शुक्ला ने अपनी कविता के माध्यम से राजनीति के पहलुओं को छुआ तो अमित जोशी ने मायाजाल पर कविता सुनाई।

कार्यक्रम आगे बढ़ा तो डॉ. भाग्यश्री जोशी डॉ. सुधांशु वर्मा डॉ अफ़ज़ल हुसैन और शहपर शरीफ़ ने गज़लों और अशआर सुना कर समा बाँधा तो वहीं विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. रश्मि पंत की कविता श्एक रोज़ तू निखरेगाष ने सबका मन मोह लिया।

डॉ0 ममता और डॉ राजेंद्र कैडा की कविताओं रामगंगा और 'मिलना तुम मुझे वहां' को सुन सभी श्रोता आनंदित हो गये। तत्पश्चात सोमेश पाठक ने डाइलेमा और नागेंद्र सिंह गंगोला ने दिसंबर विषय पर बहुत खूबसूरत कविताओं का वाचन किया। जीवन का यथार्थ मृत्यु है, और बनारस का मणिकर्णीका घाट उस यथार्थ का द्योतक तो उसी मणिकर्णीका घाट पर अपनी सुन्दर कविता से कुमार मंगलम ने और आज़ादी पर खूबसूरत गीत सुना कर विनीता पंत ने सबको प्रसन्न कर दिया।इसके अलावा श्रीमती नीता ने आज़ादी,और प्रीती शर्मा ने भी खुशी एवं तन्हाई पर

अपने मन की बात कविता के साथ रखी ।

अंत में मनोविज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ. सीता ने कार्यक्रम के सफल आयोजन और सुन्दर कविता वाचन के लिये सबका आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

विश्वविद्यालय में नवीन कुलसचिव द्वारा कार्यभार ग्रहण

उत्तराखण्ड शासन के उच्च शिक्षा अनुभाग के पत्र संख्या 550(1)/XXXIV-C-1/2022-01(30)/2012 दिनांक–08 अगस्त, 2022 को एम0बी0पी0जी0 राजकीय महाविद्यालय, हल्द्वानी में मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ0 रश्मि पंत विश्वविद्यालय के नये कुलसचिव के रूप में दिनांक– 10 अगस्त, 2022 को कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की ग्रीष्मकालीन परीक्षा सत्र जुलाई 2022 से संबंधित परीक्षाएं दिनांक 01 अगस्त से 09 अगस्त 2022 तक कुल 65 परीक्षा केन्द्रों में तीन पालियों में आयोजित की जा रही है। परीक्षाओं के सफल संचालन हेतु दो–दो सदस्यों की 19–20 औचक नरीक्षण टीमों द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2022 तक कार्य किया गया है एवं अन्य टीमों द्वारा कार्य किया जा रहा है।
- दिनांक 22 से 25 अगस्त तक दो–दो सदस्यों की 17 टीमें परीक्षा केन्द्रों में गोपनीय सामाग्री देने गई और दिनांक 20 अगस्त 2022 तक सम्पन्न परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाएं वि0वि0 लाने हेतु भेजी गई थी, प्राप्त उत्तरपुस्तिकाओं की प्रश्नपत्र संख्यानुसार छटनी व मूल्यांकन का कार्य गतिमान है।
- परीक्षा के आयोजन हेतु समय–समय पर परीक्षा केन्द्रों से सम्पर्क कर परीक्षा संचालन की सूचना प्राप्त/प्रदान की जा रही है।
- ग्रीष्मकालीन परीक्षा सत्र जुलाई 2022 की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं से संबंधित प्रयोगात्मक परीक्षा /मौखिक परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है।
- अगस्त माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 850 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।
- अगस्त माह में वि0वि0 की परीक्षा से संबंधित परीक्षा कार्य में संलग्न कार्मिकों एवं परीक्षा कन्द्रों से संबंधित कुल 30 बिल जांच उपरांत भुगतान एवं समायोजन हेतु वित्त अनुभाग

को प्रेषित किये जा चुके है। अप्राप्त बिलों के संबंध में वि0वि0 कार्मिकों व परीक्षा केन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ई–मेल से सूचना प्रेषित की गई है।

- अगस्त माह में पत्राचार, मेल व टेलिफोन के माध्यम से प्राप्त परीक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान,सत्यापन/ समान्य पत्राचार, आर0टी0आई0/नोटिस/शिकायती पत्र, सी0एम0 पोर्टल एवं अन्य महत्वपूर्ण पत्रावलियों पर कार्य किया गया/जा रहा है।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन सत्र 2022–23 में ऑनलाईन प्रवेश प्रकिया दिनांक 01 अगस्त, 2022 से यूजीसी के निर्देशानुसार प्रारंभ कर दी गई है।
- अब तक **कुल 18,095 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है।**
- प्रवेश की अंतिम तिथि दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 निर्धारित की गई है।

विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में विद्यार्थियों के प्रवेश की अद्यतन स्थिति निम्न है–

2022-23 Summer Region wise Students

Region	Total
Dehradun	5113
Roorkee	1895
Pauri	1576
Haldwani	4051
Uttarkashi	1590
Ranikhet	2358
Pithoragarh	877
Bageshwar	635
Total	18095

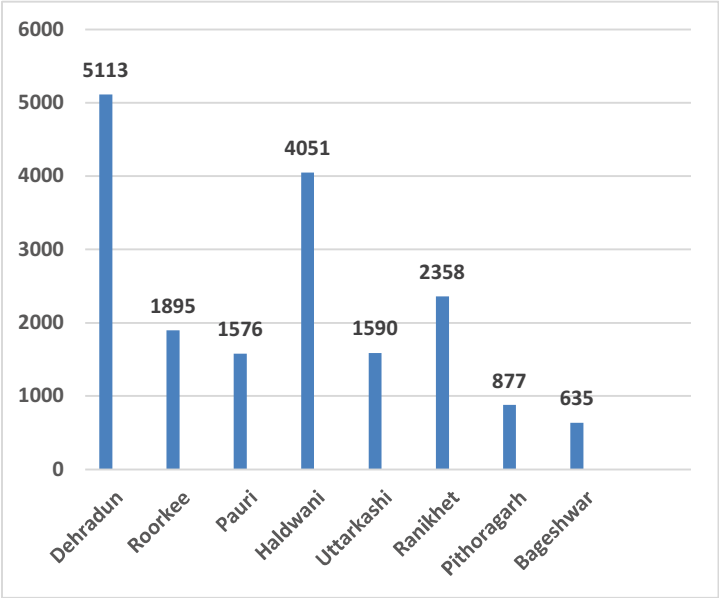

परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा कुलपति प्रो0 ओ0पी0एसस0 नेगी द्वारा निम्न परीक्षा केन्द्रों का औचकर निरीक्षण किया गया–

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 05/08/2022 को सरस्वती विद्या मंदिर, बाबुगढ़, विकासनगर का निरीक्षण।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 08/08/2022 को Sri Dev Suman Uttarakhand University, Pt. L.M.S Campus Rishikesh Uttarakhand का निरीक्षण।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 08/08/2022 को ओम्करानान्द इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट & टेक्नोलॉजी, ऋषिकेश का निरीक्षण।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 17/08/2022 को एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी का निरीक्षण।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 19/08/2022 को राजकीय महाविद्यालय, काशीपुर का निरीक्षण।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 21/08/2022 को एस0जी0आर0आर0 पीजी0 कॉलेज, देहरादून का निरीक्षण।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 23/08/2022 को स्वामी दर्शनानन्द इन्सटिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टैक्नोलोजी, हरिद्वार का निरीक्षण।

APPENDICES

Appendix- I (परिशिष्ट –I)
दीक्षान्त समारोह

Appendix- II (परिशिष्ट –II)

चांसलर मेडल 2021-22

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
अनिता जोशी	20237524	एम.एस.सी (वनस्पति विज्ञान)	84.6

स्नातक स्तरीय

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
सुमित कुमार	14048313	बी.ए.	71.7
अमनदीप थपलियाल	19168075	बी.ए. योग	71.3
प्रदीप गुप्ता	19195768	बी.कॉम	67.3
नितिका नौटियाल	19178585	बीएससी	72.1

स्नातकोत्तर स्तरीय

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
देव दत्त	20237385	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	75.3
मधुलिका राणा	20236726	एम.ए. (शिक्षाशास्त्र)	75.2
नेहा रावत	20215440	एम.ए. (अंग्रेजी)	83.4
पूजा रावत	20213800	एम.ए. (इतिहास)	80.6
दीपक	20221610	एम.ए. (हिन्दी)	82.2
शिवप्रकाश सिंह	20222809	एम.ए. (राजनीति विज्ञान)	84.3
मंजू	20224997	एम.ए. (मनोविज्ञान)	75.8
हर्षवर्धन वशिष्ठ	20226842	एम.ए. (संस्कृत)	81.9
समीक्षा नेगी	20237790	एम.ए. (समाज शास्त्र)	76.9
चित्रा	20233745	एम.ए. (योग)	81.5
ज्योतिका कौर	20234095	एमबीए	80.4
रश्मि धामी	17115466	एम. कॉम.	74.3
अनिता जोशी	20237524	एमएससी (वनस्पति विज्ञान)	84.6
अरित्रा वासु	20221887	एमएससी (रसायन)	72.7
गगन पाण्डेय	20225018	एमएससी (गणित)	78.8
शिखा रानी	20220122	एम.एसी (भौतिकी)	79.3
सॉम्या गर्ग	20218849	एम.एसी (जन्तु विज्ञान)	79.2
संगीता गर्ग	20212030	एम.एसी (जन्तु विज्ञान)	79.2
नमिता डबलिश	20211472	एमएसडब्ल्यू	74.7

लाला नन्द किशोर एजेन्सीज मेमोरीयल स्वर्ण पदक

स्नातक स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
रश्मि धामी	17115466	एमकॉम	74.3

श्रीमती शीला देवी पत्नी लाला ओमप्रकाश मेमोरीयल स्वर्ण पदक

स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
अनिता जोशी	20237524	एमएससी वनस्पति	84.6

लाला देवकी नन्दन नन्द किशोर मेमोरियल स्वर्ण पदक

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
नितिका नौटियाल	19178585	बीएससी	72.1

Appendix- III (परिशिष्ट –III)

कार्य परिषद

(Executive Council)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर श्रीकान्त मोहापात्र सम-कुलपति, IGNOU, नई दिल्ली	माननीय कुलपति जी द्वारा मनोनीत सदस्य
3.	प्रोफेसर डी0पी0 त्रिपाठी प्रोफेसर, वास्तुशास्त्र, श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	माननीय कुलपति जी द्वारा मनोनीत सदस्य
4.	डॉ. राकेश चन्द्र रस्तोगी अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, खटीमाफाइबर्स लिमिटेड, उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड	माननीय कुलपति जी द्वारा मनोनीत सदस्य
5.	श्री त्रिलोक सिंह चीमा प्रबन्ध निदेशक, चीमा पेपर्स लिमिटेड 9 किमी0 स्टोन, बाजपुर रोड, काशीपुर	माननीय कुलपति जी द्वारा मनोनीत सदस्य
6.	प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि	सदस्य
7.	कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि	सदस्य
8.	प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन निदेशक, विधि विद्याशाखा, उ0मु0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त निदेशक, भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा, उ0मु0वि0	सदस्य
10.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11.	डॉ. एम0एम0 जोशी सह प्राध्यापक, इतिहास, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
12.	डॉ. भानु प्रकाश जोशी, सहायक आचार्य, योग	सदस्य
13.	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- IV (परिशिष्ट –IV)
विद्या परिषद
(Academic Council)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,हल्द्वानी	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर डी0पी0 त्रिपाठी कुलपति, उ0सं0वि0वि0, हरिद्वार	सदस्य
3.	प्रोफेसर डी.एस.रावत, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
4.	प्रोफेसर एल0के0 सिंह प्रबन्ध अध्ययन विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय परिसर, भीमताल।	सदस्य
5.	प्रोफेसर नीलेश मोदी निदेशक,सीका, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात	सदस्य
6.	प्रोफेसर नीताबोरा शर्मा राजनीति विज्ञान विभाग, डीएसबी परिसर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	सदस्य
7.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित एक व्यक्ति जो संयुक्त सचिव से निम्न पंक्ति का न हो	सदस्य
8.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त निदेशक, भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा, उ0मु0वि0	सदस्य
10.	प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन निदेशक, विधि विद्याशाखा, उ0मु0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11.	प्रोफेसर रेनू प्रकाश निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
12.	प्रोफेसर जितेन्द्र पाण्डेय सह-प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
13.	प्रोफेसर दुर्गेश पन्त आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
14.	डॉ. एम0एम0 जोशी सह प्राध्यापक, इतिहास, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
15	डॉ. डिगर सिंह, सह आचार्य, शिक्षाशास्त्र, उ0मु0वि0	सदस्य
16	डॉ. भानु प्रकाश जोशी, सहायक आचार्य, योग	सदस्य
17	डॉ. नीरजा सिंह, सहायक आचार्य, समाज कार्य	सदस्य
18.	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- V (परिशिष्ट –V)
योजना परिषद
(Planning Board)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर बी0एस0 राजपूत पूर्व कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।	सदस्य
3	प्रोफेसर सुभाष धूलिया पूर्व कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	सदस्य
4	प्रोफेसर बी0एस0 बिष्ट पूर्व कुलपति, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर।	सदस्य
5	डॉ. के0 रविकान्त निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया उत्पादन केन्द्र, IGNOU, नई दिल्ली	सदस्य
6	श्री राकेश ओबराय, ओबराय मोटर्स, देहरादून, 2, ए, रेसकोर्स, देहरादून	सदस्य
7	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
8	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	डॉ. जितेन्द्र पाण्डेय सह-आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	डॉ. हरीश चन्द्र जोशी, सहायक आचार्य, वानिकी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- VI (परिशिष्ट –VI)

वित्त समिति

(Finance Committee)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर संदीप कुमार शर्मा प्रभारी निदेशक, उच्च शिक्षा (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
3	श्रीमती जयन्ती ह्यांकी वित्त नियन्त्रक, उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रतिनिध सचिव, वित्त उत्तराखण्ड	सदस्य
4	प्रोफेसर पी.एस. बिष्ट विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान, एस.एस. जे. विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, (कार्यपरिषद सदस्य)	सदस्य
5	श्रीमती आभा गर्खाल वित्त नियन्त्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	सदस्य सचिव
6	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त, कुलसचिव, उ0मु0वि0 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य
7	श्री विमल कुमार मिश्र, उपकुलसचिव (वित्त) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	आमन्त्रित सदस्य
8	श्रीमती पूनम आर्या, सहायक कुलसचिव (वित्त) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य

Appendix- VII (परिशिष्ट –VII)
विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य
(Members of the University Authority)

Prof. Om Prakash singh Negi Vice Chancellor			
Name	**Designation**	**Contact No.**	**E-mail**
Prof. Rashmi Pant	Registrar	05946-210957	registrar@uou.ac.in
Prof. Girija Pandey	Director (RSD)	05946-286067	gpande@uou.ac.in
Prof. Somesh Kumar	Examination Controller	9911614673	pdpant@uou.ac.in
Smt. Abha Garkhal	Finance Controller	-	agarkhal@uou.ac.in
Dr. Rakesh Rayal	Public Relation Officer	9410967600	rryal@uou.ac.in

Directors of School / Division/ Directorate				
Name	**Name of School**	**Division/ Directorate**	**Contact No.**	**E-mail**
Prof. R.C. Mishra	Management Studies & Commerce Health Science Tourism, Hotel Management & Hospitality	Academics	9412034574	rcmishra@uou.ac.in
Prof. Renu Prakash	Humanities	Journalism & Media Studies	7302324006	rprakash@uou.ac.in
Prof. Durgesh Pant	Computer Science & Information Technology	Dehradun Campus	9412375384	dpant@uou.ac.in
Prof. Akhilesh Kumar Navin	Law & Library Science	UOU Campus	9410964787	govindsingh@uou.ac.in
Prof. Girija P. Pande	Social Science Vocational Studies	Research & Innovation Regional Services Division (RSD)	9412351759	gpande@uou.ac.in
Prof. P.D. Pant	Science Agriculture & Development Studies	-	05946 210958	pdpant@uou.ac.in

Regional Directors				
Regional Centre	**Regional Director**	**Address**	**Contact No.**	**E-mail**
Dehradun (11)	Dr. Sandeep Negi	SGRR, Pathribagh, Dehradun	9412031183 01352720027	dehradun@uou.ac.in
Roorkee (12)	Dr. Rajesh Paliwal	B.S.M PG College, Roorkee	9412439436 01332274365	roorkee@uou.ac.in
Pauri (14)	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B. Garhwal University, Pauri	9412960687 01368223308	pauri@uou.ac.in
Uttarkashi (15)	Dr. Suresh Chandra	Govt. PG College, Uttarkashi	01374-222004 9557557880 9911708741	uttarkashi@uou.ac.in
Haldwani (16)	Dr. Rashmi Pant	M.B P.G. College, Haldwani	9411162527 05946284149	haldwani@uou.ac.in
Ranikhet (17)	Dr. Yogendra Chandra Singh	Govt. PG College, Ranikhet	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
Pithoragarh (18)	Dr. Bipin Chandra Pathak	LSM Govt. PG College, Pithoragarh	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
Bageshwar (19)	Dr. B.C Tiwari	Govt. PG College, Bageshwar	9412044914 05963221894	bageshwar@uou.ac.in

Assistant Regional Directors (ARD)

Regional Centre	**Assistant Regional Director**
Dehradun	Anil Kandari
Roorkee	Ruchi Arya
Pauri	Bhaskar Joshi
Uttarkashi	Govind Singh
Haldwani	Brijesh kumar Bankoti
Ranikhet	Priyanka Lohani Pandey
Pithoragarh	Pankaj kumar
Bageshwar (19)	Rekha Bisht

Appendix-VIII (परिशिष्ट –VIII)

Press Release

यूओयू में छह दिवसीय ब्रिज कोर्स का हुआ समापन

हल्द्वानी, संवाददाता। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय बीएड शिक्षा के विद्यार्थियों की छह दिवसीय ब्रिज कोर्स कार्यशाला रविवार को संपन्न हुई।

समापन सत्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर डॉ. जोगेंद्र रौतेला, निदेशक अकादमिक प्रो. पीडी पंत, शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एके नवीन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यशाला की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय से बीएड की शिक्षा प्राप्त कर छात्र बेहतर समाज बनाने में अपना योगदान दे रहे है। दिग्यांगों के लिए तैयार की जा रही विशेष कार्यशालाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है। दिव्यांग छात्रों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किए जाने से विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ है।

इस अवसर पर डॉ. डिगर सिंह फरस्वार्ण, प्रो. पीडी पंत, भावना धोनी, डॉ. कल्पना पाटनी लखेरा, डॉ. देवकी सिरोला, डॉ. मनीषा पंत, डॉ. दिनेश कांडपाल, दीपिका रैक्वाल, दीपिका कुंजवाल, पूजा भट्ट मौजूद रहे।

2 दैनिक जागरण

एक नजर

दिव्यांगजनों को प्रशिक्षित कर मुख्यधारा से जोड़ें

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड के विद्यार्थियों के लिए छह दिवसीय ब्रिज कोर्स का रविवार को समापन हो गया। समापन सत्र का उद्घाटन मेयर डा. जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला, प्रो. पीडी पंत और प्रो. एके नवीन ने किया। कार्यशाला संयोजक डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. एके नवीन ने दिव्यांगजन एक्ट के विषय में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर डा. डिगर सिंह फर्स्वाण, डा. कल्पना पाटनी लखेरा, डा. देवकी सिरोला, डा. मनीषा पंत, डा. दिनेश

12 दैनिक जागरण देहरादून, 25 जून, 2023 देह

शिक्षक को विषय का ज्ञाता होना जरूरी : सीईओ

जागरण संवाददाता, देहरादून : मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) देहरादून प्रदीप रावत ने कहा कि शिक्षक छात्रों का भविष्य ही नहीं बनाते, बल्कि राष्ट्र के लिए भविष्य निर्माण भी करते हैं। शिक्षक को समाज और छात्रों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। एक शिक्षक को दार्शनिक होने के साथ चिंतनशील, अपने विषय का पूरा ज्ञान और अनुशासित होना चाहिए। यह बात उन्होंने राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के बीएड विशेष शिक्षा विभाग की द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में सीईओ देहरादून प्रदीप कुमार ने कहा कि दिव्यांगजन के संदर्भ में विशेष शिक्षकों की भूमिका उनके सशक्तीकरण, पुनर्वास के प्रति संवेदनशील होनी चाहिए। दिव्यांग बच्चे को शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। इस मौके पर विशेष शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष व सहायक प्राध्यापक डा. सिद्धार्थ पोखरियाल, कांउसलर पूजा भट्ट आदि शामिल रहे। कार्यशाला में उप्र, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उड़िसा व उत्तराखंड के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

युवा खुद तय करें अपने जीवन का लक्ष्य

देहरादून : हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा-शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमके पंत ने कहा कि युवा खुद अपने जीवन का लक्ष्य तय करें और तनाव को किस प्रकार से कम करना है, इसके लिए सकारात्मक रहें। साथ ही नशे से दूर रहकर बेहतर लक्ष्य को प्राप्त करने को कड़ा परिश्रम करें। यह बात उन्होंने बतौर मुख्य वक्ता उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से मादक पदार्थों से बचाव विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान कही।

कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को ग्राफिक एरा विवि में किया गया। जिसमें ग्राफिक एरा विवि के निदेशक डा. सुभाष रमोला व मैनेजमेंट विभाग के डीन प्रो. अभिषेक बोहरा ने भी विचार रखे। संयोजक डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यशाला के आयोजन की महत्ता के बारे में बताया। साथ ही ड्रग्स से बचने के लिए युवा पीढ़ी को किस प्रकार रचनात्मक कार्यों की ओर ले जाया जाए, इस पर विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता प्रो. एमके पंत ने कहा कि शराब के नशे से हमारे मस्तिष्क का आकार सिकुड़ता है। हमारे शरीर के अंगों को कमजोर कर हैपेटाइटिस बीमारी की ओर बढ़ाता है। (जासं)

अमर उजाला

दिव्यांगों की प्रतिभा और कला को मिले सम्मान : राज्यपाल

राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान में पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। दिव्यांगों के प्रति हमें अपनी सोच, विचार और धारणा बदलने की जरूरत है। दिव्यांगजन अपनी प्रतिभा और हुनर के बल पर समाज को बदलने की क्षमता रखते हैं।

दिव्यांगों के पुनर्वास और उनकी भावनाओं के समाधान खोजने के प्रयास किए जाएं। उनकी कला और प्रतिभा को स्थान और सम्मान मिले। ये बातें शनिवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान में कहीं। राज्यपाल ने इसराड़ा मुक्त विवि की ओर से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर भारत को विकसित व समावेशी देश बनाने में पूरे विश्व के लिए आदर्श स्थापित करेंगे।

नई राह के लिए नए शोध पर होगी चर्चा : वर्मा

संस्थान के कार्यवाहक निदेशक मनीष वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में नई राह के लिए नए शोध पर चर्चा की जाएगी। हमारे यहां तकनीकी, शिक्षा की विविधि के बारे दिव्यांगों को अवगत किया जा सकेगा। बताया कि संस्थान में 66 दिव्यांगजन पूर्ण रूप से पुनर्वासित हैं। संस्थान की ओर से एक मकान भी चलता है, जिसमें 253 दिव्यांगजन हैं।

दिव्यांग कार्यशाला की शुरुआत की। राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांगजन भी हमारी ही तरह सामान्यजनों की और उनकी प्रतिभा समाज के सामने उभर कर आए।

विवि के बीएड विशेष शिक्षा विभाग की ओर से 50 छात्रों को ब्रेल लिखने और एमएड (विशेष शिक्षा) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर दृष्टि बाधित दिव्यांग काव्या बोहरा को सम्मानित किया। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सरकार ने उच्च शिक्षा में छात्रों के लिए कई पुरुषात्मक सुधार किए हैं। इस अवसर पर मुक्त विवि के कुलसचिव प्रो. ओपीएस नेगी, शिक्षा शास्त्र विभाग के निदेशक प्रो. एके नवीन, संस्थान के निदेशक मनीष वर्मा, संयोजक सिद्धार्थ पोखरियाल मौजूद रहे।

कार्यशाला का प्रशिक्षण करते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह, वीसीएट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और प्रमा. अमर उजाला

'सांकेतिक भाषा में प्रदर्शित कर सकते हैं भावनाएं'

देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से सांकेतिक भाषा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ जगदीप कौर ने सांकेतिक भाषा के महत्व पर सभी को अवगत कराया। बताया कि सांकेतिक भाषा वर्तमान में छात्रों के अध्ययन अध्यापन के लिए जरूरी है। इसके माध्यम से व्यक्ति भावनाओं को प्रदर्शित कर सकता है। इसका प्रशिक्षण सभी के लिए जरूरी है। सहायक प्राध्यापक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कहा कि सांकेतिक भाषा का प्रचलन महाभारत काल से चला आ रहा है। इस मौके पर राखी गौर, शशि कला आदि मौजूद रहे। संवाद

अपना शहर देहरादून

राष्ट्रीय सहारा

4 देहरादून। रविवार • 26 फरवरी • 2023

दिव्यांगों की कला व प्रतिभा को मिले सम्मान

राज्यपाल ने विशेष शिक्षा पर एनआईवीएच में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

- नवीन शोध और अनुसंधान कर दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का आह्वान
- सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर दृष्टिबाधित छात्रा काव्या बोहरा को किया गया सम्मानित

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शनिवार को राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (पूर्व में एनआईवीएच) में उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से आयोजित 'विशेष शिक्षा विभाग और दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में अनुसंधान पद्धति' विषयक पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला का आयोजन भारतीय पुनर्वास परिषद के सहयोग से किया जा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि यह कार्यशाला नवीन अनुसंधान पद्धति से दिव्यांगजनों के पुनर्वास व सशक्तिकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को उनकी कठिन स्थितियों से उबरना ही हमारे इस शोध व अनुसंधान का उद्देश्य होना चाहिए। हमारी यह जिम्मेदारी है कि दिव्यांगजन भी हमारी ही तरह स्वावलंबी व सुदृढ़ बनें और उनकी प्रतिभा समाज के सामने उभर कर आए। दिव्यांगजनों को प्लेटफार्म मिले और उनकी कला व प्रतिभा को सम्मान मिले।

राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांगजनों की सुरक्षा और संरक्षण संबंधी चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता है। इसे विचार करना होगा कि अपने स्तर पर कैसे दिव्यांगजनों के जीवन में सुगमता और डरस्ता ला सकते हैं। कहा कि दिव्यांगों के प्रति हमें अपनी सोच, विचार और धारणा बदलने की जरूरत है। दिव्यांगजन अपनी प्रतिभा और हुनर के बल पर समाज को बदलने की क्षमता रखते हैं। कहा कि दिव्यांगों के पुनर्वास और उनकी भलाई के समाधान खोजने के प्रयास किए जाएं। राज्यपाल ने आशा जताई कि यह कार्यशाला दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण व पुनर्वास हेतु नवीन शोध व अनुसंधान के द्वारा उनको समाज की मुख्यधारा से जोड़कर भारत को विकसित व समावेशी देश बनाने में पूरे विश्व के लिए आदर्श स्थापित करेंगे।

राज्यपाल ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यशाला के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने विवि के बीएड विशेष शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विभागीय कार्यशाला में 50 विद्यार्थियों को ब्रेल सिखाने और एमएड (विशेष शिक्षा) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर दृष्टिबाधित दिव्यांग छात्रा काव्या बोहरा को भी सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री डा.धन सिंह रावत ने कहा कि सरकार द्वारा उच्च शिक्षा में छात्रों के हितों के मद्देनजर कई गुणात्मक सुधार किए हैं।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवीन प्रयासों की जानकारी भी उन्होंने दी। मुक्त विवि के कुलपति प्रोफेसर ओपीएस नेगी ने कार्यशाला में बारे में विस्तार से जानकारी दी। एनआईवीएच के निदेशक मनीष वर्मा ने कार्यशाला में शिरकत कर रहे अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर विवि के शिक्षा शास्त्र विभाग के निदेशक, प्रोफेसर एके नवीन, संयोजक सिद्धार्थ पोखरियाल समेत विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिभागी व विवि के छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहीं।

दृष्टिबाधित छात्रा को सम्मानित करते राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह।

सहकारिता विभाग के अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

देहरादून (एसएनबी)। शनिवार को राजपुर रोड स्थित सहकारी प्रबंध संस्थान में सहकारिता विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सहकारिता क्षेत्र के नियमों के बारे में बताया जाएगा। राजपुर रोड स्थित सहकारी प्रबंध संस्थान में दिव्यांगजन (आईसीएस) में सहकारिता विभाग के एडीओ, एडीसीओ, एआर, और सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में द्वितीय दिवस पर आज समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर कंप्यूटराइजेशन से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके पश्चात यह मास्टर ट्रेनर अन्य पैक्स समितियों के सदस्यों और सचिवों को न्याय पंचायत स्तर पर ट्रेनिंग देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद पौड़ी, देहरादून, टिहरी, ऊधमसिंहनगर, रुद्रपुर, पंचकुला, नैनीताल, हरिद्वार से 20 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। जबकि ही प्रदेशभर की सभी एमपैक्स समितियां आनलाइन होने जा रही हैं। सभी समितियों में कंप्यूटराइजेशन का काम लगभग समाप्त होने को है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को उत्तराखंड प्रदेश को आपरेटिव यूनियन के प्रबंध निदेशक मान सिंह सैनी ने संबोधित करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

दैनिक जागरण www.jagran.com

समाज को बदल सकते हैं दिव्यांगजन

जागरण संवाददाता, देहरादून : राज्यपाल गुरमीत सिंह लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) ने कहा कि दिव्यांगजन दिव्यशक्ति के धनी होते हैं। दिव्यांगजनों के प्रति सोच, विचार व धारणा बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन अपनी प्रतिभा, हुनर के बल पर समाज को बदलने की क्षमता रखते हैं।

शनिवार को राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन एवं सशक्तीकरण संस्थान (एनआईपीवीडी) में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से विशेष शिक्षा एवं दिव्यांगजन पुनर्वास के क्षेत्र में शोध प्राविधि पर पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। प्रथम दिन मुख्य अतिथि राज्यपाल गुरमीत सिंह लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) एवं शिक्षा मंत्री डा. धनसिंह रावत ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य दिव्यांगजनों की कठिन परिस्थियों से उभारना है। कहा कि दिव्यांगजनों की सुरक्षा व संरक्षण संबंधित चिंता को दूर करने की आवश्यकता है। जिससे उनका जीवन सुगम और सरल बनाया जा सके। उन्होंने कार्यशाला में 50 छात्रों को ब्रेल सिखाने एवं एमएड (विशेष शिक्षा) में बेहतर अंक दिलाने पर दृष्टि बाधित दिव्यांग काव्या बोहरा को सम्मानित किया।

वहीं, शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि सरकार दिव्यांगजन के सशक्तीकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। राज्य के सभी विद्यालयों में दिव्यांगजन के लिए विशिष्ट शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। जो दिव्यांगजन विद्यालय नहीं जा सकते उन्हें विशिष्ट शिक्षक घरों में जाकर शिक्षित करेंगे। कहा कि विश्वविद्यालय विशिष्ट शिक्षा में शोध (पीएचडी) भी शुरू करवाएं। जिससे विशिष्ट शिक्षा में रुचि रखने वाले युवा अपना भविष्य बना सके और साथ ही इसका लाभ दिव्यांगजन को भी मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, एनआईपीवीडी निदेशक मनीष शर्मा, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्र, डा. सिद्धार्थ पोखरियाल, डा. डिगर सिंह फर्स्वाण, डा. राकेश रयाल, डा. सुभाष रमोला, डा. देवकी सिरोला, नरेंद्र जगूड़ी, डा. पंकज कुमार आदि मौजूद रहे।

राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित 'विशेष शिक्षा विभाग और दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में अनुसंधान पद्धति' विषय पर कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) • जागरण

नई शिक्षा नीति से संवरेगा छात्रों का भविष्य : गहतोड़ी

टनकपुर कॉलेज में यूओयू ने किया कार्यशाला का आयोजन

टनकपुर, संवाददाता। टनकपुर महाविद्यालय में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ वन विकास निगम अध्यक्ष कैलाश गहतोड़ी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से छात्रों का भविष्य संवरेगा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

गुरुवार को वन विकास निगम अध्यक्ष कैलाश गहतोड़ी ने टनकपुर डिग्री कॉलेज में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी ने नई शिक्षा नीति 2020 और दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को महत्व दिया गया है। यहां प्रावार्य नजीब द्विवेदी, सुषमा मलकानी, भावना बोरी, पूजा भट्ट, दीप्ति कुंजवाल, रमेश बमेटा आदि रहे।

टनकपुर डिग्री कॉलेज में वन निगम अध्यक्ष ने दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया।

प्रदर्शनी के विजेताओं को किया सम्मानित

टनकपुर। टनकपुर के गांधी मैदान में गुरुवार को बाल चित्र कला प्रदर्शनी में विजेता प्रतिभागियों को वन निगम अध्यक्ष कैलाश गहतोड़ी ने सम्मानित किया। प्राइमरी वर्ग में ओपीएस स्कूल के विशाल शर्मा ने पहला, प्राथमिक विद्यालय की अंकिता ने दूसरा और प्राथमिक विद्यालय की ही अलीशा ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग में राइमाविं उचौलीगोठ के कोनन ने पहला स्थान, जबकि राइमाविं उचौलीगोठ के ही पुष्पा ने दूसरा और साथ ही इंटर कॉलेज के कार्तिक कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया। यहां पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा, नवल किशोर, रमेश निषाद, संतोष वाल्मीकि, कपिल उप्रेती, पूजा टम्टा, रईस अहमद, योगेश पांडेय, अमित वर्मा, अनुराग दुबे, शकुन सक्सेना रहे।

दैनिक जागरण

उत्कृष्ट कार्यों से नाम रोशन कर रहे दिव्यांगजन : चंदन रामदास

जागरण संवाददाता, देहरादून : कैबिनेट मंत्री चंदन रामदास ने कहा कि दिव्यांजन विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं भारतीय पुनर्वास परिषद की ओर से आयोजित कार्यशाला दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण में शोध के क्षेत्र में एक बेहतर कदम साबित होगी।

बुधवार को राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआइईपीवीडी) में आयोजित पांच दिवसीय 'विशेष शिक्षा एवं दिव्यांगजन पुनर्वास के क्षेत्र में शोध प्राविधि' कार्यशाला के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री चंदन रामदास शामिल हुए। मंत्री ने कहा भविष्य में इस कार्यशाला के ठोस प्ररिणाम सामने आएंगे। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि विश्वविद्यालय विशेष शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्टजन के लिए शिक्षक तैयार करने में अहम कार्य कर रहा है। बीएड, पीएचडी कोर्स शुरू करने की योजना है। इस मौके पर एनआइईपीवीडी निदेशक मनीष शर्मा, डा. सिद्धार्थ पोखरियाल, डा. डिगर सिंह आदि मौजूद रहे।

राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं भारतीय पुनर्वास परिषद की कार्यशाला में संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास ● जागरण

सभी जिलों में बनेंगे दिव्यांग पुनर्वास केंद्र

देहरादून। समाज कल्याण मंत्री चंदन राम दास ने कहा कि राज्य के सभी 13 जिलों में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए समाज कल्याण विभाग केंद्रीय मंत्रालय को प्रस्ताव भेजेगा।

बुधवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से विशेष शिक्षा एवं दिव्यांगजनों के पुनर्वास में शोध प्रविधि विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान देहरादून में आयोजित की गई। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री चंदन राम दास ने कहा कि कार्यशाला में जो भी निष्कर्ष निकलेंगे, उसको विश्वविद्यालय समाज कल्याण मंत्रालय को भेजे। इससे दिव्यांगजनों के हित में फैसले लेने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर दिवस पर प्रतिभागी बबीता को सम्मानित किया गया।

शिक्षा मंत्रालय के पूर्व सलाहकार डॉ. राजेश नैथानी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिक्षकों का प्रावधान उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओमप्रकाश सिंह नेगी के अनुरोध पर ही किया गया था। ब्यूरो

शोध में बेहतर साबित होगी कार्यशाला : चंदन रामदास

विशेष शिक्षा और दिव्यांगजन पुनर्वास के क्षेत्र में शोध विषय पर आयोजित कार्यशाला संपन्न

देहरादून। कैबिनेट मंत्री चंदन रामदास ने कहा कि 'विशेष शिक्षा और दिव्यांगजन पुनर्वास के क्षेत्र में शोध प्राविधि' विषय पर आयोजित कार्यशाला दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण में शोध के क्षेत्र में बेहतर साबित होगी। बुधवार को वह कार्यशाला के समापन अवसर पर बोल रहे थे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में भारतीय पुनर्वास परिषद एवं राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान का भी सहयोग रहा। विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक किसी कारणवश कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। उनके प्रतिनिधि के तौर पर मौजूद डॉ. राजेश नैथानी ने कहा कि दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और विकास के लिए जो शिक्षक तैयार किए जा रहे हैं, उनको और पेशेवरों को शोध के लिए प्रेरित करने की विवि की यह पहल सराहनीय है। मा.सि.रि.

हिन्दुस्तान

दिव्यांग अपनी ताकत को पहचानें और समाज को दिशा दें : राज्यपाल

राज्यपाल ने किया विशेष शिक्षा एवं दिव्यांगों के पुनर्वास की कार्यशाला का उद्घाटन

देहरादून, विशेष संवाददाता। राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि दिव्यांगजन के समग्र विकास के लिए आधुनिक तकनीक के आधार पर योजनाएं तैयार करनी होंगी। हर दिव्यांग में दिव्य अंश है। वे अपनी ताकत को पहचानें और उसे विकसित कर समाज में मजबूती से आगे बढ़ें।

राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में शनिवार को 'विशेष शिक्षा विभाग और दिव्यांगता पुनर्वास क्षेत्र में अनुसंधान पद्धति' विषय पर कार्यशाला हुई। राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांगों के प्रति सोच, विचार और धारणा बदलने की जरूरत है। सभी को 'राष्ट्र प्रथम-स्वयं सक्षम' के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। 32 मिनट के धाराप्रवाह भाषण में राज्यपाल ने दिव्यांगों की खूब हौसला-अफजाई की। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि स्कूल आ पाने में अक्षम दिव्यांग बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए सरकार ने घर पर शिक्षक भेजने का निर्णय किया है। इसके लिए 285 शिक्षकों की नियुक्ति का निर्णय किया गया। उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा, यूओयू विशेष शिक्षा में एमएड-पीएचडी की सुविधा भी शुरू करने का प्रयास कर रहा है। इस दौरान एनआईवीएच के निदेशक मनीष वर्मा, यूओयू के शिक्षा शास्त्र विभाग के निदेशक प्रो. एके नवीन, संयोजक सिद्धार्थ पोखरियाल, डॉ. दीपक फरस्वाण, डॉ. राकेश रयाल, उपकुलसचिव विमल कुमार मिश्र, डॉ. सुभाष रमोला, डॉ. देवकी सिरोला, नरेंद्र जगूड़ी, डॉ पंकज कुमार और डॉ. विनोद केन भी मौजूद रहे। इस कार्यशाला में देश भर से करीब 60 लोग शामिल हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञों की ओर से दिव्यांगता के क्षेत्र में हो रहे नए शोध कार्यों और संभावनाओं पर मंथन किया जाएगा।

राज्यपाल ने मंच से उत्तरकाण्ड का किया सम्मान: दिव्यांगों के लिए नई मिसाल कायम करने वाली दृष्टि दिव्यांग काव्या चौहरा का राज्यपाल ने मंच से उत्तरकर सम्मान किया। पिथौरागढ़ की काव्या को यह सम्मान यूओयू के चीफ विशेष शिक्षा विभाग की कार्यशाला में 50 छात्रों को बेल सिखाने और एमएड में सर्वोच्च अंक पाने पर दिया गया।

राज्यपाल को राष्ट्रपति कह गए मंत्री: कार्यक्रम के बाद मीडिया से वार्ता में शिक्षा मंत्री राज्यपाल को राष्ट्रपति कह गए। हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी गलती को सुधार लिया था।

दून में शनिवार को राजपुर रोड स्थित एनआईवीएच में यूओयू की ओर से आयोजित पांच दिनी कार्यशाला का शुभारम्भ करते राज्यपाल गुरमीत सिंह। ● हिन्दुस्तान

एनएसएस शिविर में स्वच्छता और साक्षरता का संकल्प लिया

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में विद्यार्थियों ने स्वच्छता और साक्षरता का संकल्प लिया। रविवार को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेड़ा में शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. ओमप्रकाश सिंह नेगी और विशिष्ट अतिथि विधि व शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एके नवीन, एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डा. सिद्धार्थ पोखरियाल आदि मौजूद रहे।

'नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को महत्व दिया है'

महाविद्यालय में संगोष्ठी में बोलते वन विकास निगम अध्यक्ष कैलाश महतोड़ी। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

टनकपुर (चंपावत)। नई शिक्षा नीति 2020 एवं नवीन दिव्यांगजन एक्ट 2016 विषय पर राजकीय महाविद्यालय में दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू हुई। मुख्य अतिथि वन विकास निगम अध्यक्ष कैलाश चंद्र महतोड़ी ने कहा कि संगोष्ठी से दिव्यांगों को नई शिक्षा नीति में उनके लिए सब प्रावधानों की जानकारी मिलेगी। मुक्त विवि के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को महत्व दिया गया है। विशेष अतिथि प्रो.नगेंद्र द्विवेदी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से वंचितों को नवीन ज्ञान मिलेगा।

उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी की ओर से आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि महतोड़ी, कुलपति प्रो. नेगी, टनकपुर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. द्विवेदी, उत्तराखंड विवि शिक्षाशास्त्र के निदेशक प्रोफेसर एके

दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

नवीन ने किया। विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। शिक्षाशास्त्र के निदेशक प्रोफेसर एके नवीन ने सामयिकता एवं दिव्यांगजन विषय की जानकारी दी। दूसरे सत्र में शिक्षाशास्त्र विभाग के निदेशक डॉ. हिमंत सिंह फर्स्वाण ने नई शिक्षा नीति में दिव्यांगजनों के लिए प्रावधान विषय पर व्याख्यान दिया।

तीसरे सत्र में डॉ. कल्पना लखेड़ा ने नई शिक्षा नीति में आंगनबाड़ी के अंतर्गत बाल वाटिका का प्रावधान समझाया। पहले दिन के समापन पर सह प्राध्यापक एवं अध्ययन केंद्र प्रभारी डॉ. धर्मवीर सिंह ने आभार जताया। इस दौरान सुषमा मलकड़, भावना भोनी, पूजा भट्ट, दीप्ति कुंजवाल, रमेश चमेटा समेत टनकपुर, चंपावत क्षेत्र के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मौजूद थे। संचालन डॉ. सुमन कुमारी ने किया।

दिव्यांगों के लिए संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी

टनकपुर महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में जानकारी देतीं प्रो. सुषमा। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

नई शिक्षा नीति 2020 एवं नवीन दिव्यांगजन अधिनियम 2016 की संगोष्ठी का समापन

टनकपुर (चंपावत)। राजकीय महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एवं नवीन दिव्यांगजन अधिनियम (एनडीए) 2016 विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। इसके दूसरे दिन संयोजक के रूप में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) हल्द्वानी के सहायक प्राध्यापक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने दिव्यांगों के लिए संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। डॉ. अमित अग्रवाल ने एनईपी में दिव्यांग संबंधी प्रावधान बताए। कहा कि पर्वतीय राज्य में ऐसे आयोजन से दिव्यांगों का मनोबल बढ़ेगा।

विशिष्ट अतिथि प्रो. कमला चन्याल ने कहा कि दिव्यांगों की भावना को समझना इस सबका दायित्व है। उनके सशक्तीकरण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की पैरवी कर उन्होंने दिव्यांगों का मनोबल बढ़ाने का सुझाव दिया। अति विशिष्ट अतिथि डॉ. आभा शर्मा ने एनईपी और एनडीए के क्रियान्वयन के लिए आयोजन करने, उनकी आवश्यकता के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नगेंद्र द्विवेदी ने प्रतिभागी शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संगोष्ठी में प्राप्त ज्ञान और अनुभव को दिव्यांगजनों के हित में उनके सशक्तीकरण में प्रयोग करने का आह्वान किया।

अमर उजाला my city

शुरू हुआ साप्ताहिक योग कार्यक्रम

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विवि में योग विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को साप्ताहिक योग कार्यक्रम की शुभारंभ हो गया। विवि परिसर में 21 जून तक निबंध, पोस्टर, वीमाशन और योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं होंगी। योग विभागाध्यक्ष डॉ. भानु जोशी ने बताया कि योग दिवस की पूर्व संध्या पर 20 जून को योग की भूमिका और विभिन्न आयाम पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय वेबिनार होगा। 21 जून को प्रतिभागियों की ओर से सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए 100 से अधिक प्रतिभागी पंजीकरण करा चुके हैं। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन-जन में योग के प्रति जागरूकता फैलाना है। (संवाद)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अमृत विचार, नैनीताल

यूओयू में योग का हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में साप्ताहिक योग कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में योग की भूमिका, पोस्टर, वीमाशन और योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान योग विभाग के प्रभारी डॉ. भानु जोशी ने बताया कि 20 जून को योग की भूमिका और विभिन्न आयाम पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय वेबिनार होगा। 21 जून को प्रतिभागियों की ओर से सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए 100 से अधिक प्रतिभागी पंजीकरण करा चुके हैं। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन-जन में योग के प्रति जागरूकता फैलाना है। (संवाद)

यूओयू में योग का हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

अमर उजाला my city

पोस्टर प्रतियोगिता में 22 युवाओं ने किया प्रतिभाग

प्रतिभागियों ने योग से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर तैयार किए

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के साप्ताहिक योग कार्यक्रम के तीसरे दिन पोस्टर प्रतियोगिता हुई।

इसमें 22 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने योग से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर तैयार किए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो.आरसी मिश्र ने किया। योग विभागाध्यक्ष डॉ. भानु प्रकाश जोशी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कार्यक्रम की सराहना की। सुधांशु कुमार वर्मा ने एक सुंदर कलाकृति का पोस्टर तैयार कर प्रतिभागियों को प्रेरित किया। इस मौके पर राजेश आर्या, डॉ. राजेंद्र कैड़ा, डॉ. आशुतोष भट्ट, आशीष टम्टा, विभु कांडपाल, दीक्षा बिष्ट, ललित मोहन आदि मौजूद रहे। (संवाद)

अमर उजाला

यूओयू : निबंध प्रतियोगिता हुई

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित साप्ताहिक योग कार्यक्रम के दूसरे दिन निबंध प्रतियोगिता हुई। इसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग एवं मानसिक स्वास्थ्य, भगवत गीता में योग का स्वरूप, वर्तमान परिदृश्य में यम एवं नियम की भूमिका और आत्मविश्वास के अध्ययन में ध्यान की भूमिका आदि विषयों पर निबंध प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरसी मिश्र ने किया। उन्होंने लेखन क्षमता के विकास के लिए निबंध की उपयोगिता, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में निबंध लिखने की कला शैली आदि के बारे में बताया। योग विभागाध्यक्ष डॉ. भानु प्रकाश जोशी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कार्यक्रम की सराहना की और इस तरह के कार्यक्रम को आगे भी समय-समय पर चलाने को कहा। इस मौके पर डॉ. गगन सिंह, राजेश आर्या, नवनीत मेहरा, डॉ. ज्योति रानी, डॉ. राजेंद्र कैड़ा, डॉ. दीपांकुर जोशी, मुनीन कुमार, नीता दियोलिया, दीक्षा बिष्ट आदि मौजूद रहे। (संवाद)

यूओयू में योग गीत और पोस्टर प्रतियोगिता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय में साप्ताहिक योग कार्यक्रम चल रहा है। शुक्रवार को सुबह 11 बजे से योग गीत और पोस्टर प्रतियोगिता होगी।

हिन्दुस्तान

यूओयू में निबंध प्रतियोगिता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विवि के योग विभाग द्वारा साप्ताहिक योग कार्यक्रम के तहत गुरुवार को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आरसी मिश्र ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रो. मिश्र ने लेखन क्षमता के विकास हेतु निबंध की उपयोगिता पर चर्चा की गई। इस दौरान योग एवं मानसिक स्वास्थ्य, भगवत गीता में योग का स्वरूप, वर्तमान परिदृश्य में यम एवं नियम की भूमिका पर निबंध लिखे।

एक दिवसीय नशा मुक्तिजागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई

अहसान अंसारी

सितारगंज :- राजकीय महाविद्यालय सितारगंज में एंटी ड्रग सेल एवं उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय हल्द्वानी के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य विषय वीवेशन ऑफ अल्कोहल एंड ड्रग अबूज ० पर केंद्रित था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र वर्मा ने मुख्य अतिथि प्रो ऐ. के.नवीन निदेशक विधि विद्या शाखा उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय को पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। तत्पश्चात मुक्त विश्व विद्यालय से कार्यशाला के आयोजक सचिव डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने समाज में नशे के बढ़ते प्रचलन के विरुद्ध युवा पीढ़ी से एक जुट होने की अपील की तथा नशे के मनोवैज्ञानिक पहलुओं एवम सामाजिक प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की। डॉ सुमन पिलखवाल ने बताया कि युवाओं के साथ-साथ समाज के सभी व्यक्तियों को नशे के विरुद्ध अपनी भूमिका तय करनी होगी। कार्यशाला के निदेशक प्रो ए.के. नवीन ने छोटे-छोटे कथानकों के माध्यम से नशे के प्रभाव से होने वाले नुकसानों से छात्र / छात्राओं को अवगत कराया तथा नशे के वैधानिक प्रावधानों के साथ साथ विधिक सहायता केंद्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कुमारी पायल वर्मा को निदेशक प्रो. ए. के. नवीन द्वारा पुरस्कृत भी किया गया तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी प्राध्यापक एवम् छात्र/ छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुआ। जिसमें मुक्त विश्व विद्यालय से आए सभी विषय विशेषज्ञों ने छात्र/ छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। अंत में कार्यक्रम का समापन करते हुए प्राचार्य सुभाष वर्मा द्वारा सभी विषय विशेषज्ञों का धन्यवाद दिया गया तथा नशे से दूर रहने के प्रायोगिक उपाय बताए जिससे ड्रग फ्री देवभूमि का सपना साकार हो पाए। कार्यक्रम का संचालन एंटी ड्रग सेल की नोडल अधिकारी डॉ. अनीता नेगी ने किया।

इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ सत्यमित्र सिंह, डॉ राजविंदर कौर, डॉ कमला उपाध्याय, डॉ कार्तिकेय भट्ट, डॉ सविता रानी, डॉ चारू चंद्र उप्रेती, डॉ भुवनेश कुमार, डॉ रीतिका गिरी गोस्वामी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। छात्र छात्राओं में कुमारी आस्ती, तुषार शर्मा, ऋषभ कुमार, विक्रांत तिवारी, संजय कुमार, नीरज ,अकजात ,आदित्य, कु. दिव्या,नंदिनी,पायल वर्मा, जिकरा, फिजा, पायल आर्या,निशा, दीक्षा, कार्यालय से कमलेश जोशी, रमेश कर्नाटक, राजेंद्र सिंह, दीवान सिंह धोनी, चंद्र किरण, तरुण नेगी इत्यादि ने कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी की।

बेलवाल, यमन सिंह चिलवाल, चिराग बोरा, प्रधान भवक बोरा, नवीन रह।

यूओयू के एनएसएस शिविर का उद्घाटन करते जिपं सदस्य कमलेश चंदोला।

यूओयू का सात दिनी एनएसएस शिविर शुरू

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना हल्द्वानी इकाई का सात दिनी विशेष शिविर सोमवार से राउमावि धौलाखेड़ा में शुरू हो गया है। जिपं सदस्य कमलेश चंदोला, विवि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल व सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गौरी ने उद्घाटन किया। सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गौरी ने शिविर में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।

एक दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

समाज में तेजी से बढ़ते नशे के प्रचलन के विरुद्ध एकजुटता की अपील

स्वतंत्र चेतना

सितारगंज (ऊधम सिंह नगर) राजकीय महाविद्यालय में एंटी ड्रग सेल एवम उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय हल्द्वानी के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य विषय ड्रविंशन ऑफ अल्कोहल एंड ड्रग अबूज ड्र पर केंद्रित था। प्रारंभ कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र वर्मा ने मुख्य अतिथि प्रो ऐ.के.नवीन, निदेशक विधि विद्या शाखा उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय को पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। तत्पश्चात मुक्त विश्व विद्यालय से कार्यशाला के आयोजक सचिव डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने समाज में नशे के बढ़ते प्रचलन के विरुद्ध युवा पीढ़ी से एक जुट होने की अपील की तथा नशे के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर सामाजिक प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की। डॉ सुमन पिलखवाल ने बताया कि युवाओं के साथ - साथ समाज के सभी व्यक्तियों को नशे के विरुद्ध अपनी भूमिका तय करनी होगी। कार्यशाला के निदेशक प्रो ए.के. नवीन ने छोटे - छोटे कथानकों के माध्यम से नशे के प्रभाव से होने वाले नुकसानों से छात्र / छात्राओं को अवगत कराया तथा नशे के वैधानिक प्रावधानों के साथ साथ विधिक सहायता केंद्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कुमारी पायल वर्मा को निदेशक प्रो. ए. के.नवीन द्वारा पुरस्कृत भी किया गया तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी प्राध्यापक एवम् छात्र/ छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन एंटी ड्रग सेल की नोडल अधिकारी डॉ. अनीता नेगी ने किया।

इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ सत्यमित्र सिंह, डॉ राजविंदर कौर, डॉ कमला उपाध्याय, डॉ कार्तिकेय भट्ट, डॉ सविता रानी, डॉ चारू चंद्र उप्रेती, डॉ भुवनेश कुमार, डॉ रीतिका गिरी गोस्वामी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। छात्र छात्राओं में कुमारी आस्ती, तुषार शर्मा, ऋषभ कुमार, विक्रांत तिवारी, संजय कुमार, नीरज ,अकजात ,आदित्य, कु. दिव्या,नंदिनी,पायल वर्मा, जिकरा, फिजा, पायल आर्या,निशा, दीक्षा, कार्यालय से कमलेश जोशी, रमेश कर्नाटक,श्री राजेंद्र सिंह, दीवान सिंह धोनी, चंद्र किरण, तरुण नेगी इत्यादि ने कार्य शाला में सक्रिय भागीदारी की।

यूओयू का सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

अमृत विचार, हल्द्वानी

आयोजन

अनेकता में एकता और सहभागिता का पाठ सिखाती है एनएसएस : प्रो. ओमप्रकाश

रविवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन खेड़ा में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओमप्रकाश सिंह नेगी, विशिष्ट अतिथि विधि व शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एके नवीन थे।

प्रो. ओमप्रकाश ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना हमको अनेकता में एकता व सहभागिता का पाठ पढ़ाती है। इस तरह के कार्यक्रम आपसी सहयोग की भावना सिखाते हैं साथ ही समाज को स्वच्छता, साक्षरता व अच्छी आदतों के प्रति जागरूक करते हैं। प्रो. एके नवीन ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालयों की संकल्पना की दृष्टि से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय राज्य विश्वविद्यालयों में केवल एक ही ऐसा मुक्त विश्वविद्यालय है जहां राष्ट्रीय सेवा योजना स्वीकृत हुई है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना का बहुत महत्व है। कार्यक्रम में सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौरी ने शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों दीप्ति, रेनु, रमेश, महेश, मुकुल, सविता, चंद्रा, रूबी गुप्ता आदि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

यूओयू के कुलपति ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

मुक्त विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर नेगी परीक्षाओं का निरीक्षण करते

रामनगर। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में गुरुवार को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने महाविद्यालय में चल रही वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षाओं का औचक निरीक्षण किया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के समन्वयक डा. किरण कुमार पंत ने बताया कि कुलपति ने परीक्षाओं के सुचारू संचालन की सराहना की और प्राचार्य प्रोफेसर एमसी पांडे द्वारा कुलपति को महाविद्यालय में चल रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के केंद्र व परीक्षाओं के संबंध में जानकारी दी गयी।

यूओयू का सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की हल्द्वानी इकाई का सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर शुरू हो गया है। सोमवार को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौलाखेड़ा में शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य कमलेश चंदोला, विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डा. सिद्धार्थ पोखरियाल व सहायक कार्यक्रम अधिकारी डा. गौरी ने किया। उन्होंने एनएसएस और इसके बारे में जानकारी दी।

Appendix -IX (परिशिष्ट –IX)

विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन

(Human Resource of University)

विश्वविद्यालय में शैक्षिक पद

क्र0सं0	विषय	प्राध्यापक	सह प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
1.	अंग्रेजी	प्रो. एच. पी. शुक्ल (सेवानिवृत्त)	-	डॉ. सुचित्रा अवस्थी
2.	ज्योतिष	-	-	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
3.	हिन्दी	-	-	डॉ. शशांक शुक्ला (अवकाश पर) डॉ. राजेन्द्र कैड़ा
4.	संस्कृत	-	-	डॉ. देवेश कुमार मिश्रा (अवकाश पर)
5.	संगीत	-	-	प्रदीप कुमार
6.	प्रबन्ध अध्ययन	प्रो. आर. सी. मिश्र	-	डॉ.मंजरी अग्रवाल डॉ. सुमित प्रसाद
7.	वाणिज्य	-	डॉ. गगन सिंह	श्री सुनील कुमार
8.	इतिहास	प्रो. जी. पी. पाण्डे	डॉ. एम. एम. जोशी	-
9.	समाजशास्त्र	प्रोफेसर रेनू प्रकाश	-	डॉ. दीपक पालीवाल (अवकाश पर)
10.	राजनीतिशास्त्र	-	-	डॉ. सूर्यभान सिंह
11.	एम.एस. डब्लू	-	-	डॉ. नीरजा सिंह
12.	अर्थशास्त्र	-	-	डॉ. शालिनी चौधरी
13.	मनोविज्ञान	-	-	डॉ. सीता
14.	लोक प्रशासन	-	-	डॉ. घनश्याम जोशी
15.	कम्प्यूटर साइंस	प्रो. दुर्गेश पन्त	डॉ. जितेन्द्र पाण्डे, डॉ. आशुतोष भट्ट	-
16.	वानिकी	-	-	डॉ. एच. सी. जोशी
17.	पर्यटन	-	-	डॉ. अखिलेश सिंह
18.	कृषि	-	-	डॉ. विरेन्द्र कुमार
19.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	प्रो. गोविन्द सिंह (अवकाश पर)	डॉ. राकेश चन्द्र	श्री भूपेन सिंह
20.	गृह विज्ञान	-	-	डॉ. दीपिका वर्मा
21.	योग	-	-	डॉ. भानू जोशी श्री दीपक कुमार
22.	भूगर्भ विज्ञान	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	-	-
23.	भौतिकी	-	-	डॉ. कमल देवलाल सुश्री गौरी डॉ. विशाल कुमार शर्मा

24.	रसायन विज्ञान	-	-	डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. विनोद कुमार, श्री दीपप्रकाश
25.	जन्तु विज्ञान	-	डॉ. प्रवेश कुमार सहगल	-
26.	वनस्पति विज्ञान	-	-	डॉ. सरस्वती नन्दन ओझा
27.	गणित	-	डॉ. अरविन्द भट्ट	डॉ. ज्योति रानी
28.	विधि	प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन		दीपांकुर जोशी
29.	शिक्षाशास्त्र	-	डॉ. डिगर सिंह	डॉ. दिनेश कुमार डॉ. ममता कुमारी डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा डॉ. देबकी सिरोला
30.	विशिष्ट शिक्षा	-	-	डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल
31.	होटल मैनेजमेन्ट	-	डॉ. जटाशंकर आर तिवारी (अवकाश पर)	-
32.	आयुर्वेद	-	-	डॉ. हेमन्त काण्डपाल

अल्पकालिक विनियोजित वरिष्ठ परामर्शदाता/परामर्शदाता तथा अकादमिक एसोसिएट का विवरण

क्र0सं0	विद्याशाखा	विषय	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	(शिक्षाशास्त्र)	श्रीमती मनीषा पंत सुश्री सुमन पिल्ख्वाल डॉ. दिनेश चन्द्र काण्डपाल
2.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. पूजा जुयाल कीर्तिका पडलिया डॉ. प्रभा बिष्ट ढौढियाल डॉ. पुष्पेश जोशी
3.	विज्ञान विद्याशाखा	प्राणी विज्ञान	डॉ. श्याम सिंह कुंजवाल डॉ. मुक्ता जोशी सुश्री पूर्णिमा नैनवाल
4.	भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. रंजू जोशी पाण्डे डॉ. प्रदीप कुमार पन्त डॉ. सुधांशु कुमार वर्मा
5.	विज्ञान विद्याशाखा	रसायन विज्ञान	डॉ. चारु चन्द्र पंत डॉ. रूचि पाण्डेय
6.	कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा	आई.टी.एण्ड कम्प्यूटर साइंस	श्री बालम सिंह दफौटी डॉ. पार्थ गौतम
7.	मानविकी विद्याशाखा	उर्दू	मो. अफजल हुसैन मो. अशफाक शरीफ मो0 तारिक अहमद
8.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	श्री द्विजेश उपाध्याय श्री अशोक चन्द्र टम्टा जगमोहन परगॉई प्रकाश चन्द्र आर्या

9.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	गृह विज्ञान	श्रीमती मोनिका द्विवेदी
	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	गृह विज्ञान	डॉ. प्रीति बोरा डॉ. पूजा भट्ट डॉ. ज्योति जोशी
10.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	पत्रकारिता एवं जनसंचार	श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा
11.	पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन विद्याशाखा	होटल मैनेजमेन्ट/ पर्यटन	डॉ. सुभाष चन्द रमोला प्रिया बोरा डॉ. आशीष टम्टा
12.	व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा	व्यावसायिक अध्ययन	श्री गोपाल दत्त
13.	विज्ञान विद्याशाखा	भौतिकी	डॉ. मीनाक्षी राणा, डॉ.राजेश मठपाल
14.	विज्ञान विद्याशाखा	गणित	डॉ. कमलेश बिष्ट सुश्री शिवांगी उपाध्याय
15.	मानविकी विद्याशाखा	ज्योतिष	डॉ. प्रभाकर पुरोहित डॉ. प्रमोद जोशी डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी डॉ. आशुतोष तिवारी
16.	मानविकी विद्याशाखा	संस्कृत	डॉ. नीरज कुमार जोशी डॉ. कैलाश चन्द्र भट्ट डॉ. मनोज जोशी प्रज्ञा दूबे
17.	पुस्तकालय एंवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा	पुस्तकालय विज्ञान	सुश्री प्रीति शर्मा
18.	भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा	वानिकी	डॉ. वीना तिवारी फुलारा डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा
19.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	समाज शास्त्र	डॉ. भावना डोभाल डॉ. गोपाल सिंह गौनिया
20.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	इतिहास	डॉ. एच.एस. भाकुनी विकास जोशी
21.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	राजनीति विज्ञान	मेघा वृजवाल आरूषि डॉ. लता जोशी
22.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	लोक प्रशासन	शुभांकर शुक्ला सुमित सिंह प्रमोद कुमार चन्याल
23.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	अर्थशास्त्र	डॉ. नमिता वर्मा
24.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	मनोविज्ञान	डॉ. रूचि तिवारी डॉ. भाग्यश्री जोशी सुश्री विनीता पन्त
25.	मानविकी विद्याशाखा	अंग्रेजी	नागेन्द्र सिंह गंगोला
26.	मानविकी	हिन्दी	मंगलम रस्तोगी डॉ. अनिल कार्की दिव्या तँवर

अल्पकालिक व्यवस्था के अन्तर्गत नियोजित प्रशासनिक परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शदाताओं का विवरण

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत् कार्मिक का नाम
1.	तकनीकी परामर्शदाता (डाटा प्रोसेसिंग)	परीक्षा अनुभाग	श्री नवनीत कुमार
2.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	श्री अनिल नैलवाल
3.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	सुनीता भट्ट
4.	तकनीकी परामर्शदाता ICT	ICT	विनय कुमार टम्टा
5.	कैमरामैन	ICT	विभू कांडपाल
6.	विडियो एडिटर	ICT	हरीश कुमार गोयल
7.	प्रशासनिक परामर्शदाता	मॉडल स्टडी सेन्टर	श्री विनोद विरखानी
8.	प्रशासनिक परामर्शदाता	परीक्षा अनुभाग	श्रीमती कंचन बिष्ट
9.	प्रशासनिक परामर्शदाता	देहरादून परिसर	नरेन्द्र कुमार जगूडी
10.	प्रशासनिक परामर्शदाता	शोध एवं नवाचार	राजेन्द्र जोशी
11.	प्रशासनिक परामर्शदाता	देहरादून परिसर	योगेन्द्र चन्द्र गुरूरानी

नियमित/संविदा के आधार पर सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरत कार्मिक का नाम	पद की प्रवृति
1.	नैटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर	श्री मोहित रावत	संविदा
2.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	श्री जितेन्द्र द्विवेदी, श्री राजेन्द्र गोस्वामी	संविदा
3.	हार्डवेयर इंजीनियर	श्री राजेश आर्या, श्री विनीत पौड़ियाल,	संविदा
4.	प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-2	श्री पी0एस0 परिहार	संविदा
5.	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री संजय भट्ट	संविदा
6	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री विमल कुमार	नियमित

बाह्य सेवा प्रदाता (उपनल) के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरतकार्मिक का नाम
1.	वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेटर	श्री राकेश पपनै
2.	कम्प्यूटर लिट्रेट स्टेनो	श्रीमती बबीता दास
3.	कम्प्यूटर लिट्रेट एकाउन्टेंट	श्री हर्षवर्धन लोहनी
4.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	कु0 कमला राठौर, श्री योगेश मिश्रा, श्री पंकज बिष्ट,
5.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री संतोष ढौडियाल
6.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री बसंत बल्लभ काण्डपाल, श्री चारु चन्द जोशी
7.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री गोपाल सिंह, श्री मनमोहन त्रिपाठी,
8.	डाटा एंट्री ऑपरेटर/क्लर्क टाइपिस्ट	श्रीमती मधु डोगरा, श्री अनिल कुमार पंत

9.	कम्प्यूटर ऑपरेटर,	कु. पूनम खोलिया
10.	कोऑर्डिनेटर	श्री नंदन अधिकारी, श्री मोहन चन्द्र पाण्डे,
11.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती दीपा फुलारा, श्रीमती रेखा बिष्ट,
12.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती रंजना जोशी, श्री अजय कुमार सिंह,
13.	कोऑर्डिनेटर	श्री विनय जोशी, श्री निर्मल सिंह धौनी
14.	कम्प्यूटर लिट्रेट पी0ए0,	श्री रमन लोशाली
15.	इलैक्ट्रीशियन,	श्री दिनेश पाल सिंह
16.	ड्राइवर,	श्री मनीष कुमार
17.	लैब असिस्टेंट	श्री मनीष बुंगला
18.	चतुर्थ श्रेणी कार्मिक	श्री हेमचन्द, श्री व्यास सिंह, श्री चन्द्र शेखर सुयाल
19.	क्लर्क कम टाइपिस्ट,	श्री कुन्दन सिंह
20.	कैटलागर्स,	श्री राकेश पन्त,
21.	अनुसेवक	श्री चेत बहादुर
22.	स्टोरमेट	श्री बलबन्त राम
23.	बुक लिफटर	श्री दीपक चन्द्र उप्रेती
24.	प्लम्बर	श्री देवेन्द्र प्रसाद
25.	हेल्पर	श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
26.	माली	श्री मनोज कुमार
27.	स्वच्छक	श्री दलीप
28.	चपरासी	कु. नीमा उप्रेती, श्रीमती उषा देवी, श्री कैलाश राम विश्वकर्मा, नवीन चन्द्र जोशी

विश्वविद्यालय में नियोजित विनियमित कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रानीखेत	श्री रविन्द्र कुमार कोहली
2.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की	श्री महबूब आलम
3.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून	श्री बृज मोहन सिंह खाती
4.	लिपिक	क्रय अनुभाग	श्री हेम चन्द्र छिमवाल
5.	लिपिक	अधिष्ठान	श्री राहुल बिष्ट
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री फिरोज खान
7.	लिपिक	निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं	श्री भरत नैनवाल
8.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़	श्री त्रिलोचन पाटनी
9.	वाहन चालक	कुलसचिव	श्री देवेन्द्र सिंह नेगी
10.	वाहन चालक	कुलपति	श्री मोहन चन्द्र पाण्डे
11.	वाहन चालक	वित्त नियन्त्रक	श्री शेखर उप्रेती

विश्वविद्यालय में नियोजित संविदा कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी	श्री सत्येन्द्र सिंह रावत
2.	लिपिक	परीक्षा अनुभाग	श्री मोहन चन्द्र बवारी
3.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्री दिनेश कुमार
4.	चतुर्थ श्रेणी	निदेशक मानविकी	श्री दिनेश चन्द्र फुलेरा

5.	चतुर्थ श्रेणी	कुलसचिव कार्यालय	श्री जगत सिंह बंगारी
6.	-	स्वच्छक अनुरक्षण	श्रीमती छाया देवी

बाह्य सेवा प्रदाता (ड्रेस रोजगार डॉट कॉम) के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रुप में कार्यरत कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्रीमती पूजा हेडिया
2.	लिपिक	एम0पी0डी0डी0	श्री दीपक पन्त
3.	लिपिक	परीक्षा	श्री राहुल नेगी
4.	लिपिक	परीक्षा	श्री उमाशंकर नेगी
5.	लिपिक	परीक्षा	श्री हेमचन्द्र
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री प्रमोद चन्द्र जोशी
7.	लिपिक	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	कु. दीपिका रैकवाल
8.	लिपिक	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री उमेश सिंह खनवाल
9.	योग प्रशिक्षक	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	श्री ललित मोहन
10.	लिपिक	आर0एस0डी0 / मानविकी	श्री मोहन जोशी
11.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय,उत्तरकाशी	श्री धनेश्वर नेगी
12.	लिपिक	देहरादून परिसर	श्रीमती अपर्णा कुकरेती
13.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री भुवन चन्द्र पलड़िया
14.	चतुर्थ श्रेणी	लेखा अनुभाग	श्री भीम आर्या
15.	स्वच्छक	अनुरक्षण	श्री अनिल कुमार
16.	स्वच्छक	देहरादून परिसर	श्री सतीश सिंह
17.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री धीरेन्द्र सिंह
18.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री दीपक रतूड़ी
19.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री सुरेश प्रसाद
20.	लिपिक	RTI	सुश्री लक्ष्मी धामी
21.	लिपिक	स्वागत पटल	निर्मला देवी
22.	लिपिक	क्रय अनुभाग	गोकुल चन्द्र कुशल
23.	लिपिक	योग	यशवन्त कुमार
24.	लिपिक	परीक्षा	दिव्या गोड
25.	लिपिक	स्वागत पटल	आकांक्षा रावत
26.	लिपिक	प्रवेश	पूनम पानू
27.	लिपिक	MPDD	कमल सिंह पवार
28.	लिपिक	MPDD	पूरन लाल शाह
29.	लिपिक	देहरादून परिसर	राहुल देव
30.	लिपिक	देहरादून परिसर	सुनील
31.	लिपिक	परीक्षा	माला उपाध्याय
32.	लिपिक	कुलपति आवास	गोधन सिंह
33.	लिपिक	MPDD	हीरा सिंह
34.	लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग	लीला वेलवाल
35.	लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग	नरेन्द्र पाल
36.	लिपिक	कुलपति कार्यालय	लालू प्रसाद
37.	स्वीपर	सफाइ कर्मी	अभिषेक कुमार
38.	लिपिक	MPDD	सरिता
39.	लिपिक	MPDD	शेखर चन्द्र
40.	लिपिक	SOS	अश्विनी कुटियाल
41.	लिपिक	कुलसचिव कार्यालय	अजय आर्या

42.	लिपिक	RSD	दीप्ति पांगती
43.	सुरक्षाकर्मी	कुलपति	प्रदीप कुमार मिश्रा

Appendix- X (परिशिष्ट –X)

PROGRAMMES AT A GLANCE
पाठ्यक्रम एक दृष्टि में

UNDER GRADUATE PROGRAMMES

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Bachelor of Arts (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of arts with Psychology BA-17	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Geography (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Music (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Commerce (BCOM-17)	10+2	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Business Administration (BBA-17)	10+2	3	6	English	Annual
Bachelor of Science (BSCG-17) (ZBC/ ZBF/BCF/BFG/PCM/PGM Groups)	10+2 Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Science - (BSCG-17) (PCM/PGM Group)	10+2 Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Science – (BSCG-17) Single Subject	Graduation in Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Computer Application (BCA-17)	10+2 (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme, exam fee for the subject will be charged separately) / BCAPP Lateral entry (BCA IIIrd Sem): Diploma in Computer Application / IT (DCA/DIT)/ Diploma (Polytechnic) in relevant stream	3	6	English	Semester
Bachelor of Arts (Yoga) - (BAY-17)	10+2, or equivalent Learners having diploma in Yoga and Naturopathy from UOU may take admission directly in second year	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM-17)	10+2	4	8	English	Annual
Bachelor of Arts with Mathematics - (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Arts with Mathematics & Geography - (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	English	Annual
Bachelor of Arts with Home Science – BA-17	10+2 / Equivalent	3	6	English/ Hindi	Annual
Bachelor of Special Education- (Mental Retardation) B.ed. Spl. Ed. (BEDSEMR-19)	Graduation	2.5	5	Hindi	Semester
Bachelor of Special Education- (Learning Disability) – B.Ed. Spl. Ed. (BEDSELD-19)	Graduation	2.5	5	Hindi	Semester
Bachelor of Education – B.Ed.					

POST GRADUATE PROGRAMMES

Programme Name & (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		

Master of Computer Application (MCA-17)	Graduation in any stream (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: MCA IIIrd SEM: BCA/BSc (CS/IT), A Level from DOEACC, PGDCA, MCA Vth Semester: MSc (IT/CS)	3	6	English	Semester
Master of Arts (Geo Informatics) MA (Geo Informatics) (MAGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Semester
Master of Science (Geo Informatics) M.Sc. (Geo Informatics) (MSCGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Semester
Master of Science (Cyber Security) M.Sc. (Cyber Security) MSCCS-18	Graduation (Science/IT) Lateral entry: DOEACC A level? PGDCA/PGD in Cyber security B.E or B.TECH in Computer Science & Engineering	2	4	English	Semester
Master of Science (Information technology) M.Sc. (Information Technology) MSCIT-17	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level	2	4	English	Semester
Master of Information Technology (MSCIT-17)	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level. However, candidates not having Mathematics at 10+2 level or Graduation level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: B.Tech./B.E./A-level from DOEACC after graduation / PGDCA and graduation	2	4	English	Semester
M.A. Education (MAED-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Economics) MA (Economics) MAEC-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (History) MA (History) MAHI-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi h	Semester
Master of arts (Political Science) MA (Political Science) MAPS-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Public Administration) MA (Public Administration) MAPA-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Sociology) MA (Sociology) MASO-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Scial work MA (Social work) MSW-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Psychology) MA (Psychology) MAPSY-18	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Hindi) MA (Hindi) MAHL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (English) MA (English) MAEL-17	Graduation in any stream	2	6	English	Semester
Master of Arts (Sanskrit) MA (Sanskrit) MASL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
MASTER OF ARTS (JYOTISH) MA (JYOTISH) MAJY-18	Graduation in Jyotish/ Shastri or Shastri (Hon's) in Jyotish or equivalent	2	6	Hindi	Semester
Master of Performing Arts (Music) MPAM-19	बी0ए0 संगीत विषय की संबंधित विधा जैसे गायन,तबला आदि के साथ या बीएससी/बी.कॉम/ बीए संगीत विषय के बिना स्नातक डिग्री के समकक्ष कोई उपाधि के साथ स्नातक के समकक्ष डिप्लोमा जैसे भातखण्डे संगीत विद्यापीठ लखनउ का संगीत विशारद/ प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद का संगीत प्रभाकर/ अखिल भरतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल मुंबई का संगीत विद आदि।	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Yoga) MA (Yoga)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Home Science) MA (Home Science)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Journalism) MA (Journalisim)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Tourism and Travel Management (MTTM-17)	Graduation in any stream	2	4	English	Semester
Master of Buisness administration MBA MBA-17	50% Marks at Graduate or post Graduate level or 45% at graduate or Post graduate level along with 2 Years of supervisory/ managerial/Professional/teaching experience after	2	4	English	Semester

	completing graduation or Post graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student) 5% relaxation for reserve category) Admission through entrance test conducted by the university/ MAT/ CAT score				
Master of Commerce M.Com MCOM-17	B.Com	2	6	Hindi	Semester
Master of Science (BOTANY) MSCBOT-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Science (CHEMISTRY) MSCCH-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Science (PHYSICS) MSCPHY-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Arts (MATHEMATICS) MAMT-19	10+2+3 (Must have Mathematics as a Subject in BA)	2	6	English	Semester
Master of Science(MATHEMATICS) MSCMT-19	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Science (ZOOLOGY) MSCZO-19	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Science (ENVIRONMENTAL SCIENCE) MSCES-19	Graduation in any Science discipline	2	6	English	Semester
Master of Arts (Geography) MAGE-19	Graduation in any Subject	2	6	Hindi	Semester
Master of Science (Geography) MSCGE-19	Graduation in any Subject	2	6	Hindi	Semester
PG Programmes where admissions are carried out through entrance examination (M.B.A.)					
Master of Business Administration (MBA-17)	50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at Graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial/ professional/ teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category).Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score	2	4	English	Semester
POST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES					
Programme Name & (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Annual
PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17)	Graduation in any subject	1	3	English / Hindi	Annual
PG Diploma in Cyber Law (PGDCL-17)	Graduation in any stream	1	3	English-Hindi	Annual
PG Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Broadcast Journalism & New Media (PGDBJ-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Cyber Security PGDCS-17	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma Programmes where admissions are carried out through entrance examination (PGDMM, DIM and PGDHRM)					
PG Diploma in Marketing Management (PGDMM-17)	50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT /CAT score	1	3	English	Semester
PG Diploma Human Resource Management (PGDHRM-17)		1	3	English	Semester
Diploma in Management (DIM-17)	50% Marks at graduation or at post graduation level or 45% at graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial / professional / teaching experience after completing graduation or	1	3	English	Semester

	post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT/ CAT score				
DIPLOMA PROGRAMMES					
Programme Name (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Commercial Horticulture (DCH-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Yogic Science (DYS-17)	10+2 or equivalent	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Management of Non-wood Forest Products (DMNWFP-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Phalit Jyotish (DPJ-17)	10+2 or Certificate in Jyotish	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Vastu Shastra (DVS-20)	10+2 or Certificate in Vastu	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Hotel Management (DHM-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Tourism Studies (DTS-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Information Technology(DIT-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Vadic Karmkand (DVK-17)	10+2	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Right to Information	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Hospitality Adminstration	10+2	1	4	English	Annual
D.Voc. (Digital Marketing & Management) – DVDMM-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
D.Voc.(soft Skill & E-Office Management)- DVEOM-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
D.Voc.(Technology Enabled Education)- DVTEE-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
DMA-21 Diploma in Medical Astrology	12th Pass or Equivailent	1	3	Hindi	Yearly
CERTIFICATE PROGRAMMES					
Programme name (code)	**Eligibility**	**Duration (yrs)**		**SLM**	**Mode of exam**
		Min	**Max**		
Certificate in Organic Farming (CCOF-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Geo Informatics (CGIS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Computer Application (CCA17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in e-Governance and Cyber Security (CEGCS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Yogic Sciences (CYS-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate in Naturopathy (CIN-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate Course in Office Management (CCOM-17)	10th pass	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Vedic Karmkand (CVK-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Phalit Jyotish (CPJ-17)	10th	½	2	Hindi	Semester

Certificate in Sanskrit Language (CSL-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Panchayati Raj (CCPR-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Memory Enhancement (CME-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate Programme in Japanese Language (CPJL-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur CAM-17	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Food & Nutrition CFN-18	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Web Designing & Deveploment CWBD-18	10+2	½	2	Hindi English	Semester
Certificate in Right to Information CRTI -17	10+2	½	2	English	Semester
Foundation Course in Special education FC-SEDE	10+2 or in Service Teacher	3	12	Eng./Hindi	Semester
Certificate in Banking Insurance Law (CBIL-19)	Graduation in any Stream	1/2	2	English	Semester
Certificate in Human Rights (CHR-19)	Graduation in any Stream	1/2	2	English	Semester
Certificate in Non-wood Forest Products CNWFP-20	10+2	0.5	1.5	English	Semester
C.Voc. (Web Designing & Development) – CVWDD-19	10th Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc. (Digital Marketing & Management) – CVDMM-19	10th Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc.(soft Skill & E-Office Management)- CVEOM-19	10th Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc.(Technology Enabled Education)- CVTEE-19	10th Pass or Equivelent	6	2	English	Semester

Appendix- XI (परिशिष्ट –XI)

क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centres)

S. No	Regional Centre	Code	Regional Director	Address	Contact No.	E-mail
1	Dehradun	11	Dr. Sandeep Negi	Sri Guru Ram Rai Post Graduate College (SGRR PG College), Patthribagh, Dehradun, India, Dehradun, Uttarakhand 248001	9412031183 0135-2720027	dehradun@uou.ac.in
2	Roorkee	12	Dr. Rajesh Chandra Paliwal	B.S.M. P.G. COLLEGE, Railway Road, Roorkee-247667 Disst. Haridwar(Uttarakhand)	919412439436 01332-274365	roorkee@uou.ac.in
3	Pauri	14	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B.Garhwal Central University, Pauri Campus, City - Pauri, PIN – 246001	9412960687 01368-223308	pauri@uou.ac.in
4	Uttarkashi	15	Dr. Suresh Chandra	Ram Chandra Uniyal Government Post Graduate College, Uttarkashi Tehsil- Bhatwari Uttarkashi - 249193	01374-222004 9557557880	uttarkashi@uou.ac.in
5	Haldwani	16	Dr. Rashmi Pant	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani - 263139	9411162527 05946-284149	haldwani@uou.ac.in
6	Ranikhet	17	Dr. Yogendra Chandra Singh	Government (PG) College Ranikhet, District Almora – 263647,	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
7	Pithoragarh	18	Dr. Bipin Chandra Pathak	L.S.M. Government PG College, Post office- Degree College, Pithoragarh, Dist- Pithoragarh PIN – 264015	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
8	Bageshwar	19	Dr. B.C Tiwari	Government PG College, Tehsil & Distt. - Bageshwar, PIN – 263642 (Uttarakhand)	9412044914 05963-221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix XII (परिशिष्ट –XII)

अध्ययन केंद्रों की सूची (List of Study Centres)

Region: Dehradun (11)

Sl.No	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	11000	UOU Model Study Center	C-27, THDC Colony, Ajabpur Kalan, Near Bangali Kothi chowk, Doon University, Road, Dehradun, PIN – 248001	Sh. Narendra Jaguri (7500418040)
2.	11017	Uttaranchal Ayurvedic College	17, Old Mussorie Road, Rajpur, Dehradun, PIN – 248009	Dr. Akshay Kumar Gaur (9837290962)
3.	11020	SGRR PG college	Pathribagh, Dehradun, PIN – 248001	Dr. Harshvardhan Pant (7055990555, 9760696596)
4.	11112	VSKC Govt. Degree College	Dakpather, Dehradun, PIN – 222481	Dr. Rakesh Mohan Nautiyal (7895655228)
5.	11113	Uttaranchal Institute of Hospitality Management and Tourism Dehradun	Ghar Vihar Phase 2, Mohakampur, Dehradun, PIN – 248001	Sh. Sanjay Joshi (9568955464)
6.	11115	D.D. College Nimbuwala	25, Nimbuwala, Dehradun, PIN – 248003	Sh. Jitesh Singh (9936794929)
7.	11125	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College	Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201	Dr Ved Prakash (9760923214)
8.	11126	M.P.G .College Mussoorie	Mussoorie, Distt. Dehradun, PIN – 248179	Sh. Anil Khanduri (9412931825, 8476087862)
9.	11127	Universal Institute Professional Studies	102 Taj Complex, Ambedkar Chowk, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201	Sh. Kushal Bisht (9897788008)
10.	11128	Government Degree College Raipur	Maldevta, Raipur, Dehradun, PIN – 248001	Dr. Ashish Kumar Sharma (9719713300)
11.	11130	Sardar Mahipal Rajendra Degree College	Sahiya, Tehsil Kalsi, Distt. Dehradun, PIN –248196	Dr. Pushpa Jhaba (9758143298)
12.	11131	Universal Gairola Tourism & Technical Excellency (UGTE)	Near Nepali Farm Tiraha, Dehradun Road Village Khairi Khurd, Shyampur , Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249204	Dr. Surendra Prasad Rayal (9897761496)
13.	11132	Rishikesh Yog Dham Sansthan	Tapovan, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249192	Dr. Vijendra Prasad Kaparwan (9837973458)
14.	11133	Institute of Technology & Management	60 Chakrata Road Dehradun, PIN – 248001	Sh. Ashutosh Uniyal (9634796551)
15.	11134	Government Degree College Pawki Devi	Pawki Devi, Tehri Garhwal, PIN – 249192	Dr. Sangeeta Bahuguna (9412110268, 8218809617)
16.	11135	Mahayogi Gurugorakhnath Degree College Bithyani	Bithyani (Yamkeshwar), Chai Damrada, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246121	Sh. Ram Singh Samant (7409150642)
17.	11136	Sri Gulab Singh Rajkiya Mahavidyalaya Purodi	Mussoorie Road, Chakrata, Distt. Dehradun Pin - 248123	Dr. Sunil Kumar (9639830380)
18.	11137	Jagannnath Vishwa College	Majri Grant, Lal Tapper, Doiwala, Distt. Dehradun, PIN – 248140	SH. Vikram Singh (9997221256 , 7055661122)
19.	11138	S D M Government Post Graduate College	Bhaniyawala, Doiwala Distt. Dehradun, Pin – 248001	Dr. Sumit Kumar Kuriayal (9456556249)
20.	11139	Nav Chetna College	Near Bala Sundari Temple, Manduwala, Dehradun, Pin – 248007	Shri Deepak Badoni (7895929760)
21.	12036	Omkarananda Institute of Management & Technology	Swami Omkaran and Saraswati Marg, Muni ki Reti, P.O. Shivananda	Mr. Naveen Dwivedi (9012578030; 0135-2431920, 2442085)

			Nagar, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249192	
22.	11112	VSKC Govt. Degree College	Dakpather, Dehradun, PIN – 222481	Dr. Rakesh Mohan Nautiyal (7895655228)

Region: Roorkee (12)

S. No.	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	12002	HEC PG College	Kanya Gurukul, Campus, Near Chhoti Nehar, Kankhal, Haridwar, PIN – 249408	Sh. Tara Singh (9358222796)
2.	12008	BSM PG College Roorkee	Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247 667	Sh. Rajnish Sharma (9837006200)
3.	12011	RMP PG College Roorkee	Gurukul Narsan, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247670	Dr. Savendra Singh (9412465331)
4.	12012	Chaman Lal Degree College Landhaura	Landhaura, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Dr. Sushil Upadhyay (9997998050)
5.	12020	Vidhya Vikasini Degree College of Management & Technology	Gurukul Narsan , Haridwar, PIN – 247670	Dr. Priya Chaturvedi
6.	12034	Kunti Naman Degree College	NH-58, Near Patanjali Yogpeeth Phase –II, Bhadedi, Rajputan, Roorkee, Distt. Haridwar	Sh. Narendra Kumar (9719925486)
7.	12036	Omkarananda Institute of Management & Technology	Muni ki reti, via- Rishikesh, post- Shivanand nagar, city, Rishikesh, dist.- Tehri, garhwal- 249192	-
8.	12042	Government P.G College Kotdwar	Kotdwar, Distt- Pauri Garhwal PIN – 246149	Dr. Praveen Joshi (Coordinator) (9412025727)
9.	12047	Roorkee Divya Yog Sanshthan	Chudiyala Road, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar	Mr. Amit Kumar (9837179363)
10.	12058	Sai Institute	Govindpuri, Haridwar, Distt. Haridwar, PIN – 249401	Sh. Sanjeev Sharma (9368421419)
11.	12061	Mohini Devi Degree College	Iqbalpur Road, Asaf Nagar (Near Shastri Puram), Roorkee, Distt. Haridwar, Pin – 247667	Ms. Maneesha Singhal (8445003279)
12.	12076	Mahendra Singh Degree College	Budhwa Shahid, Buggawala, Haridwar	Dr. Roma (9760810025)
13.	12078	Government Degree College	Manglour, Near Manak Chowk, Distt. Haridwar	Dr. Anurag (9690423852)
14.	12079	Hariom Saraswati P.G. College	Dhanauri, Distt. Haridwar	Dr Sharad Kumar Pandey (9012271593)
15.	12080	H E C Group of Institutions	Laksar Road Jagjeetpur Haridwar, PIN – 249408	Dr. Mausmi Goel (9358222793)
16.	12081	Jhanvi Ayurveda Evam Yog Sansthan	Haripur Kalan, Near Prem Vihar Chowk, Haridwar, Pin – 249410	Sh. Manoj Sharma (9411450656)
17.	12082	Sita Ram Degree College	Sunhera, Roorkee, Distt. Haridwar Pin – 247667	Sh. Arvind Vedwan (9557555776)
18.	12083	Rishi Yog Sansthan	Purvi Nath Nagar, Jwalapur, Haridwar, Pin – 249407	Sh. Vishal Mahindru (7417883329)
19.	12084	Pherupur Degree College	Pherupur (Ramkhera) Distt. Haridwar, Pin – 249404	Sh. Naveen Kumar (7533879579)
20.	12085	Swami Vivekanand College of Education	Matlabpur, Near Guru Ram Rai Public School, Dehradun Road Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Dr. Sushil Bhadula (9027571658)
21.	12086	Uttarakhand Sanskrit Academy	Ranipurjhal, Jwalapur, Distt. Haridwar, PIN – 249407	Dr. Harish Chandra Gururani (9837149064)
22.	12087	Mahaila Maha Vidhyalaya P.G. College	Satikund, Kankhal, Distt. Haridwar, PIN – 249404	Dr. Meenakshi Gupta (8126806863)
23.	12088	Uttarakhand Sanskrit University,	Bahadrabad, Haridwar- Uttarakhand	Dr. Manoj Kishor Pant 7983706560

24.	12089	Govt. Degree college, luxer	Dist.- Haridwar, Uttarakhand, 247663	Dr. Anjni Prasad Dubey 9453515020
25.	12090	Govt. Degree College,	Kanvaghati, kotdwar, vill- Luthapur, post-kalaghati, Kotdwar, 246149	

Region: Pauri (14)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	14003	Government Degree College	Degree College Vedikhal (Pauri Garhwal)	Dr. Avtar Singh Negi (8755882229)
2.	14005	Govt. P.G. College Lansdowne	Lansdowne (Pauri Garhwal), Jaiharikhal, PIN – 246193	Dr. Diwakar Chandra Bebni (9410114009)
3.	14009	H.N.B. Garhwal Central University Campus	Srinagar, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246001	Dr. M C Purohit (7055397380)
4.	14018	Government PG College, Agastyamuni	Agastyamuni, Distt. Rudraprayag, PIN – 246421	Dr. L D Gagrya (9412935904)
5.	14046	Govt. Degree College Chandrabadni	Chandrabadni, Jamnikhal, Tehri Garhwal (Naikhari) PIN - 249112	Dr. Pratap Singh Bisht (9639424193)
6.	14047	Govt. Degree College Nagnath Pokhari	Nagnath Pokhari, Distt. Chamoli, PIN – 246473	Dr. Sanjeev Kumar Juyal (9412115761)
7.	14048	Than Singh Rawat Govt Degree College	Nainidanda Patotia, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246277	Dr. Vivek Kumar Kedia (8755614449)
8.	14049	Government Degree College Thalisain (Pauri)	Thalisain Patti, Choprakot, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246285	Dr. Jagsish Chandra Bhatt (9411319412)
9.	14050	Government Degree College Chaubattakhal	Chaubattakhal, Chamnau Post, Garhwal, Pin – 246162	Dr. Praveen Kumar Dhobal (9690636549)
10.	14051	Government Degree College Mazra Mahadev	Mazra Mahadev, Sunar Gaon, Chaura, Distt. Pauri Garhwal, PIN - 246130	Dr. Rakesh Chandra Joshi (9760785039)
11.	14052	Shri Gangadhar Maithani govt. degree College,	GuptKashi, Dist.- Rudraprayag, 246439	
12.	14053	Govt. Degree College,	Kaljikhal, Dist.- Pauri, 246146	

Region: Uttarkashi (15)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	15016	RCU Govt. P.G. College Uttarkashi	Near Azad Maidan/ Police Kotwali, Uttarkashi, PIN – 249193	Dr. Devendra Dutt Painuly (9410781617)
2.	15024	P.S.B. Govt. Degree College Lambgaon	Lambgaon, Pratapnagar, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249165	Dr. Bharat Singh Chufal, 9557661778
3.	15027	Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot	Barkot, Distt. Uttarkashi, PIN – 249193	Dr. Vijay Bahuguna (9456300001)
4.	15028	Government Degree College Thatyur	Thatyur, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249180	Dr. Kunwar Singh (7895435281)
5.	15029	Government Post Graduate College New Tehri	New Tehri, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249001	Dr. D P S Bhandari (9412921719)
6.	15030	B L J Govt. Degree College Purola	Purola, Distt. Uttarkashi, PIN – 249185	Sh. Krishna Dev Raturi (9639825252)

Region: Haldwani (16)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	16000	UOU Model Study Centre, Open University, HQ	University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Dr. Dinesh Kumar (9837875234)

2.	16003	Amrapali Institute of Applied Sciences	Shiksha Nagar, Lamachaur, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Pankaj Pandey (7055500715)
3.	16022	PNG Government PG College	Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715	Dr. Kiran Kumar Pant (9410779508)
4.	16023	S.B.S Government P.G College	Fazalpur Mahraula, Rampur Road, Distt. U.S Nagar, PIN - 263153	Dr. Harish Chadra (997803455)
5.	16034	M.B.P.G College	Nainital Road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Dr. Rashmi Pant (9411162527)
6.	16047	Renaissance College of Hotel Management & Catering Techonology	Basai, Peerumadara, Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715	Mr. Jitendra Joshi (9927083058)
7.	16052	Radhey Hari Government Degree College Kashipur	Kashipur, Distt. U.S Nagar, PIN – 244713	Dr. Mahipal Singh (9412518666, 7830587872)
8.	16071	Govt. Degree College Kotabagh	Selsiya, Chak Dhauladi , Kotabagh, Distt. Nainital, PIN – 263159	Dr. H. C Joshi (9456780252)
9.	16072	Pt. Poornand Tiwari Government Degree College Doshapani	Pokhrad, Dhari, Distt. Nainital, PIN – 263136	Dr. R S Bhakuni (9412364210)
10.	16090	H.N.B. Govt. PG College	Near Telephone Exchange, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308	Dr. Ashutosh Kumar (9412986341)
11.	16097	Pal College of Technology and Management	RTO Road Kusumkhera, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Mr Bhanu Bisht (8477973333)
12.	16101	Govt. Degree College Banbasa	Banbasa, Chandani, Tanakpur, Distt.- Champawat, PIN – 262310	Dr. B N Dixit (9473900123, 9410101810)
13.	16104	Ayurvedic College	Panchayat Ghar, Rampur road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Vimal Katiyar (9897110510)
14.	16116	Govt. Degree College Tanakpur	Tanakpur,Distt- Champawat, Pincode-262309	Dr. Sunil Kumar Katiyar (8126222894)
15.	16117	Indira Priyadarshni Govt. P G Women Commerce College	Nawabi Road, Haldwani, Distt – Nainital, PIN – 263139	Dr. Fakeer Singh (9412504182)
16.	16118	Govt. Degree College Sitarganj	Sisouna, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262405	Dr. Rajvinder Kaur (8279688114)
17.	16119	R.L.S Memorial Degree College Jaspur	NH-74, Afzalgarh Road Kishanpur Teh-Jaspur	Mohd. Salim (7351986736)
18.	16120	Govt. P G College Rani Nangal	Rani Nangal, Fauzi Colony, Bazpur, Distt. Udham Singh Nagar	Dr. Satya Prakash Sharma (9412929795)
19.	16121	Dr. Sushila Tiwari Private degree College	Chintimazra, Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar	Dr. Shivendra (9634246369)
20.	16122	Government Degree College Patlot	Patlot, Distt. Nainital	Dr. Abha Tripathi (8126487969)
21.	16123	Lal Bahadur Shastri Government Degree College	Halduchaur, Haldwani, Distt. Nainital, Pin – 263139	Dr. Sunil Pant (9412017307)
22.	16125	MIET Kumaun Engineering College	Lamachaur, Haldwani , Distt. Nainital Pin – 263139	Sh. Tarun Kumar (9720615304)
23.	16126	Devsthali Vidyapeeth (Department of Professional Education)	Kachchi Khamariya, Lalpur, Kichcha Rudrapur Road Rudrapur, Distt. Udham Singh Nagar, PIN -263148	Sri Gurpreet Singh (9917130150)
24.	16127	Aman Education Trust (Educity Institute)	Majhola, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308	Sh. Jagjeet Singh (9719595193)
25.	16128	Govt. Degree College, Kichha	Kichha, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 263148	Dr. Naresh Kumar (9412451665, 7454859510)
26.	16129	Goct. Degree College	Maldahanchaur, tehsil- Ramnagar, Dist.- Nainital, 244713	Sri Manoj Kumar 8006781086

Region: Ranikhet (17)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	17007	Govt. P.G. College Ranikhet	Ranikhet, Distt. Almora, PIN – 263645	Dr. J S Rawat (9410958526)
2.	17013	Govt. P.G. College Dwarahat	Dwarahat, Distt. Almora, PIN – 263653	Dr. Nazish Khan (9897443821)
3.	17030	Government Degree College Karanprayag	Karanprayag, Distt. Chamoli, PIN – 246444	Dr. Ramesh Chandra Bhatt (9456153590)
4.	17059	Government Degree College Bhikiyasen	Bhikiyasen, Ranikhet Sadar Bazar	Dr. Kamal Kishore (9760433632)
5.	17062	Govt. Degree College Chaukhutia	Chaukhutia (Ganai) Distt. Almora, PIN – 263656	Dr. Siraz Ahmad (9917314786)
6.	17063	Government Degree College Gairsain	Gairsain, Distt. Chamoli, Pin – 246428	Dr. Ram Chandra Singh (7895973342)
7.	17065	Govt. Degree College Bhatronjkhan	Bhatronjkhan, Distt. Almora, PIN – 263646	Dr. Ajay Kumar (7500938912)
8.	17066	S.R.D.U. government P.G. College	Manila, Distt. Almora, PIN – 263667	Dr. Yogesh Chandra (7248455032)
9.	17067	Government Post Graduate College Siyalde	Siyalde, Distt. Almora, PIN – 263667	Dr. Gokul Singh Satyal (9410184248)
10.	17068	Government Post Graduate College Gopeshwar	Gopeshwar, Distt. Chamoli, PIN – 246401	Dr. Akhilesh Kukreti (9528021480)
11.	17069	Kumaun University S.S.J. Campus	Almora, Distt- Almora, PIN – 263601	Prof. P S Bisht (9412092013)
12.	17070	Shri Ram Singh Dhoni Government Degree College	Jainti, Distt. Almora, PIN – 263626	Prof. Neeta Pande (9412084016)
13.	17071	Hukum Singh Bora Govt. Degree College	Someshwar, Distt. Almora PIN – 263637	Dr. Chandra Prakash Verma
14.	17072	Government Degree College Nandasain	Malai, Distt. Chamoli, PIN – 246487	Dr. Amar Chand Vishwakarma
15.	17073	Government Degree College Gurudabaj	Gurudabaj, Tehsil Bhanoli, Distt. Almora, PIN – 263623	Dr. Manju Chandra (9410309610)
16.	17074	Govt. Degree College	Masi, Almora	Dr. Sanjeev Kumar Asst. Professor
17.	17075	Govt. Post graduate college	Joshimath, Dist.-Chamoli, 246443	Sri Nandan Singh Rawat 7500042842

Region: Pithoragarh (18)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	18002	L .S. M. Govt. P.G. College Pithoragarh	Pithoragarh ,Distt. Pithoragarh, PIN – 262502	Dr. Jeevan Singh Garia (9412344737)
2.	18004	Govt. P.G. College Narayan Nagar	Narayan Nagar, Distt. Pithoragarh, PIN – 262550	Dr. Pramod Kothari (9412093637)
3.	18011	Govt. P.G. College Lohaghat	Chori, Lohaghat, Distt. Champawat, Pin – 262524	Dr. Dharmendra Rathor (9412032748)
4.	18029	Govt. Degree College Champawat	Fulara Gaon, Champawat, Distt. Champawat, PIN – 262523	Dr. B P Oli (9412042292)
5.	18031	Govt. Degree College Dharchula	Baluwakote, Dharchula, Distt. Pithoragarh, PIN – 262576	Dr. Jagat Singh Kathayat (9412952139)
6.	18032	Govt. PG College Berinag	Berinag, Distt. Pithoragarh, PIN–262531	Dr. J N Pant (9756536121, 9411347657)

7.	18033	Govt. Degree College Gangolihat	Gangolihat, Distt. Pithoragarh, PIN–262522	Dr. Shashi Pratap Singh (7248508011, 9453466892)
8.	18035	Govt. Degree CollegeGanai Gangoli	Ganai Gangoli, Distt. Pithoragarh, PIN – 262532	Dr. Munish Kumar Pathak (9690770069)
9.	18036	Govt. Degree College Muwani	Muwani, Distt. Pithoragarh, PIN – 262572	Dr. Ashish Kumar Gupta (9336076924, 8392897587)
10.	18037	Govt. Degree College Amodi	Amodi, Distt. Champawat, PIN – 262523	Dr. Sanjay Kumar (9412943265)
11.	18038	Government Degree College Munsyari	Munsyari, Distt. Pithoragarh, PIN – 262554	Dr. Pradeep Mandol (9091949198)
12.	18039	Government Degree College Devidhura	Kanvad, Devidhura, Distt. Champawat, PIN – 262580	Dr. S K Singh (8006759831)

Region: Bageshwar (19)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	19001	Govt. P.G. College Kathayatbara	Kathayatbara , Distt. Bageshwar, PIN - 263642	Dr. Lalit Mohan (9410965615)
2.	19016	Late Chandra Singh Shahi Govt. Degree College Kapkot	Ason, Kapkot, Distt. Bageshwar, PIN – 263632	Dr. Munna Joshi (9690114546)
3.	19022	Govt. Degree College Kanda	Kanda, Distt. Bageshwar, PIN - 263631	Prof. Dinesh Joshi (8755086027)
4.	19023	Govt. PG College Talwari	Talwari, Tharali, Distt. Chamoli, PIN – 246482	Sh. Shankar Ram (7017143861, 9456175089)
5.	19024	Govt. Degree College Garur	Garur, Distt. Bageshwar, Pin – 263641	Dr. Awadesh Tiwari (9997575114)

क्रम संख्या - 137 (ख)

पंजीकृत संख्या– यू.ए./डी.एन.-30/03
लाइसेन्स टू पोस्ट विदाउट प्रीपेमेन्ट

उत्तरांचल शासन

सरकारी गजट , उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई.

कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 608/विधायी एवं संसदीय कार्य/ 2005

देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना

विविध

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।"

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)